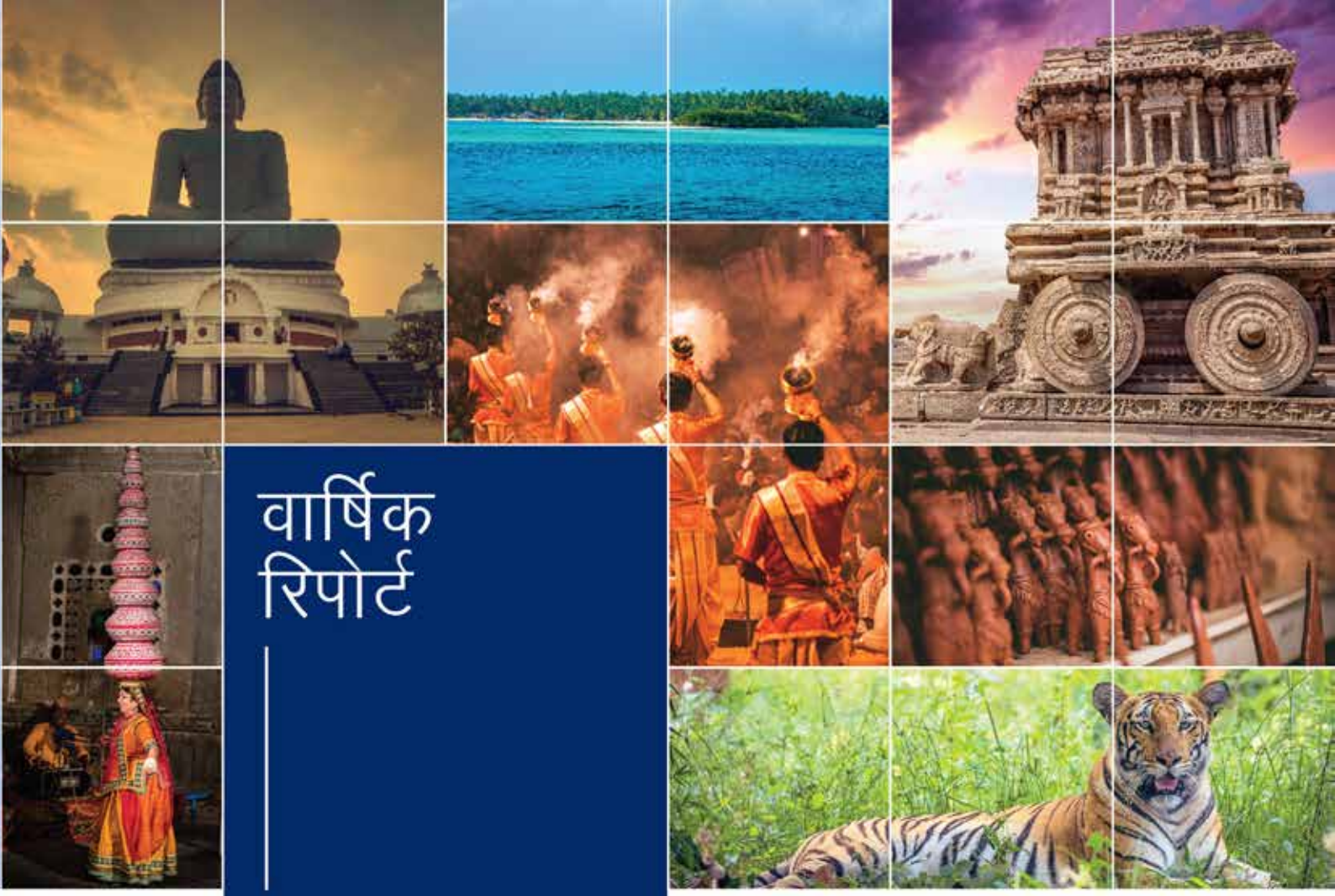

वार्षिक रिपोर्ट

2022-23

सत्यमेव जयते

पर्यटन मंत्रालय
भारत सरकार

G20 भारत 2023 INDIA

Azadi Ka Amrit Mahotsav

अतुल्य!भारत
Incredible!India

वार्षिक रिपोर्ट

2022-23

सत्यमेव जयते

i ;VUk e«kkYk ;

भारत सरकार

fo"k; lwph

vè;k; la[;k	'kh"kd	i"B la[;k
01	पर्यटन – सिंहावलोकन	05
02	पर्यटन मंत्रालय और इसके कार्य	17
03	पर्यटन मंत्रालय – भूमिका, सहक्रिया और अभिसरण	27
04	स्वदेश दर्शन	33
05	प्रशाद	75
06	केंद्रीय एजेंसियों को सहायता	93
07	निश पर्यटन	101
08	होटल एवं यात्रा व्यापार	121
09	मानव संसाधन विकास	147
10	प्रचार एवं विपणन	165
11	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	183

vè;k; la[;k	'kh"kd	i"B la[;k
12	भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड	193
13	सांख्यिकी, सर्वेक्षण और अध्ययन	215
14	घरेलू कार्यालय	225
15	पूर्वोत्तर क्षेत्र, जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख – विशेष बल	245
16	लैंगिक समानता	249
17	कल्याणकारी उपाय	253
18	सतर्कता	257
19	विभागीय लेखांकन संगठन	261
20	लेखापरीक्षा की महत्वपूर्ण टिप्पणियां	269
21	राजभाषा हिंदी का प्रगामी प्रयोग	273
22	स्वच्छ भारत मिषन	279

vè;k;

01

i;Vu & Çlgkoykdu

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

vè;k;

01.

i;Vu –
çlgkoykdu

1-1 आर्थिक पावरहाउस के रूप में पर्यटन क्षेत्र का बढ़ता प्रभाव और विकास के साधन के रूप में इसकी क्षमता अकाट्य है। पर्यटन क्षेत्र न सिर्फ विकास की अगुवाई करता है, बल्कि बड़े पैमाने पर विभिन्न प्रकार के रोजगार सृजित करने की अपनी क्षमता के साथ लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार लाता है। यह पर्यावरण संरक्षण का समर्थन करता है, विविध सांस्कृतिक विरासत की हिमायत करता है और दुनिया में शांति को सुदृढ़ बनाता है।

1-2 भारत में पर्यटन को मजबूत बनाना और सुगमता प्रदान करना पर्यटन मंत्रालय का मुख्य उद्देष्य है। पर्यटन अवसंरचना में वृद्धि करना, वीजा व्यवस्था को सरल बनाना, पर्यटन सेवाप्रदाताओं की सेवाओं में गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करना, पूरे वर्ष अनुकूल पर्यटक गंतव्य के रूप में देश को प्रदर्शित करना, स्थायी पर्यटन का संवर्धन आदि कुछ ऐसे नीतिगत क्षेत्र हैं जिन पर निरंतर काम करने की आवश्यकता है ताकि भारत में पर्यटन को बढ़ाया जा सके तथा सुगम बनाया जा सके।

1-3 इनबाउंड पर्यटन के साथ–साथ घरेलू पर्यटन आर्थिक विकास के प्रमुख प्रेरक के रूप में उभरा है। वर्ष 2022 में, भारत ने पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 305.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6.19 मिलियन (अनंतिम) विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) दर्ज किया, जिससे 106.77 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,35,543 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा आय (एफईई) प्राप्त हुई है (अनंतिम अनुमान)। इसके अलावा, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों और पर्यटन मंत्रालय के पास उपलब्ध अन्य जानकारी के अनुसार, वर्ष 2021 के दौरान देश भर में घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) की संख्या 677.63 मिलियन थी।

1-4 रोजगार पर उल्लेखनीय प्रभाव के साथ पर्यटन क्षेत्र सबसे तेजी से बढ़ने वाले आर्थिक क्षेत्रों में से एक है और यह संबंधित क्षेत्रों के कार्यकलापों पर गुणक प्रभाव के साथ क्षेत्रीय विकास को गति देता है। आर्थिक रूप से उन्नत राज्यों में घरेलू पर्यटन पर्यटन के विकास का उत्प्रेरक बन गया है। यह सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के लिए संसाधन जुटा सकता है और इसमें सतत विकास के लक्ष्यों में सकारात्मक योगदान देने की बड़ी क्षमता है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा किए गए अध्ययन, तीसरे पर्यटन सैटेलाइट अकाउंट (टीएसए) के अनुसार, 2020–21 के दौरान भारत में पर्यटन से जुड़ी नौकरियों का अनुमानित हिस्सा 12.91 प्रतिशत है।

1-5 इनबाउंड पर्यटन को बढ़ाने के लिए सुविधाजनक वीजा व्यवस्था पहली आवश्यकता है। पर्यटन मंत्रालय इसे हासिल करने के लिए गृह मंत्रालय और विदेष मंत्रालय के साथ पहल करता है। दिसंबर, 2022 तक की स्थिति के अनुसार, 5 उप श्रेणियों यानी 'ई–पर्यटक वीजा', 'ई–व्यवसाय वीजा', 'ई–चिकित्सा वीजा', 'ई–चिकित्सा सहयोगी वीजा' और 'ई–सम्मेलन वीजा' के अंतर्गत 165 देषों के नागरिकों को ई–वीजा की सुविधा प्रदान की गई है। इसमें शामिल किया गया नवीनतम देश टोगो है। ई–वीजा 29 नामित हवाईअड्डों और 5 नामित समुद्री पत्तनों के माध्यम से प्रवेश के लिए मान्य है।

1-6 वीजा शुल्क को तर्कसंगत बनाया गया है और इसे काफी कम किया गया है । ई–पर्यटक वीजा शुल्क घटाकर 5 वर्षों के लिए 80 अमेरिकी डॉलर, 1 वर्ष के लिए 40 अमेरिकी डॉलर और एक माह के पर्यटक वीजा का शुल्क मंदी की अवधि के लिए 10 अमेरिकी डॉलर और व्यस्ततम अवधि के लिए 25 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया है।

1-7 देश में पर्यटन अवसंरचना के निर्माण के लिए पर्यटन मंत्रालय की दो प्रमुख योजनाएं हैं जिन्हें वर्श 2014–15 के दौरान शुरू किया गया है, अर्थात स्वदेष दर्शन – थीम आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास और प्रशाद – ऐतिहासिक स्थलों और विरासत शहरों सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए तीर्थस्थल जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान।

1-8 पर्यटन मंत्रालय ने देश में थीम आधारित पर्यटक परिपथों के एकीकृत विकास को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2014–15 में स्वदेश दर्शन योजना षुरू की थी। 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र के साथ, इस योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 नाम से नया रूप दिया गया है। मंत्रालय ने इस योजना की शुरुआत से लेकर अब तक इसके तहत 13 थीमों के अंतर्गत 5315.59 करोड़ रुपये की संशोधित स्वीकृत लागत के साथ 76 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है और 4734.11 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं (31 दिसंबर, 2022 तक)।

1-9 प्रशाद योजना के तहत, विकास के लिए वर्तमान में 31 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में 73 गंतव्यों की पहचान की गई है। योजना की श् ाुरुआत से लेकर अब तक परियोजनाओं की प्रमुख श्रेणियों के लिए, 31 दिसंबर, 2022 तक संचयी रूप में 1586.10 करोड़ रुपये जारी किए जाने के साथ 25 राज्यों /संघ राज्य क्षेत्रों में 45 परियोजनाओं के लिए 844.34 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। प्रमुख श्रेणी के तहत 19 परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं और बुनियादी सुविधाओं का विकास करने वाली परियोजनाओं की श्रेणी के तहत 10 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में 34 गंतव्य चिन्हित किए गए हैं।

1-10 पर्यटन मंत्रालय द्वारा देश में निश पर्यटन उत्पादों की पहचान, विविधीकरण, विकास और संवर्धन की पहल मौसम के प्रभाव से निपटने तथा भारत को पूरे वर्ष अनुकूल रहने वाले गंतव्य के रूप में प्रमोट करने, विशिष्ट रुचि वाले पर्यटकों को आकर्षित करने और उन

अनोखे उत्पादों जिनमें भारत को तुलनात्मक बढ़त प्राप्त है, के लिए पर्यटकों का बार–बार आगमन सुनिश्चित करने के लिए है। इस प्रकार, नए उत्पादों को यथासमय शामिल किया जा सकता है। पर्यटन मंत्रालय ने देश में गोल्फ, चिकित्सा/निरोगता, क्रूज और एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बोर्ड / कार्यबलों / समितियों का गठन किया है। गोल्फ, पोलो, चिकित्सा एवं निरोगता पर्यटन की सहायता के लिए मंत्रालय द्वारा दिशानिर्देश भी तैयार किए गए हैं।

1-11 स्वतंत्रता दिवस के दौरान भारत में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक नागरिक से वर्ष 2022 तक कम से कम 15 गंतव्यों की यात्रा के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा की गई अपील के अनुपालन में, मंत्रालय ने जनवरी 2020 में 'देखो अपना देश' पहल शुरू की थी। 'देखो अपना देश' को मंत्रालय के सोशल मीडिया अकाउंट्स एवं वेबसाइट पर और घरेलू भारत पर्यटन कार्यालयों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रचारित किया जा रहा है। इस पहल के तहत, हितधारकों से जुड़े रहने तथा देश के भीतर यात्रा करने के लिए नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए मंत्रालय वेबिनार, प्रश्नोत्तरी, शपथ, चर्चाओं का आयोजन कर रहा है। भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय 'देखो अपना देश' की समग्र थीम के तहत एक वेबिनार श्रृंखला की व्यवस्था कर रहा है। वेबिनार 14 अप्रैल, 2020 को शुरू हुए और नवंबर 2022 के अंत तक कुल 165 वेबिनार आयोजित किए जा चुके हैं। वेबिनारों में भाग लेने वालों की कुल संख्या 368,556 + 107,084 (एलएमएस) से अधिक है और इनमें पूरी दुनिया के 60 से अधिक देशों के लोगों ने भाग लिया है।

1-12 विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रय पर्यटकों के लिए उपयुक्तता की दृष्टि से पर्यटकों की विभिन्न श्रेणियों के लिए अपेक्षित मानकों की पुष्टि के लिए यह मंत्रालय स्टार रेटिंग प्रणाली के अंतर्गत होटलों का वर्गीकरण करता है। इस प्रणाली के अंतर्गत, होटलों को रेटिंग प्रदान की जाती है जैसे वन स्टार से थ्री स्टार, अल्कोहल के साथ या उसके बिना फोर स्टार और फाइव स्टार, फाइव स्टार डीलक्स, हेरिटेज (बेसिक), हेरिटेज (क्लासिक), हेरिटेज (ग्रैंड), लिगेसी वेंटेज (बेसिक), लिगेसी विंटेज (क्लासिक), लिगेसी विंटेज (ग्रैंड) और अपार्टमेंट होटल। हमारे माननीय प्रधानमंत्री के "आत्मनिर्भर भारत" के दृष्टिकोण अनुरूप पर्यटन मंत्रालय ने आतिथ्य उद्योग के एक राष्ट्रीय एकीकृत डेटाबेस की स्थापना की है जो प्रौद्योगिकी संचालित प्रणाली है, जिसका उद्देश्य डिजिटलीकरण को सुगम बनाना और आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र के लिए व्यापार करने में सहूलियत को बढ़ावा देना है। अधिक समावेशी बनाने के लिए इस पहल को निधि+ के रूप में अपग्रेड किया जा रहा है ताकि न केवल आवास इकाइयों बल्कि ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों, पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों, खाद्य और पेय इकाइयों, ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर्स, कन्वेंशन सेंटर और पर्यटक सुविधाप्रदाताओं को भी इसमें शामिल किया जा सके। टाइम शेयर रिजॉर्ट, क्रियाशील होटल, अतिथि गृह, ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट, होम स्टे प्रतिश्ठान, तंबूनुमा आवास तथा ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर, स्टैंड अलोन एयर केटरिंग यूनिट, कनवेंशन सेंटर, स्टैंड अलोन रेस्टोरेंट जैसी श्रेणियों में भी अनुमोदन के लिए मंत्रालय की स्वैच्छिक योजनाएं हैं।

1-13 सरकार ने अब ई–वीजा के साथ आने वाले क्रूज पर्यटकों को बायोमीट्रिक पंजीकरण की आवश्यकता से छूट प्रदान की है। ई–वीजा प्राप्त करने वाले पर्यटकों के लिए प्रवेष बंदरगाह मुंबई, कोचीन, मोर्मुगांव, चेन्नई और न्यू मंगलौर हैं।

1-14 सरकारी/पीएसयू सम्मेलनों के लिए ई–कॉन्फ्रेंस वीजा की तर्ज पर निजी व्यक्तियों/कंपनियों/संगठनों द्वारा आयोजित निजी सम्मेलनों के लिए भी ई–कॉन्फ्रेंस वीजा प्रदान किया जाएगा।

1-15 ई–चिकित्सा वीजा और ई– चिकित्सा सहयोगी वीजा के लिए तीन बार प्रवेश की अनुमति है तथा संबंधित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ) / विदेशी पंजीकरण अधिकारी (एफआरओ) द्वारा प्रत्येक मामले के मेरिट के आधार पर मामला दर मामला आधार पर 6 माह तक समयावधि बढ़ाई जा सकती है। मेडिकल अटेंडेंट वीजा की अवधि मुख्य ई–वीजा धारक की वैधता अवधि के साथ ही समाप्त होगी।

1-16 गृह मंत्रालय ने कोविड–19 महामारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए भारत सरकार की ई–पर्यटक वीजा योजना पर प्रतिबंध लगा दिया था; हालांकि, जैसे–जैसे दुनिया भर के देशों में इस महामारी से उबरने के संकेत मिले, ई–टूरिस्ट वीजा योजना पर प्रतिबंधों में चरणबद्ध तरीके से ढील दी जा रही है। दिसंबर, 2022 तक की स्थिति के अनुसार, 165 देशों के नागरिकों को ई–टूरिस्ट वीजा प्रदान किया गया है।

1-17 इसके अलावा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कोविड से संबंधित दिशानिर्देशों के अधीन गृह मंत्रालय ने पर्यटन के लिए भारत आने वाले सभी विदेशी नागरिकों (चीन और पाकिस्तान के नागरिकों को छोड़कर) के लिए प्रतिबंध में ढील दी है।

1-18 पर्यटन मंत्रालय ने घरेलू और विदेशी पर्यटकों को भारत में यात्रा से संबंधित सूचना प्रदान करके और उनमें सुरक्षा एवं संरक्षा की भावना पैदा करके सुविधा और सहायता प्रदान करने के लिए फरवरी, 2016 में हिंदी और अंग्रेजी सहित 12 भाषाओं में टोल फ्री नंबर 1800111363/संक्षिप्त कोड 1363 पर 24X7 बहुभाशी टोल फ्री पर्यटक इंफो हेल्पलाइन शुरू की है। टूरिस्ट हेल्पलाइन द्वारा अंग्रेजी और हिंदी के अलावा 10 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं अर्थात अरबी, फ्रेंच, जर्मन, इटेलियन, जापानी, कोरियन, चाइनीज, पुर्तगीज, रसियन और स्पेनिश में सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

1-19 पर्यटन मंत्रालय ने बेहतर योजना और शंकाओं के त्वरित समाधान के साथ पर्यटकों की सहायता के लिए मंत्रालय की वेबसाइट (www.incredibleindia.org) पर 24x7 लाइव चैट सेवा इंटरफेस शुरू किया है। लाइव चैट सेवा उनकी शंकाओं को दूर करने और यात्रा योजना बनाने में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों प्रकार के पर्यटकों की सहायता प्रदान करती है।

1-20 आवश्यक अवसंरचना सहायता के साथ प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली स्थापित करना पर्यटन मंत्रालय का प्रयास रहा है जो गुणवत्ता और मात्रा दोनों दृष्टि से पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त जनशक्ति सृजित करने में सक्षम हो।

सत्यमेव जयते

आज तक की स्थिति के अनुसार 49 होटल प्रबंध संस्थान (आईएचएम) (जिसमें 21 केंद्रीय आईएचएम और 28 राज्य आईएचएम शामिल हैं) और 12 फूड क्राफ्ट संस्थान (एफसीआई) हैं जो मंत्रालय की सहायता से अस्तित्व में आए हैं। जगदीशपुर, उत्तर प्रदेश में एक (1) केंद्रीय आईएचएम निर्माणाधीन है।

1-21 पर्यटन मंत्रालय केंद्रीकृत अखिल भारतीय ई–लर्निंग मॉड्यूल के माध्यम से पर्यटक सुविधाप्रदाताओं को ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं प्रत्यायन प्रदान करने के उद्देश्य से अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम चला रहा है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को सामान्य रूप से और भारतीय पर्यटन को विशिष्ट रूप से लाभ होगा क्योंकि इससे सुप्रशिक्षित और पेशेवर पर्यटक सुविधाप्रदाताओं के समूह और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रोजगार के अतिरिक्त अवसरों का सृजन संभव हो सकेगा।

1-22 इसके अतिरिक्त, मौजूदा क्षेत्र स्तरीय गाइड (आरएलजी) का नाम बदलकर अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) कर दिया गया है। संशोधित दिशानिर्देशों में प्रावधान के अनुसार पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के पूरा होने पर उनका नाम बदला जाएगा, और उनके प्रचालन क्षेत्र को एक निर्दिष्ट क्षेत्र से बढ़ाकर संपूर्ण भारत किया गया है। अतुल्य भारत पर्यटक गाइड का यह पुनश्चर्या पाठ्यक्रम ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया जा सकता है और आईआईटीएफसी की आधिकारिक वेबसाइट https://iitf.gov.in/ पर उपलब्ध है।

सत्यमेव जयते

1-23 पर्यटन मंत्रालय ने प्रत्यक्ष रोजगार सृजन के उद्देश्य से 12 अगस्त, 2022 को आईआईटीएफ / आईआईटीजी के लिए डिजिटल पर्यटन समाधान के हिस्से के रूप में डिजिटल प्लेटफॉर्म (ई–मार्केटप्लेस) का बीटा संस्करण शुरू किया ताकि पर्यटकों और प्रमाणित पर्यटक सुविधाप्रदाताओं/पर्यटक गाइडों द्वारा उपयोग किए जाने के लिए वेब और मोबाइल ऐप आधारित इंटरेक्शन मकैनिज्म प्रदान किया जा सके। पोर्टल पर प्रदर्शित करने के लिए आईआईटीएफ और आईआईटीजी अपना प्रोफाइल, अनुभव, प्रदान की जाने वाली सेवाओं, योग्यताओं, विशेषज्ञता क्षेत्र, टैरिफ, उपलब्ध तारीखों आदि को अपडेट कर सकते हैं, जबकि पर्यटक अपना प्रोफाइल बना सकते हैं, पर्यटक सुविधाप्रदाताओं / गाइडों की तलाश कर सकते हैं और बुकिंग कर सकते हैं। पर्यटक अपने ही स्थान से किसी भी गंतव्य के लिए सुविधाप्रदाताओं/ गाइडों की तलाश कर सकते हैं और देश की अपनी आगामी यात्राओं के लिए बुकिंग कर सकते हैं। यह वेब आधारित समाधान (ई–मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म) सुविधाप्रदाताओं / गाइडों का प्रोफाइल, सुविधाप्रदाताओं/ गाइडों की बुकिंग, रेटिंग, उपयोगकर्ताओं के फीडबैक (सकारात्मक और नकारात्मक), ज्ञात भाषाओं और सामग्री का प्रबंधन करने के लिए है। यह अपनी सेवाओं में सुधार करने और बेहतर अवसर प्राप्त करने के लिए पर्यटक गाइडों और पर्यटक सुविधाप्रदाताओं को प्रोत्साहित करेगा।

ऋषिकेश

1-24 हवाई यात्रा को किफायती बनाकर क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को सुगम बनाने/उत्प्रेरित करने के मुख्य उद्देश्य से आरसीएस – उड़ान की शुरूआत की गई है। यह एयरलाइन के प्रचालन की लागत को कम करने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और हवाई अड्डा संचालकों द्वारा रियायत और ऐसे मार्गों पर एयरलाइन प्रचालन की लागत तथा प्रत्याशित राजस्व के बीच के अंतर, यदि कोई हो, को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता के माध्यम से किया गया है। आरसीएस उड़ान के तहत, प्रतिष्ठित स्थलों सहित महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 59 पर्यटन मार्गों को शामिल करके कनेक्टिविटी में और सुधार किया गया है, जिनमें से 51 मार्गों को पहले ही चालू किया जा चुका है।

1-25 पर्यटक सुविधा और सूचना काउंटर अंग्रेजी न बोलने वाले पर्यटकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है और यह पर्यटन मंत्रालय की 24X7 हेल्पलाइन नंबर '1363' से भी जुड़ा है जहां पर्यटक फ्रेंच, जर्मन, इटेलियन, पुर्तगाली, रूसी, जापानी, कोरियाई, चीनी और अरबी में विदेशी भाषा के एजेंटों से सीधे बात कर सकते हैं और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। फिलहाल ऐसे काउंटर 9 हवाईअड्डों यानी नई दिल्ली, वाराणसी, बोधगया, बंगलौर, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, गुवाहाटी और हैदराबाद में उपलब्ध हैं।

1-26 संकटग्रस्त पर्यटन क्षेत्र को राहत प्रदान करने के लिए 28 जून, 2021 को वित्त मंत्रालय द्वारा की गई घोशणा के बाद पर्यटन मंत्रालय द्वारा कोविड प्रभावित पर्यटन क्षेत्र के लिए ऋण गारंटी योजना (एलजीएससीएटीएसएस) शुरू की गई है। यह एक संपार्श्विक मुक्त ऋण गारंटी योजना है, जिसके तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित / मान्यता प्राप्त प्रत्येक टूर ऑपरेटर/ट्रैवल एजेंट/पर्यटक परिवहन ऑपरेटर को 10.00 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाएगा, पर्यटन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित / मान्यता प्राप्त प्रत्येक क्षेत्रीय पर्यटक गाइड / अतुल्य भारत पर्यटक गाइड और राज्य सरकार / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा अनुमोदित / मान्यता प्राप्त पर्यटक गाइड को 1.00 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाएगा। यह योजना 18 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के माध्यम से चलाई जा रही है और 31 मार्च, 2023 तक वैध है।

1-27 पर्यटन मंत्रालय देश के प्रतिबंधित/संरक्षित क्षेत्रों में पर्यटकों को बेहतर एवं सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए गृह मंत्रालय के साथ नियमित रूप से समन्वय स्थापित करता है और इसके फलस्वरूप गृह मंत्रालय ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र में चिह्नित द्वीपों के लिए 5 वर्ष की अगली अवधि के लिए अर्थात 31 दिसंबर, 2027 तक पीएपी / आरएपी से छूट प्रदान की है हालांकि मणिपुर, मिजोरम तथा नागालैंड राज्यों में 31.12.2022 के बाद और 5 वर्ष की अवधि के लिए पीएपी/आरएपी संबंधी तक छूट को बढ़ाने के लिए मामला पहले ही गृह मंत्रालय के साथ उठाया जा चुका है।

1-28 अतुल्य भारत वेबसाइट ऐसी विषयवस्तु के रूप में विभिन्न प्रकार की भावनाओं को समाहित करती है जो सभी पर्यटन स्थलों और आकर्षणों के लिए विस्तृत जानकारी प्रदान करने के साथ–साथ विजुअल ट्रीट और यात्रा की पेशकश करती है। इसके अतिरिक्त, यह वेबसाइट

पूरी दुनिया में अपेक्षाकृत अधिक विषिष्टीकृत सामग्री प्रदान करती है, जो पर्यटकों की रुचि के स्तर और पर्यटकों द्वारा चुनी जाने वाली सामग्री पर आधारित होती है। वेबसाइट पर डाली गई सामग्री प्रासंगिक और आकर्षक है जो इसे मजबूत और गतिशील बनाती है। इसके लॉन्च के बाद से, वेबसाइट को 20 मिलियन से अधिक बार देखा गया है । यह सभी आगंतुकों को विरासत, आध्यात्मिकता, एडवेंचर, समारोह आदि के बारे में व्यापक सामग्री के साथ आकर्षित करती है।

1-29 27 सितंबर 2018 को लॉन्च किया गया 'अतुल्य भारत' मोबाइल एप्लिकेशन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू पर्यटकों को उन स्थलों, आकर्षणों और अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सहायता करता है जो अतुल्य भारत की वेबसाइट पर भी दिखाए गए हैं। इसके साथ ही मोबाइल ऐप में मैप इंटीग्रेशन, आपातकालीन संपर्क सूची और अन्य विविध प्रकार की जानकारी भी मौजूद हैं। यह मोबाइल ऐप पर्यटकों को पूरे देश, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन आकर्षणों, गंतव्यों, अनुभवों और समारोहों आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

1-30 दुनिया भर में 500 मिलियन से अधिक के मजबूत बौद्ध समुदाय को "भगवान बुद्ध की भूमि" की ओर आकर्षित करने की जबरदस्त क्षमता के साथ, भारत में बौद्ध पर्यटन उच्च क्षमता वाला पर्यटन उत्पाद है। वेबपेज का उद्देश्य भारत में समृद्ध बौद्ध विरासत को बढ़ावा देना और प्रदर्शित करना है और देश भर के उन प्रमुख स्थलों को उजागर करना है जहां भगवान बुद्ध व्यक्तिगत रूप से गए थे। इसके अतिरिक्त, यह आधुनिक मठों सहित उनके शिष्यों द्वारा छोड़ी गई बौद्ध विरासत को भी प्रदर्शित करता है।

1-31 भारत के माननीय उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने विश्व पर्यटन दिवस, 2022 के अवसर पर पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार प्रदान किए। केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री जी किशन रेड्डी और पर्यटन राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट भी इस समारोह में शामिल हुए। वर्ष 2018–19 में इस उद्योग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए इस वर्ष कुल 81 पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर, माननीय उप राष्ट्रपति ने भारत पर्यटन सांख्यिकी 2022 (जो कैलेंडर वर्ष 2021 के लिए पर्यटन क्षेत्र से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर डेटा प्रदान करती है), अतुल्य भारत की नई वैश्विक प्रचार फिल्मों और "गो बियॉन्ड : 75 एक्सपीरियंस ऑफ नॉर्थ इंडिया" ई–बुक का भी विमोचन किया।

1-32 पर्यटन मंत्रालय अपने–अपने क्षेत्र/क्षेत्राधिकार में पर्यटन स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है और "स्वच्छ पर्यटन स्थल" और "पर्यटन स्थलों के सर्वश्रेष्ठ नागरिक प्रबंधन" पुरस्कार प्रदान करता है।

1-33 'एक विरासत को अपनाएं' के तहत – पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार "एक विरासत को अपनाएं'': अपनी धरोहर, अपनी पहचान" नामक परियोजना के तहत सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र की कंपनियों, ट्रस्टों, गैर सरकारी संगठनों, व्यक्तियों और अन्य हितधारकों की मदद से

सत्यमेव जयते

योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से भारत भर में फैले विरासत / प्राकृतिक / पर्यटन स्थलों पर पर्यटन सुविधाओं को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि उन्हें पर्यटकों के अनुकूल बनाया जा सके। इस परियोजना के अंतर्गत स्मारक मित्रों को 06 समझौता ज्ञापन (एमओयू) प्रदान किए गए हैं।

1-34 पर्यटन मंत्रालय ने कोविड–19 के संकट का समय पर संज्ञान लिया और इस संकट के प्रभाव के कारण विदेशी पर्यटकों के जोखिमों और कठिनाइयों को कम करने के लिए उद्योग हितधारकों के साथ मिलकर काम किया। मंत्रालय ने कोविड–19 के कारण उत्पन्न संकट का जवाब देने और संकट के दौरान उद्योग और विदेशी पर्यटकों को सहायता प्रदान करने के लिए कोविड–19 सेल की स्थापना की है।

मंत्रालय की 24X7 टूरिस्ट इन्फो हेल्पलाइन को कोविड–19 से संबंधित कॉल भी मिले और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा अन्य मंत्रालयों / प्राधिकारणों द्वारा जारी की गई एडवाइजरी / दिशानिर्देशों के आधार पर उनका जवाब दिया गया था ।

1-35 सरकार ने निर्भया निधि नामक एक समर्पित अचल संचयी निधि की स्थापना की है, जिसे आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा रहा है और जिसका उपयोग महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा में सुधार के लिए विशेष रूप से तैयार की गई परियोजनाओं के लिए किया जा सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 25 मार्च, 2015 को जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) नोडल मंत्रालय है, जिसके पास प्रस्तावों और योजनाओं का मूल्यांकन/सिफारिश करने, संबद्ध मंत्रालयों/विभागों के साथ मिलकर स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की समीक्षा और निगरानी करने की जिम्मेदारी है। इस योजना के तहत भारत सरकार के कुल 16.79 करोड़ रुपये (लगभग) के केंद्रीय वित्तीय हिस्से में से मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के पक्ष में 6.24 करोड़ रुपये (लगभग) जारी किए गए हैं। 'निर्भया निधि' के तहत मध्य प्रदेष सरकार द्वारा प्रस्तुत परियोजना की कुल लागत 27.99 करोड़ रुपये (लगभग) है।

1-36 कोविड–19 के बाद बहाली की तैयारी के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने व्यवसायों की अबाध एवं सुरक्षित बहाली को सुगम बनाने के लिए यात्रा क्षेत्र के पर्यटन सेवाप्रदाताओं के विभिन्न सेगमेंट के लिए प्रचालनात्मक सिफारिशें तैयार की। इस तरह की सिफारिशें ट्रैवल एजेंटों, टूर आपेटरर्स, टूरिस्ट गाइड एवं सुविधाप्रदाताओं को जारी की गई हैं। इन्हें राज्य सरकारों एवं पर्यटन / आतिथ्य हितधारकों के परामर्श से तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समय समय पर जारी किए गए समग्र दिशानिर्देशों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया।

1-37 पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन सेवाप्रदाताओं की मान्यता के लिए संशोधित दिशानिर्देश दिनांक 08 दिसंबर, 2020 को जारी किए हैं जो जनवरी 2021 से लागू है। संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, ग्रीनशूट / स्टार्टअप एजेंसियों की श्रेणी पहली बार शुरू की जा रही है। यह स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार की नीति को ध्यान में रखते हुए है और यह 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को भी आगे बढ़ाएगी। इस श्रेणी के लिए न्यूनतम वार्षिक

सत्यमेव जयते

टर्नओवर एवं पिछले अनुभव की कोई आवश्यकता नहीं होगी। ये प्रावधान भारत सरकार की स्टार्टअप नीति के अनुरूप हैं। प्रदत्त पूंजी एवं कर्मचारियों की संख्या संबंधी आवश्यकता भी अन्य श्रेणियों की तुलना में कम होगी।

1-38 कोविड के बाद, देश में इनबाउंड पर्यटन को फिर से शुरू करने और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भारत सरकार ने विदेशी नागरिकता वाले पर्यटकों को 5,00,000 मुफ्त वीजा देने की घोषणा की ताकि वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण स्रोत बाजारों के लिए प्रोत्साहन का भौगोलिक प्रसार सुनिश्चित किया जा सके और विभिन्न राष्ट्रीयता वाले इनबाउंड पर्यटकों द्वारा इसका लाभ उठाया जा सके। यह योजना 31 मार्च, 2022 तक वैध थी।

1-39 केंद्रीय सूचना आयोग, नई दिल्ली को प्रस्तुत की गई तिमाही रिपोर्ट के अनुसार 01 जनवरी, 2022 से 31 दिसंबर, 2022 तक की अवधि के दौरान कुल 505 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए और समयबद्ध तरीके से उपयुक्त कार्रवाई की गई है।

vè;k;

02

i;Vu e=ky;
vkj bld
dk;

बाहू किला – जम्मू, जम्मू और कश्मीर

vè;k;

02.

i;Vu e=ky; vkj bldk dk;l

lxBu

पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए राष्ट्रीय नीतियां एवं कार्यक्रम तैयार करने के लिए नोडल एजेंसी है। मंत्रालय इस प्रक्रिया में विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों/एजेंसियों, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों सहित इस क्षेत्र के अन्य हितधारकों के साथ परामर्श करता है और उनके साथ मिलकर काम करता है।

श्री जी किशन रेड्डी पर्यटन मंत्री हैं।
श्री श्रीपद येस्सो नाइक और श्री अजय भट्ट पर्यटन राज्य मंत्री हैं।

सचिव (पर्यटन) मंत्रालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। देश में पर्यटन महानिदेशालय के 20 घरेलू फील्ड कार्यालय और एक भारतीय स्कीइंग एवं पर्वतारोहण संस्थान तथा विदेश में 08 कार्यालय हैं। विदेशों में स्थित कार्यालय विदेशी बाजारों में भारतीय पर्यटन का प्रचार प्रसार करते हैं।

Hkkjr esa Hkkjr i;Vu dk;ky;

{k=h; dk;ky;

1. चेन्नई 2. गुवाहाटी 3. कोलकाता 4. मुंबई 5. नई दिल्ली

अन्य कार्यालय

1. आगरा
2. औरंगाबाद
3. बंगलुरू
4. भुवनेश्वर
5. गोवा
6. हैदराबाद
7. इंफाल
8. इंदौर
9. जयपुर
10. कोच्चि
11. नाहरलागुन (इटानगर)
12. पटना
13. पोर्ट ब्लेयर
14. शिलांग
15. वाराणसी

fons'k esa fLFkr Hkkjr i;Vu dk;ky;

Ø- la-	fons'kksa esa fLFkr Hkkjr i;Vu dk;ky;	la'kkfèkr {ks=kfèkdkj
1.	बीजिंग	चीन, मंगोलिया, हांगकांग और मकाऊ
2.	दुबई	मॉरीशस और मेडागास्कर सहित संपूर्ण अफ्रीका तथा संपूर्ण मध्य पूर्व, तुर्की और साइप्रस
3.	फ्रैंकफर्ट	आस्ट्रिया, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, इटली, माल्टा, पुर्तगाल, स्पेन, इजरायल, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडेन
4.	लंदन	बेल्जियम, आयरलैंड, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम
5.	पेरिस/मॉस्को	सीआईएस देश (अर्मेनिया, अजरबैजान, बेलारूस, कजाकिस्तान, मोलडोवा, रूस, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान), जॉर्जिया, यूक्रेन, बाल्टिक देश (इस्टोनिया, लिथुआनिया, लातविया), पूर्वी यूरोप (अल्बानिया, बोस्निया, हरजेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, हंगरी, कोसोवो, मेसेडोनिया, मोंटेनेग्रो, पोलैंड, रोमानिया, सर्बिया, स्लोवाक गणराज्य और स्लोवेनिया) और ग्रीस
6.	न्यूयॉर्क	संपूर्ण संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, कैरिबियन द्वीपसमूह, मध्य और दक्षिण अमेरिका
7.	सिंगापुर	सिंगापुर तथा अन्य आसियान देश, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फ़िजी तथा प्रशांत क्षेत्र के अन्य द्वीप राष्ट्र
8.	टोक्यो	जापान, उत्तर और दक्षिण कोरिया और ताइवान

Hkkjr i;Vu dk;ky; ?kjsyw

Ø- la-	ns'k esa fLFkr Hkkjr i;Vu dk;ky;	{ks=kfèkdkj
1.	दिल्ली	अफगानिस्तान, पाकिस्तान और नेपाल
2.	कोलकाता	भूटान और बांग्लादेश
3.	चेन्नई	श्रीलंका और मालदीव

घरेलू फील्ड कार्यालय देश में पर्यटन क्षेत्र के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका का भी निर्वाह करते हैं। वे मंत्रालय द्वारा राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्रों को स्वीकृत परियोजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति की निगरानी करने में भी शामिल हैं।

भारतीय पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) पर्यटन मंत्रालय के अधीन एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

मंत्रालय के निम्नलिखित स्वायत्त संस्थान भी हैं :

I. भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम)।
II. राष्ट्रीय होटल प्रबंध एवं केटरिंग प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी); और होटल प्रबंध संस्थान (आईएचएम); और होटल प्रबंध संस्थान (आईएचएम)।
III. भारतीय कलीनरी संस्थान।

2-2 i;Vu e=ky; dh Hkfedk vkj dk;Z

2-2-1 i;Vu e=ky; dh fuEufyf[kr e[; dk;Z gSa %

I. नीति संबंधी सभी मामले, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :
   क विकास नीतियां
   ख प्रोत्साहन
   ग बाह्य सहायता
   घ जनशक्ति विकास
   ङ संवर्धन एवं विपणन
   च निवेश सुगमता
   छ संवृद्धि कार्यनीतियां
II. नियोजन
III. अन्य मंत्रालयों, विभागों, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के साथ समन्वयन
IV. विनियमन :
   क. मानक
   ख. दिशानिर्देश
V. अवसंरचना एवं उत्पाद विकास :
   क केन्द्रीय सहायता
   ख पर्यटन उत्पादों का वितरण
VI. अनुसंधान, विश्लेषण, निगरानी एवं मूल्यांकन
VII. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं बाह्य सहायता
   क अंतर्राष्ट्रीय निकाय
   ख द्विपक्षीय करार

   ग बाह्य सहायता
   घ विदेशी तकनीकी सहयोग
VIII. विधिक एवं संसदीय कार्य
IX. स्थापना संबंधी मामले
X. फील्ड कार्यालयों के कामकाज की समग्र समीक्षा
XI. सतर्कता के मामले
XII. राजभाषा : राजभाषा नीति का कार्यान्वयन
XIII. वीआईपी संदर्भ
XIV. बजट समन्वय तथा संबंधित मामले
XV. योजना समन्वय
XVI. विदेश विपणन (ओएम) कार्य
XVII. कल्याण, शिकायतें एवं प्रोटोकॉल

2-2-2 mi;Dr dk vfrfjä] bl e=ky; dh fuEufyf[kr dk;Z Hkh gSa %

1) फील्ड कार्यालयों से फीडबैक प्रदान करके नीतियों के निर्माण में सहायता
2) योजनागत परियोजनाओं की निगरानी और योजना निर्माण में सहायता करना
3) फील्ड कार्यालयों की गतिविधियों का समन्वय करना और उनकी देखरेख
4) विनियमन :
   क. होटलों, रेस्तरां, अतुल्य भारत बेड एवं ब्रेकफास्ट (आईआईबीएंडबी) यूनिटों का अनुमोदन एवं वर्गीकरण
   ख. ट्रेवल एजेंटों, टूर आपरेटरों तथा पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों आदि का अनुमोदन
5) निरीक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण :
   क. गाइड सेवा
   ख. शिकायतें एवं निवारण
6) अवसंरचना विकास :
   क. प्रोत्साहन राशि जारी करना
   ख. पर्यटक सुविधा और जानकारी
   ग. समागम और सम्मेलन
7) मानव संसाधन विकास :
   क. एचआरडी संस्थानों का विकास करना
   ख. मानक और दिशानिर्देश निर्धारित करना

8) प्रचार एवं विपणन :
   - क. नीति
   - ख. कार्यनीतियां
   - ग. समन्वय
   - घ. पर्यवेक्षण
   - ङ. प्रचार एवं विपणन
   - च. आतिथ्य कार्यक्रम

9) संसदीय कार्य

10) पर्यटन मंत्रालय के स्थापना मामले

ea=h

Jh th- fd'ku jsìh
पर्यटन मंत्री

Jh vt; HkV
पर्यटन राज्य मंत्री

Jh Jhikn ;s lks ukbd
पर्यटन राज्य मंत्री

e=ky; d ofj"B vfèkdkjhx.k

Jh vjçon Çlg
सचिव, भारत सरकार

fo'k"k@vij lfpo Lrj d vfèkdkjh

Jh th d oh jko
महानिदेशक (पर्यटन)

Jh jkd'k dekj oek
अपर सचिव (पर्यटन)

Jh Kku Hk"k.k
वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार

lJh j tuk pkiMk
अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार
(9 नवंबर 2022 को शामिल हुए)

l;qä lfpo vkj led{k

lJh :çinj cjkj
अपर महानिदेशक(टी)
(22 जुलाई 2022 पर राहत मिली)

Jh pru çdk'k tu
संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
(8 नवंबर 2022 को राहत मिली)

Jherh vuhrk c?ky
अपर महानिदेशक

vè;k;

i;Vu e=ky; & Hkfedk lgfØ;k vkj vfHkl j.k

जग मंदिर – उदयपुर, राजस्थान

सत्यमेव जयते

vè;k;

03.

i;Vu e=ky; & Hkfedk lgfØ;k vkj vfHklj.k

3-1 Hkfedk

इस मंत्रालय के क्रियाकलाप भारत में आंतरिक पर्यटन अर्थात इनबाउंड और घरेलू पर्यटन दोनों को बढ़ावा देने पर केंद्रित रहते हैं। यह देश में रोजगार और गरीबी उन्मूलन पर इसके प्रत्यक्ष और गुणक प्रभावों का उपयोग करने के लिए आवश्यक है। मंत्रालय के अन्य प्रमुख उद्देश्य देश को पूरे वर्ष अनुकूल रहने वाले पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने, समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी द्वारा सतत रूप से पर्यटन का संवर्धन करने, पर्यटन सेवाप्रदाताओं के बीच गुणवत्ता मानकों को सुनिशचित करने आदि से संबंधित हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न हितधारकों के साथ प्रभावी भागीदारी द्वारा पर्यटन अवसरंचना और सुविधाओं के एकीकृत विकास पर भी फोकस है। पर्यटन विकास में सरकार की भूमिका विनियामक से बदल कर उत्प्रेरक की हो गई है और इसके लिए विभिन्न हितधारकों के साथ सहक्रिया और अभिसरण आवश्यक है। इसकी वजह से यह कार्य अत्यन्त चुनौतीपूर्ण हो गया है।

3-2 lk>nkj e=ky;

3-2-1 fgrèkkjd

यह सुनिश्चित करना पर्यटन मंत्रालय का सतत प्रयास रहा है कि पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न वर्ग, साझेदार मंत्रालय और उनकी क्रियान्वयन एजेंसियां (संगठन, प्राधिकरण, ब्यूरो, साझेदारी, निगम और उपक्रम), राज्य मशीनरी और उद्योग संघ एक दूसरे के साथ मिलकर काम करें और पर्यटन के व्यापक लाभ के साथ आकांक्षाओं का संयोजन करें।

3-2-2 lk>nkj e=ky;

अभिसरण के लिए अपने प्रयास के तहत पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों अर्थात वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नागर विमानन मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, रेल मंत्रालय आदि और विभिन्न राज्य सरकारों /संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के साथ मिलकर काम करता है।

3-2-3 ljdkj dh fØ;kUo;u ,tfl;k

मंत्रालय का उन कार्यकारी/कार्यात्मक एजेंसियों के साथ सुदृढ़ संबंध है जो अलग–अलग मंत्रालयों के अधीन कार्यरत हैं। इनमें संगठन, प्राधिकरण, ब्यूरो, साझेदारियां, निगम और उपक्रम जैसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), आप्रवासन ब्यूरो (बीओआई), भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी), भारतीय सम्मेलन संवर्धन ब्यूरो (आईसीपीबी), पोर्ट ट्रस्ट ऑफ इंडिया, भारतीय पर्यटन वित्त निगम (टीएफसीआई), एक्सपीरियंस इंडिया सोसायटी इत्यादि शामिल हैं।

3-2-4 m|kx l?k

पर्यटन मंत्रालय उद्योग संघों यथा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की), पीएचडी चैम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई), एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम), भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), ट्रेवल एजेंट्स ऐसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएएआई), इंडियन ऐसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ), इंडियन टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईटीटीए), एसोसिएशन ऑफ डॉमेस्टिक टूर ऑपरेटर ऑफ इंडिया (एडीटीओआई), एडवेंचर टूर ऑपरेटर ऑफ इंडिया (एटीओआई), फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई), होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई), इंडियन हेरिटेज होटल एसोसिएशन (आईएचएचए), एसोसिएशन ऑफ इंडियन टूरिज्म एंड हास्पिटैलिटी (एफएआईटीएच), और ऑल इंड़िया रिजॉर्ट डेवलपमेंट एसोसिएशन (एआईआरडीए) आदि के साथ सतत संवाद करता है।

3-2-5 i;Vu {k= lcèkh vrle=ky;h lelo; lfefr

पर्यटन अनिवार्य रूप से एक बहु–क्षेत्रक गतिविधि है, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के साथ लिंकेज और समन्वय की आवश्यकता होती है। देश में पर्यटन के विकास में शामिल अंतर–मंत्रालयी /विभागीय मुद्दों के समाधान को सरल बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय के पास मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता में गठित पर्यटन क्षेत्र

के लिए अंतर–मंत्रालयी समन्वय समिति (आईएमसीसीटीएस) के रूप में एक प्रभावी तंत्र है।

इस समिति में गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, नागर विमानन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, राजस्व विभाग, व्यय विभाग, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, आदि शामिल हैं। सचिव, पर्यटन मंत्रालय समिति के सदस्य संयोजक हैं। अब तक समिति की 8 बैठकें हो चुकी हैं।

3-2-6 i;Vu dk;cy dk xBu

पर्यटन से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए पर्यटन क्षेत्रीय योजना पर सचिवों के क्षेत्रीय समूह की सिफारिशों के आधार पर गृह मंत्रालय, नागर विमानन मंत्रालय, रेल मंत्रालय / आईआरसीटीसी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, पोत परिवहन मंत्रालय एवं खेल मंत्रालय सहित अन्य मंत्रालयों से प्रतिनिधियों के साथ सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया गया है। इनमें शामिल होंगे:

- हवाई, रेल एवं सड़क कनेक्टिविटी, एयरपोर्ट विकास के लिए पर्यटन स्थलों की पहचान करना, पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू मार्ग, पर्यटन स्थलों पर ऐसे एयरपोर्ट जहां कस्टम एवं आप्रव्रजन की सुविधाएं स्थापित करने की आवश्यकता है, पर्यटन स्थलों पर स्थित अप्रयुक्त एवं कम प्रयुक्त एयरपोर्ट, तीर्थ स्थलों सहित महत्वपूर्ण पर्यटन गंतव्यों/स्थलों को जोड़ने वाली पर्यटन ट्रेन शुरू करना और रेलवे स्टेशनों का उन्नयन, पर्यटन स्थलों की सड़क कनेक्टिविटी,
- स्मारकों एवं संग्रहालयों सहित सांस्कृतिक एवं विरासत स्थलों का विकास एवं संवर्धन,
- क्रूज पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन आदि सहित निश पर्यटन वर्ग का संवर्धन,
- पर्यटकों की सुरक्षा और संरक्षा,
- पर्यटकों को वीजा की सुविधाएं प्रदान करना
- कोई अन्य अंतर मंत्रालयी/अंतर विभागीय मुद्दा जो पर्यटन को प्रभावित करता हो

सितंबर, 2022 में सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में पर्यटन कार्यबल की दूसरी बैठक आयोजित की गई, जिसमें नागर विमानन मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय और रेल मंत्रालय उपस्थित थे। कार्यनीतिक रूप से स्थित पर्यटन स्थलों जैसे कि श्रीनगर, लेह और उत्तर पूर्व के लिए हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने के मामले पर भी चर्चा की गई।

vè;k;

04

Lon’k n’ku

रिज़ॉर्ट – हरीथा ईगलापेंटा, तेलंगाना

vè;k;

04.

Lon'k n'kZu

पर्यटन मंत्रालय ने देश में थीम आधारित पर्यटक परिपथों के एकीकृत विकास के लिए वर्ष 2014–15 में स्वदेश दर्शन योजना शुरू की थी। मंत्रालय ने इस योजना की शुरुआत के बाद से अब तक 5315.59 करोड़ रुपये की संशोधित स्वीकृत लागत से 13 थीमों के तहत 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी है और 4734.11 करोड़ रुपये जारी किए हैं (31 दिसंबर, 2022 तक)।

(i) स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में पर्यटन के योगदान को बढ़ाना
(ii) स्थानीय समुदायों के लिए स्वरोजगार सहित रोजगार सृजित करना
(iii) पर्यटन और आतिथ्य में स्थानीय युवाओं के कौशल को बढ़ाना
(iv) पर्यटन और आतिथ्य में निजी क्षेत्र के निवेश में वृद्धि करना
(v) स्थानीय सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करना और बढ़ाना

Lon'k n'kZu ;kstuk 2-0

;kstuk dk ckjs esa

'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र के साथ, स्वदेश दर्शन 2.0 नामक पुनर्निर्मित योजना का लक्ष्य पर्यटन स्थल के रूप में भारत की पूरी क्षमता का उपयोग करके "आत्मनिर्भर भारत" को साकार बनाना है। स्वदेश दर्शन 2.0 क्रमिक परिवर्तन न होकर पर्यटन और संबद्ध अवसंरचना, पर्यटन सेवाओं, मानव पूंजी विकास, गंतव्य प्रबंधन और नीति तथा संस्थागत सुधारों द्वारा समर्थित संवर्धन को शामिल करते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए एक समग्र मिशन के रूप में स्वदेश दर्शन योजना के विकास के लिए एक पीढ़ीगत बदलाव है।

Lon'k n'kZu 2-0 ds mís';

(i) स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में पर्यटन के योगदान को बढ़ाना
(ii) स्थानीय समुदायों के लिए स्वरोजगार सहित रोजगार सृजित करना
(iii) पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के कौशल को बढ़ाना

#स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के दिशानिर्देश

(iv) पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ाना
(v) स्थानीय सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों को बढ़ाना और संरक्षित करना

Lon'k n'kZu 2-0 ds rgr 9 çeq[k lq/kkj

(i) केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति का आधार व्यापक करना
(ii) योजना के लिए राज्य स्तरीय संस्थागत संरचना
(iii) गंतव्यों का कार्यनीतिक चयन
(iv) गंतव्य की विस्तृत बेंचमार्किंग और अंतराल विश्लेषण
(v) हार्ड और सॉफ्ट दोनों हस्तक्षेपों पर फोकस
(vi) परियोजना कार्यान्वयन और निगरानी का सुदृढ़ीकरण
(vii) स्थायी आधार पर प्रचालन और रखरखाव
(viii) गंतव्यों का संवर्धन और विपणन
(ix) प्रभाव आकलन

xarO; vkSj i;ZVd dsafnzr –f"Vdks.k

इस योजना का उद्देश्य आगमन से वापसी तक की यात्रा के दौरान पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाना है और यह पर्यटन विकास की योजना का एक प्रमुख घटक होगा। यह योजना संपूर्ण गंतव्य पर ध्यान केंद्रित करती है न कि इधर–उधर कुछेक घटकों को जोड़ने पर ।

यह योजना पर्यटन की योजना और विकास के लिए पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी। पर्यटक केंद्रित दृष्टिकोण पर्यटकों के लिए सभी प्रासंगिक सूचनाओं और सेवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। यह फीडबैक और सेवाओं की रेटिंग की अनुमति देगा। पर्यटकों के लिए अपनी शिकायतों को दर्ज करने और उसके समाधान की तलाश करने के लिए एक तंत्र मौजूद होगा ।

xarO; dsafnzr –f"Vdks.k & çeq[k {ks=

1. गंतव्य को परिभाषित करना
2. गंतव्य प्रबंधन संगठन की स्थापना
3. डेटा संचालित गंतव्य प्रबंधन
4. गंतव्य का मास्टर प्लान
5. गंतव्य का विपणन
6. गंतव्य आधारित कौशल प्रदान करना
7. गंतव्य को अपनाएं
8. निजी निवेश को आकर्षित करना
9. गंतव्य पर सफाई और स्वच्छता में सुधार

1- xr0; dk ifjHkkf"kr djuk

स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत रात भर ठहरने वाले आगंतुकों के लिए आवास सुविधाओं, पर्यटन अवसंरचना सुविधाओं और सेवाओं के साथ मौजूदा पर्यटन ईकोसिस्टम वाले गंतव्यों पर विचार किया जाएगा जहां यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी के विकल्प होंगे और ट्रैवल एजेंट, गाइड और टैक्सी सुविधा जैसे पर्यटन सेवाप्रदाताओं की उपलब्धता होगी। इस प्रकार, उक्त गंतव्य योजना, विकास और विश्लेषण के लिए इकाई के रूप में कार्य करेगा।

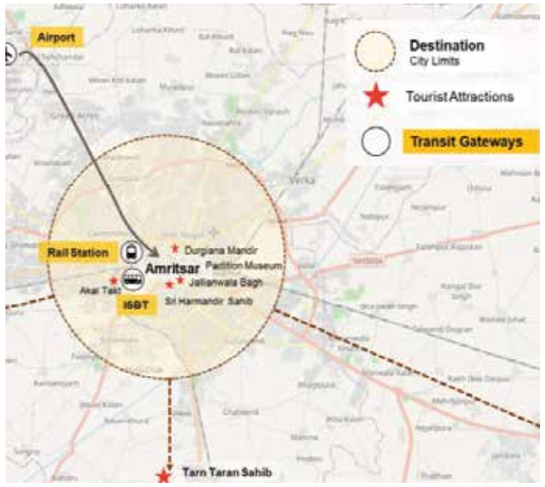

xr0; dk ifjHkkf"kr djuk & çe[k ?kVd

- रात में ठहरने वाले आगंतुकों के लिए आवास सुविधाएं
- पर्यटन अवसरंचना सुविधाएं और सेवाएं
- पर्यटक आवागमन की सुविधा के लिए कनेक्टिविटी
- पर्यटन सेवाप्रदाताओं की उपलब्धता
- नियोजन, विकास और विश्लेषण हेतु गंतव्य एक इकाई होगा

2- xr0; çcèku lxBu

डीएमओ इस योजना को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस संस्था के प्रमुख कार्यों में प्रभावी योजना और विकास सुनिश्चित करना, सार्वजनिक और निजी एजेंसियों के साथ समन्वयन, शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना, विकासात्मक गतिविधियों में समुदाय की बड़े पैमाने पर रुचि और सहभागिता सुनिश्चित करना, आगंतुक सूचना प्रणाली को मूर्त रूप देना और उसका प्रबंधन करना शामिल होगा।

çcèku lxBu & çe[k ?kVd

- गंतव्य नियोजन एवं विकास
- सार्वजनिक एवं निजी एजेंसियों के साथ समन्वय
- पर्यटकों के लिए शिकायत निवारण तंत्र
- सामुदायिक संपर्क एवं भागीदारी
- आगंतुक प्रबंधन प्रणाली

3- MVk lpkfyr xr0; çcèku

प्रमुख विशेषताओं को मैप किया जाएगा और वेबसाइट, मोबाइल ऐप, वीडियो जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डाला जाएगा जो प्रयोक्ता अनुकूल है और गंतव्य की बेहतर दृश्यता में मदद करता है। इसमें गंतव्य के आकर्षण, लिंक्ड सर्किट और लोकप्रिय यात्रा कार्यक्रम, पारगमन और आवास के विकल्प शामिल होंगे। बुकिंग सेवाओं में पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधा और निर्बाध अनुभव के लिए गंतव्य का डिजिटलीकरण किया जाएगा।

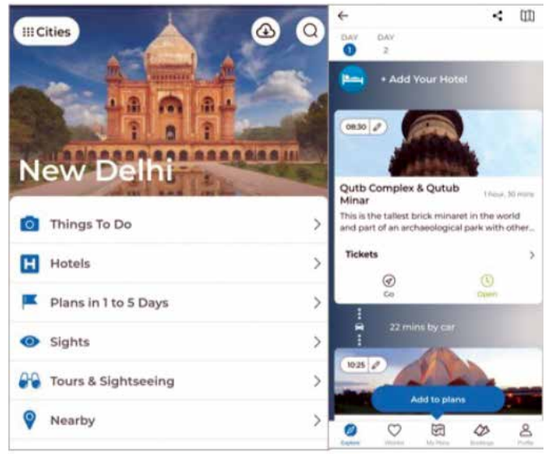

#Visit a City app- New Delhi Page

d- xr0; dk çkQkby cukuk

- पर्यटन आकर्षण – थिंग्स टु डू
- यात्रा कार्यक्रम – 1 दिन/2–3 दिन / 5 दिन के लिए योजना
- कनेक्टिविटी – गंतव्य तक पहुंचने के मार्ग
- आवास – कहां ठहरें – विभिन्न विकल्प
- ब्रांडिंग – पर्यटन उत्पादों पर एचआर इमेज तथा वीडियो

[k- xr0; dk çkQkby cukuk

- गंतव्य के बारे में सामान्य जानकारी, अज्ञात कहानियां और इंटरेक्टिव गेम्स
- त्योहार तथा समारोह संबंधी कैलेंडर
- गाइड तथा मेजवानों की ऑनलाइन बुकिंग और रिव्यू

डील तथा टिकट; वाउचर रिडीम करें

गंतव्यों की लाइव फीड तथा स्ट्रीमिंग

[k- cl ykbu dihvkÃ vkj =ekfld vkdyu

#https://www.nycgo.com/

गंतव्यों में पर्यटन विकास के स्तर का आकलन करने के लिए, तिमाही आधार पर क्षेत्र की मांग (अंतिम प्रयोक्ता यानी पर्यटक) और आपूर्ति (पर्यटन सेवा प्रदाता) दोनों पक्षों से प्रमुख निष्पादन संकेतकों पर आधारभूत जानकारी और निष्पादन की निगरानी की जाएगी।

[k- cl ykbu dihvkÃ vkj =ekfld vkdyu

ekx i{k & çe[k fu'iknu ladrd

- आगमन–अंतर्राष्ट्रीय / घरेलू / रातभर ठहरने वाले / दैनिक
- व्यय–प्रति व्यक्ति / प्रतिदिन / प्रत्येक प्रयोजन के लिए व्यय
- अवधि – ठहरने की अवधि / मौसम / ऑक्युपेंसी दर
- वर्गीकरण – भूगोल, व्यय, आयु, लिंग, अवधि
- संतुष्टि – उपयोगकर्त्ता फीडबैक, % वापस आने वाले विज़िटर्स को ब्लॉक करता है

[k- cl ykbu dihvkÃ vkj =ekfld vkdyu

iÆr i{k – çe[k fu"iknu ladrd

- आवास – स्टार वर्गीकरण / बीएंडबी इकाइयां / होमस्टे
- खाद्य तथा पेय पदार्थ – डब्ल्यूएसए प्रति किमी / रेस्तरां / फूड ट्रक
- डिजिटल सर्विसेज – बुकिंग / टिकट / डील / पास
- सेवाप्रदाता – यात्रा एजेंट, ऑनलाइन एग्रीगेटर्स, गाइड
- सुविधाएं – मूलभूत सुविधाएं और मुख्य पर्यटन सुविधाएं

x- xr0; M'kckM

#https://www.destinationbc.ca/tourism-industry-dashboard/

गंतव्य के प्रोफाइल, केपीआई और विकास की अन्य विशेषताओं की निगरानी में सहूलियत के लिए गंतव्य के लिए विशेष रूप से एक डैशबोर्ड का निर्माण किया जाएगा जिसे एसडी 2.0 स्कीम मास्टर सूचना प्रणाली (एमआईएस) डैशबोर्ड में एकीकृत किया जाएगा।

x- xr0; M'kckM

- डैशबोर्ड में केपीआई की मैपिंग
- डाटा का नियमित अद्यतनीकरण – मासिक / त्रैमासिक
- निष्पादन की रियल टाइम मॉनीटरिंग
- एमआईएस तथा संबंधित सूचना प्राप्त करना

4- xr0; dk ekLVj Iyku

#An Illustrative ex of Masterplan- Colva, Goa

गंतव्य के कार्यनीतिक विजन और नियोजित विकास का अनुमान लगाने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा। पर्यटन मंत्रालय संरचना में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मॉडल मास्टर प्लान और डीपीआर टेम्पलेट्स लाएगा। मास्टर प्लान में सार्वजनिक निजी भागीदारी पर अधिक जोर देने के साथ स्थिरता और जिम्मेदार पर्यटन के सिद्धांतों पर बल दिया जाएगा।

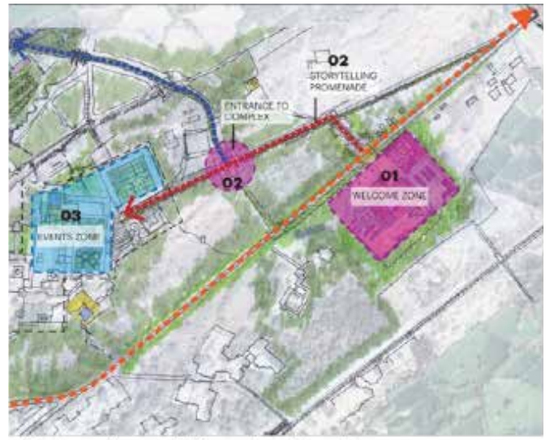

¼d½ Hkkoh fodkl dh dk;Zuhfrd ;kstuk

- कमियों का आकलन : पूर्ति बनाम मांग; बेंचमार्किंग
- मांग को पूरा करने के लिए नए उत्पाद डिजाइन करना
- गंतव्यों में स्थायी विकास
- जिम्मेदार पर्यटन कार्यपद्धतियां सुनिश्चित करना

¼[k½ x.rO; dk ;kstukc) fodkl

- जोनिंग तथा लेआउट के साथ स्थानिक योजना
- हस्तक्षेपों में विविधताः हार्ड तथा सॉफ्ट
- वहन क्षमता और पर्यावरणिक डिजाइन संबंधी विचार
- चरणबद्ध विकास

5- x.rO; dk foi.ku

लोगो या टैगलाइन, सार्वजनिक कला पहल, प्लेस–मेकिंग एवं सुनियोजित शहरीकरण और स्मारिका की दुकानों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के प्रचार जैसे त्वरित समाधानों के उपयोग से गंतव्य की ब्रांड पहचान को साकार किया जा सकता है। इसके बाद 'गंतव्य से एक प्रमुख उत्पाद' को लोकप्रिय बनाने और गंतव्य के लिए एक समर्पित ब्रांडिंग कार्यनीति तैयार करने के प्रयासों को सुव्यवस्थित किया जाएगा।

x.rO; dk foi.ku & çe[k dkjd

- विशेषता बताने वाले टैगलाइन के साथ गंतव्य का लोगो
- गंतव्य आधारित ब्रांड कोलेटरल्स
- स्थानीय कला पर केंद्रित पब्लिक तथा स्ट्रीट आर्ट्स
- स्मारिका की दुकानों का संवर्धन
- एक गंतव्य से एक प्रमुख उत्पाद

6- x.rO; vkèkkfjr dk'ky çnku djuk

राज्य/जिला प्रबंधन समिति क्षमता निर्माण और कौशल विकास के लिए चिन्हित किए गए कार्यक्रमों का आयोजन करने की दिशा में प्रयास करेगी। बहुभाषी क्षमता और कहानी के रूप में बताने की क्षमता के साथ गाइडों को संगठित करने पर विशेष ध्यान। साथ ही पारंपरिक लोक कथाओं में अधिक अवसर सृजित करने और गंतव्य की अमूर्त विरासत को पुर्नजीवित करने का लक्ष्य रखा जाएगा।

Upskilling and upbringing a tourism ready skill force is crucial

x.rO; vkèkkfjr dk'ky çnku djuk & çe[k dkjd

- कौशल प्रदान करने तथा रोजगार के बीच के अंतराल की पहचान
- प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन
- आतिथ्य संबंधी कौशल तथा सत्र
- बहुभाषा क्षमता तथा वाचन क्षमतायुक्त गाइड
- अमूर्त विरासत को पुर्नजीवित करना

7- x.rO; dk viuk,i

समुदाय में अपनत्व की भावना पैदा करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई जाएगी, जैसे मंत्रालय की 'एक विरासत को अपनाएं' और 'युवा पर्यटन क्लब' जैसी पहलों के साथ समभिरूपता। इसके अतिरिक्त स्थानीय कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को गंतव्य को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। सक्रिय ब्रांडिंग और प्रचार के लिए गंतव्य से जुड़ी हस्तियों और प्रवासियों का भी उपयोग किया जाएगा।

YUVA Tourism activities are being undertaken in full swing across the country

xr0; dk viuk,& çe[k dkjd

- 'एक विरासत को अपनाएं' के साथ समभिरूपता
- गंतव्यों में 'युवा पर्यटन क्लबों' को शामिल करना
- विश्वविद्यालय द्वारा 'गंतव्य को अपनाना'
- प्रवासियों के साथ संपर्क
- प्रतिष्ठित व्यक्तियों को 'ब्रांड एंबेसडर' के रूप में शामिल करना

8- i;Vu e futh fuo’k

राजस्व उत्पन्न करने वाली संपत्तियों के प्रबंधन के लिए योजना तैयार की जाएगी और उसे लागू किया जाएगा, जिसमें सार्वजनिक–निजी भागीदारी और राजस्व उत्पन्न न करने वाली संपत्तियां हो सकती है और जो बजटीय सहायता प्रदान करेंगी। मास्टर प्लान गंतव्य में निजी निवेश और भागीदारी के लिए संभावित क्षेत्रों की पहचान भी करेगा।

#Conceptual Plan of 45 acre of land reserved for future Development in Gopalpur, Odisha

i;Vu e futh fuo’k & çe[k dkjd

- मुद्दों और चुनौतियों की पहचान
- निजी निवेश के लिए अनुकूल उत्पाद
- पीपीपी परियोजनाएं और निजी वित्तपोषण परियोजनाएं परियोजना समूह का हिस्सा होंगी
- कौशल प्राप्त युवाओं के लिए उद्यमिता के अवसरों को बढ़ावा देना

9- dk;<kpk n’kkvk e lèkkj ykuk

गंतव्य प्रबंधन समिति गंतव्य पर कार्यढांचा दशाओं विशेष रूप से स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा, नागरिक अवसंरचना, गंतव्य के रखरखाव की समग्र गुणवत्ता की समीक्षा करेगी। केंद्रीय मंत्रालयों और अन्य एजेंसियों के सहयोग से भारत सरकार की चालू योजनाओं के साथ तालमेल स्थापित किया जाएगा।

Improving the surrounding conditions helps entice more tourism & supports sustainable development

xr0; ij lQkÃ vkj LoPNrk e lèkkj

- स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग के तहत गंतव्य की मैपिंग
- एसबीएम के अनुसरण में सार्वजनिक शौचालयों/एसडब्ल्यूएम का विकास
- स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता अभियान
- कचरे रहित तथा प्लास्टिक मुक्त गंतव्यों का लक्ष्य

lQyrk dh dgkfu;k % Lon'k n'ku d gLr{ki

1½ rEikjk & 'kkyhu yfdu eukje

तम्पारा ओडिशा राज्य की ताजे पानी की सबसे बड़ी झीलों में से एक है। सुंदर झील और निकटवर्ती चिलिका लैगून उस पारिस्थितिकीय विविधता को उजागर करते हैं जिसकी ओडिशा में प्रचुरता है ।

rVh; ifjiFk d rgr rEikjk dk fodkl

स्वदेश दर्शन के तहत पर्यटन मंत्रालय ने जेटी, पर्यटक स्वागत केंद्र, जन सुविधाओं, फूड कोर्ट, ट्रेकिंग, प्रवेश द्वार, पार्किंग क्षेत्र के निर्माण, साइट विकास, लैंडस्केपिंग और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण द्वारा अवसंरचनागत सुधार सहायता प्रदान की ताकि इसे पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा दिया जा सके। जल क्रीड़ा सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए नाव, कश्ती, डोंगी, जेट बोट और स्पीड बोट जैसे उपकरण लगाए गए। सॉलर स्ट्रीट लाइटें लगाकर और ठोस अपषिश्ट प्रबंधन द्वारा जिम्मेदार पर्यटन विकास की दिशा में कदम उठाए गए।

lkeqnkf;d Hkkxhnkjh % तम्पारा झील के उन्नयन के साथ, पारंपरिक रूप से मछली पकड़ने और पशुपालन के कार्य में लगे स्थानीय लोगों के लिए आय का एक वैकल्पिक स्रोत उत्पन्न हुआ है। लगभग 25 लोग रिसेप्शनिस्ट, गाइड, गार्ड, हाउसकीपिंग और सफाई कर्मचारी के रूप में काम कर रहे हैं।

futh Hkkxhnkjh dk vkd"kr djuk % झील के किनारे के क्षेत्र के कायाकल्प ने 20 कमरे के एक प्रमुख बजट होटल – तम्पारा रिसॉर्ट्स को आकर्षित किया है और निजी एजेंसियों ने जल क्रीड़ा गतिविधियों और प्रशिक्षण का संचालन शुरू कर दिया है।

पार्किंग और लैंडस्केपिंग के साथ झील के किनारे ओपन फूड कोर्ट

स्थानीय समुदाय को एसडी परिसंपत्तियों जैसे कैफेटेरिया, वाटर स्पोर्ट्स और हाउसकीपिंग के रखरखाव का काम सौंपा गया है।

2½ iUuk Vkbxj fjtoZ & tuxyh tkuojksa dh ngkM+ lqu

पन्ना सबसे बड़े परभक्षियों के निवास स्थान में टहलने और झरते जलप्रपातों का यादगार अनुभव लेने के लिए बढ़िया जगह है। पन्ना टाइगर रिजर्व भारत और दुनिया भर से बेतक़ल्लुफ यात्रा करने वाले वन्य जीव और प्रकृति प्रेमियों के झुंड का ध्यान खींचने में सफल रहा है।

dSls igqapsa % यहां खजुराहो से हवाई मार्ग से पहुंचा जा सकता है जो लगभग 26 किमी दूर है। रेल द्वारा यह खजुराहो स्टेशन से जुड़ा हुआ है जो लगभग 40 किमी दूर है और यह सतना जंक्शन से भी जुड़ा हुआ है जो लगभग 75 किमी दूर है। सड़क मार्ग से यह एनएच 86 के माध्यम से भोपाल से और एनएच 75 के माध्यम से छतरपुर से जुड़ा हुआ है।

xfrfofèk;k¡ % पर्यटक पार्क में सुबह और शाम को 4X4 जंगल सफारी, मगरमच्छ देखने के लिए नाव की सवारी, सिवेट, तेंदुआ, साही, लकड़बग्घा, लोमड़ी, स्लॉथबीयर, ब्लू बुल और चीता सहित निषाचर जीवन देखने के लिए नाइट सफारी का आनंद ले सकते हैं। पन्ना बहते जलप्रपातों की भी भूमि है, जिनमें रानेह फॉल्स और पांडव फॉल्स महत्वपूर्ण हैं।

vkokl % पन्ना टाइगर रिजर्व में और उसके आसपास रानेहफॉल हट्स, जंगल कॉटेज, रिवर लॉज में पर्यटक आवास उपलब्ध हैं।

oU; tho ifjiFk ds rgr iUuk dk fodkl

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन के तहत बफर जोन एंट्री, कंपाउंड वॉक, चेनलिंक एंट्री, पार्किंग एरिया, फॉरेस्ट वॉक, मचानों का विकास, वन सूचना केंद्र, कैफेटेरिया, ओपन एयर एम्फीथिएटर, लॉग हट्स, ऑफिस, टॉयलेट और साइनेज का निर्माण करके आधारभूत सुविधाओं के सुधार में सहायता प्रदान की। सोलर स्ट्रीट लाइट और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन स्थापित करके सतत पर्यटन विकास की दिशा में कदम उठाए गए। पार्क में वाईफाई लोकेशन का भी प्रावधान है, जिससे पर्यटकों को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।

lkeqnkf;d Hkkxhnkjh % स्थिरता को बढ़ाने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय अवसंरचना का निर्माण किया गया है। एमपीटी जंगल कैंप माडला के निर्माण के लिए माडला गांव से लट्ठे और पन्ना के पत्थरों सहित स्थानीय सामग्री का उपयोग किया जाता है। जंगल कैंप माडला (पन्ना) में स्थानीय समुदाय के 36 लोगों को सीधा रोजगार मिला है। हालांकि, वन सूचना केंद्र, बफर जोन एंट्री गेट और मचान का प्रचालन वन विभाग द्वारा किया जाता है।

futh Hkkxhnkjh dk vkd"kZ.k djuk % पार्क निजी निवेश को भी आकर्षित करता है और वित्त वर्ष 2019–20 से राजस्व में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्तमान में जंगल कैंप माडला (पन्ना) से 86 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। निजी कैंपिंग आपरेटरों द्वारा माडला गांव में 3 नए निजी रिसॉर्ट और 2 कैंपिंग स्थलों का निर्माण किया जा रहा है।

पन्ना टाइगर रिजर्व में कैफेटेरिया

स्वदेश दर्शन के तहत बनाया गया प्रवेश द्वार

3½ ifMr jfo'kdj lkxj ¼xxjy ckèk½ & feuh xkok

पंडित रविशंकर सागर बांध का निर्माण महानदी नदी के 15 किलोमीटर चौड़े हिस्से में किया गया है। इसमें 10 एमवी बिजली उत्पन्न करने वाली एक जलविद्युत परियोजना है जो आस–पास के क्षेत्र को संबल प्रदान करती है। यह जलाशय, अनदेखे द्वीप, जल क्रीड़ा गतिविधियाँ, समृद्ध वनस्पति और जीव जगत तथा ठहरने के लिए आरामदेह आवास उपलब्ध कराता है।

dl igp% निकटतम हवाई अड्डा रायपुर है, जो धमतरी से लगभग 75 कि.मी. दूरी पर है। निकटतम रेलवे स्टेशन रायपुर है जो रायपुर से धमतरी को नैरोगेज के माध्यम से जोड़ता है। रोड द्वारा धमतरी से आने जाने के लिए नियमित बस सेवा उपलब्ध है।

xfrfofèk;k¡% पंडित रविशंकर सागर के पास पर्यटक समुद्र तट की गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं जैसे जेट स्कीइंग, वाटरसर्फिंग, वाटरस्कीइंग, स्कूबा डाइविंग, सेलिंग, पैरासेलिंग, काइट सर्फिंग, बच्चों के खेलने का क्षेत्र और बीच पिकनिक। पर्यटक हरे–भरे लॉन में टहल सकते हैं और नदी के किनारे घूम सकते हैं।

Bgjus dh 0;oLFkk% बरडीहा लेक व्यू रिजॉर्ट बांध के पास का प्रसिद्ध और निकटतम आवास है। बांध के आसपास अन्य निजी गेस्ट हाउस उपलब्ध हैं, जहां पर्यटक ठहरने का आनंद लें सकते हैं।

vkfnoklh ifjiFk ds rgr ifMr jfo'kdj ckèk dk fodkl

स्वदेश दर्शन के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन स्थल के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए लॉग हट्स, वाटर फ्रंट विकास, सार्वजनिक शौचालय, कैफेटेरिया, पगोडा, गार्ड रूम, पार्किंग क्षेत्र, जल आपूर्ति प्रणाली, क्षेत्र विकास, लैंडस्केपिंग और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण द्वारा अवसंरचनात्मक सुधार किया है। बोट्स, बोट शेड, कयाकिंग और जेट स्कीइंग जैसे जल क्रीड़ा उपकरण बनाए गए हैं। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सिस्टम लगाकर जिम्मेदार पर्यटन की दिशा में कार्य किए गए।

lkenkf;d Hkkxhnkjh% बरडीहा लेकव्यू रिसॉर्ट में जलक्रीड़ा विकास ने स्थानीय समुदाय को लाभकारी रोजगार प्रदान किया था। स्थानीय लोग रिसॉर्ट में यात्रा और टूर ऑपरेटर, खाद्य विक्रेताओं के रूप में और जल क्रीड़ा केंद्र पर कार्यरत हैं। परियोजना महिलाओं और युवा सशक्तिकरण का भी समर्थन करती है।

futh Hkkxhnkjh% बरडीहा लेक रिजॉर्ट के संचालन और रखरखाव एंचांटिंग होटल और रिसॉर्ट्स को और जलक्रीड़ा केंद्र की ज़िम्मेदारी ईसीएचटी इंटीग्रेटेड रिक्रिएशनल फैसिलिटी को दे दी गई है। निजी कंपनियां गंतव्य पर जल क्रीड़ा गतिविधियों का संचालन करती हैं।

लैंडस्केपिंग के बाद, पंडित रविशंकर बांध के दृश्य

वाटर स्पोर्ट्स का लुत्फ उठाते सैलानी

4½ pkfceqjk – bfrgkl] ikjkf.kd dFkkvksa vkSj xkFkkvksa dk feJ.k

चाबिमुरा गोमती नदी के तट पर तीव्र ढ़लान वाले पहाड़ की दीवार पर शिव, विष्णु, कार्तिक, महिषासुरमर्दिनी दुर्गा और अन्य देवी–देवताओं के नक्काशीदार पैनल के लिए प्रसिद्ध है। यह क्षेत्र प्रकृति और साहसिक पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है। चाबिमुरा महोत्सव हर वर्ष नवंबर के महीने में स्थानीय संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है।

dSls igqapsa% निकटतम हवाई अड्डा अगरतला है, जो लगभग 90 किलोमीटर दूर है। निकटतम रेलवे स्टेशन 30 किलोमीटर दूर है, जो कि उदयपुर है। सड़क मार्ग से यह अगरतला से समीप है, लगभग 82 किलोमीटर दूर।

xfrfof/k;k¡% पर्यटक नाव की सवारी, साहसिक खेल गतिविधियों और रिवर ट्रेकिंग में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा चाबिमुरा महोत्सव एक महत्वपूर्ण स्थानीय उत्सव है। उत्सव के दौरान मेला मैदान में कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक सांस्कृतिक मंच स्थापित किया जाता है, जहां त्रिपुरा के 19 जातीय समूहों और असम, मेघालय, मणिपुर, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा जैसे पड़ोसी राज्यों के सांस्कृतिक समूहों को भी प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया जाता है।

Bgjus dh O;oLFkk% चाबिमुरा और उसके आसपास ठहरने के लिए कई विकल्प हैं जैसे चाबिमुरा कॉटेज, सागरिका परजातन निवास और फटिक सागर, अमरपुर आदि।

iokZÙkj ifjiFk ds rgr pkfceqjk dk fodkl

स्वदेश दर्शन के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रिवर सफारी बोट्स, स्पीड बोट्स, पार्किंग, क्रॉसब्रिज (114 मी) और एप्रोच रोड के निर्माण द्वारा अवसंरचनात्मक सुधार किया है।

lkeqnkf;d Hkkxhnkjh% क्रॉसब्रिज ने नदी के पार समुदाय आधारित ग्राम पर्यटन की नींव रखी है। इससे स्थानीय समुदायों तक पहुंच में वृद्धि हुई है बोटिंग, भोजनालयों, दुकानों, कैब और टैक्सी की सुविधाओं जैसी पर्यटन गतिविधियों में शामिल स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार उत्पन्न किया है और पर्यटक गाइड के रूप में स्थानीय युवाओं को लगाया गया है।

इससे आसपास के गांवों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है क्योंकि इसने ग्रामीणों को जोड़ दिया है उनके लिए माल का परिवहन आसान हो गया है।

futh Hkkxhnkjh% बोटिंग, कयाकिंग और पार्किंग शुल्क से उन स्थानीय लोगों के लिए राजस्व जमा करने में मदद मिलती हैं, जो पर्यटन स्थल के संचालन और अनुरक्षण में शामिल हैं।

चाबिमुरा–पूर्वोत्तर का ऐमेज़ॉन

जलक्रीड़ा सुविधाओं और गतिविधियों के संचालन में ामिल स्थानीय समुदाय

5½ ÃMu chp & n Cyw ¶ysx chp

पुडुचेरी के पास चिन्ना वीरमपट्टिनम में ईडन बीच एक बहुत ही मनोरम समुद्र तट है जो वृहद प्राकृतिक सुंदरता का उदाहरण है। यह भारत में सबसे स्वच्छ समुद्र तटों में से एक है और इसे डेनमार्क स्थित पर्यावरण शिक्षा फाउंडेशन द्वारा ब्लू फ्लैग प्रमाणन भी प्राप्त हुआ है। पर्यटक समुद्र तट में प्रवेश करते समय चुनाबार नदी के अप्रवाही जल (बैकवाटर) के साथ बड़े–बड़े ताड़ के पेड़ों को देख सकते हैं। यहाँ पर्यटकों की सहूलियत के लिए प्रचुर मात्रा में सुविधाएँ उपलब्ध है। समुद्र तट पर चहलकदमी करते समय, खूबसूरत समुद्री जीवों को भी देखा जा सकता है।

dls igp% निकटतम हवाई अड्डा पुडुचेरी हवाई अड्डा या चेन्नई है जो 135 किमी दूर है, विल्लुपुरम, निकटतम रेलवे स्टेशन, 35 किमी दूर है। यहाँ बस या टैक्सी द्वारा सड़क मार्ग से सबसे आराम से पहुँचा जा सकता है।

xfrfof/k;k% पर्यटक समुद्र तट पर सैर, फोटोग्राफी, नौका विहार, ओपन जिम, स्विमिंग जोन, किड्स प्ले एरिया, स्विमिंग और फूड आउटलेट का आनंद ले सकते हैं।

Bgju dh 0;oLFkk% एमजी रोड के आसपास और व्हाइट टाउन जैसे स्थानों सहित स्टार श्रेणी के होटल ठहरने के लिए अच्छे विकल्प हैं जो पर्यटकों के सभी बजट रेंज के लिए उपयुक्त हैं।

rVh; ifjiFk d rgr ÃMu chp dk fodkl

स्वदेश दर्शन के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने समुद्र तट पर पाथवे, गेबियन वॉल, स्टेज, लैंडस्केपिंग, कैफेटेरिया, शौचालय सुविधाएं और विद्युत् संबंधी काम करके अवसंरचना में एक बदलाव की सुविधा प्रदान की।

Cyw ¶ysx chp% ब्लू फ्लैग बीच एक इको–पर्यटन मॉडल है, जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय को सतत विकास प्रदान करते हुए पर्यटकों को साफ़ और स्वच्छ नहाने के पानी, सुविधाएं/सहूलियत और एक सुरक्षित तथा स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है। स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रदूषण को कम करने, ठोस अपशिष्ट और समुद्री कचरे का जिम्मेदारी से प्रबंधन करने और तटीय क्षेत्रों के सतत विकास को बढ़ावा देने के प्रयास किए गए हैं।

futh Hkkxhnkjh dk vkd"kZr djuk% बेड एन्ड ब्रेकफास्ट, जल एवं साहसिक क्रीड़ाओं जैसी सरकारी पहलों ने लाभदायक निजी निवेश को आकृष्ट किया है। उदाहरण के लिए रैडिसन ग्रुप द्वारा 60 चाबियों वाला एक आलीशान होटल।

पार्किंग, विभिन्न सुविधाओं तथा लैंडस्केपिंग के साथ ईडन बीच पुडुचेरी

स्वदेश दर्शन के तहत चिन्नावीरामपट्टिनम में ईडन बीच पर एक सजावटी वृत्त–खंड (आर्क)

6½ fVgjh & fofHkUu t y ØhMkvksa lfgr ,d ,Mopj gc

टिहरी उत्तराखंड में भागीरथी और भिलंगना नदियों के संगम पर स्थित एक छोटा सा शहर है। इसमें टिहरी बांध स्थित है जो एशिया में सबसे बड़े और सबसे ऊंचे बांध के रूप में प्रसिद्ध है और इसे हिमालय की दो महत्वपूर्ण नदियों भागीरथी और भिलंगना से पानी का उपयोग करने वाला दुनिया का 10वां सबसे ऊंचा बांध माना जाता है।

dSls igqpsa% निकटतम हवाई अड्डा जॉली ग्रांट हवाई अड्डा है और यह 86 किमी की दूरी पर स्थित है, जो झील से लगभग 2.5 घंटे की दूरी पर है। यह हरिद्वार, ऋषिकेश और मसूरी जैसे प्रमुख शहरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। निकटतम रेलवे स्टेशन ऋषिकेश (72 किमी) है।

xfrfof/k;k% नई टिहरी एक साहसिक पर्यटन केंद्र है जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विभिन्न जल क्रीड़ाओं के लिए प्रसिद्ध है। इसका रास्ता नागटिब्बा, खतलिंग ग्लेशियर, सेम–मुखेम, पनवाली कांथा, सहस्रताल और मसारताल जैसे कई बहुत ऊंचाई वाले ट्रेक से होकर जाता है। अन्य स्थान जो निकट हैं, वे है धनौल्टी, कनाताल और देवप्रयाग।

Bgjus dh 0;oLFkk% ठहरने के कई विकल्प हैं जैसे स्टार रेटेड होटल, फ्लोटिंग हट और इको टूर नेचर कैंप, बेड ब्रेकफास्ट और होमस्टे।

bdkbZ ifjiFk ds rgr fVgjh dk fodkl

स्वदेश दर्शन के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय ने टिहरी में समग्र पर्यटन विकास के लिए फ्लोटिंग इको लॉग हट्स, फ्लोटिंग कैफेटेरिया, इको लॉज, फ्लोटिंग जेट्टी, सर्विस बोट, प्रोमेनेड का विकास, बहु स्तरीय कार पार्किंग, टूरिस्ट इंटरप्रेटेशन सेंटर, प्रदीप्तिकरण, जन सुविधाएँ और अंतिम बिंदु तक पहुंच का निर्माण करके एक अवसंरचना बदलाव की सुविधा प्रदान की है। एडवेंचर और वाटरस्पोर्ट्स गतिविधियों की शुरुआत के साथ, पर्यटक टिहरी झील में उत्साह से परिपूर्ण गतिविधियों का अनुभव कर सकते हैं, जिसमे बोटिंग, ज़ोरबिंग और वॉटर स्कीइंग जैसे जल क्रीड़ाओं के कई विकल्प उपलब्ध है।

çÑfr dh xksn esa uohurk% टिहरी क्षेत्र में इस योजना से प्रकृति के और निकट आने के लिए पर्यटकों का तांता लगा रहेगा।

futh Hkkxhnkjh dk vkd"kZ.k djuk% टिहरी झील के आसपास के क्षेत्र के उन्नयन के साथ, स्थानीय लोगों के लिए आय का एक वैकल्पिक स्रोत उत्पन्न हुआ है। विकसित संपत्ति के संचालन और रखरखाव के लिए लगभग 450 नौकरियां सृजित की गई है। यह होटल, होमस्टे आदि बनाकर स्थानीय अर्थव्यवस्था और नौकरियों को बढ़ावा देता है। फ्लोटिंग इको लॉग हट्स, फ्लोटिंग कैफेटेरिया और प्रोमेनेड विकास ने टिहरी में 15 नए फार्म/इको स्टे को आकर्षित किया है।

टिहरी झील पर फ्लोटिंग इको हट्स से दिखने वाले पहाड़ी नज़ारे

वार्षिक टिहरी झील महोत्सव जेट स्कीइंग, बोट रेसिंग जैसी कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यह 4 फरवरी, 2023 – 06 फरवरी, 2023 के बीच अस्थायी रूप से नियत हुआ है।

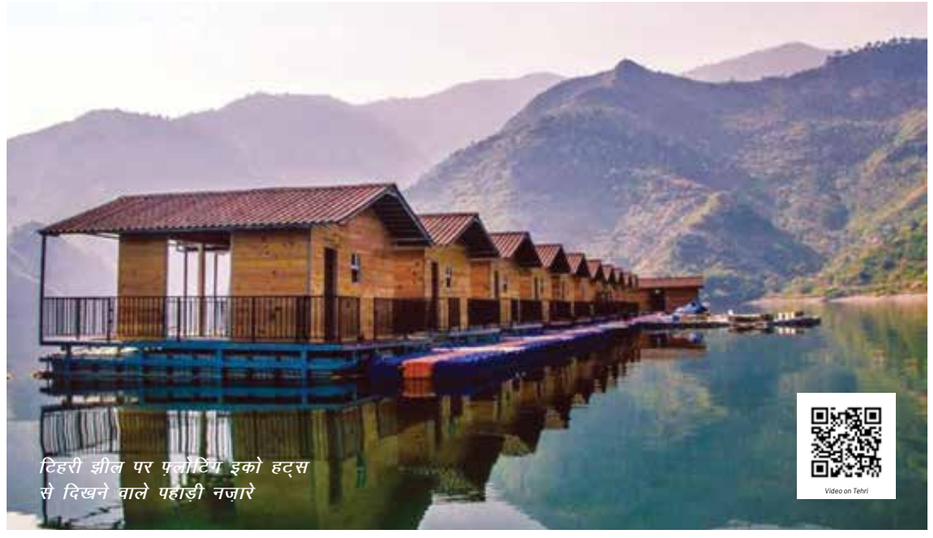

7½ [ktjkgks & okLrqdyk dk peRdkj

खजुराहो दीवार पर नक्काशी और प्राचीन स्मारकों पर मूर्तिकला के लिए सबसे अधिक प्रसिद्ध है और यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है जो मध्य प्रदेश में स्थित है। परिसर के कुछ प्रसिद्ध स्मारकों में लक्ष्मण मंदिर, विश्वनाथ मंदिर और कंदारिया महादेव मंदिर शामिल हैं।

dSls igqapsa% निकटतम हवाई अड्डा खजुराहो है जो स्मारकों के समूह से 5 किमी दूर है। निकटतम रेलवे स्टेशन खजुराहो जंक्शन है जो 8 किमी दूर है। सड़क मार्ग से यह राष्ट्रीय राजमार्ग 39 से लगभग 11 किमी दूर है।

xfrfofèk;k% पर्यटक मंदिरों के समूह में जा सकते हैं और लाइट एंड साउंड शो का अनुभव कर सकते हैं और सर्वोत्तम भारतीय मंदिर वास्तुकला का अनुभव कर सकते हैं।

Bgjus dh O;oLFkk% लक्ज़री स्टार रेटेड होटल से लेकर बैकपैकिंग हॉस्टल के साथ एमपीएसटीडीसी होटल तक पर्यटकों के लिए सभी सुविधाओं के साथ ठहरने के लिए अच्छे विकल्प हैं।

fojklr ifjiFk ds rgr [ktjkgks dk fodkl

स्वदेश दर्शन के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने एक पर्यटन स्थल के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए पार्किंग, विभिन्न स्मारकों के पास सार्वजनिक सुविधाओं और प्रदर्शनी गैलरी, प्रदर्शन कला केंद्र, हट्स, कैफेटेरिया, थीम पार्क, पर्यटक सुविधा केंद्र धुबेला, भूनिर्माण और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण के साथ अवसंरचना संबंधी उन्नयन की सुविधा प्रदान की है। बाउंड्री वॉल का निर्माण, एसटीपी, पाथवे विकास, गेजबो, सौर प्रकाश व्यवस्था जैसी गतिविधियां शुरू की गई हैं। सम्मेलनों और बैठकों की मेजबानी के लिए लगभग 1200 पैक्स क्षमता और 15,000 वर्ग फुट के क्षेत्र के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेंटर बनाया जा रहा है।

ekbl xarO; ds :i esa ,sfrgkfld fpà% खजुराहो क्षेत्र के समग्र विकास और उन्नयन के साथ, मार्च 2021 में मीट–इन–इंडिया रोड शो का आयोजन किया गया था, जिसमें छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर (स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकसित) को वैश्विक माइस गंतव्य के रूप में संवर्धन करने के लिए 150 राष्ट्रीय स्तर के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

futh Hkkxhnkjh dk vkd"kZ.k djuk% इस क्षेत्र में वर्तमान में 5+ फाइव–स्टार होटल हैं और इस क्षेत्र के उन्नयन ने पर्यटकों के लिए अपनी सेवाओं के स्तर को बढ़ाने के लिए 3 से अधिक होटलों को प्रोत्साहित किया है।

खजुराहो में मंदिर स्मारकों का समूह

स्वदेश दर्शन के तहत अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन केंद्र का सिविल कार्य किया गया है।

8½ lkaph& ckS) vkj ek;k bfrgkl dk vfr egRoiw.kZ LFky

सांची स्तूप देश के सबसे प्राचीन बौद्ध स्मारकों में से एक है और यूनेस्को की विश्व धरोहर भी है। यह स्मारक इस क्षेत्र में बौद्ध आस्था का केंद्र बिंदु उस समय से है जबसे इसे तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक ने बनवाया था। भव्य संरचना आज भी विस्मकारी है और यह एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है और छोटे स्तूपों, मठों और मंदिरों के अवशेषों से घिरा हुआ है, जो इस स्थल के निर्माण के बाद अगली कई सदियों में धार्मिक समुदाय द्वारा बनवाए गए थे।

dSls igq¡pas½ निकटतम हवाई अड्डा भोपाल है, जो लगभग 50 किमी दूर है और यहाँ पहुँचने में 1.5 घंटे लगते हैं। यह एनएच 146 के माध्यम से भोपाल से जुड़ा हुआ है। निकटतम रेलवे स्टेशन भोपाल जंक्शन है।

xfrfof/k;k¡½ साँची अनगिनत स्तूपों के लिए प्रसिद्ध है, जहाँ भगवान बुद्ध के स्मृति चिन्ह मौजूद हैं। सांची स्तूप, द ग्रेट बाउल, अशोक स्तंभ, द ईस्टर्न गेटवे, उदयगिरि गुफाएं और सांची संग्रहालय प्रमुख आकर्षण हैं।

vkokl½ एमपीएसटीडीसी रिसॉर्ट्स सहित विभिन्न किफायती विकल्प मौजूद हैं।

ckS) ifjiFk dk rgr lkaph dk fodkl

स्वदेश दर्शन के तहत, पर्यटन मंत्रालय द्वारा बौद्ध थीम पार्क, लाइट एंड साउंड शो, कैफेटेरिया, सार्वजनिक सुविधाएं, फूड कोर्ट, कनक सागर झील का विकास और सौंदर्यीकरण, पहुँच मार्ग, क्षेत्र की लैंडस्केपिंग और सौंदर्यीकरण, मार्गस्थ सुविधाएं और पर्यटन गंतव्य के रूप में इसका संवर्धन करने हेतु अंतिम बिंदु तक कनेक्टिविटी द्वारा अवसंरचना सुधार में सहायता प्रदान की गई।

bUQkWVuesaV ikdZ lfgr oSfÜod igpku½ साँची में 3000 वर्ग फुट के विस्तार में व्याख्या केंद्र विकसित किया गया है जो भगवान बुद्ध के जीवन को समर्पित है और चित्रों, इंटरएक्टिव पैनल और 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग के माध्यम से उनके जीवन की गाथा सुनाता है।

निर्माण अवधि के दौरान औसतन 22 श्रमिकों को प्रतिदिन रोजगार मिला और वर्तमान में 16 लोग प्रचालन एवं रख–रखाव स्टाफ के रूप में कार्यरत हैं।

lqj{kk@IykfLVd eqä {ks=½ साँची प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और सीवरेज प्रबंधन के लिए स्थायी कार्यपद्धतियों का उपयोग किया जा रहा है।

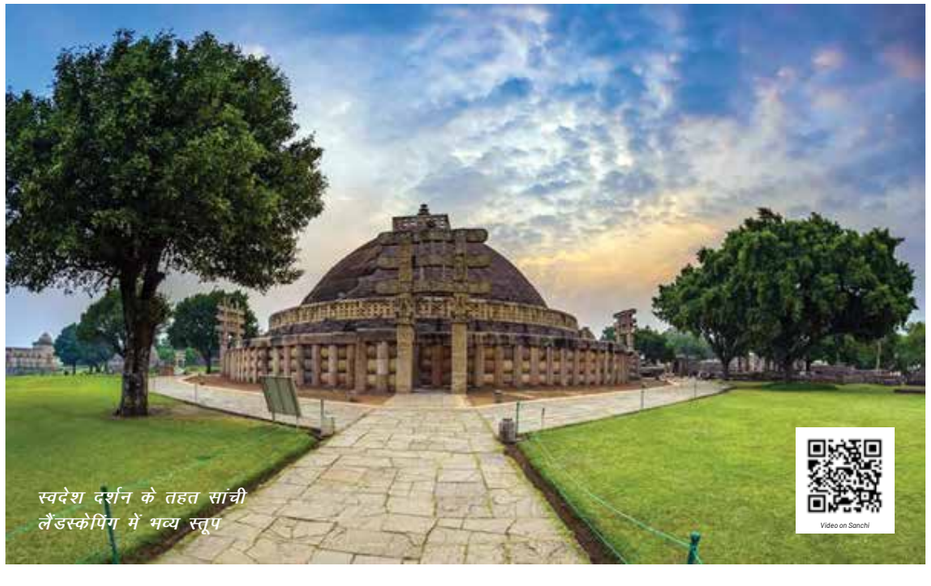

स्वदेश दर्शन के तहत सांची लैंडस्केपिंग में भव्य स्तूप

स्वदेश दर्शन के तहत सांची के बुद्ध जम्बूद्वीप पार्क का विकास

9½ oMuxj & ,d fojkl r LFky

वडनगर एक प्राचीन शहर है जिसका उल्लेख अक्सर पुराणों और ह्वे–एन–त्सांग द्वारा चीनी यात्रा वृत्तांत में एक समृद्ध और सम्पन्न शहर के रूप में किया गया है। अर्जुन बाड़ी गेट के शिलालेख से पता चलता है कि राजा कुमार पाल ने 1152 ईस्वी में शहर की किलेबंदी की थी। यहाँ की गलियों में घूमते हुए पर्यटकों का समय का अहसास जैसे धूमिल–सा पड़ जाता है। कृषि समुदायों के मिट्टी के बर्तनों के टुकड़ों, वस्त्रों, आभूषणों और औजारों के अवशेषों में 4500 वर्ष का इतिहास छिपा हुआ है। यह स्थान दयाराम और नरसिंह मेहता जैसे कवियों, गोवर्धन राम त्रिपाठी जैसे उपन्यासकार कौमुदी मुंशी जैसे सर्वश्रेष्ठ संगीतकारों और ताना रीरी संगीत महोत्सव के लिए प्रसिद्ध है।

d\ls igqp\s% निकटतम हवाई अड्डा अहमदाबाद है, जो रेल द्वारा लगभग 111 कि.मी की दूरी पर है, सिद्धपुर स्टेशन वडनगर से 42 किमी दूर है। सड़क मार्ग से मेहसाणा 47 किमी है, अहमदाबाद 111 किमी है। स्थानीय परिवहन के लिए बिना मीटर वाले ऑटो रिक्शा उपलब्ध हैं।

xfrfof/k;k\% पर्यटक शर्मिष्ठा झील, स्थानीय संग्रहालय, पुस्तकालय, हटकेश्वर मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों, कीर्ति तोरण क्षेत्र में पुरातात्विक खोजों सहित विभिन्न दर्शनीय स्थलों का आनंद ले सकते हैं।

vkokl% वडनगर क्षेत्र के आसपास में ज्यादा होटल नहीं हैं, और पर्यटक आरामदायक आवास और रेस्तरां के लिए मेहसाणा जाते हैं।

fojkl r ifjiFk d\s rgr oMuxj dk fodkl

स्वदेश दर्शन के तहत, पर्यटन मंत्रालय द्वारा शर्मिष्ठा झील के आसपास लैंडस्केपिंग, स्ट्रीट पोल्स और सामान्य प्रकाश व्यवस्था, सीवेज, सीसीटीवी कैमरे, बैठने के बेंच, लैंडस्केपिंग, साइनेज, कैफेटेरिया, पार्किंग क्षेत्र, टॉयलेट ब्लॉक, स्मारिका की दुकानें, बोटिंग जेट्टी और शहर में थीम पार्क की अवसरंचना सुविधा के निर्माण में सहायता प्रदान की गई है।

rkuk jhjh egkRlo% राज्य सरकार द्वारा ताना रीरी महोत्सव का आयोजन दो बहनों ताना और रीरी की याद में किया जाता है। दोनों बहनें अपनी सशक्त गायन क्षमता के लिए स्थानीय लोगों के बीच लोकप्रिय थीं और उनका जीवन गुजराती लोक कथाओं का हिस्सा है। भारत में अकबर के शासन के दौरान, उनके दरबारी संगीतकार तानसेन ने एक बार राग दीपक गाया, जो कथित रूप से अग्नि और ऊष्णता का आह्वान करता है, जिससे उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। चूंकि प्रत्युत्तर में थेरेपी के अलावा और कोई इलाज नहीं था, इसलिए बहनों की इस जोड़ी ने उनके लिए राग मल्हार गाया, जिसने तानसेन को संगीत चिकित्सा ठीक कर दिया। ताना रीरी महोत्सव भारत के समृद्ध संगीत और देश भर के उन संगीतकारों को समर्पित है, जो विभिन्न रूपों में भारतीय संगीत की सुंदरता दिखाने के लिए उत्सव में शामिल होते हैं। यह वार्षिक उत्सव वर्षों से चला आ रहा है भारत और विदेश के संगीतकारों के कला प्रदर्शन के लिए एक मंच और सिद्ध संगीतकारों को सम्मानित करने के लिए एक अवसर है।

वडनगर में मंदिर का दृश्य

स्वदेश दर्शन के तहत शर्मिष्ठा झील का विकास

10½ lkmM ,.M ykbV 'kks&jktLFkku

राजस्थान में साउंड एंड लाइट शो लोगों को इस स्थान के इतिहास और संस्कृति तथा यहां के निवासियों से परिचित कराने का एक शानदार तरीका है। ये शो मेवाड़ राजवंश के गौरव, इतिहास और परंपराओं को समझने के साथ–साथ राजस्थान की यात्रा को वास्तव में एक सुखद अनुभव बनाते हैं।

dSls igqapsa% राजस्थान के प्रमुख हवाई अड्डे जो सभी साउंड और लाइट शो के लिए सुलभ हैं, वे हैं; जयपुर, जैसलमेर और जोधपुर, जो दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर और हैदराबाद जैसे अन्य प्रमुख शहरों से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं।

xfrfof/k;k¡% धौलपुर, अजमेर, चित्तौड़गढ़, नागौर, राजसमंद, जैसलमेर और जयपुर में साउंड एंड लाइट शो का आयोजन होता है। स्वर्गीय लता मंगेशकर, अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, शाहरुख खान, शर्मिला टैगोर, शम्मी नारंग आदि जैसी प्रसिद्ध हस्तियों की आवाज़ में आख्यान होते है।

vkokl% ठहरने के कई विकल्प मौजूद हैं, जैसे कि लक्जरी, प्रीमियम स्टार रेटेड होटल और अत्याधुनिक स्टेट–ऑफ–द–आर्ट स्विस टेंट सहित सुसज्जित डेजर्ट स्टे सुविधाएं और आरटीएससी सरकारी होटल, बेड ब्रेकफास्ट और होम स्टे सुविधाएं।

lkmM ,.M ykbV 'kks dk fodkl

स्वदेश दर्शन के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने इन स्थलों के अवसंरचनात्मक मेकओवर की सुविधा प्रदान की।

leqnk; dh Hkkxhnkjh% लाइट एंड साउंड शो ने घरेलू पर्यटकों की संख्या को बढ़ाने में मदद की है और इससे दैनिक संचालन और रखरखाव कार्य के लिए प्रत्यक्ष रोजगार एवं टैक्सी/कैब, फेरीवाले, खाद्य विक्रेता, हस्तशिल्प आदि जैसे अप्रत्यक्ष रोज़गार सृजित होते हैं। इन सायंकालीन शोज के कारण पर्यटक उसी शहर में रातभर रुकते हैं।

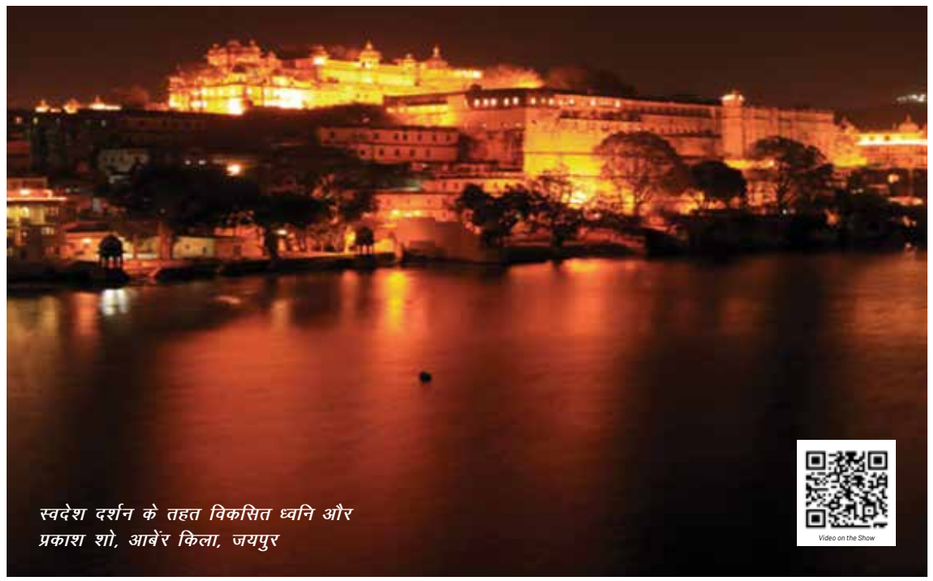

स्वदेश दर्शन के तहत विकसित ध्वनि और प्रकाश शो, आबेर किला, जयपुर

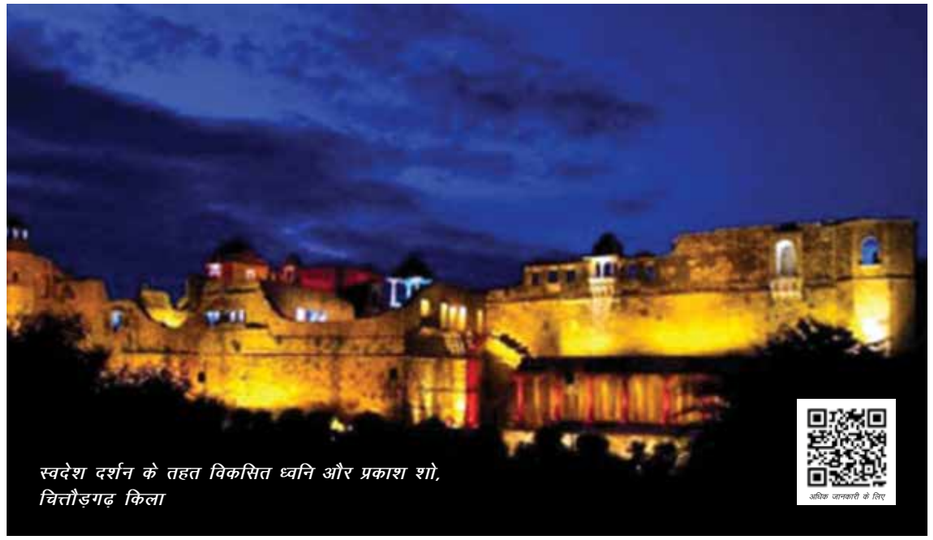

स्वदेश दर्शन के तहत विकसित ध्वनि और प्रकाश शो, चित्तौड़गढ़ किला

31 fnlcj] 2022 rd Lon'k n'ku ;kstuk d vrxr ifj;kstukvk dh o"kokj lph

(करोड़ रुपये में)

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifjiFk dk uke	ifj;kstuk dk uke	Lohdr ekujkf'k*	tkjh dh xÃ ekujkf'k
o"k 2014&15					
1	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वोत्तर परिपथ	भालुकपोंग – बोम्डिला और तवांग का विकास	49.77	47.28
2	आंध्र प्रदेश	तटवर्ती परिपथ	काकीनाडा – होप द्वीप – कोरिंगा वन्य जीव अभयारण्य – पसारलापुडी – अडुरू – एसयानम – कोटीपल्ली का विकास	67.84	67.84
2014&15 dk dy				**117.61**	**115.12**
o"k 2015&16					
1	मणिपुर	पूर्वोत्तर परिपथ	मणिपुर में टूरिस्ट परिपथ का विकास : इंफाल – खोंगजोम	72.23	61.32
2	सिक्किम	पूर्वोत्तर परिपथ	रंगपो (प्रवेश) – रोराथांग – एरिटार – फादमचेन – नथांग – शेराथांग – सोंगमो – गंगटोक – फोडोंग – मंगन – लाचुंग – यमथांग – लाचेन – थांगु – गुरूडोंगमेर – मंगन – गंगटोक – तुमिनलिंगी – सिंगटम (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	98.05	97.41
3	उत्तराखंड	इको परिपथ	टिहरी झील के आसपास टिहरी – चंबा – सरेन का विकास	69.17	69.17
4	राजस्थान	मरूस्थल परिपथ	सांभर लेक टाउन और अन्य गंतव्यों का विकास	50.01	50.01
5	नागालैंड	जनजातीय परिपथ	जनजातीय परिपथ पेरेन – कोहिमा – वोखा का विकास।	97.36	92.49
6	मध्य प्रदेश	वन्य जीव परिपथ	पन्ना – मुकुंदपुर – संजय – डुबरी – बांधवगढ़ – कान्हा – मुक्की – पेंच में वन्य जीव परिपथ का विकास	92.10	86.31
7	आंध्र प्रदेश	तटवर्ती परिपथ	नेल्लोर – पुलीकट झील – उब्बलमडुगू वाटर फाल – नेलापट्टू – कोठाकोडूरू – मायपाडू – रामतीर्थम – इसकापल्ली का विकास	49.55	47.76

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifjiFk dk uke	ifj;kstuk dk uke	Lohdr ekujkf'k*	tkjh dh xÃ ekujkf'k
8	तेलंगाना	इको परिपथ	महबूबनगर जिले में इको पर्यटन परिपथ का विकास	91.62	87.04
9	केरल	इको परिपथ	पत्तनमतिट्टा – गावी – वागामोन – तेक्कडी का विकास	64.08	64.08
10	मिजोरम	पूर्वोत्तर परिपथ	थेंजवाल और दक्षिण जोटे, जिला सेरछिप और रीक का विकास	92.26	92.26
11	असम	वन्य जीव परिपथ	मानस – प्रोबीतोरा – नामेरी – काजीरंगा – डिब्रू – सैखोवा का विकास	94.68	89.94
12	पुदुचेरी	तटवर्ती परिपथ	दुब्रायपेट – अर्किकामेडू – वीरमपट्टिनम – चुनंबर – नल्लावाडू / नारंबाई – मानापेट – कालापेट – पुदुचेरी – यनम का विकास	58.44	58.44
13	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वोत्तर परिपथ	नाफ्रा – सेप्पा – पप्पू, पासा, पक्के घाटी – संगडुपोटा – न्यू सागली – जीरो – योमचा का विकास	96.72	91.88
14	त्रिपुरा	पूर्वोत्तर परिपथ	अगरतला – सिपाहिजाला – मेलाघर – उदयपुर – अमरपुर – तीर्थमुख – मंदिरघाट – दंबूर – नारीकेलकुंजा – गंडाचारा – अंबासा का विकास	82.85	73.30
15	पश्चिम बंगाल	तटवर्ती परिपथ	बीच परिपथ का विकास : उदयपुर – दीघा – शंकरपुर – ताजपुर – मंदारमणि – फ्रासेरगंज – बक्खलई – हेनरी द्वीप	67.99	65.07
16	छत्तीसगढ़	जनजातीय परिपथ	जशपुर – कुंकुरी – मैनपट – कमलेशपुर – महेशपुर – कुरडर – सरोधादादर – गंगरेल – कोंडागांव – नथिया नवगांव – जगदलपुर – चित्रकूट – तीर्थगढ़ का विकास	96.10	94.23
17	महाराष्ट्र	तटवर्ती परिपथ	सिंधुदुर्ग तटवर्ती परिपथ का विकास – सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), मितभाव	19.06	18.11
2015&16 dk dy				**1292.27**	**1238.82**

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifjiFk dk uke	ifj;kstuk dk uke	Loh—r èkujkf'k*	tkjh dh xÃ èkujkf'k
o"k 2016&17					
1	गोवा	तटवर्ती परिपथ	सिंक्वेरिम – बागा, अंजुना – वागाटोर, मोरजिम – केरी, अगौडा किला एवं अगौडा जेल का विकास	97.65	92.76
2	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	जम्मू – श्रीनगर – पहलगाम – भगवती नगर – अनंतनाग – सलामाबाद – उरी – कारगिल – लेह का विकास	77.33	61.87
3	तेलंगाना	जनजातीय परिपथ	मुलुगु – लक्नावरम – मेदावरम – टडवई – दमारावी – मल्लौर – बोगाथा के झरनों का विकास	79.87	79.87
4	मेघालय	पूर्वोत्तर परिपथ	यूमियम (लेक व्यू), यू लम – सोहपेटबेंग – मवडियांगडियांग – ऑर्चिड लेक रिजॉर्ट का विकास।	99.13	94.14
5	मध्य प्रदेश	बौद्ध परिपथ	सांची – सतना – रीवा – मंदसौर – धार का विकास	74.02	72.75
6	केरल	आध्यात्मिक परिपथ	सबरीमाला – एरुमेली – पंपा – सन्निधानम का विकास	54.88	27.44
7	मणिपुर	आध्यात्मिक परिपथ	श्री गोविंदजी मंदिर, श्री बिजोय गोविंदजी मंदिर – श्री गोपीनाथ मंदिर – श्री बुंगशिबोदोन मंदिर – श्री कैना मंदिर का विकास।	45.34	43.04
8	गुजरात	विरासत परिपथ	अहमदाबाद – राजकोट – पोरबंदर – बारडोली – डांडी का विकास	58.42	56.21
9	हरियाणा	कृष्णा परिपथ	कुरूक्षेत्र में महाभारत से संबंधित स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना का विकास	70.91	77.88
10	राजस्थान	कृष्ण परिपथ	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी मंदिर (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास	75.80	72.01
11	सिक्किम	पूर्वोत्तर परिपथ	सिंगटम – माका – टेमी – बरमोइक – टोकेल – फोंगिया – नामची – जोरथांग – ओखारे – सोंबारिया – दारमदिन – जोरथांग – मेल्ली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	95.32	90.55

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifjiFk dk uke	ifj;kstuk dk uke	Loh—r èkujkf'k*	tkjh dh xÃ èkujkf'k
12	मध्य प्रदेश	विरासत परिपथ	ग्वालियर – ओरछा – खजुराहो – चंदेरी – भीमबेटका – मांडु का विकास	89.82	89.49
13	केरल	आध्यात्मिक परिपथ	श्री पद्मनाभ मंदिर, अर्णमुला का विकास	78.08	73.77
14	बिहार	तीर्थंकर परिपथ	वैशाली – आरा – मसाद – पटना – राजगीर – पावापुरी – चंपापुरी का विकास	33.97	30.04
15	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ	कांवड़िया मार्ग का विकास : सुल्तानगंज – धर्मशाला – देवघर	44.76	42.52
16	ओडिशा	तटवर्ती परिपथ	गोपालपुर, बरकुल, सतपाडा तथा टंपारा का विकास	70.82	63.56
17	नागालैंड	जनजातीय परिपथ	मोकोकचुंग – तेनसांग – मोन का विकास	98.14	93.24
18	उत्तराखंड	विरासत परिपथ	कुमायूं क्षेत्र – कटारमल – जोगेश्वर – बैजनाथ – देवीधुरा का विकास	76.32	67.62
19	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	जम्मू – राजौरी – शोपिया – पुलवामा में पर्यटन की सुविधाओं का विकास	81.60	67.35
20	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	पर्यटन की सुविधाओं का विकास – प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत 2014 में बाढ़ के कारण नष्ट हो चुकी परिसंपत्तियों के बदले में परिसंपत्तियों के निर्माण	90.43	74.70
21	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	मंतालाई एवं सुधमहादेव में पर्यटन की सुविधाओं का विकास	92.00	87.19
22	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	अनंतनाग – किश्वर – पहलगाम – डाकसुम – रंजीत सागर बांध में पर्यटन की सुविधाओं का विकास	86.39	69.95
23	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	गुलमर्ग – बारामूला – कुपवाड़ा – कारगिल – लेह में पर्यटन की सुविधाओं का विकास	91.84	73.45
24	उत्तर प्रदेश	बौद्ध परिपथ	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89	72.56
25	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45	64.09

गोवा अगुआड़ा

Ø- l-	jkT; @ la?k jkT; {k=	ifjiFk dk uke	ifj;kstuk dk uke	Lohd`r ekujkf'k*	tkjh dh xbZ ekujkf'k
26	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	तटवर्ती परिपथ	लांग आईलैंड – रोज स्मिथ आईलैंड – नील आईलैंड – हैवलॉक आईलैंड – बरटांग आईलैंड – पोर्टब्लेयर का विकास	27.57	20.89
27	तमिलनाडु	तटवर्ती परिपथ	चेन्नई – मामल्लापुरम – रामेश्वरम – मनपादु – कन्याकुमारी का विकास)	73.13	69.48
28	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ	अहर – अलीगढ़ – कासगंज – सरोसी (उन्नाव) – प्रतापगढ़ – कौशांबी – मिर्जापुर – गोरखपुर – डुमरियागंज – बस्ती – बाराबंकी – आज़मगढ़ – कैराना – बागपत – शाहजहाँपुर का विकास	71.91	68.32
29	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक -II परिपथ	बिजनौर – मेरठ – कानपुर – कानपुर देहात – बांदा – गाजीपुर – सलेमपुर – घोसी – बलिया – अंबेडकर नगर – अलीगढ़ – फतेहपुर – देवरिया – महोबा – सोनभद्र – चंदौली – मिशरिख – भदोही का विकास	67.51	64.14

Ø- l-	jkT; @ la?k jkT; {k=	ifjiFk dk uke	ifj;kstuk dk uke	Lohd`r ekujkf'k*	tkjh dh xbZ ekujkf'k
30	उत्तर प्रदेश	विरासत परिपथ	कालिंजर फोर्ट (बांदा) – मगहर धाम (संत कबीर नगर) – चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) – महुअर स्थल (घोसी) – शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	33.92	32.27
31	बिहार	बौद्ध परिपथ	बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18	93.22
32	असम	विरासत परिपथ	तेजपुर – मजूली – सिबसागर का विकास	90.98	86.42
33	हिमाचल प्रदेश	हिमालयन परिपथ	हिमालयन परिपथ का विकास : कियारीघाट, शिमला, हाटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा	68.34	64.55
34	मिजोरम	इको परिपथ	इको एडवेंचर परिपथ – आइजवाल – रापुईछिप – खावहपहवप – लेंगपुई – छतलांग – साकावरमुइतुइतलांग – मुथी – बेरातलवंग – तुरियल एयरफील्ड – हुमुईफांग का विकास	66.37	49.53
35	राजस्थान	आध्यात्मिक परिपथ	चुरू (सालासर बालाजी) – जयपुर (श्री समोदे बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) – विराटनगर (बिजाक, जैन्नासिया, अंबिका मंदिर) – भरतपुर (कमान क्षेत्र) – धौलपुर (मुचकुंद) – मेहंदीपुर बालाजी – चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	87.05	72.23
36	गुजरात	विरासत परिपथ	वडनगर और मोधेरा का विकास	91.12	87.25
2016&17 dk dqy				**2693.26**	**2446.35**
o"kZ 2017&18					
1	बिहार	ग्रामीण परिपथ	भितिहरवा – चंद्रहिया – तुर्कौलिया का विकास	44.27	39.96
2	गोवा	तटवर्ती परिपथ	तटवर्ती परिपथ II का विकास : रुआ दे ओरम क्रीक – डोना पौला – कोलवा – बेनौलिम	99.35	94.38
3	गुजरात	बौद्ध परिपथ	जूनागढ़ – गीर– सोमनाथ – भडूच – कच्छ – भावनगर – राजकोट – मेहसाणा का विकास	26.68	22.28

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifjiFk dk uke	ifj;kstuk dk uke	Loh—r èkujkf'k*	tkjh dh xÃ èkujkf'k
4	पुदुचेरी	विरासत परिपथ	फ्रेंको – तमिल गाँव, कराईकल, माहे और यानम का विकास	49.44	45.70
5	पुदुचेरी	आध्यात्मिक परिपथ	पुदुचेरी – तिरुकंच – करैकल – यनम का विकास	34.96	30.94
6	राजस्थान	विरासत परिपथ	राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) का विकास – जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ किले में अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था) –झालावाड़ (गागरोन किला) – चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) – जैसलमेर (जैसलमेर किला) – हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) – उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) – धौलपुर (बाग–ए–निलोफोर और पुरानी छावनी) – नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) – टोंक (सुनेहरी कोठी)	70.61	60.91
7	तेलंगाना	विरासत परिपथ	विरासत परिपथ का विकास : कुतुब शाही विरासत पार्क – पैगाह मकबरा – हयात बक्शी मस्जिद – रेमंड का मकबरा	96.90	70.61
8	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	44.55	42.32
9	मध्य प्रदेश	इको परिपथ	गांधी सागर बांध – मंडलेश्वर बांध – ओंकारेश्वर बांध – इंदिरा सागर बांध – तवा बांध – बरगी बांध – भेड़ा घाट – बाणसागर बांध – केन नदी का विकास	93.76	89.08
10	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ	अयोध्या का विकास	127.21	115.46
11	आंध्र प्रदेश	बौद्ध परिपथ	शालीहुंडम – बावीकोंडा – अमरावती – अनुपु का विकास	24.14	24.14
2017&18 dk dy				**711.87**	**635.78**

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifjiFk dk uke	ifj;kstuk dk uke	Loh—r èkujkf'k*	tkjh dh xÃ èkujkf'k
o"k 2018&19					
1	महाराष्ट्र	आध्यात्मिक परिपथ	वाकी – अडासा – धापेवाडा – परदसिंघा – तेलनखंडी – गिराड का विकास	53.96	32.04
2	उत्तर प्रदेश तथा बिहार	मार्गस्थ सुविधाओं का विकास (उप योजना)	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी – गया; कुशीनगर – गया – कुशीनगर में मार्गस्थ सुविधाओं का विकास	15.07	14.32
3	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ	जेवर – दादरी – सिकंदराबाद – नोएडा – खुर्जा – बांदा का विकास	12.03	11.43
4	झारखंड	इको परिपथ	डालमा – बेतला राष्ट्रीय उद्यान– मिरचैया – नेतरहाट का विकास	30.11	26.37
5	त्रिपुरा	पूर्वोत्तर परिपथ	सुरमा शेरा – ऊनाकोटी – जंपुई हिल्स – गुनाबाती – भुनानेश्वरी – नीरमहल – बोक्सानगर – चोट्टाखोला – पीलक – अवांगचार्रा का विकास	44.83	18.37
6	पंजाब	विरासत परिपथ	आनंदपुर साहिब – फतेहगढ़ साहिब – चमकौर साहिब – फिरोजपुर – अमृतसर – खटकर कलां – कलानौर – पटियाला का विकास	94.51	67.14
7	केरल	आध्यात्मिक परिपथ	सिवगिरि श्री नारायण गुरु आश्रम – अरुवीपुरम – कुन्नुम्पारा श्री सुब्रमणिया – चेंबाझंती श्री नारायण गुरुकुलम का विकास	66.43	15.57
8	केरल	ग्रामीण परिपथ	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	80.37	23.77
9	मेघालय	पूर्वोत्तर परिपथ	पश्चिम खासी हिल्स (नोंगखलाव – क्रेम टिरोट – खुडोई एवं कोहमांग फॉल्स – क्री नदी – मॉथाड्राइशान, शिलांग), जयंतिया हिल्स (क्रांग सुरी फाल्स – सिरमांग – लूकसी), गारो हिल्स (नोक्रेक रिजर्व, कट्टा बील, सिजू की गुफाएं) का विकास	84.97	72.22

क्र.सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	परिपथ का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत धनराशि*	जारी की गई धनराशि
10	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपत्तन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशिनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	18.30	16.81
2018-19 का कुल				**500.58**	**298.04**
कुल योग 31-12-2022 तक				**5315.59**	**4734.11**

* इसमें नई वित्तीय प्रक्रिया के अनुसार सीएनए को जारी की गई धनराशि शामिल है

वर्ष-वार विवरण

स्वीकृति का वर्ष	कुल स्वीकृत परियोजनाएं	स्वीकृत धनराशि / संशोधित मंजूरी (करोड़ रुपये में)	जारी की गई धनराशि (करोड़ रुपये में)
2014-15	2	117.61	115.12
2015-16	17	1292.27	1238.82
2016-17	36	2693.26	2446.35
2017-18	11	711.87	635.78
2018-19	10	500.58	298.04
	76	5315.59	4734.11

कैफेटेरिया

सोमासिला

ईगालापेंटा

vè;k;

05

ç’kkn

सोमनाथ, तीर्थयात्रा पर्यटन, अनुठान, मंदिर, गुजरात

vè;k;

05.

ç'kkn

çLrkouk

चिन्हित तीर्थ स्थलों के एकीकृत विकास के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय द्वारा तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान संबंधी मिशन (प्रसाद) को एक केंद्रीय क्षेत्र योजना के रूप में शुरू किया गया था। इस योजना का लक्ष्य पहले से चिह्नित स्थलों पर तीर्थ / आध्यात्मिक पर्यटन अवसंरचना का निर्माण करना है।

आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय द्वारा हृदय योजना को बंद करने और प्रसाद योजना में विरासत गंतव्यों के विकास के लिए परियोजनाओं को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा लिए गए निर्णय को ध्यान में रखते हुए योजना के दिशानिर्देशों में संशोधन किए गए हैं तथा अक्टूबर 2017 में योजना का नाम भी प्रसाद से बदलकर ''तीर्थस्थान जीर्णाद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)'' रखा गया है।

अप्रैल 2022 में, इस योजना के तहत पर्याप्त मान्यता वाले ऐसे तीर्थ / विरासत पर्यटन स्थलों के लिए छोटी/मिनी परियोजनाओं/बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए एक नई श्रेणी शुरू की गई है, जहां पर्यटन अवसरंचना की आवश्यकता तो है लेकिन बड़े पैमाने पर नहीं।

योजना के दिशानिर्देशों के लिए, कृपया देखें : https://tourism.gov.in/prashad-scheme

;kstuk dk mís';

miyfC/k;k

- प्रमुख श्रेणी की परियोजनाओं के लिए 1586.10 करोड़ रुपये की कुल स्वीकृत लागत से 25 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में 45 परियोजनाओं की मंजूरी के साथ 31 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में 73 गंतव्यों की पहचान की गई है। अब तक 844.34 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है।
- प्रमुख श्रेणी के तहत पूरी की गई कुल परियोजनाएं – 19 परियोजनाएं।
- बुनियादी सुविधाओं का विकास करने वाली परियोजनाओं की श्रेणी के तहत 10 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में 34 गंतव्यों की पहचान की गई है।

;kstuk dk o"kZ&okj fu"iknu

o"kZ	Loh—r èkujkf'k ¼djksM #i;s esa½	tkjh dh xÃ èkujkf'k ¼djksM #i;s esa½	Loh—r ifj;kstukvksa dh l[;k
2015	216.71	37.44	9
2016	157.6	78.85	7
2017	190.13	119.64	5
2018	200.79	130.09	4
2019	104.13	139.92	3
2020	122.17	116.96	3
2021	218.4	133.85	6
2022	376.17	87.49	8
dqy	**1586.10**	**844.34**	**45**

परियोजना की दी गई लागत अनुमोदित लागत है। परियोजनाओं की अंतिम निष्पादन लागत भिन्न हो सकती है।

çe[k J.kh dk rgr fpfUgr xr0;

Øe l[;k	jkT; @ l?k jkT; {k=	#	xr0;
1	आंध्र प्रदेश	1	अमरावती
		2	श्रीसैलम
		3	सिंहाचलम
		4	अन्नावरम
		5	वेदगिरी
2	अरुणाचल प्रदेश	6	परशुराम कुंड
3	असम	7	कामाख्या, गुवाहाटी
4	बिहार	8	गया (विष्णुपद गया)
		9	पटना साहिब
		10	पुनौरा धाम
5	चंडीगढ़	11	चंडीगढ़ शहर
6	छत्तीसगढ़	12	बल्मेश्वरी देवी मंदिर
7	गोवा	13	बॉम जीसस
8	गुजरात	14	द्वारका
		15	सोमनाथ
		16	अम्बाजी
		17	रूपल
		18	कालका माता मंदिर, पावागढ़
9	हरियाणा	19	पंचकुला जिला– नाडा साहिब गुरुद्वारा, मनसा देवी
10	हिमाचल प्रदेश	20	मां चिंतपूर्णी
11	जम्मू एवं कश्मीर	21	हजरतबल
		22	कटरा
		23	सुंदरबनी
12	झारखंड	24	देवघर
		25	पारसनाथ
13	कर्नाटक	26	चामुंडेश्वरी देवी
14	केरल	27	गुरुवायूर
		28	चेरमन जुमा मस्जिद
		29	सेंट थॉमस चर्च माल्यात्तूर
15	लेह	30	चौकीहांग विहार

Øe l[;k	jkT; @ l?k jkT; {k=	#	xr0;
16	मध्य प्रदेश	31	अमरकंटक
		32	ओंकारेश्वर
		33	सलकनपुर देवी मंदिर
17	महाराष्ट्र	34	त्र्यंबकेश्वर
18	मणिपुर	35	लैनिंगथौ सनमही मंदिर
		36	हियांगथांग लैरेम्बी मंदिर
		37	हेबोक महादेव मंदिर
		38	विष्णु मंदिर
19	मेघालय	39	चारंथला दुर्गा मंदिर, बाबेदपारा
		40	नर्तियांग शक्ति मंदिर,
		41	नोंगसालिया चर्च, सोहरा (चेरापूंजी)
		42	बेहदीनखलम महोत्सव, मदन एयर नार सेक्रेड पूल जोवाई के पास
20	मिजोरम	43	आइजोल
		44	आइलॉन्ग
		45	खॉरूलियन
		46	लुंगलेई–सेरकॉन

गुरुवायुर

Øe l[;k	jkT; @ l?k jkT; {k=	#	xr0;
21	नागालैंड	47	कोहिमा का कैथेड्रल
		48	नोकसेन चर्च
		49	मिशन कंपाउंड, आइजुटो
		50	मोलुंगकिमोंग
		51	वानखोसुंग (वोखा)
		52	जुन्हेबोटो मिशन कंपाउंड
22	ओडिशा	53	पुरी
23	पंजाब	54	अमृतसर
		55	चमकौर साहिब
24	राजस्थान	56	अजमेर और पुष्कर
25	सिक्किम	57	युकसोम
		58	रंगपो – हेलिड्रोम का विकास
26	तमिलनाडु	59	कांचीपुरम
		60	वेल्लांकनी
		61	रामेश्वरम
27	तेलंगाना	62	जोगुलम्बा देवी मंदिर
		63	भद्राचलम
		64	रामप्पा (रुद्रेश्वर मंदिर)
28	त्रिपुरा	65	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर
29	उत्तर प्रदेश	66	वाराणसी के लिए तीन परियोजनाओं को अनुमोदन
		67	मथुरा के लिए तीन परियोजनाओं को अनुमोदन
		68	अयोध्या
30	उत्तराखंड	69	बद्रीनाथ
		70	केदारनाथ
		71	उत्तरकाशी जिला (गंगोत्री और यमुनोत्री)
		72	बागेश्वर
31	पश्चिम बंगाल	73	बेलूर

ç'kkn ;kstuk dh rgr ifj;kstukvksa dk jkT;&okj fooj.k

(करोड़ रुपये में)

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifj;kstuk l[;k	ifj;kstuk dk uke	lLoh—fr dk o"k	vuqekfnr ykxr[1]	tkjh dh xÂ jkf'k
1	आंध्र प्रदेश	1	पर्यटन स्थल के रूप में अमरावती टाउन, गुंटूर जिले का विकास''	2015-16	27.77	27.77
		2	श्रीसैलम मंदिर का विकास''	2017-18	43.08	43.08
		3	विशाखापत्तनम में सिंहाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वारी देवस्थानम में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2022-23	54.04	प्रशासनिक स्वीकृति 14 दिसंबर, 2022 को प्राप्त हुई है
2	अरुणाचल प्रदेश	4	परशुराम कुंड, लोहित जिले का विकास	2020-21	37.88	7.34
3	असम	5	कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी में और आसपास तीर्थस्थलों का विकास	2015-16	29.80	29.80
4	बिहार	6	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में बुनियादी सुविधाओं का विकास**	2014-15	4.27	2.91
		7	पटना साहिब का विकास**	2015-16	41.54	33.23
5	छत्तीसगढ़	8	माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर, राजनंदगाँव, डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़ का विकास	2020-21	43.33	24.33
6	गुजरात	9	द्वारका का विकास**	2016-17	13.08	10.46
		10	सोमनाथ में तीर्थयात्रा सुविधाएं**	2016-17	45.36	45.36
		11	प्रशाद योजना के अंतर्गत सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास**	2018-19	47.12	47.12
		12	सोमनाथ, गुजरात में कतार प्रबंधन परिसर के साथ तीर्थयात्री प्लाजा का विकास	2021-22	49.97	10 मार्च, 2022 को केवल प्रशा. अनुमोदन प्राप्त हुआ है।
		13	बनासकांठा, गुजरात के अंबाजी मंदिर में तीर्थ पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	50.00	03 अगस्त, 2022 को प्रशा. अनुमोदन प्राप्त हुआ है।
7	हरियाणा	14	पंचकुला जिले में नाडा साहेब गुरुद्वारा और माता मंशा देवी मंदिर का विकास	2019-20	49.52	28.77
8	जम्मू एवं कश्मीर	15	हजरतबल में विकास	2016-17	40.46	32.37

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifj;kt uk l[;k	ifj;kt uk dk uke	lLoh—fr dk o"k	vuqekfnr ykxr[1]	tkjh dh xÃ jkf'k
9	झारखंड	16	वैद्यनाथजी धाम, देवघर का विकास**	2018-19	39.13	31.23
10	केरल	17	गुरूवायूर मंदिर का विकास**	2016-17	45.19	45.19
11	मध्य प्रदेश	18	ओंकारेश्वर का विकास**	2017-18	43.93	43.93
		19	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99	4.86
12	महाराष्ट्र	20	त्रियंबकेश्वर का विकास	2017-18	52.92	27.67
13	मेघालय	21	मेघालय में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2020-21	29.32	17.59
14	मिजोरम	22	प्रशाद योजना के तहत मिजोरम राज्य में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना का विकास	2022-23	44.88	प्रशासनिक स्वीकृति 14 दिसंबर, 2022 को प्राप्त हुई है
15	नागालैंड	23	नागालैंड में तीर्थस्थल अवसंरचना का विकास	2018-19	25.26	21.33
		24	प्रशाद योजना के तहत जुन्हेबोटो, नागालैंड में तीर्थयात्रा और पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18	प्रशासनिक स्वीकृति 4 नवंबर, 2022 को प्राप्त हुई है
16	ओडिशा	25	मेगा परिपथ के तहत पुरी में श्री जगन्नाथ धाम – रामचंडी – देउली में प्राची नदी तट पर अवसंरचना विकास##	2014-15	50.00	10.00
17	पंजाब	26	अमृतसर में करुण सागर वाल्मीकि स्थल का विकास**	2015-16	6.40	6.40
		27	प्रशाद योजना के तहत रोपड़, पंजाब में चमकौर साहिब का विकास	2021-22	31.57	7.26
18	राजस्थान	28	पुष्कर/अजमेर का समेकित विकास	2015-16	32.64	26.11

अजमेर पुष्कर – ब्रह्मा मंदिर उद्यान

अजमेर पुष्कर – ब्रह्मा मंदिर उद्यान

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifj;kt uk l[;k	ifj;kt uk dk uke	lLoh—fr dk o"k	vuqekfnr ykxr[1]	tkjh dh xÃ jkf'k
19	सिक्किम	29	युकसोम में फोर पेट्रन सेंट्स में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	33.32	18.50
20	तमिलनाडु	30	कांचीपुरम का विकास**	2016-17	13.99	13.99
		31	वेलंकनी का विकास**	2016-17	4.86	4.86
21	तेलंगाना	32	जोगुलम्बा देवी मंदिर, आलमपुर का विकास	2020-21	36.73	10.27
		33	तेलंगाना के भद्राचलम, भादाद्री कोट्टागुडम जिले में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2022-23	41.38	प्रशासनिक स्वीकृति 22 दिसंबर, 2022 को प्राप्त हुई है
		34	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर, मुलुगु में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	62.00	प्रशासनिक स्वीकृति 22 दिसंबर, 2022 को प्राप्त हुई है
22	त्रिपुरा	35	त्रिपुर सुंदरी मंदिर, उदयपुर का विकास	2020-21	37.80	21.18

श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifj;kstuk l[;k	ifj;kstuk dk uke	lLohd`fr dk o"k	vuqekfnr ykxr[1]	tkjh dh xbZ jkf'k
23	उत्तराखंड	36	केदारनाथ का समेकित विकास**	2015-16	34.77	34.77
		37	प्रशाद योजना के अंतर्गत बद्रीनाथजी धाम (उत्तराखंड) में तीर्थयात्रा सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.13	20.79
		38	प्रशाद योजना के तहत उत्तराखंड में तीर्थयात्रा अवसंरचना और गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम का संवर्धन	2021-22	54.36	14.06
24	उत्तर प्रदेश	39	मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में मथुरा – वृंदावन का विकास (चरण II)**	2014-15	10.98	10.98
		40	वृंदावन, मथुरा जिला में पर्यटक सूचना केन्द्र का निर्माण मथुरा**	2014-15	9.36	9.36
		41	वाराणसी का विकास – चरण I**	2015-16	20.40	16.32
		42	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन**	2017-18	9.02	9.02
		43	प्रशाद योजना – चरण 2 के अंतर्गत वाराणसी का विकास	2017-18	44.60	31.77
		44	गोवर्धन, मथुरा, उत्तर प्रदेश में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	39.74	30.97

त्र्यंबकेश्वर, महाराष्ट्र

कुसुम सरोवर, गोवर्धन

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifj;kstuk l[;k	ifj;kstuk dk uke	lLohd`fr dk o"k	vuqekfnr ykxr[1]	tkjh dh xbZ jkf'k
25	पश्चिम बंगाल	45	बेलूर का विकास	2016-17	30.03	23.39
			कुल		**1586.10**	**844.34**

** परियोजना का भौतिक निष्पादन पूरा हो गया है।
निष्पादित कार्यों की सीमा तक परियोजना का निष्पादन पूर्ण घोषित कर दिया गया है। अंतिम लागत तय की जानी है।
[1] पूर्ण परियोजनाओं की स्वीकृत लागत अंतिम निष्पादन लागत है।

cfu;knh lqfoèkkvksa dh Js.kh ds rgr fpfUgr xarO;

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	#	xarO;	ifj;kstukvksa dh l[;k
1	छत्तीसगढ़	1	मडकुद्वीप, मुंगेली में शिव मंदिर	1
		2	मां चंद्रहासिनी देव प्रथम मंदिर, जांजगीर चांपा	1
2	कर्नाटक	3	श्री माधव वन, कुंजारुगिरी, उडुपी जिला	1
		4	पापनाश मंदिर, बीदर जिला	1
		5	श्री रेणुका यल्लम्मा मंदिर, सौदत्ती, बेलगावी जिला	1
3	मध्य प्रदेश	6	मुरैना जिले का शनिचरा मंदिर	1
		7	दतिया की श्री तीतंबर पीठ जो हिंदू मंदिरों का एक परिसर है	1
		8	ओरछा का विकास	1
4	मेघालय	9	गारो बैपटिस्ट क्रिमा एसोसिएशन के छह स्थानों पर सौर प्रकाश व्यवस्था और सामान्य सुधार	6
		10	मोकलगोंचू बैपटिस्ट चर्च, पश्चिम गारो हिल्स	1

Ø- la	jkT; @ la?k jkT; {ks=	#	xarO;	ifj;kstukvksa dh la[;k
5	मिजोरम	11	चांगसिल, सैरंग, आइजोल जिला	2
		12	बेथेल मठ, लेंगटे, ममित जिला	1
		13	वांगछिया, चम्फाई जिला	1
6	नागालैंड	14	लक्ष्मी मंदिर दीमापुर	1
7	राजस्थान	15	श्री करणी माता मंदिर, बीकानेर	1
		16	श्री कपिल मुनि मंदिर, कोलायत जी, बीकानेर	1
8	तमिलनाडु	17	4 स्थानों पर नवग्रह मंदिर	4
9	तेलंगाना	18	श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, मान्यमकोंडा, महबूबनगर	1
		19	दिचपल्ली रामालयम, निजामाबाद जिला	1
		20	श्री राजा राजेश्वर मंदिर, वेमुलावाड़ा राजन्ना सिरचिला जिला	1
		21	कुदाल घाटी रामलिंगेश्वर देवस्थानम, सिद्दीपेट	1
		22	बालकमपेट, हैदराबाद में देवी येल्लम्मा मंदिर	1
		23	अमंगल, रंगारेड्डी जिले में देवी मैसिगंडी मैसम्मा मंदिर	1
10	त्रिपुरा	24	भुवनेश्वरी मंदिर, गोमती	1
		25	तीर्थमुख गोमती	1

çlkn ;kstuk ds rgr tuojh ls fnlacj 2022 ds nkSjku tkjh dh xÃ èkujkf'k dk fooj.k

Ø- la-	jkT; @ la?k jkT; {ks=	ifj;kstuk dk uke	tkjh dh xÃ èkujkf'k ¼Hkkjrh; #i;s eas½	Lohd`r gksus dh frfFk
1	छत्तीसगढ़	प्रशाद योजना के तहत मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर, डोंगरगढ़, जिला राजनंदगांव, छत्तीसगढ़ के विकास की तीसरी किस्त	9,28,65,000	28 फरवरी, 2022
2	छत्तीसगढ़	प्रशाद योजना के तहत मां बम्लेश्वरी देवी मंदिर, डोंगरगढ़, जिला राजनंदगांव, छत्तीसगढ़ के विकास की चौथी किस्त	9,67,49,000	10 अक्टूबर, 2022
3	गुजरात	प्रशाद योजना के अंतर्गत सोमनाथ में प्रोमेनाड का विकास"	2,35,57,000	03 नवंबर, 2022
4	केरल	पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत गुरुवयूर मंदिर का विकास	8,27,59,000	14 सितंबर, 2022
5	मध्य प्रदेश	ओंकारेश्वर का विकास"	8,06,00,000	05 दिसंबर, 2022
6	महाराष्ट्र	प्रशाद योजना के तहत त्र्यंबकेश्वर, नासिक का विकास	4,94,50,000	25 मार्च, 2022
7	महाराष्ट्र	प्रशाद योजना के तहत त्र्यंबकेश्वर, नासिक के विकास की तीसरी किस्त	5,61,73,000	17 अक्टूबर, 2022
8	मेघालय	पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत मेघालय में तीर्थ यात्रा सुविधा के विकास की चौथी किस्त	8,79,56,000	23 सितंबर, 2022
9	नागालैंड	प्रशाद योजना के तहत नागालैंड में तीर्थ अवसंरचना के विकास की चौथी किस्त	5,00,01,000	28 फरवरी, 2022
10	नागालैंड	प्रशाद योजना के तहत नागालैंड में तीर्थ अवसंरचना के विकास की पांचवीं किस्त	4,34,90,000	18 अक्टूबर, 2022
11	पंजाब	प्रशाद योजना के तहत रोपड़, पंजाब में चमकौर साहिब का विकास	7,25,93,000	14 सितंबर, 2022
12	त्रिपुरा	प्रशाद योजना के तहत माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर, उदयपुर, त्रिपुरा के विकास की दूसरी किस्त	7,82,88,442	25 मार्च, 2022
13	त्रिपुरा	प्रशाद योजना के तहत माता त्रिपुर सुंदरी मंदिर, उदयपुर, त्रिपुरा के विकास की तीसरी किस्त	7,20,65,445	10 अक्टूबर, 2022
14	उत्तर प्रदेश	पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत उत्तर प्रदेश में मथुरा – वृंदावन को एक मेगा पर्यटक परिपथ (फेज II) के रूप में विकसित करना	60,34,000	10 अक्टूबर, 2022

श्री चेन्नाकेशवस्वामी मंदिर, बेलूर

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	ifj;kstuk dk uke	tkjh dh xÃ ekujkf'k ¼Hkkjrh; #i;s e½	Loh—r gku dh frfFk
15	उत्तर प्रदेश	पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत वाराणसी, उत्तर प्रदेश में रिवर क्रूज का विकास	44,21,500	21 अक्टूबर, 2022
16	तेलंगाना	जोगुलम्बा देवी मंदिर, आलमपुर के विकास की दूसरी किस्त	5,13,73,000	08 मार्च, 2022
17	तेलंगाना	जोगुलम्बा देवी मंदिर, आलमपुर के विकास की तीसरी किस्त**	3,48,9000	14 दिसंबर, 2022
18	सिक्किम	फोर पेट्रन सेंटस, युकसोम, सिक्किम में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	9,00,44,000	22 फरवरी, 2022
19	उत्तराखंड	केदारनाथ का समेकित विकास	22,60,000	03 जनवरी, 2022
		d;y	**104,42,27,887**	

** आईएफडी द्वारा सहमति प्रदान की गई है

jkT;xkj lwph

Ø- l-	ifj;kstuk dk uke	jkT;xkj lwph ¼ekuo & fnol½	
		vçR;{k	çR;{k
1	वेल्लनकनी, तमिलनाडु का विकास	37,896	2,365
2	कांचीपुरम, तमिलनाडु का विकास	80,244	5,985
3	मथुरा टीएफसी, उत्तर प्रदेश का विकास	65,652	15,450
4	अमृतसर में करुण सागर वाल्मीकि तीर्थ स्थल का विकास	18,480	730
5	सोमनाथ, गुजरात में तीर्थ यात्रा सुविधाओं का विकास	2,45,800	11,640
6	अमरावती, आंध्र प्रदेश का विकास	1,94,160	27,500
7	मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में मथुरा – वृंदावन का विकास (चरण 2)	97,863	271
8	कामाख्या मंदिर तथा गुवाहाटी, असम में और उसके आस–पास तीर्थस्थलों का विकास	47,200	-
9	द्वारका, गुजरात का विकास	294	38
10	पुष्कर / अजमेर, राजस्थान का समेकित विकास	4,995	-
11	प्रशाद योजना के अंतर्गत सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास	2,03,400	10,950
12	श्रीसैलम	1,94,170	27,500
13	गया	-	25,585

Ø- l-	ifj;kstuk dk uke	jkT;xkj lwph ¼ekuo & fnol½	
		vçR;{k	çR;{k
14	गुरुवायूर मंदिर, केरल में विकास	1,67,239	22,995
15	केदारनाथ का विकास	60,890	10,040
16	ओंकारेश्वर	8,55,120	42
17	वाराणसी का विकास – चरण I	61,957	35,977
18	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	9,144	4,032
	d;y	**23,44,504**	**2,01,100**

श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने तीर्थस्थान जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) योजना के तहत श्रीशैलम मंदिर के विकास की परियोजना का उद्घाटन किया और 26 दिसंबर, 2022 को आंध्र प्रदेश में एक पर्यटन सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया।

vè;k;

06

dæh; , tfl;ksa dk lgk;rk

भूपेन हजारिका सेतु – असम

vè;k;

06.

dæh; , tfl;ksa dk lgk;rk

6-1 पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता : पर्यटक स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना का विकास अपने लक्षित उद्देश्यों और समाज के लिए अन्य सामाजिक आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण पुंज का निर्माण कर सकता है। राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) के माध्यम से सभी महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर पर्यटन के बुनियादी ढांचे का समग्र विकास संभव नहीं हो सकता है क्योंकि कई संभावित स्थल एएसआई, पोर्ट ट्रस्ट ऑफ इंडिया, आईटीडीसी इत्यादि जैसी केंद्रीय एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र / नियंत्रण में आते हैं और उनके नियंत्रणाधीन पर्यटकों की रुचि के स्थानों का समग्र विकास उनके स्वयं के संसाधनों के माध्यम से संभव नहीं हो सकता है और इसके लिए विकास उपरांत रखरखाव और प्रबंधन के लिए संसाधनों, विशेषज्ञता और अनुभव के अभिसरण की आवश्यकता हो सकती है। इन कमियों को दूर करने और केंद्रीय एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी प्राप्त करने के लिए, केंद्र सरकार / राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों / केंद्रीय एजेंसियों, जिनके पास क्षमता है, के स्वामित्व वाली पर्यटकों की रुचि वाली परिसंपत्तियों को केंद्रीय एजेंसी के माध्यम से विकसित किया जा सकता है।

6-1-1 रेल मंत्रालय के साथ रेलवे स्टेशनों के संयुक्त विकास के तहत "पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता" नामक योजना से जारी की गई धनराशि का विवरण

01 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2022 के दौरान ykxr lk>kdj.k dk vkèkkj 50%50			
Ø- l-	jkT;	ifj;kstuk dk uke	tkjh dh xÃ èkujkf'k
1.	कामाख्या, असम	कामाख्या रेलवे स्टेशन	06 जनवरी, 2022 को तीसरी / अंतिम किस्त के रूप में 5.00 लाख रुपये
2.	गुवाहाटी, असम	गुवाहाटी रेलवे स्टेशन	03 जनवरी, 2022 को तीसरी / अंतिम किस्त के रूप में 36.00 लाख रुपये
3.	गोवा	मडगांव, तिविम और करमाली रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड	23 फरवरी, 2022 को दूसरी किस्त के रूप में 7.50 करोड़ रुपये

(तालिका का अंतिम भाग: 01 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2022 के दौरान ykxr lk>kdj.k dk vkèkkj 100 çfr'kr)

6-1-2 ''पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता'' योजना के तहत अन्य केंद्रीय एजेंसियों को जारी राशि का विवरण

लाख (रु में)

Ø-l-	o"kZ	jkT; dk uke	ifj;kstuk dk uke	,tsalh	tkjh dh xÃ jkf'k
1	**2019-20**	दिल्ली	राष्ट्रीय संग्रहालय की चयनित सुविधाओं के विकास और नवीनीकरण के लिए सीएफए	राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम)	2186.00
2		दिल्ली	राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा के भवन की प्रकाश व्यवस्था के लिए सीएफए	राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम)	190.00
3		केरल	नए कोचीन पोर्ट ट्रस्ट टर्मिनल में अतिरिक्त अवसंरचना के विकास के लिए सीएफए	कोचीन पोर्ट ट्रस्ट	822.85
4		उत्तर प्रदेश (वाराणसी और इलाहाबाद – I, इलाहाबाद – II), बिहार (भागलपुर), पश्चिम बंगाल (कोलकाता) और असम (नेमाती, पांडु, जोगीघोपा और बिश्वनाथघाट)	राष्ट्रीय जलमार्ग मार्ग संख्या 1 और 2 पर रिवर क्रूज के चढ़ने/उतरने के लिए नौ (09) मुख्य बिंदुओं पर घाटों के विकास के लिए सीएफए	आईडब्ल्यूएआई	700.76
5	**2020-21**	मध्य प्रदेश	बेलताल झील, दमोह, मध्य प्रदेश में आईटीडीसी पर्यटन अवसंरचना	आईटीडीसी	1008.27

जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक

Ø-1-	o"k	jkT; dk uke	ifj;kstuk dk uke	, tsl h	tkjh dh xÃ jkf'k
6		लेह और लद्दाख	लेह, लद्दाख में साउंड एंड लाइट शो और टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर, कारगिल, लद्दाख में वाटर स्क्रीन प्रोजेक्शन मल्टीमीडिया शो	आईटीडीसी	515.99
7		दिल्ली	एनजीएमए बिल्डिंग की 3डी विजुअल प्रोजेक्शन मैपिंग	एनजीएमए	308.13
8		मिजोरम	आइजोल, मिजोरम में कन्वेंशन सेंटर और संबंधित अवसंरचना का विकास	वैपकोस	1570.71
9	**2021-22**	गोवा	मोर्मुगांव पोर्ट ट्रस्ट (एमपीटी) द्वारा मोर्मुगांव पोर्ट, गोवा में अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू क्रूज जहाजों के लिए सुविधाओं का निर्माण	मोर्मुगांव पोर्ट ट्रस्ट	2500.00
10	**2021-22**	महाराष्ट्र	इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	मुंबई पोर्ट ट्रस्ट	1875.00
11	**2022-23**	राजस्थान	सीमा सुरक्षा बल चैक पोस्ट, तनोट परिसर में सीमा पर्यटन का विकास	बीएसएफ	160.70
12	**2022-23**	पूर्वोत्तर क्षेत्र	पूर्वोत्तर राज्य में 22 दृष्टिकोणों का विकास (i) नागालैंड (2 व्यू पॉइंट) (ii) मेघालय (3 व्यू पॉइंट) (iii) मिजोरम (9 व्यू पॉइंट) (iv) अरुणाचल प्रदेष (4 व्यू पॉइंट) (v) मणिपुर (3 व्यू पॉइंट) (vi) सिक्किम/पश्चिम बंगाल (1 व्यू पॉइंट)	एनएचआई डीसीएल	444.40
13	**2022-23**	तेलंगाना	संजीवैया पार्क, हैदराबाद, तेलंगाना में वॉटर स्क्रीन और म्यूजिकल फाउंटेन के साथ मल्टीमीडिया लेजर शो	बीईसी आईएल	490.00

Ø-1-	o"k	jkT; dk uke	ifj;kstuk dk uke	, tsl h	tkjh dh xÃ jkf'k
14		तेलंगाना	उस्मानिया कला विश्वविद्यालय, हैदराबाद तेलंगाना में डिजिटल मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी और प्रकाश व्यवस्था के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीषनिंग	बीईसी आईएल	117.00
			dqy		**12889.81**

6-2 मेला / उत्सव / पर्यटन से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सहायता : पर्यटन मंत्रालय मेला / उत्सव / पर्यटन से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आतिथ्य योजना सहित घरेलू प्रचार और संवर्धन के अंतर्गत प्रति राज्य 50 लाख रुपये और प्रति संघ राज्य क्षेत्र 30 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। वर्ष 2021–22 में मेलों और महोत्सवों के आयोजन के लिए विभिन्न राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को कुल 6.70 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गयी है।

o"k 2021&22 esa Mhihih,p ;kstuk ds esyk vkj egksRlo ds rgr tkjh dh xÃ èkujkf'k dk fooj.k

(लाख रुपये में)

Ø-1-	jkT; @ la?k jkT; {ks=	esyk vkj R;ksgkjks dk uke vkj frfFk;k	tkjh dh xÃ jkf'k
1	मिजोरम	(i) एंथुरियम महोत्सव (ii) शीतकालीन महोत्सव	50.00
2	पंजाब	(i) हरिवल्लभ संगीत सम्मेलन, जालंधर (ii) श्री आनंदपुर साहिब में होल्ला–मोहला	50.00
3	तेलंगाना	(i) बथुकम्मा महोत्सव (ii) मुलुगु में मेदराम जतारा	50.00
4	मध्य प्रदेश	(i) जल महोत्सव (ii) पचमढ़ी उत्सव, पचमढ़ी (iii) खजुराहो नृत्य महोत्सव, खजुराहो	50.00
5	मेघालय	(i) वांगला नृत्य महोत्सव (ii) नोंगक्रेम नृत्य महोत्सव	50.00
6	चंडीगढ़	(i) चंडीगढ़ कार्निवल (ii) नववर्ष अतिरंजिका (iii) 50वां चंडीगढ़ गुलाब महोत्सव	30.00
7	नागालैंड	(i) हॉर्नबिल महोत्सव (ii) अंगामी सेकरेंयी महोत्सव	30.00
8	सिक्किम	(i) चेरी टेमी टी एंड टूरिज्म महोत्सव, टेमी टी गार्डन, दक्षिण सिक्किम (ii) खंगचेंदज़ोंगा विंटर कार्निवाल महोत्सव (iii) जोरेथांग माघी मेला	50.00

सत्यमेव जयते

Ø- l-	jkT; @ l?k jkT; {k=	eyk vkj R;kgkjk dk uke vkj frfFk;k	tkjh dh xÃ jkf'k
9	उत्तराखंड	(i) टिहरी झील महोत्सव (ii) अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव	50.00
10	अरुणाचल प्रदेश	(i) ईस्टर्नली एसेंस लेडम महोत्सव (ii) संगीत और साहसिक कार्य का ऑरेंज महोत्सव	50.00
11	असम	(i) भोगली महोत्सव (ii) रंगोली महोत्सव	
12	तमिलनाडु	भारतीय नृत्य महोत्सव	50.00
13	पुदुचेरी	(i) पुडुचेरी में 27वां योग महोत्सव (ii) यानम पीपुल्स महोत्सव (iii) कराईकल में कार्निवल महोत्सव	30.00
14	हिमाचल प्रदेश	अंतर्राष्ट्रीय हार्डवेयर मेला	25.00
15	गोवा	(i) कार्निवाल महोत्सव (ii) षिग्मो महोत्सव	50.00
16	हरियाणा	सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला	30.00
		dy	**670.00**

सत्यमेव जयते

vè;k;

07

u, i;Vu
mRikn
¼vkyk i;Vu½

हैवलॉक पक्षी

सत्यमेव जयते

vè;k;

07.

u, i;Vu mRikn ¼vkyk i;Vu½

पर्यटन मंत्रालय की देश में आला पर्यटन उत्पादों की पहचान, विविधीकरण, विकास और संवर्धन की पहल 'मौसमीपन' के पहलू से निजात पाने तथा भारत का 365 दिन गंतव्य के रूप में संवर्धन करने, विशिष्ट अभिरुचि वाले पर्यटकों को आकर्षित करने और अनोखे उत्पादों जिनमें भारत को तुलनात्मक लाभ प्राप्त है, के लिए आवर्ती विजिट का सुनिश्चय करने के लिए है। इस प्रकार, नए उत्पादों को यथासमय शामिल किया जा सकता है। पर्यटन मंत्रालय ने देश में गोल्फ, मेडिकल / वेलनेस, क्रूज और एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बोर्ड / कार्यबलों / समितियों का गठन किया है। गोल्फ, पोलो, चिकित्सा एवं आरोग्यता पर्यटन की सहायता के लिए मंत्रालय द्वारा दिशानिर्देश भी तैयार किए गए हैं। तदनुसार, विकास एवं संवर्धन के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित आला उत्पाद चिन्हित किए गए हैं :

i. क्रूज
ii. एडवेंचर
iii. चिकित्सा और आरोग्यता
iv. गोल्फ
v. पोलो
vi. बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (एमआईसीई)
vii. इको पर्यटन
viii. फिल्म पर्यटन
ix. सतत पर्यटन
x. ग्रामीण पर्यटन

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कारों में जिम्मेदार पर्यटन को मान्यता

भारत का पर्यटन क्षेत्र रचनात्मक, जिम्मेदार और समावेशी विकास की ओर आगे बढ़ रहा है: श्री जी किशन रेड्डी

7-1 Øt i;Vu

पर्यटन मंत्रालय क्रूज पर्यटन तथा रीवर क्रूज सहित पर्यटन के विकास के लिए राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों / केन्द्र सरकार की एजेंसियों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है। 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक योजना के तहत क्रूज टर्मिनल और संबंधित अवसंरचना के विकास के लिए स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण आईडीडी प्रभाग द्वारा प्रदान किया जा सकता है।

7-1-1 Øt i;Vu ij dk;cy

देश की कोस्टलाइन और इसके इनलैंड वाटरवे में अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू दोनों क्रूज पर्यटन के विकास की प्रचुर संभावना है। इसका उपयोग करने के लिए सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता तथा सचिव (पोत परिवहन) की सह अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया गया है। इस कार्यबल में बंदरगाहों, स्वास्थ्य मंत्रालय, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सीमा षुल्क, सीआईएसएफ, तटीय राज्यों आदि से प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। क्रूज टूरिज्म पर कार्यबल की 13वीं बैठक 27 अप्रैल, 2022 को हुई थी।

7-1-2 पहली बैठक 14 और 15 मई, 2022 को मुंबई में आयोजित की गई थी। यह सभी हितधारकों को एक साथ लाने वाला पहला अतुल्य भारत अंतर्राष्ट्रीय क्रूज सम्मेलन था और यह बहुत सफल रहा। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पर्यटन मंत्रालय पोत परिवहन मंत्रालय के साथ शामिल हुआ था।

अतुल्य भारत अंतर्राष्ट्रीय क्रूज सम्मेलन 14 से 15 मई, 2022 को मुंबई में आयोजित किया गया

इन्क्रेडिबल इंडिया इंटरनेशनल क्रूज सम्मेलन, मुंबई

7-2 ,Mopj i;Vu

एडवेंचर पर्यटन में दूरस्थ, आकर्षक क्षेत्रों का अन्वेशण या यात्रा शामिल होती है। ऐसी किसी रचनात्मक गतिविधि को एडवेंचर की संज्ञा दी जाती है जो व्यक्ति एवं उसके उपकरण दोनों की चरम सीमा तक सहनशीलता की परीक्षा लेती है। एडवेंचर पर्यटन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है क्योंकि पर्यटक भिन्न प्रकार के वैकेशन पर जाना चाहते हैं।

,Mopj i;Vu dk c<kok nus d fy, i;Vu e=ky; dh igy

7-2-1 विश्व स्तर पर एडवेंचर पर्यटन के लिए भारत को एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने एडवेंचर पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति तैयार की है। सतत पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन और ईको पर्यटन के विकास के लिए रणनीति दस्तावेज में निम्नलिखित रणनीतिक स्तंभों की पहचान की गई है:

(i) राज्यों का आकलन, रैंकिंग और रणनीति
(ii) कौशल, क्षमता निर्माण और प्रमाणन
(iii) विपणन और प्रचार
(iv) एडवेंचर पर्यटन के सुरक्षा प्रबंधन ढांचे को मजबूत करना
(v) राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय बचाव और संचार ग्रिड
(vi) गंतव्य और उत्पाद विकास
(vii) सुशासन और संस्थागत ढांचा

7-2-2 एडवेंचर पर्यटन के लिए सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय बोर्ड का गठन किया गया है, जिसमें चिन्हित केंद्रीय मंत्रालयों / संगठनों, राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग हितधारकों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। यह बोर्ड देश में एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए रणनीति के संचालन और कार्यान्वयन का मार्गदर्शन करेगा जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे:

(i) विस्तृत कार्य योजना और समर्पित योजना तैयार करना
(ii) प्रमाणन योजना
(iii) सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देश
(iv) क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर की सर्वोत्तम प्रथाओं की प्रतिकृति
(v) राज्य की नीतियों और रैंकिंग का आकलन
(vi) विपणन और प्रचार
(vii) गंतव्य और उत्पाद विकास
(viii) निजी क्षेत्र की भागीदारी
(ix) एडवेंचर पर्यटन के लिए विशिष्ट रणनीतियाँ
(x) देश में एडवेंचर पर्यटन के विकास के लिए कोई अन्य उपाय।

7-2-3 पर्यटन मंत्रालय ने एडवेंचर टूरऑपरेटरों के अनुमोदन के लिए दिशानिर्देश जारी किया है जो स्वैच्छिक योजना है जिसे सभी वास्तविक एडवेंचर टूर आपरेटर अपना सकते हैं।

वागामोन, केरल में स्वदेश दर्शन के माध्यम से साहसिक पर्यटन घटनाक्रम

एडवेंचर पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति

पर्यटन मंत्रालय ने एक्सपो 2020 दुबई में अतुल्य भारत की अप्रयुक्त क्षमता को एडवेंचर गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया

दुबई में एमओटी एक्सपो 2020

7-3 fpfdRlk vkj vkjkX;rk i;Vu

चिकित्सा पर्यटन (जिसे चिकित्सा यात्रा, स्वास्थ्य पर्यटन या वैश्विक स्वास्थ्य सेवा भी कहा जाता है) ऐसा शब्द है जिसका उपयोग विशिष्ट रूप से यात्रियों द्वारा मांगी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं को प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार यात्रा करने के तेजी से बढ़ते अभ्यास का वर्णन करने के लिए किया जाता है, जिसमें वैकल्पिक प्रक्रियाओं के साथ–साथ जटिल विशिष्ट सर्जरी जैसे कि ज्वॉइंट रिप्लेसमेंट (घुटने/कूल्हे), कार्डियक सर्जरी, डेंटल सर्जरी और कॉस्मेटिक सर्जरी शामिल हैं। तथापि, मनोचिकित्सा, वैकल्पिक उपचार तथा उल्लाघ देखभाल सहित वस्तुतः स्वास्थ्य देखरेख के सभी प्रकार भारत में उपलब्ध हैं।

7-3-1 देश में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने चिकित्सा और आरोग्यता पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप तैयार किया है। रणनीति ने निम्नलिखित प्रमुख स्तंभों को चिह्नित किया है :

(i) आरोग्यता के गंतव्य के रूप में भारत के लिए एक ब्रांड विकसित करना
(ii) चिकित्सा और आरोग्यता पर्यटन के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना
(iii) ऑनलाइन चिकित्सा मूल्य यात्रा (एमवीटी) पोर्टल की स्थापना करके डिजिटलीकरण को सक्षम करना
(iv) चिकित्सा मूल्य यात्रा के लिए सुलभता में वृद्धि करना
(v) आरोग्यता पर्यटन को बढ़ावा देना
(vi) सुशासन और संस्थागत ढांचा

7-3-2 अपनी अनवरत गतिविधियों के अंग के रूप में पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों एवं उत्पादों के प्रचार के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड के तहत महत्वपूर्ण एवं संभावित विदेशी बाजारों में ग्लोबल प्रिंट, इलेक्ट्रानिक एवं ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है। मंत्रालय के सोशल मीडिया एकाउंटस के माध्यम से चिकित्सा पर्यटन सहित विभिन्न थीमों पर नियमित रूप से डिजिटल प्रचार भी किया जाता है।

7-3-3 'मेडिकल वीजा' शुरू किया गया है जो चिकित्सा उपचार के लिए भारत आने वाले विदेशी यात्रियों को विशिष्ट प्रयोजन के लिए प्रदान किया जा सकता है। 'ई–मेडिकल वीजा' और 'ई–मेडिकल अटेंडेंट वीजा' भी शुरू किया गया है। जिन देशों के लिए इस तरह का वीजा शुरू किया गया है, उनकी संख्या का अद्यतन आंकड़ा टीटी प्रभाग द्वारा प्रदान किया जा सकता है।

7-3-4 पर्यटन मंत्रालय चिकित्सा / पर्यटन मेलों, चिकित्सा सम्मेलनों, आरोग्यता सम्मेलनों, आरोग्यता मेलों और संबद्ध रोड शो में भाग लेने के लिए एनएबीएच द्वारा प्रत्यायित चिकित्सा पर्यटन सेवा प्रदाताओं को बाजार विकास सहायता योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

7-3-5 चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित संस्थागत ढांचा प्रदान करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने माननीय पर्यटन मंत्री की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय चिकित्सा और आरोग्यता पर्यटन बोर्ड का गठन किया है।

7-3-6 आरोग्यता पर्यटन कल्याण की दृष्टि से अधिकतम स्वास्थ्य प्राप्त करने, बढ़ावा देने या बनाए रखने के प्राथमिक प्रयोजन के लिए यात्रा करने के बारे में है। अधिकांश होटल / रिजार्ट आयुर्वेद सेंटर का निर्माण कर रहे हैं। अग्रणी टूर आपरेटरों ने अपने ब्रोशर में आयुर्वेद को शामिल किया है।

पर्यटन मंत्रालय बाजार विकास सहायता (एमडीए) योजना के अंतर्गत अनुमोदित स्वस्थता केन्द्रों अर्थात एनएबीएच या राज्य सरकारों द्वारा प्रत्यायित स्वस्थता केन्द्रों के प्रतिनिधियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एमडीए सहायता चिकित्सा / पर्यटन मेलों, चिकित्सा सम्मेलनों, स्वस्थता सम्मेलनों, स्वस्थता मेलों तथा संबद्ध रोड शो में भाग लेने के लिए है। इसके अलावा, चिकित्सा / स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में रोड शो, ट्रैवल मार्ट में भागीदारी और ब्रोशर, सीडी, फिल्म एवं अन्य प्रचार सामग्री के निर्माण के माध्यम से विदेषी बाजारों में प्रचार प्रसार शामिल है। विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों जैसे कि वर्ल्ड ट्रैवल मार्ट, लंदन, आईटीबी, बर्लिन में स्वास्थ्य पर्यटन को विषेश रूप से प्रमोट किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय के ''अतुल्य भारत अभियान'' के अंतर्गत पिछले वर्षों में प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, इंटरनेट तथा आउटडोर मीडियम में योग / आयुर्वेद / आरोग्यता का प्रचार प्रसार किया गया है।

7-4 xkYQ i;Vu

चिकित्सा और निरोगता पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति

पर्यटन मंत्रालय ने गोल्फ पर्यटन के प्रचार प्रसार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु दिशानिर्देश तैयार किया है।

पर्यटन मंत्रालय अतुल्य भारत ब्रांड के अंतर्गत भारत के अंदर गोल्फ पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तथा अंतर्राष्ट्रीय मानक प्राप्त करने के लिए अतुल्य भारत ब्रांड के साथ मिलकर इन कार्यक्रमों का प्रयोग करने का अवसर प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता हेतु पात्र गोल्फ कार्यक्रमों, गोल्फ शो, गोल्फ संवर्धन कार्यशालाओं / कार्यक्रमों / वार्षिक बैठकों / सेमिनारों के लिए पर्यटन मंत्रालय से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक गोल्फ क्लबों, गोल्फ कार्यक्रम प्रबंधकों, राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, अनुमोदित टूर आपरेटरों / अनुमोदित ट्रैवल एजेंटों तथा कारपोरेट घरानों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है। ईओआई के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में समय समय पर आयोजित बैठकों में भारतीय गोल्फ पर्यटन समिति (आईजीटीसी) द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

7-5 ikyk i;Vu

पर्यटन मंत्रालय भारतीय पोलो संघ के साथ मिलकर भारत के विरासत खेलों (हेरिटेज स्पोर्ट्स) के रूप में पोलो का प्रचार प्रसार करता है तथा इसने आला पर्यटन उत्पाद के रूप में इस खेल के प्रचार प्रसार के लिए सहायता के विस्तृत क्षेत्रों की पहचान करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। मंत्रालय ने मणिपुर में 17 से 21 जनवरी 2020 तक इंटरनेशनल वूमन पोलो टूर्नामेंट को प्रायोजित किया है।

7-6 cBd] çkRlkgu] lEeyu ,oa çn'kuh ¼evkÃlhÃ½

7-6-1 पर्यटन मंत्रालय ने एमआईसीई उद्योग के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप तैयार किया है। देश में एमआईसीई उद्योग के विकास और एमआईसीई गंतव्य के रूप में भारत को बढ़ावा देने के लिए, रणनीति दस्तावेज में निम्नलिखित रणनीतिक हस्तक्षेपों को चिह्नित किया गया है:

(i) एमआईसीई के लिए संस्थागत समर्थन
(ii) एमआईसीई के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का विकास करना
(iii) भारतीय एमआईसीई उद्योग की प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाना
(iv) एमआईसीई आयोजनों के लिए व्यवसाय करने की सहूलियत को बढ़ाना
(v) एमआईसीई गंतव्य के रूप में भारत का विपणन करना
(vi) एमआईसीई उद्योग के लिए कौशल विकास

7-6-2 सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक इंडिया एमआईसीई बोर्ड का गठन किया गया है, जिसमें चिन्हित केंद्रीय मंत्रालयों / संगठनों, राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग हितधारकों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। बोर्ड भारत में एमआईसीई उद्योग के विकास को सुगम बनाने के लिए विभिन्न पहलों और रणनीतियों के कार्यान्वयन का समन्वय करेगा जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे :

(i) एमआईसीई को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्य योजना और समर्पित योजना
(ii) एमआईसीई के लिए संस्थागत समर्थन
(iii) एमआईसीई के लिए इको सिस्टम विकसित करना, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर की सर्वोत्तम प्रथाओं की प्रतिकृति
(iv) भारतीय एमआईसीई उद्योग की प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाना
(v) एमआईसीई आयोजनों के लिए व्यवसाय करने की सहूलियत को बढ़ाना
(vi) एमआईसीई गंतव्य के रूप में भारत का विपणन करना
(vii) एमआईसीई उद्योग के लिए कौशल विकास
(viii) कोई अन्य उपाय जो एमआईसीई उद्योग के विकास को सुगम बना सके।

7-6-3 पर्यटन मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / कनवेंशन के लिए बोली प्रस्तुत करने और इस प्रकार देश के लिए अधिक एमआईसीई व्यवसाय लाने के लिए भारतीय कनवेंशन संवर्धन ब्यूरो (आईसीपीबी) के सक्रिय सदस्यों को बाजार विकास सहायता (एमडीए) योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किया है। इस योजना के अंतर्गत बोली में विजयी होने पर या बोली प्रक्रिया में दूसरा या तीसरा स्थान प्राप्त करने के लिए शर्तों एवं निबंधनों के अधीन संघों/समितियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

आईसीपीबी के सहयोग से पर्यटन मंत्रालय ने इस उद्योग के घरेलू खरीदारों और आपूर्तिकर्ताओं को इस मंच पर लाने के लिए मार्च 2021 में खजुराहो में एमआईसीई रोड शो का आयोजन किया ताकि एमआईसीई गंतव्य के रूप में भारत की ताकत से अवगत कराया जा सके।

खजुराहो एमआईसीई रोड शो के दौरान देश को एमआईसीई गंतव्य के रूप में प्रमोट करने के लिए 'अतुल्य भारत' के तहत एक विशिष्ट उप ब्रांड 'मीट इन इंडिया'

लॉन्च किया गया। यह उप ब्रांड सभी पूर्वापेक्षाओं – उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, विश्व स्तरीय अवसंरचना, ज्ञान केंद्र और अद्वितीय पर्यटक आकर्षण के साथ भारत को एक आकर्षक एमआईसीई गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए प्रचार अभियानों को तेज करेगा।

7-7 bdk i;Vu dk c<kok nuk

भारत को माइस गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए मीट इन इंडिया अभियान

माइस उद्योग के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप

7-7-1 विश्व स्तर पर इको पर्यटन के लिए भारत को एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने इको पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति तैयार की है। इको पर्यटन के विकास के लिए रणनीति दस्तावेज में निम्नलिखित रणनीतिक स्तंभों को चिह्नित किया गया है :

(i) राज्यों का मूल्यांकन और रैंकिंग
(ii) इको पर्यटन के लिए विशिष्ट रणनीतियाँ
(iii) आईईसी, क्षमता निर्माण और प्रमाणन
(iv) विपणन और प्रचार
(v) गंतव्य और उत्पाद विकास
(vi) सार्वजनिक निजी और सामुदायिक भागीदारी
(vii) सुशासन और संस्थागत ढांचा

7-7-2 सतत पर्यटन के लिए सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय बोर्ड का गठन किया गया है, जिसमें चिन्हित केंद्रीय मंत्रालयों / संगठनों, राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग हितधारकों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। यह बोर्ड देश में सतत पर्यटन और इको पर्यटन के विकास के लिए विभिन्न रणनीतिक पहलों के संचालन और कार्यान्वयन का मार्गदर्शन करेगा :

केरल में इको–पर्यटन परिपथ विकसित करने के लिए इडुक्की और पीरुमेडु में ईको आवास का निर्माण

इको–पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति

(i) विस्तृत कार्य योजनाएं और समर्पित योजनाएं तैयार करना
(ii) प्रमाणन योजनाएं
(iii) क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर की सर्वोत्तम प्रथाओं की प्रतिकृति
(iv) विपणन और प्रचार
(v) निजी क्षेत्र की भागीदारी
(vi) गंतव्य और उत्पाद विकास
(vii) सतत और इको पर्यटन के लिए विशिष्ट रणनीतियां
(viii) देश में सतत और इको पर्यटन के विकास के लिए कोई अन्य उपाय।

7-8 lrr vkj ftEenkj i;Vu dk çpkj

7-8-1 सतत और जिम्मेदार पर्यटन के लिए भारत को पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने राष्ट्रीय सतत पर्यटन रणनीति तैयार की है। सतत पर्यटन के विकास के लिए रणनीति दस्तावेज में निम्नलिखित रणनीतिक स्तंभों को चिह्नित किया गया है :

(i) पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना
(ii) जैव विविधता की रक्षा करना
(iii) आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देना
(iv) सामाजिक–सांस्कृतिक स्थिरता को बढ़ावा देना
(v) सतत पर्यटन के प्रमाणन की योजना
(vi) आईईसी और क्षमता निर्माण
(vii) सुशासन

7-8-2 सतत पर्यटन के लिए सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय बोर्ड का गठन किया गया है, जिसमें चिन्हित केंद्रीय मंत्रालयों / संगठनों, राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग हितधारकों के प्रतिनिधिों को शामिल किया गया है। यह बोर्ड देश में सतत पर्यटन और इको पर्यटन के विकास के लिए विभिन्न रणनीतिक पहलों के संचालन और कार्यान्वयन का मार्गदर्शन करेगा :

(i) विस्तृत कार्य योजनाएं और समर्पित योजनाएं तैयार करना
(ii) प्रमाणन योजनाएं
(iii) क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर की सर्वोत्तम प्रथाओं की प्रतिकृति
(iii) विपणन और प्रचार
(iv) निजी क्षेत्र की भागीदारी
(v) गंतव्य और उत्पाद विकास
(vi) सतत और इको पर्यटन के लिए विशिष्ट रणनीतियां
(vii) सतत और इको पर्यटन के विकास के लिए कोई अन्य उपाय।

7.8.3 मंत्रालय ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 27 सितंबर, 2021 को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म सोसाइटी ऑफ इंडिया (आरटीएसओआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य एक दूसरे के पर्यटन क्षेत्र में 'सततता की पहलों' को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने और मदद करने के उपाय करना और जहां भी संभव हो सहयोगी तरीके से कार्य करना है।

7-8-4 पर्यटन मंत्रालय ने विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर 4 जून, 2022 को नई दिल्ली में आरटीएसओआई और यूएनईपी के सहयोग से सतत और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्य विकसित करने और जिम्मेदार यात्री अभियान चलाने के लिए एक राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का भी आयोजन किया। शिखर सम्मेलन में चिन्हित केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के प्रतिनिधियों और उद्योग जगत के हितधारकों ने भाग लिया।

7-8-5 जन जागरूकता पैदा करने के लिए आईआईटीटीएम (केंद्रीय नोडल एजेंसी – सतत पर्यटन) के सहयोग से मंत्रालय ने MyGov.in पर ट्रैवल फॉर लाइफ प्लेज लॉन्च किया है और राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग जगत के हितधारकों को मासिक ई–न्यूजलेटर भी भेजे जा रहे हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने सीएनए–एसटी, यूएनईपी और आरटीएसओआई के सहयोग से 29 नवंबर, 2022 को पश्चिमी और मध्य क्षेत्र के राज्यों के लिए सतत पर्यटन के विकास के लिए अपनी पहली क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की।

पर्यटन मंत्रालय ने आवास इकाइयों के लिए निधि+ पोर्टल पर प्रायोगिक आधार पर एसटीसीआई प्रमाणन शुरू किया है। टूर ऑपरेटरों और गंतव्यों के लिए प्रमाणन जल्द ही शुरू किया जाएगा।

सत्यमेव जयते

पर्यटन मंत्रालय MINISTRY OF TOURISM GOVERNMENT OF INDIA | Azadi Ka Amrit Mahotsav | अतुल्य!भारत Incredible!India | mygov मेरी सरकार

जिम्मेदार व्यवहार को प्रेरित करने के लिए mygov-in *पर ट्रैवल फॉर लाइफ* (LiFE) *प्लेज की शुरूआत की गई*

ट्रैवल फॉर लाइफ (LiFE) प्लेज

स्थायी पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति

सत्यमेव जयते

स्थायी और जिम्मेदार पर्यटक गंतव्यों के विकास पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और जिम्मेदार यात्री अभियान

स्थायी पर्यटन के लिए राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन पर समाचार

एसटीसीआई प्रमाणन

पश्चिमी और मध्य क्षेत्र के राज्यों के लिए स्थायी पर्यटन के विकास हेतु क्षेत्रीय कार्यशाला

क्षेत्रीय कार्यशाला सम्बन्धी समाचार स्थायी पर्यटन पर

7-9 fQYe i;Vu

पर्यटन मंत्रालय ने ''फिल्म पर्यटन'' के प्रचार प्रसार के लिए राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए दिशानिर्देश दिनांक 25 जुलाई 2012 जारी किया है। स्थान किराए पर लेना / फिल्मांकन प्रभार, सुगमता शुल्क आदि जैसे घटकों के लिए प्रति फिल्म 2.00 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। फिल्मांकन गंतव्य के रूप में भारत को स्थापित करने के प्रयास में पर्यटन मंत्रालय भारतीय सिनेमा को विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों जैसे कि आईएफएफआई गोवा, यूरोपीय फिल्म बाजार, कान फिल्म महोत्सव और विदेशी बाजारों में अतुल्य भारत के उप ब्रांड के रूप में बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है ताकि पर्यटन एवं फिल्म उद्योग के बीच तालमेल विकसित हो सके और भारतीय एवं वैश्विक फिल्म उद्योग के बीच साझेदारी का निर्माण करने के लिए मंच प्रदान किया जा सके। मंत्रालय ने फिल्म पर्यटन को दर्शाने के लिए 28 फरवरी से 01 मार्च 2020 तक आयोजित ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल सिक्किम का समर्थन किया है।

7-10 xkeh.k i;Vu

पर्यटन मंत्रालय ने 29 अप्रैल, 2022 को ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे के लिए राष्ट्रीय रणनीति अधिसूचित की है। यह रणनीति सतत और जिम्मेदार पर्यटन के अति महत्वपूर्ण विषय पर आधारित है, जिसे निम्नलिखित रणनीतिक स्तंभों द्वारा समर्थन प्रदान किया जाएगा :

i. राज्य की नीतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं की बेंचमार्किंग
ii. ग्रामीण पर्यटन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियां और प्लेटफॉर्म
iii. ग्रामीण पर्यटन के लिए क्लस्टर विकसित करना
iv. ग्रामीण पर्यटन के लिए विपणन सहायता
v. हितधारकों की क्षमता का निर्माण करना
vi. सुशासन और संस्थागत ढांचा

मंत्रालय ने इस रणनीति के कार्यान्वयन में मंत्रालय की सहायता के लिए भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) को केंद्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए–आरटी) के रूप में नामित किया है।

देश में ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे के विकास एवं संवर्धन से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए मंच के रूप में काम करने के लिए सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में जून 2022 में ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे पर एक कार्यबल का गठन किया गया है।

ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे के विकास के लिए कार्यबल की पिछली दो बैठकें 10 अगस्त 2022 और 01 नवंबर 2022 को हुई थीं। बैठकों में केंद्र सरकार, राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों एवं उद्योग जगत के विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया। इन बैठकों के दौरान निम्नलिखित मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया :

i. ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे के गंतव्य के रूप में राज्यों का आकलन और रैंकिंग
ii. ग्रामीण पर्यटन के लिए सर्वश्रेश्ठ गांवों की पहचान करना
iii. ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे के विकास के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं की प्रतिकृति
iv. ग्रामीण पर्यटन स्थलों के आकर्शण / होमस्टे के लिए डिजिटल पोर्टल
v. ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे का विपणन और प्रचार

सीएनए–आरटी ने ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे के लिए केंद्रीय डेटाबेस बनाने के लिए निधि+ पर ग्रामीण पर्यटन और ग्रामीण होमस्टे को अपलोड करने के लिए तकनीकी कौशलों का निर्माण करने के लिए राज्यों के लिए कार्यशाला आयोजित की।

पर्यटन मंत्रालय ने सीएनए–एसटी के सहयोग से ग्रामीण होमस्टे विकास के लिए हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की।

सगुणा बाग ने सर्वश्रेठ ग्रामीण/ कृषि/बागान परियोजना के लिए राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार जीता

ग्रामीण होमस्टे के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति

ग्रामीण पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति

7-11 jk"Vªh; i;Vu uhfr

पर्यटन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पर्यटन नीति का मसौदा तैयार किया गया है। मसौदा नीति के प्रमुख रणनीतिक उद्देश्य इस प्रकार हैं :

(i) यात्रा, प्रवास और खर्च में वृद्धि करके भारतीय अर्थव्यवस्था में पर्यटन के योगदान को बढ़ाना

(ii) पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और उद्यमशीलता के अवसर सृजित करना और कुशल कार्यबल की आपूर्ति सुनिश्चित करना

(iii) पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाना और निजी क्षेत्र से निवेश को आकर्षित करना

(iv) देश के सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करना और बढ़ाना

(v) देश में पर्यटन का सतत, जिम्मेदार और समावेशी विकास सुनिश्चित करना

vè;k;

08

gkVy ,oa ;k=k 0;kikj

लग्जरी ट्रेन

vè;k;

08.

gkVy ,oa ;k=k 0;kikj

8-1 gkVyk dk vuqeknu ,oa oxÊdj.k

यह मंत्रालय पर्यटकों की विभिन्न श्रेणियों के लिए अपेक्षित मानकों का अनुपालन करने के लिए विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए उपयुक्तता की दृष्टि से स्टार रेटिंग प्रणाली के अंतर्गत होटलों का वर्गीकरण करता है। इस प्रणाली के अंतर्गत, होटलों को रेटिंग प्रदान की जाती है, जैसे कि वन स्टार से थ्री स्टार, अल्कोहल के साथ या बगैर फोर स्टार और फाइव स्टार, फाइव स्टार डीलक्स, हेरिटेज (बेसिक), हेरिटेज (क्लासिक), हेरिटेज (ग्रैंड), लिगेसी विंटेज (बेसिक), लिगेसी विंटेज (क्लासिक), लिगेसी विंटेज (ग्रैंड) और अपार्टमेंट होटल। होटलों के निरीक्षण के आधार पर वर्गीकरण किया जाता है। यह निरीक्षण इस मंत्रालय द्वारा गठित होटल एवं रेस्टोरेंट अनुमोदन एवं वर्गीकरण समिति (एचआरएसीसी) द्वारा किया जाता है। क्रियाशील होटल के वन स्टार से थ्री स्टार की श्रेणियों में वर्गीकरण / पुनः वर्गीकरण की प्रक्रिया को गति देने के लिए दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, गुवाहाटी और चेन्नई में स्थित 5 क्षेत्रीय समितियों को निरीक्षण करने / निरीक्षण का समन्वय करने के लिए अधिकृत किया गया है। प्रचालनरत होटलों के वर्गीकरण / पुनः वर्गीकरण के दिशानिर्देशों को 19 जनवरी 2018 को संशोधित किया गया है।

8-1-1 jk"Vªh; vkfrF; m|ksx ,dhÑr MVkcsl $

1. पर्यटन मंत्रालय ने डिजिटलीकरण को सुगम बनाने और आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र के लिए व्यापार करने में सहूलियत को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी संचालित प्रणाली राष्ट्रीय आतिथ्य उद्योग एकीकृत डेटाबेस (या निधि) की स्थापना की है, जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री के "आत्मनिर्भर भारत" के विज़न के साथ संरेखित है। यह आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र के भौगोलिक प्रसार, इसके आकार, संरचना और मौजूदा क्षमता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है ताकि उद्योग को संबंधित सेवाएं जैसे कि शोकेसिंग, स्टार वर्गीकरण आदि प्रदान की जा सके। निधि पोर्टल विभिन्न स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं, कुशल मानव संसाधन की आवश्यकताओं का आकलन करने और विभिन्न स्थलों पर पर्यटन के प्रचार/विकास के लिए नीतियां और कार्यनीतियां तैयार करने में मदद करेगा।

2. इस पहल को निधि+ के रूप में अपग्रेड किया गया है ताकि न केवल आवास इकाइयों बल्कि ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों, पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों, खाद्य और पेय इकाइयों, ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर्स कन्वेंशन सेंटर और पर्यटक सुविधा प्रदाताओं को भी अधिक समावेशी बनाया जा सके। नई प्रणाली में हमारे उद्योग संघों और अन्य हितधारकों के अलावा राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों की एक बड़ी भूमिका की भी परिकल्पना की गई है। इस पोर्टल पर https://nidhi.tourism.qov.in से पहुँचा जा सकता है।

3. निधि+ को राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन के विजन के साथ संरेखित एक तकनीक–संचालित प्लेटफॉर्म पर निर्मित किया जा रहा है जो मापनीय और स्थिर पारिस्थितिकी तंत्र प्राप्त करने के लिए वृद्धिशील उन्नयन की अनुमति देगा।

4. राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन (एनडीटीएम) का उद्देश्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की तर्ज पर पर्यटन के ईको सिस्टम में हितधारकों को डिजिटल रूप से जोड़ना है। डिजिटलीकरण पर्यटन की गतिविधियों को एकीकृत प्रणाली के तहत लाने और इस प्रकार आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। निधि+ को एनडीटीएम के छोटे भाग के रूप में स्थापित किया गया है।

8-2 vkokl bdkb;ksa dh vU; vuqeksfnr Jsf.k;k¡

टाइम शेयर रिजॉर्ट, प्रचालित मोटल, अतिथि गृह, बेड एंड ब्रेकफास्ट/होम स्टे प्रतिष्ठान, तंबूनुमा आवास तथा ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर, स्टैंड अलोन एयर केटरिंग यूनिट, कनवेंशन सेंटर, स्टैंड अलोन रेस्टोरेंट जैसी श्रेणियों में अनुमोदन के लिए मंत्रालय की स्वैच्छिक योजनाएं भी हैं।

8-2-1 gfjVst gkVy

हेरिटेज होटल की लोकप्रिय संकल्पना को 1950 से पहले निर्मित उन पुराने महलों, हवेलियों, किलों, दुर्गों तथा आवासों को आवास यूनिटों में परिवर्तित करने के लिए शुरू किया गया था जो बीते युग के परिवेश और जीवनशैली को पुनः प्रस्तुत करते हैं। ऐसे होटलों को लागू दिशानिर्देशों के अनुसार सुविधा एवं सेवाओं के मानकों के आधार पर तीन श्रेणियों अर्थात हेरिटेज, हेरिटेज क्लासिक और हेरिटेज ग्रैंड में

वर्गीकृत किया जाता है। 16 दिसंबर 2014 से हेरिटेज होटल की एक नई श्रेणी अर्थात हेरिटेज क्लासिक (अल्कोहल सर्विस के बगैर) शुरू की गई है।

8-2-2 fyxlh ÇoVt gkVy

लिगेसी विंटेज होटल की संकल्पना को विरासत संपत्तियों / भवनों (अर्थात ऐसी संपत्तियां या भवन जो वर्ष 1950 से पूर्व निर्मित / स्थापित किए गए हैं) की सामग्रियों से निर्मित होटलों को शामिल करने के लिए शुरू किया गया है, बशर्ते होटल के निर्माण के लिए प्रयुक्त कम से कम 50 प्रतिशत सामग्री विरासत संपत्ति या भवन से प्राप्त की गई हो। ऐसे होटल बीते युग के परिवेश एवं वातावरण को पुनः सृजित करने में मदद करेंगे। ऐसे होटलों को 3 उप–श्रेणियों अर्थात लिगेसी विंटेज (बेसिक), लिगेसी विंटेज (क्लासिक) और लिगेसी विंटेज (ग्रैंड) में वर्गीकृत किया जाएगा। लिगेसी विंटेज होटलों के वर्गीकरण / पुनः वर्गीकरण के लिए दिशानिर्देश 19 अप्रैल 2018 को अधिसूचित किए गए हैं।

8-2-3 LVM vyku jLVkjV dk vuekn

रेस्टोरेंट पर्यटकों द्वारा किसी स्थान की यात्रा के अभिन्न अंग हैं और इस प्रकार उनके द्वारा प्रदान की गई सेवाएं यात्रा को सुखद बना सकती हैं या बिगाड़ सकती हैं। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों में रेस्टोरेंट लगातार लोकप्रिय हो रहे हैं क्योंकि वे अथेंटिक फूड, विशेष रूप से देश के विभिन्न राज्यों के पकवानों का लुत्फ उठाना चाहते हैं। पर्यटकों को विष्व स्तरीय मानकीकृत सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार में देश में रेस्टोरेंटों के अनुमोदन के लिए एक स्वैच्छिक योजना है।

8-2-4 vikVeV gkVyk dk vuekn

अपार्टमेंट होटल बिजनेस ट्रैवलर में उत्तरोतर लोकप्रिय हो रहे हैं, जो असाइनमेंट या फेमिली हालीडे आदि के लिए भारत के दौरे पर आते हैं जो कई बार कई महीनों के लिए होता है। पर्यटकों को विष्व स्तरीय मानकीकृत सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने 5 स्टार डीलक्स, 5 स्टार, 4 स्टार और 3 स्टार की श्रेणियों में पूर्णतः क्रियाशील अपार्टमेंट होटलों के वर्गीकरण के लिए एक स्वैच्छिक योजना शुरू की है।

8-2-5 ekVyk dk vuekn

मोटल अतिथि सत्कार क्षेत्र का एक महत्पूर्ण अंग है जो सस्ता आवास प्रदान करता है। मोटल अपनी सुविधाओं एवं सेवाओं के माध्यम से रोड ट्रैवलर की आतिथ्य संबंधी

आवश्यकताएं पूरी करते हैं जिसमें अक्सर निचले ब्लाक में कमरे उपलब्ध कराए जाते हैं और जिनके बिल्कुल बाहर पार्किंग की सुविधा होती है। समग्र पर्यटन उत्पाद के घटक के रूप में इस हिस्से को पहचान प्रदान करने तथा मोटलों की सुविधाओं एवं सेवाओं का मानक निर्धारित करने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने प्रचालनरत मोटलों के अनुमोदन के लिए एक स्वैच्छिक योजना तैयार की है। प्रचालनरत मोटलों के अनुमोदन के लिए दिशानिर्देश 25 सितंबर 2018 को अधिसूचित किए गए हैं।

8-2-6 vfrfFk xgk dk vuekn

घरेलू एवं विदेशी दोनों बजट पर्यटकों के लिए होटल आवास की आपूर्ति बढ़ाने के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने अतिथि गृहों के अनुमोदन के लिए दिशानिर्देशों की समीक्षा की है और उनमें संशोधन किया है ताकि स्वच्छता, साफ – सफाई और उन्नत सुविधाओं एवं प्रथाओं के कतिपय मानकों का पालन किया जा सके। संशोधित दिशानिर्देशों का उद्देश्य बदलती आवश्यकताओं तथा सुरक्षा एवं संरक्षा के सरोकारों पर ध्यान देना था। स्वच्छता, स्वास्थ्य, साफ सफाई तथा पेस्ट कंट्रोल के उपायों पर बल दिया गया है। यदि अतिथि गृह तथा अन्य प्रकार की आवास इकाइयां सुविधाओं और सेवाओं के कतिपय मानकों को पूरा करती हैं, तो उनको इस योजना के अंतर्गत मंजूरी प्रदान की जाती है। इन कदमों से बजट श्रेणी में न केवल होटल आवास की संख्या में संभावित रूप से वृद्धि हो सकती है, अपितु राज्यों के लिए रोजगार एवं राजस्व भी उत्पन्न हो सकता है।

8-2-7 Vkbe 'k;j fjt,V dk vuekn ,o oxdj.k

टाइम शेयर रिजॉर्ट (टीएसआर) लीजर हॉलीडे और फैमिली हॉलीडे आदि के लिए उत्तरोतर लोकप्रिय हो रहे हैं। पर्यटकों को विश्व स्तरीय मानकीकृत सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने 3 स्टार, 4 स्टार और 5 स्टार की श्रेणियों में पूर्णतः प्रचालनरत टाइम शेयर रिजॉर्ट के वर्गीकरण के लिए एक स्वैच्छिक योजना शुरू की है।

8-2-8 vrY; Hkkjr cM ,M cdQkLV @ gkeLV ;ktuk

यह योजना विदेशी एवं घरेलू पर्यटकों को भारतीय परिवार के साथ ठहरने और सौहार्दपूर्ण आतिथ्य का लुत्फ उठाने एवं स्वच्छ तथा किफायती स्थान में भारतीय संस्कृति एवं व्यंजन का स्वाद लेने का अवसर प्रदान करती है। पर्यटन मंत्रालय अपने घरेलू कार्यालयों के माध्यम से सभी राज्यों में होमस्टे / अतुल्य भारत बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों के संवर्धन पर जागरुकता संबंधी कार्यशालाओं का आयोजन करता रहा है। यह एक सतत प्रक्रिया है। अतुल्य भारत की बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों तथा अतुल्य भारत होमस्टे प्रतिष्ठानों के वर्गीकरण तथा पुनः वर्गीकरण के

संशोधित दिशानिर्देश 10 दिसंबर 2018 को अधिसूचित किए गए हैं। ये दिशानिर्देश सामान्य राष्ट्रीय मानक होंगे जिसे प्रत्येक राज्य / संघ राज्य क्षेत्र मुख्य नियमों को अक्षुण्य रखते हुए अपनी आवश्यकताओं के अनुसार अपनाएंगे करेंगे। राज्य / संघ राज्य क्षेत्र इसमें संशोधन करने तथा सामान्य राष्ट्रीय मानकों के अलावा उपयुक्त मानदंड / मापदंड लागू करने के लिए स्वतंत्र होंगे। पर्यटन मंत्रालय सभी राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में बीएंडबी / होमस्टे प्रतिष्ठानों का वर्गीकरण करना तब तक जारी रखेगा जब तक कि संबंधित राज्य / संघ राज्य क्षेत्र सामान्य राष्ट्रीय मानकों के आधार पर ऐसे वर्गीकरण के लिए अपना स्वयं का तंत्र स्थापित नहीं कर लेंगे। आवेदनों के निपटान के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल को सक्रिय किया गया है। अनुमोदित इकाइयों का ब्यौरा मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवदेन https://nidhi.tourism.gov. in पर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं।

8-2-9 LVSM&vyksu ,;j dSVfjx ;wfuVksa dk vuqeksnu

एयर केटरिंग सेगमेंट में अंतर्राष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करने के लिए इस मंत्रालय ने स्टैंड–अलोन एयर केटरिंग यूनिटों को अनुमोदित एवं वर्गीकृत किया है।

8-2-10 lEesyu dsanzksa dk vuqeksnu

बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई) पर्यटन उद्योग के महत्वपूर्ण भाग हैं। तेजी से वैश्विकृत होती उच्च वृद्धि वाली भारतीय अर्थव्यवस्था में एमआईसीई पर्यटन का विकसित होना तय है तथा इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए देश को अधिक सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्रों की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करने तथा सुविधाओं को मानकीकृत करने के लिए यह मंत्रालय सम्मेलन केंद्रों को अनुमोदन प्रदान करता है।

8-2-11 v,uykbu Vsªoy ,xzhxsVj ¼vksVh,½

ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर (ओटीए) के अनुमोदन / पुनः अनुमोदन की योजना के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं तथा 10 दिसंबर, 2018 को इन्हें अधिसूचित किया गया है। यह योजना पूरी तरह से स्वैच्छिक है और पर्यटन मंत्रालय से प्रत्यायन प्राप्त करने के लिए कोई आनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर बाध्य नहीं है।

8-2-12 gksVy ifj;kstukvksa ds fy, vkfrF; fodkl ,oa lao/kZu cksMZ ¼,pMhihch½%

होटलों का निर्माण मुख्य रूप से निजी क्षेत्र की गतिविधि है जो पूंजी प्रधान है तथा इसकी परिपक्वता अवधि लंबी होती है। भूमि की ऊंची लागत तथा सीमित उपलब्धता के अलावा होटल उद्योग के समक्ष आने वाली अन्य रुकावट होटल

परियोजना के लिए केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों की एजेंसियों से अपेक्षित विभिन्न स्वीकृतियां / अनुमोदन प्राप्त करने से संबंधित है। इस कारण अक्सर परियोजना के कार्यान्वयन में विलंब, लागत में वृद्धि आदि होती है। आतिथ्य उद्योग की उपर्युक्त कठिनाइयों को दूर करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने एक आतिथ्य विकास एवं संवर्धन बोर्ड (एचडीपीबी) का गठन किया है। इस बोर्ड के मुख्य कार्यों में केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार दोनों के स्तर पर होटल परियोजनाओं के अनुमोदन / स्वीकृतियों की निगरानी करना तथा सहायता प्रदान करना शामिल है। बोर्ड विभिन्न स्वीकृतियों के लिए आवेदन प्राप्त करने, समयबद्ध ढंग से होटल परियोजना के प्रस्तावों को मंजूरी / अनुमोदन प्रदान करने तथा देश में होटल / आतिथ्य अवसंरचना के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए होटल परियोजना की नीतियों की समीक्षा करने हेतु एकल बिंदु होगा। तथापि, बोर्ड किसी भी रूप में अन्य एजेंसियों की सांविधिक स्वीकृतियों का अधिक्रमण नहीं करेगा, परंतु नियत अनुसूची के आधार पर बैठक के माध्यम से संबंधित मंत्रालयों / विभागों / प्राधिकरणों के साथ होटल परियोजनाओं की स्वीकृतियों की समीक्षा एवं निगरानी करेगा।

8-2-13 volajpuk mi&{ks=ksa dh lkeatL;iw.kZ ekLVj lwph%

वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने 17 अक्टूबर, 2017 को देश में होटल रूम की आपूर्ति बढ़ाने के लिए अवसंरचना उप–क्षेत्रों की सामंजस्यपूर्ण मास्टर सूची अधिसूचित की है जिसमें 1 मिलियन से अधिक आबादी वाले षहरों के बाहर स्थित 3 स्टार या उच्चतर श्रेणी के वर्गीकृत होटल शामिल हैं।

इसके अलावा, अधिसूचना दिनांक 26 अप्रैल 2021 के माध्यम से ”सामाजिक और वाणिज्यिक अवसंरचना” की श्रेणी में एक नई मद को सम्मिलित करके ”प्रदर्शनी – सह – सम्मेलन केंद्र” को परिभाषित करते हुए एक फुटनोट के साथ अवसंरचना उप क्षेत्रों की सामंजस्यपूर्ण मास्टर सूची में प्रदर्शनी – सह – सम्मेलन केंद्र” को शामिल किया गया है।

8-3 i;ZVu {ks= ds fy, ?kkf"kr çkRlkgu

पर्यटन मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समय–समय पर जीएसटी के कराधान स्लैब का मुद्दा उठाया है जिसके फलस्वरूप पर्यटन उत्पादों एवं सेवाओं के संबंध में जीएसटी के रेट स्लैब में निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं :

जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) परिशद ने होटल रूम टैरिफ पर कर दर में कटौती की घोषणा की जिसका उद्देश्य आतिथ्य क्षेत्र को प्रोत्साहन प्रदान करना है। प्रति रात्रि 7500 रुपए तक की टैरिफ वाले होटल रूम पर जीएसटी की दर मौजूदा 18 प्रतिषत से घटाकर 12 प्रतिशत कर दी गई है। इसी तरह, 7500 रुपए से अधिक रूम टैरिफ पर कर की दर मौजूदा

28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है। प्रति रात्रि 1000 रुपए से कम रूम टैरिफ पर कोई जीएसटी नहीं होगी।

लागू दर के निर्धारण के आधार को घोषित टैरिफ से बदलकर वास्तविक टैरिफ कर दिया गया है।

वातानुकूलित होने या न होने पर ध्यान दिए बगैर रेस्टोरेंट की खाने पीने की वस्तुओं पर जीएसटी की दर घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। यदि रेस्टोरेंट होटल, सराय, अतिथि गृह, क्लब या आवासीय अथवा लाजिंग के प्रयोजनार्थ किसी वाणिज्यिक स्थल के परिसर के अंदर स्थित है, जहां दैनिक टैरिफ 7500 रुपए प्रतिदिन प्रति यूनिट या उससे अधिक है, तो कर 18 प्रतिशत होगा।

8-4 vkfrF; m|kx dk fy, tkx:drk] eY;kdu ,o çf'k{k.k ç.kkyh ¼lkFkh½

भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के सहयोग से पर्यटन मंत्रालय ने अतिथियों और कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सुनिष्चित करने के लिए आतिथ्य उद्योग सहायता करने के लिए आतिथ्य उद्योग के लिए जागरूकता, मूल्यांकन और प्रशिक्षण प्रणाली (साथी) योजना षुरू की है।

होटल मालिक तीन आसान चरणों – स्वयं प्रमाणन, भागीदारी प्रमाण पत्र और साइट मूल्यांकन का अनुसरण करके साथी के माध्यम से आसानी से खुद को प्रशिक्षित और प्रमाणित करा सकते हैं।

8-5 vrY; Hkkjr i;Vd lfoèkkçnkrk çek.ku dk;Øe

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार उन सभी हितधारकों की क्षमता के निर्माण हेतु निरंतर प्रयासरत है, जिनके साथ आगंतुक की संपर्क होने की संभावना होती है ताकि प्रत्येक संपर्क से आगंतुकों को बेहतर अनुभव प्राप्त हो। जैसे जैसे पूरी दुनिया में पर्यटन प्रतिस्पर्धी होता जाएगा, गंतव्यों को अपने विशिष्ट व्यक्तित्व के आधार पर और ग्राहकों एवं देष में आने वाले संभावित आगंतुकों के मस्तिष्क में साकारात्मक छवि सृजित करने की अपनी क्षमता के आधार पर भिन्न होने की आवश्यकता होगी।

पर्यटन मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता प्रमाणन (आईआईटीएफसी) कार्यक्रम का उद्देश्य केन्द्रीकृत अखिल भारतीय ई–लर्निंग मॉड्यूल के माध्यम से यात्रा सुविधा प्रदाताओं को ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं प्रत्यायन प्रदान करना है। पर्यटक सुविधा प्रदाताओं की संस्था अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू पर्यटन दोनों के लिए अवसंरचनात्मक आवश्यकता का एक बुनियादी घटक होगी। अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम के तहत दो श्रेणियां हैं :

(1) अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता कार्यक्रम (बुनियादी)

(2) अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) हेरिटेज और एडवेंचर।

यह कार्यक्रम इस ढंग से तैयार किया गया है कि प्रयोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी समय, स्थान, गति और पथ से सीख सकते हैं। 40 साल से कम आयु के उम्मीदवार / व्यक्ति के लिए 10+2 या समकक्ष परीक्षा पास करना अनिवार्य है, जबकि 40 साल और इससे अधिक आयु के उम्मीदवारों / व्यक्तियों के लिए पाठ्यक्रम में पंजीकरण की तिथि को या उससे पूर्व भारत सरकार / राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी बोर्ड द्वारा संचालित 10वीं या समकक्ष परीक्षा पास करना अनिवार्य है।

कोलकाता में विभिन्न पर्यटन स्थलों पर टूर असाइनमेंट पर अतुल्य भारत टूर गाइडों (आईआईटीजी) को मंजूरी दी।

आईआईटीएफ प्रमाणन कार्यक्रम के लिए पंजीकरण / पाठ्यक्रम शुल्क केवल 2000 रुपए (दो हजार रुपए) है। तथापि, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों, संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख, जम्मू एवं कश्मीर के मूल निवासी उम्मीदवारों तथा नीति आयोग द्वारा यथाचिह्नित आकांक्षी जिलों के उम्मीदवारों (समय समय पर यथासंशोधित'') को पंजीकरण शुल्क से छूट प्रदान की गई है। महिला उम्मीदवारों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें पंजीकरण शुल्क में 50 प्रतिषत छूट प्रदान की जाती है।

इस कार्यक्रम से सामान्यतया भारतीय अर्थव्यवस्था को और विशेष रूप से भारतीय पर्यटन को लाभ होगा। इससे सुप्रशिक्षित एवं पेशेवर यात्रा सुविधा प्रदाताओं के एक संवर्ग का सृजन होगा। इस प्रकार, यह दूरदराज के क्षेत्रों में भी अतिरिक्त रोजगार पैदा करने में मदद करेगा। यह पर्यटकों की मदद करेगा क्योंकि वे उचित कीमत पर पर्यटक सुविधा प्रदाताओं, जो स्थानीय होंगे, की सहायता प्राप्त करने में समर्थ होंगे। यह कार्यक्रम डिजिटल पहल है जो भारतीय नागरिकों को पर्यटन से संबंधित कौशलों का विकास करने और उनमें वृद्धि करने और इस प्रकार पूरे देश में पर्यटकों की सहायता करने के बारे में जानकारी प्राप्त करने में समर्थ बनाएगा।

अब तक, अतुल्य भारत पर्यटन सुविधा प्रदाता के बेसिक कोर्स की ऑनलाइन परीक्षा तीन बार आयोजित की गई है, जिसमें कुल 3795 उम्मीदवारों ने आईआईटीएफ बेसिक परीक्षा पास की है। आईआईटीटीएम द्वारा आईआईटीएफ पोर्टल पर 03 अगस्त 2022 को आईआईटीएफसी एडवांस (विरासत) पाठ्यक्रम लॉन्च किया गया है और यह पंजीकरण के लिए खुला है। आईआईटीटीएम के माध्यम से पर्यटन मंत्रालय शीघ्र ही उम्मीदवारों के लिए आईआईटीएफसी एडवांस (एडवेंचर) और मौखिक विदेशी भाषा (अंग्रेजी के अलावा) पाठ्यक्रम आयोजित करने की प्रक्रिया में है।

दिनांक 11 जनवरी 2021 के दिशानिर्देशों में संशोधन के तहत मौजूदा क्षेत्र स्तरीय गाइड (आरएलजी) का नाम बदलकर अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) कर दिया गया है और उन्हें आईआईटीएफ / आईआईटीजी की इस नई प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया है। रिफ्रेशर कोर्स के पूरा हो जाने पर क्षेत्र स्तरीय गाइड (आरएलजी) के मौजूदा नामकरण को अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) में बदल दिया जाएगा, और उनके संचालन के क्षेत्र को एक विशिष्ट क्षेत्र से अखिल भारतीय स्तर का कर दिया गया है। यह उन्हें देश के अन्य पर्यटन स्थलों और गंतव्यों के अलावा एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारकों और विरासत स्थलों पर गाइड के रूप में कार्य जारी रखने में सक्षम बनाएगा।

पर्यटन मंत्रालय ने अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (पहले आरएलजी के रूप में संदर्भित) के लिए एक समान आईडी और बैज (आकृति, आकार और रंग कोडिंग) अपनाने का फैसला किया है। आईआईटीएफसी और अतुल्य भारत पर्यटक गाइड के लिए आईडी/बैज को उनके अनुभव के आधार पर 05 श्रेणियों में विभाजित किया गया है जो निम्नानुसार हैं :

Ø- l-	vkÃvkÃVh,Qlh @ vkÃvkÃVhth dk fooj.k	cSt dk jax @ J.kh	vkÃMh lh tMk gqvk LVkj
1.	आईआईटीएफसी (बेसिक)	बेसिक – ब्लू	एक (*)
2.	आईआईटीजी (5 साल से कम अनुभव)	सिल्वर	दो (**)
3.	आईआईटीजी (5 साल से अधिक लेकिन 10 साल से कम अनुभव)	गोल्ड	तीन (***)
4.	आईआईटीजी (10 साल से अधिक लेकिन 20 साल से कम अनुभव)	डायमंड	चार (****)
5.	आईआईटीजी (20 साल से अधिक अनुभव)	प्लेटिनम	पांच (*****)

8-6 vkÃvkÃVh,Q @ vkÃvkÃVhth ds fy, Ã&ekdsVIysl IysVQ,el

पर्यटन मंत्रालय ने रोजगार सृजन के उद्देश्य से 08 मार्च, 2022 को आईआईटीएफ / आईआईटीजी के लिए डिजिटल पर्यटन समाधान के भाग के रूप में डिजिटल प्लेटफॉर्म (ई–मार्केटप्लेस) की संकल्पना शुरू की ताकि पर्यटकों और प्रमाणित पर्यटक सुविधा प्रदाताओं / पर्यटक गाइडों द्वारा उपयोग किए जाने के लिए वेब और मोबाइल ऐप आधारित संपर्क तंत्र प्रदान किया जा सके। इसे 12 अगस्त, 2022 से ऑनलाइन (बीटा संस्करण) किया गया है। पोर्टल पर प्रदर्शित करने के लिए आईआईटीएफसी और आईआईटीजी अपनी प्रोफाइल, अनुभव, प्रदान की जाने वाली सेवाओं, योग्यताओं, विशेषज्ञता के क्षेत्र, टैरिफ, उपलब्धता की तारीखों आदि को अपडेट करने में सक्षम होंगे, जबकि पर्यटक अपनी प्रोफाइल बनाने, पर्यटक सुविधा प्रदाताओं / गाइडों की तलाश करने और बुकिंग करने में सक्षम होंगे। पर्यटक अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी गंतव्य के लिए सुविधा प्रदाताओं / गाइडों को खोज सकते हैं और देश में अपनी आगामी यात्राओं के लिए बुकिंग कर सकते हैं। यह वेब आधारित समाधान (ई–मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म) सुविधा प्रदाताओं / गाइडों की प्रोफाइल, सुविधा प्रदाताओं / गाइडों की बुकिंग, रेटिंग, उपयोगकर्ताओं के फीडबैक (सकारात्मक और नकारात्मक), ज्ञात भाषाओं और सामग्री का प्रबंधन करने के लिए है। यह समाधान आवश्यकता के आधार पर भविष्य में मॉड्यूलर विकास और अतिरिक्त कार्यात्मकताओं की तैनाती का भी समर्थन करेगा जैसे कि टीम लीडर, पर्यवेक्षक, सिस्टम इंटीग्रेटर, गुणवत्ता विश्लेषक, सॉफ्टवेयर डेवलपर इत्यादि को शामिल करना। यह वेब आधारित ई–मार्केट प्लेस के लिए वैश्विक मानकों और विनिर्देशों के अनुरूप होगा, जहां पर्यटक इस पोर्टल के माध्यम से न केवल अपना अपॉइंटमेंट निर्धारित कर सकते हैं, बल्कि अपने सेवा प्रदाता को भुगतान भी कर सकते हैं। यह कहा जा सकता है कि मंत्रालय के आईआईटीएफसी / आईआईटीजी कार्यक्रम के तहत ई–मार्केटप्लेस पोर्टल का समग्र अनुभव ग्राहक और सेवा प्रदाता के बीच सेतु का काम करेगा। यह अपनी सेवाओं में सुधार करने के लिए पर्यटक गाइडों और पर्यटक सुविधा प्रदाताओं को प्रोत्साहित करेगा और इस प्रकार 'अतुल्य भारत' ब्रांड को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

8-7 dkfoM çHkkfor i;Vu {ks= ds fy, _.k xkjaVh ;kstuk ¼,yth,llh,Vh,l,l½

पर्यटन मंत्रालय "कोविड प्रभावित पर्यटन सेवा क्षेत्र के लिए ऋण गारंटी योजना (एलजीएससीएटीएसएस)" चला रहा है, जिसके तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित / मान्यता प्राप्त प्रत्येक टूर ऑपरेटर/ट्रैवल एजेंट/पर्यटक परिवहन संचालक को 10.00 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है, पर्यटन मंत्रालय द्वारा अनुमोदित / मान्यता प्राप्त प्रत्येक क्षेत्रीय पर्यटक गाइड / अतुल्य भारत पर्यटक गाइड और राज्य सरकार / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा अनुमोदित / मान्यता प्राप्त पर्यटक गाइड को 1.00 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है।

एलजीएससीएटीएसएस का उद्देश्य उपर्युक्त लाभार्थियों को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रदान किए गए ऋणों के लिए गारंटी कवरेज प्रदान करना है, ताकि वे अपनी देनदारियों का निर्वहन कर सकें और कोविड–19 महामारी के कारण प्रभावित अपने व्यवसाय को फिर से शुरू कर सकें। उक्त योजना की वैधता 31 मार्च 2023 तक या योजना के तहत 250.00 करोड़ रुपये की गारंटी जारी होने तक, जो भी पहले हो, है और 04 अक्टूबर 2021 (एनसीजीटीसी द्वारा एलजीएससीएटीएसएस दिशानिर्देश जारी करने की तारीख) को या इसके बाद योजना

के तहत स्वीकृत सभी पात्र ऋणों पर लागू है। योजना के तहत प्रदान की जाने वाली क्रेडिट सुविधा के लिए एनसीजीटीसी द्वारा एमएलआई से कोई गारंटी शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह योजना 18 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के माध्यम से चलाई जा रही है।

8-8 fuHkZ;k fufèk

सरकार ने निर्भया निधि नामक एक गैर व्यपगत कॉर्पस फंड की स्थापना की है जिसे आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा रहा है और जिसका उपयोग महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा में सुधार के लिए विशेष रूप से तैयार की गई परियोजनाओं के लिए किया जा सकता है। वित्त मंत्रालय द्वारा दिनांक 25 मार्च, 2015 को जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) नोडल मंत्रालय है, जिसके पास प्रस्तावों और योजनाओं का मूल्यांकन/सिफारिश करने, संबद्ध मंत्रालयों / विभागों के साथ मिलकर स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की समीक्षा और निगरानी करने की जिम्मेदारी है।

'मध्य प्रदेश में महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल' के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव का मूल्यांकन और अनुशंसा करने और इसके बाद सचिव (पर्यटन), भारत सरकार की स्वीकृति के परिणामस्वरूप महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) की अध्यक्षता में अधिकार प्राप्त समिति (ईसी) ने तीन वर्षों की अवधि में 16.79 करोड़ रुपये (लगभग) का व्यय जारी करने/खर्च करने पर सहमति व्यक्त की। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत परियोजना की कुल लागत 27.99 करोड़ रुपये (लगभग) है, जिसमें धनराशि को केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच 60:40 के अनुपात में यानी क्रमशः 16.79 करोड़ रुपये और 11.20 रुपये करोड़ के रूप में वितरित किया जाएगा।

'निर्भया निधि' के तहत केंद्र सरकार के 16.79 करोड़ रुपये (लगभग) के कुल वित्तीय षेयर में से 6.24 करोड़ रुपये (लगभग) की पहली किस्त 19 मार्च, 2021 को मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के पक्ष में वित्त वर्ष 2020–21 के लिए जारी की गई है।

8-9 ;k=k 0;kikj lsok çnkrk dk vuqeksnu

पूर्व में पर्यटन मंत्रालय यात्रा व्यापार सेवा प्रदाताओं की निम्नलिखित श्रेणियों के तहत मान्यता/अनुमोदन प्रदान करता था :

i. इनबाउंड टूर आपरेटर्स
ii. ट्रैवल एजेंट
iii. घरेलू टूर ऑपरेटर्स
iv. एडवेंचर टूर आपरेटर्स
v. पर्यटक परिवहन संचालक

इन श्रेणियों में गुणवत्ता, मानक और सेवा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 18 जुलाई, 2011 को इस योजना के संशोधित दिशानिर्देश जारी किए गए थे। यह एक स्वैच्छिक योजना है जो सभी बोनाफाइड एजेंसियों के लिए उपलब्ध है।

इस बात को ध्यान में रखते हुए कि पिछले कुछ समय में व्यापक रूप से वैश्विक विकास और उन्नति हुई है, जिसने पर्यटन क्षेत्र को प्रभावित किया है और बदलते यात्री और उद्योग परिदृश्य के मुकाबले में इस क्षेत्र की लगातार जांच करने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, मंत्रालय ने पर्यटन सेवा प्रदाताओं को मान्यता प्रदान करने के लिए दिशानिर्देशों की समीक्षा करने की आवश्यकता को स्वीकार किया। इसके अलावा, कोरोना वायरस (कोविड–19) महामारी ने पर्यटन क्षेत्र में एक अभूतपूर्व संकट उत्पन्न कर दिया था। इन सभी कारकों से यह आवश्यक हो गया कि पर्यटन सेवा प्रदाताओं को मान्यता प्रदान करने के दिशानिर्देशों में उपयुक्त ढंग से संषोधन किया जाए। तदनुसार, दिसंबर 2020 में दिशानिर्देशों को संशोधित किया गया है ताकि उनकी पहुंच और दायरे को बढ़ाया जा सके। संशोधित दिशानिर्देश जनवरी 2021 से प्रभावी होंगे।

मौजूदा दिशानिर्देशों को 'पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन सेवा प्रदाताओं की मान्यता' के लिए एक एकल दिशानिर्देश में समेकित किया गया है। संशोधित दिशानिर्देशों के तहत मान्यता तीन व्यापक उप श्रेणियों के तहत प्रदान की जाएगी :

- टूर ऑपरेटर्स (इनबाउंड, घरेलू, एडवेंचर, एमआईसीई)
- ट्रैवल एजेंट
- पर्यटक परिवहन संचालक

इन तीन उप श्रेणियों में ऑनलाइन मोड के माध्यम से पर्यटकों के लिए आवश्यक व्यवस्था करने वाले ऑपरेटर / एजेंसियां भी शामिल होंगी।

आत्मनिर्भर भारत के सिद्धांतों को प्रोत्साहित करने के लिए पहली बार ग्रीनशूट / स्टार्टअप एजेंसियों की श्रेणी शुरू की गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने 29 दिसंबर 2022 तक की स्थिति के अनुसार कुल 1266 हितधारकों को मान्यता प्रदान की है। इनमें से 132 ग्रीनशूट / स्टार्टअप; 234 ट्रैवल एजेंट; 105 पर्यटक परिवहन संचालक और 795 टूर ऑपरेटर हैं।

8-10 oc vkèkkfjr lkoZtfud fMfyojh ç.kkyh

यात्रा व्यवसाय सेवा प्रदाताओं को मान्यता प्रदान करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने 12 मई, 2014 से वेब आधारित सार्वजनिक डिलिवरी प्रणाली स्थापित की है। इस प्रणाली का उद्देश्य पर्यटन मंत्रालय से मान्यता प्राप्त करने के इच्छुक यात्रा व्यापार सेवा प्रदाताओं द्वारा आवेदन

दाखिल करने की प्रक्रिया को सरल बनाना और अनुमोदन प्रदान करने में पारदर्शिता लाना है। नई प्रक्रिया सेवा प्रदाताओं से आवेदन आनलाइन स्वीकार करती है जिसकी वजह से यह प्रक्रिया पेपरलेस हो गई है।

यूआरएल http://etraveltradeapproval.nic.in/ के माध्यम से सभी आवेदन प्रस्तुत किए जाते हैं तथा पूर्ण आवेदन की प्राप्ति से 60 दिन के अंदर उनकी जांच की जाती है, प्रोसेस किया जाता है तथा अनुमोदित / अस्वीकृत किया जाता है। यह पहल अनुमोदन आदि के लिए ई–रिजीम की दिशा में बढ़ने के मंत्रालय के उद्देश्य का अंग है।

8-11 Ã&oh t k

देश में वीजा व्यवस्था को सरल बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के साथ काम कर रहा है। मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकार (ईटीए) (ई–वीजा के रूप में पुनः नामकरण) समर्थित आगमन पर पर्यटक वीजा के कार्यान्वयन के संबंध में पहल का दृढ़ता के साथ समर्थन किया और इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और नागर विमानन मंत्रालय को संपूर्ण समर्थन दिया। भारत सरकार ने 27 नवंबर 2014 को ई–वीजा व्यवस्था लॉन्च की और इसके बाद शुरू में 46 देशों के लिए ई–टूरिस्ट वीजा शुरू किया गया।

मंत्रिमंडल के अनुमोदन के अनुपालन में भारत सरकार ने 30 नवंबर 2016 को ई–टूरिस्ट वीजा को और उदार बनाया और ई–टूरिस्ट वीजा का नाम बदलकर ई–वीजा स्कीम रखा गया तथा इस समय ई–वीजा की निम्नलिखित 5 उप श्रेणियां हैं :

i. ई–टूरिस्ट वीजा,
ii. ई–बिजनेस वीजा,
iii. ई–मेडिकल वीजा,
iv. ई–कॉन्फ्रेंस वीजा, और
v. ई–मेडिकल अटेंडेंट वीजा

अब ई–वीजा स्कीम 156 देशों के नागरिकों के लिए उपलब्ध है।

ई–वीजा 29 निर्दिष्ट हवाई अड्डों (अर्थात अहमदाबाद, अमृतसर, बागडोगरा, बेंगलुरू, कालीकट, चेन्नई, चंडीगढ़, कोचीन, कोयंबटूर, दिल्ली, गया, गोवा, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, मंगलौर, मुंबई, नागपुर, पुणे, तिरुचिरापल्ली, त्रिवेंद्रम, वाराणसी, विशाखापत्तनम, मदुरै, भुवनेश्वर, पोर्ट ब्लेयर तथा कन्नूर) तथा 5 निर्दिष्ट बंदरगाहों (अर्थात मुंबई, कोचीन, मोर्मुगाओ, चेन्नई और न्यू मंगलौर) के माध्यम से प्रवेश के लिए मान्य है।

सरकार ने महामारी से पहले ई–वीजा व्यवस्था को और उदार तथा अधिक पर्यटक अनुकूल बनाते हुए इसमें कई संशोधन किए थे। किए गए महत्वपूर्ण संशोधन इस प्रकार हैं : –

1. एक साल के लिए मौजूदा ई–टूरिस्ट वीजा के अलावा मल्टिपल एंट्री के साथ 5 साल के लिए ई–टूरिस्ट वीजा की एक नई श्रेणी शुरू की गई।

2. यूएसए, यूके, कनाडा और जापान के नागरिकों को छोड़कर ऐसे सभी देशों के नागरिकों के मामले में ई–टूरिस्ट वीजा के लिए प्रवास की अवधि 90 दिन है जो ई–वीजा प्राप्त करने के लिए पात्र हैं। यूएसए, यूके, कनाडा और जापान के नागरिकों के लिए प्रत्येक विजिट के दौरान सतत प्रवास की अवधि 180 दिन से अधिक नहीं होगी। ई–मेडिकल वीजा के मामले में और ई–मेडिकल अटेंडेंट वीजा के लिए ट्रिपल एंट्री की अनुमति प्रदान की गई है तथा संबंधित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ) / विदेशी पंजीकरण अधिकारी (एफआरओ) द्वारा प्रत्येक मामले के मेरिट के आधार पर मामला दर मामला आधार पर 6 माह तक प्रवास की अवधि बढ़ाई जा सकती है। मेडिकल अटेंडेंट वीजा की अवधि प्रधान ई–वीजा धारक की वैधता अवधि समाप्त होने के साथ समाप्त हो जाती थी।

3. इसके अलावा, ई–टूरिस्ट वीजा की एक नई श्रेणी भी शुरू की गई जो डबल एंट्री के साथ एक माह की अवधि के लिए वैध था।

4. इसके अलावा, वीजा शुल्क को भी तर्कसंगत बनाया गया तथा इसे काफी हद तक घटा दिया गया जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है :

   i. 5 साल के ई–टूरिस्ट वीजा के लिए – 80 डॉलर
   ii. 1 साल के ई–टूरिस्ट वीजा के लिए – 40 डॉलर
   iii. एक माह के ई–टूरिस्ट वीजा के लिए –
      - कम पर्यटक आने वाला सीजन (अप्रैल से जून) – 10 डॉलर
      - टूरिस्ट सीजन (जुलाई से मार्च) – 25 डॉलर

जिस तरह सरकारी / पीएसयू सम्मेलनों के लिए ई–कन्फ्रेंस वीजा प्रदान किया जाता है उसी तरह निजी व्यक्तियों / कंपनियों / संगठनों द्वारा आयोजित निजी सम्मेलनों के लिए भी ई–कन्फ्रेंस वीजा प्रदान किया जाएगा।

कोविड–19 महामारी से उत्पन्न स्थिति के कारण और इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा मार्च, 2020 से वीजा जारी करने पर रोक लगा दी गई थी। जब कोविड–19 महामारी की स्थिति में सुधार होना शुरू हो गया, तो पर्यटन मंत्रालय ने फिर से ई–टूरिस्ट वीजा जारी करने के मामले को गृह मंत्रालय के साथ उठाया।

इसके अलावा, गृह मंत्रालय ने दिनांक 15 मार्च, 2022 के अपने कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से निम्नलिखित प्रावधानों के साथ 156 देशों के नागरिकों के लिए तत्काल प्रभाव से ई–टूरिस्ट वीजा को बहाल कर दिया :

i. जैसा कि गृह मंत्रालय के दिनांक 30 मार्च 2021 के कार्यालय ज्ञापन में दर्शाया गया है, वर्तमान में पांच साल के लिए जारी वैध ई–टूरिस्ट वीजा, जिसे मार्च, 2020 से निलंबित कर दिया गया था, 156 देशों के नागरिकों के लिए बहाल हो जाएगा। वीजा नियमावली, 2019 के अनुसार, इन 156 देशों के नागरिक नए ई–टूरिस्ट वीजा के लिए भी पात्र होंगे।

ii. सभी देशों के विदेशी नागरिकों को 5 साल की वैधता के साथ वर्तमान में जारी किया गया वैध नियमित (कागजी) पर्यटक वीजा, जो मार्च, 2020 से निलंबित था, बहाल हो जाएगा। समय–समय पर लगाए गए प्रतिबंधों के अधीन पात्र देशों के नागरिकों को 5 वर्ष तक की वैधता का नया नियमित (कागजी) पर्यटक वीजा भी जारी किया जा सकता है।

iii. वर्तमान में वैध पुराना लंबी अवधि (10 वर्ष) का नियमित पर्यटक वीजा जो मार्च, 2020 से निलंबित था, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के नागरिकों के लिए बहाल हो जाएगा। नया लंबी अवधि (10 वर्ष) का नियमित पर्यटक वीजा भी संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के नागरिकों को जारी किया जा सकता है।

इस समय, ई–टूरिस्ट वीजा की सुविधा 165 देषों के नागरिकों के लिए उपलब्ध है। इस सूची में जो नवीनतम देश शामिल किया गया है वह कनाडा है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कोविड से संबंधित दिशानिर्देशों के अधीन गृह मंत्रालय ने पर्यटन के लिए भारत आने वाले सभी विदेशी नागरिकों (चीन और पाकिस्तान के नागरिकों को छोड़कर) के लिए प्रतिबंध में ढील दी है।

भारत सरकार ने पर्यटकों को 500,000 मुफ्त वीजा देने की घोषणा की थी ताकि वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण स्रोत बाजारों के लिए प्रोत्साहन का भौगोलिक प्रसार सुनिश्चित किया जा सके और विभिन्न राष्ट्रीयता वाले अंतर्गामी पर्यटकों द्वारा इसका लाभ उठाया जा सके। यह योजना 31 मार्च, 2022 तक वैध थी।

8-12 ?kjsyw i;ZVu dk laoèkZu ds fy, cktkj fodkl lgk;rk ¼,eMh,½ ;kstuk

2020 में कोविड–19 का वैश्विक प्रकोप समाजों और आजीविकाओं पर जबरदस्त प्रभाव के साथ एक अभूतपूर्व वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल रहा है। यात्रा और पर्यटन इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में एक है जिसके कारण सभी यात्रा – घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय – को पूर्ण रूप से कम कर दिया है। जब स्थिति सुधर जाएगी, तो ऐसी संभावना है कि घरेलू यात्रा और पर्यटन देश में पर्यटन क्षेत्र के पुनरुद्धार का नेतृत्व करेगा। इसलिए इस समय मंत्रालय का ध्यान घरेलू पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित और बहाल करने पर है।

उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बाजार विकास सहायता (एमडीए) की योजना के दिषानिर्देषों को योजना के दायरे और पहुंच को बढ़ाने के लिए संशोधित किया गया है, ताकि हितधारकों को अधिकतम लाभ प्रदान किया जा सके।

इस योजना के उद्देश्य नीचे दिए गए हैं :

- हितधारकों को घरेलू बाजार के लिए अपने विपणन कार्यक्रमों के अंग के रूप देश के कम ज्ञात और उपयोग में न लाए गए गंतव्यों सहित पर्यटन स्थलों का प्रचार करने के लिए प्रेरित करना।
- हितधारकों को पूरे देश के पर्यटन स्थलों और उत्पादों से परिचित कराना ताकि वे उनको घरेलू उपभोक्ताओं के बीच प्रभावी ढंग से प्रमोट कर सकें और उन्हें अपने पैकेज में शामिल कर सकें।
- हितधारकों को देश में पर्यटन के क्षेत्र में नए गंतव्यों, उत्पादों और विकास से परिचित कराना।
- हितधारकों को पर्यटन उद्योग को देश की महत्वपूर्ण सामाजिक – आर्थिक गतिविधि बनाने के लिए प्रोत्साहित करना।

एमडीए के संशोधित दिशानिर्देशों, दिनांक 28 नवंबर, 2020 के अनुसार, देश के भीतर प्रचार की निम्नलिखित गतिविधियों के लिए पर्यटन सेवा प्रदाताओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, अर्थात घरेलू यात्रा मेलों / प्रदर्शनियों में भाग लेना; राष्ट्रीय पर्यटन, व्यापार और आतिथ्य संघों तथा केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के पर्यटन मंत्रालयों द्वारा आयोजित पर्यटन से संबंधित सम्मेलनों / संगोष्ठियां / सेमिनारों में भाग लेना; देश के विभिन्न क्षेत्रों में रोड शो में भाग लेना और डिजिटल संवर्धन ब्रोशर / लिफलेट के निर्माण सहित घरेलू बाजार में पर्यटन स्थलों एवं उत्पादों का आनलाइन संवर्धन शामिल है।

इसके अलावा, देश के अंदर संवर्धनात्मक गतिविधियों को संचालित करने के लिए राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों पर्यटन विभागों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिसमें घरेलू यात्रा मेलों / प्रदर्शनियों में भाग लेना; डिजिटल संवर्धन ब्रोशर / लिफलेट के निर्माण सहित घरेलू बाजार में पर्यटन स्थलों एवं उत्पादों का आनलाइन संवर्धन तथा पर्यटन उत्पादों से परिचित कराने के लिए राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा की गई यात्रा शामिल हैं।

बाजार विकास सहायता योजना के तहत यात्रा मेलों/रोड शो में यात्रा व्यापार के स्वीकृत सदस्यों द्वारा भागीदारी

8-13 cgHkk"kh i;ZVd buQksykbu

पर्यटन मंत्रालय ने 8 फरवरी 2016 को हिंदी और अंग्रेजी सहित 12 भाषाओं में 24x7 टोल फ्री बहुभाषी पर्यटक हेल्पलाइन शुरू की है। अंग्रेजी और हिंदी के अलावा 10 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं अर्थात अरबी, फ्रेंच, जर्मन, इटेलियन, जापानी, कोरियन, चाइनीज, पुर्तगाली, रूसी और स्पेनिश में टूरिस्ट हेल्पलाइन द्वारा सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यह सेवा टोल फ्री नंबर 1–800–11–1363 पर या शार्ट कोड 1363 पर उपलब्ध है तथा वर्ष में 24x7 (सभी दिन) क्रियाशील है तथा निर्धारित भाषाओं में "बहुभाषी हेल्पडेस्क" की सेवाएं प्रदान करती है।

इस बहुभाषी हेल्पलाइन का उद्देश्य निर्धारित भाषाओं में घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भारत में यात्रा एवं पर्यटन से संबंधित सूचना प्रदान करने की दृष्टि से सहायता सेवा प्रदान करना और कॉल करने वाले व्यक्ति को भारत में यात्रा के दौरान विपदा की घड़ी में उठाए जाने वाले कदम के बारे में सलाह देना और आवश्यक होने पर संबंधित प्राधिकारियों को चौकस करना है।

यह पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार का एक अनोखा प्रयास है तथा भारत की यात्रा करने के दौरान विदेशी पर्यटकों में सुरक्षा एवं संरक्षा की भावना पैदा करता है। फरवरी, 2016 से लेकर सितंबर, 2022 तक बहु–भाषी इंफोलाइन पर कुल 6,66,798 पूछताछ प्राप्त हुई हैं और उनका हल निकाला गया है।

पर्यटक पूछताछ का कार्य संभालने वाले बहुभाषी कॉल सेंटर कर्मी

8-14 lqjf{kr {ks= ijfeV ¼ih,ih½ @ çfrcfU/kr {ks= ijfeV ¼vkj,ih½

पर्यटन मंत्रालय देश के प्रतिबंधित/संरक्षित क्षेत्रों में पर्यटकों को बेहतर एवं सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए गृह मंत्रालय के साथ नियमित रूप से समन्वय स्थापित करता है और इसके फलस्वरूप गृह मंत्रालय ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र में चिह्नित द्वीपों के लिए 5 वर्ष की अगली अवधि के लिए अर्थात 31 दिसंबर, 2027 तक पीएपी / आरएपी से छूट प्रदान की है हालांकि मणिपुर, मिजोरम तथा नागालैंड राज्यों में 31.12.2022 के बाद और 5 वर्ष की अवधि के लिए पीएपी/आरएपी संबंधी तक छूट को बढ़ाने के लिए मामला पहले ही गृह मंत्रालय के साथ उठाया जा चुका है।

8-15 {ks=h; lEidZ ;kstuk ¼vkjlh,l½

हवाई यात्रा को किफायती बनाकर क्षेत्रीय हवाई संपर्क को सुगम बनाने / प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आरसीएस– उड़ान नागर विमानन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई योजना है।

आरसीएस उड़ान के अंतर्गत, पर्यटन मंत्रालय ने कनेक्टिविटी में और सुधार के लिए नागर विमानन मंत्रालय से संपर्क किया तथा आइकॉनिक स्थलों सहित महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए शुरुआत में 46 पर्यटक मार्गों को शामिल कराया। हालांकि, कुछ मार्गों (15 मार्ग) जिनमें सफल बिडर्स ने काम शुरू नहीं किया था, को नागर विमानन मंत्रालय द्वारा रद्द कर दिया गया और उनमें से कुछ को फिर से बोली लगाने के लिए लिया गया।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने 28 नए पर्यटन मार्गों को शामिल करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है; इसलिए, पर्यटन के आरसीएस हवाई मार्गों की कुल संख्या अब 59 हो गई है। इनमें से 51 मार्ग चालू हैं। इसके अलावा, चैंपियन सेवा क्षेत्र योजना के लिए स्वीकृत वित्तीय

परिव्यय के भीतर वित्त मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय द्वारा चैंपियन सेवा क्षेत्र योजना को 31 मार्च 2022 के बाद 2 और वर्षों के लिए यानी मार्च, 2024 तक अनुमोदित किया गया है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय और पर्यटन मार्गों को शामिल करने तथा महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर हवाई संपर्क को बेहतर बनाने के लिए समर्थन करता रहा है और अपनी सिफारिशें देता रहा है। पूर्वोत्तर राज्य मंत्रालय के प्रमुख फोकस हैं, इसलिए विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों से 18 पर्यटन मार्गों की पहचान की गई है।

देवघर हवाईअड्डे पर उड़ान योजना के तहत उड़ान सेवाएं उपलब्ध

8-16 i;Vd lqfo/kk ,oa lwpuk dkmaVj

पर्यटक सुविधा एवं सूचना काउंटर 5 नवंबर, 2018 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टी3 टर्मिनल आगमन द्वार पर खोला गया था। इसके बाद, पर्यटन मंत्रालय ने वाराणसी, बोधगया, बैंगलोर, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, गुवाहाटी और हैदराबाद के हवाई अड्डों पर भी पर्यटक सुविधा काउंटर शुरू किए हैं यानी पर्यटन मंत्रालय द्वारा भारत के 9 अलग अलग हवाई अड्डों पर कुल 9 पर्यटक सुविधा काउंटर खोले गए हैं।

आगंतुकों के लिए सुविधा केंद्र खोलना देश में आने वाले पर्यटकों के लिए बहुत मददगार होगा। काउंटर गैर अंग्रेजी भाषी पर्यटकों की आवश्यताएं भी पूरी करेंगे क्योंकि ये काउंटर मंत्रालय की 24x7 हेल्पलाइन – '1363' से भी कनेक्ट होंगे जहां पर्यटक विदेशी भाषा एजेंट से सीधे बात कर सकते हैं और फ्रेंच, जर्मन, इटेलियन, स्पेनिश, पुर्तगाली, रूसी, जापानी, कोरियन, चाइनीज और अरबी में मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

कोलकाता में इंडियाटूरिज्म एयरपोर्ट डेस्क

8-17 lMd ifjogu ,oa jktekxZ ea=ky; ¼,evksvkjVh,p½ dh enn ls egRoiw.kZ i;Vd LFkyksa ds fy, lMd laidZ vkSj lMd ds fdukjs dh lqfo/kkvksa esa lq/kkj

पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के लिए सड़क संपर्क में सुधार के बारे में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) के साथ बात कर रहा है और पहले चरण में शुरू करने के लिए एमओआरटीएच को 50 पर्यटन स्थलों की सूची सौंपी थी। जहां अच्छा सड़क संपर्क पहले से मौजूद है, वहां एमओआरटीएच से 15–20 किलोमीटर की दूरी पर सड़क के किनारे सुविधाओं की स्थापना करने, प्रमुख संकेत लगाने और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण पर विचार करने का अनुरोध किया गया है। इन 50 गंतव्यों में से केवल 23 सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय / भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दायरे में आते हैं, जहां काम प्रगति पर है।

शेष 27 पर्यटक स्थलों के लिए पर्यटन मंत्रालय ने कनेक्टिविटी में सुधार और सड़क के किनारे सुविधाओं के प्रावधान के लिए संबंधित राज्य सरकारों और लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखे हैं क्योंकि ये सड़कें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के दायरे में नहीं आती हैं।

24 और 25 नवंबर, 2020 को राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन विभागों के साथ वर्चुअल बैठकें आयोजित की गईं ताकि ऐसे पर्यटक स्थलों पर उनके इनपुट और सुझाव प्राप्त किए जा

सकें जहां सड़क संपर्क और सड़क के किनारे सुविधाओं की आवश्यकता है। राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त इनपुट के आधार पर 114 गंतव्यों की सूची तैयार की गई है और इन पर्यटन स्थलों के लिए सड़क संपर्क में सुधार के लिए इस सूची को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ साझा किया गया है।

सितंबर, 2022 में सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में पर्यटन कार्यबल की दूसरी बैठक आयोजित की गई, जिसमें नागर विमानन मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय और रेल मंत्रालय उपस्थित थे। यह बैठक सड़क संपर्क में सुधार और यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों और अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के समानांतर सार्वजनिक सुविधाओं का सुनिश्चय करने के लिए थी ताकि पर्यटकों के सुगम यात्रा अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने का अनुरोध किया गया।

कोलकाता में मार्गस्थ सुविधाएं

8-18 ,d fojklr viuk,a

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने पूरे भारत में फैले विरासत / प्राकृतिक / पर्यटन स्थलों पर पर्यटन की सुविधाओं को विकसित करने के लिए ''एक विरासत अपनाएं – अपनी धरोहर, अपनी पहचान'' परियोजना शुरू की है ताकि इन स्थलों को नियोजित और चरणबद्ध तरीके से पर्यटकों के अनुकूल बनाया जा सके।

इस परियोजना का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र की कंपनियों, ट्रस्ट, एनजीओ, व्यक्तियों तथा अन्य हितधारकों को ''स्मारक मित्र'' बनने और इन स्थलों पर पर्यटन की बुनियादी तथा सीएसआर के अंतर्गत संपोषणीय निवेश माडल के संदर्भ में लाभप्रदता तथा उनकी रुचि के अनुसार उन्नत सुविधाओं का विकास एवं उन्नयन करने की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। वे उनके संचालन एवं अनुरक्षण का कामकाज भी देखेंगे।

यह परियोजना विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर 27 सितंबर, 2017 को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा शुरू की गई।

इस परियोजना के उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- विरासत स्थलों, स्मारकों और पर्यटन स्थलों पर और उनके आसपास बुनियादी पर्यटन अवसंरचना का विकास करना।
- विरासत स्थलों, स्मारकों और पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सुविधाओं का विकास करना।
- देश के सांस्कृतिक और विरासत मूल्य को बढ़ावा देना और देश में विरासत स्थलों / पर्यटन स्थलों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अवसर पैदा करना।
- सतत पर्यटन अवसंरचना का विकास और प्रचार करना और उसमें उचित संचालन और रखरखाव सुनिश्चित करना।
- विरासत और पर्यटन स्थलों पर रोजगार के अवसरों का सृजन करना और स्थानीय समुदायों की आजीविका का समर्थन करना।

इस परियोजना के अंतर्गत पूरे भारत में सत्ताईस (27) स्थलों तथा 2 प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों के लिए 15 स्मारक मित्रों को 29 समझौता ज्ञापन (एमओयू) सौंपे गए हैं।

'एक विरासत अपनाएं' परियोजना के तहत संचालन और नीति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 23 फरवरी, 2022 को पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। यह निर्णय लिया गया कि 'एक विरासत अपनाएं' परियोजना के तहत अपनाए गए सभी केंद्रीय संरक्षित स्मारकों को संस्कृति मंत्रालय / भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। पर्यटन मंत्रालय शेष 06 समझौता ज्ञापनों और राज्य संरक्षित स्मारकों के लिए परियोजना को जारी रखेगा। परियोजना के दिशानिर्देशों की समीक्षा की गई है और केंद्रीय संरक्षित स्मारकों और अन्य मूर्त एवं अमूर्त पर्यटन परिसंपत्तियों के अलावा अन्य सार्वजनिक स्मारकों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

8-19 i;Vdksa dh lqj{kk vkSj lqj{kk @ i;Vd iqfyl ;kstuk

i. पर्यटकों की सुरक्षा अनिवार्य रूप से राज्य सरकार का विषय है। तथापि, समर्पित पर्यटक पुलिस की स्थापना के लिए पर्यटन मंत्रालय द्वारा सभी राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के समक्ष मामला उठाया गया है। पर्यटन मंत्रालय के प्रयासों से आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम एवं उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किसी न किसी रूप में पर्यटक पुलिस की तैनाती की गई है।

ii. भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) के माध्यम से पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक पुलिस की आवश्यकता को समझने और पर्यटकों की जरूरतों के प्रति पर्यटक पुलिस को जागरुक बनाने के लिए "राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में पर्यटक पुलिस की कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रलेखन" नाम से एक अध्ययन कराया जिसे सभी राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को भेजा गया। प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आईआईटीटीएम द्वारा दिया गया प्रशिक्षण मॉड्यूल गृह मंत्रालय को भी अग्रेषित किया गया जिसे सभी राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्रों प्रशासनों के मुख्य सचिवों को भी परिचालित किया गया।

iii. पर्यटन मंत्रालय ने गृह मंत्रालय के साथ विदेशी और घरेलू पर्यटकों की सुरक्षा और संरक्षा के मुद्दे पर प्रकाश डाला। गृह मंत्रालय की इच्छा के अनुसार, पर्यटन मंत्रालय ने 25 पर्यटक स्थलों की सूची अग्रेषित की, जिन्हें राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में एक अलग पुलिस इकाई के गठन के लिए प्रायोगिक परियोजना के रूप में लिया जा सकता है।

iv. एक व्यापक रूपरेखा विकसित करने के लिए पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) ने पर्यटक पुलिस योजना पर एक अध्ययन शुरू किया और बहुत व्यापक रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट के विश्लेषण और सिफारिशों को अखिल भारतीय स्तर पर लागू करने पर पर्यटकों की सुरक्षा के लिए रूपरेखा तैयार करने में मदद मिलेगी। पर्यटकों के लिए सुरक्षित पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के लिए सभी राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में समान पर्यटक पुलिस के कार्यान्वयन के उद्देष्य से गृह मंत्रालय और बीपीआरएंडडी के सहयोग से पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक पुलिस योजना पर 19 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में सभी राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के पुलिस विभाग के

महानिदेशकों (डीजी) / महानिरीक्षकों (आईजी) के एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

v. पर्यटन मंत्रालय ने भारत में यात्रा से संबंधित सूचना की दृष्टि से सहायता सेवा प्रदान करने और भारत में यात्रा के दौरान विपदा की स्थित में पर्यटकों को उपयुक्त मार्गदर्शन की पेशकश करने के लिए घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों के लिए हिंदी अंग्रेजी तथा 10 अंतराष्ट्रीय भाषाओं (जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिष, इटालियन, पुर्तगाली, रूसी, चाइनीज, जापानी, कोरियन, अरबी) सहित 12 भाषाओं में टोल फ्री नंबर 1800111363 पर या संक्षिप्त कोड 1363 पर 24x7 टोल फ्री बहुभाषी पर्यटक सूचना हेल्प लाइन शुरू की है।

vi. सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन विभागों सहित सभी हितधारकों के साथ पर्यटन मंत्रालय द्वारा 'सुरक्षित एवं सम्मानजनक पर्यटन के लिए आचार संहिता' अंगीकृत की गई है जो पर्यटकों तथा स्थानीय निवासियों दोनों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के बुनियादी अधिकारों जैसे कि गरिमा, सुरक्षा तथा शोषण से आजादी के संबंध में शुरू की जाने वाली पर्यटन की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए दिशानिर्देशों का एक सेट है।

09

ekuo lalkèku fodkl

आईएचएम कोलकाता में केक मिक्सिंग समारोह

vè;k;

09.

ekuo lalkèku fodkl

मंत्रालय का मानव संसाधन विकास प्रभाग आतिथ्य, खानपान प्रौद्योगिकी, यात्रा, पर्यटन और इससे संबंधित क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने वाले चार शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित काम देखता है। इसके अलावा, यह भारतीय स्कीइंग और पर्वतारोहण संस्थान (आईआईएसएम) जो एक अधीनस्थ संस्थान है, के प्रशासनिक और प्रचार संबंधी मामलों को भी देखता है जो एडवेंचर पर्यटन के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है।

9-1 gkVy çcèk lLFkku ¼vkÃ,p,e½ vkj [kk| f'kYi lLFkku ¼,Q lhvkÃ½

आवश्यक अवसंरचना सहायता के साथ प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा की प्रणाली स्थापित करना पर्यटन मंत्रालय का प्रयास रहा है जो गुणवत्ता और मात्रा दोनों की दृष्टि से पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त जनशक्ति सृजित करने में सक्षम हो। आज तक की स्थिति के अनुसार 49 होटल प्रबंध संस्थान (आईएचएम) (जिसमें 21 केंद्रीय आईएचएम और 28 राज्य आईएचएम शामिल हैं) और 12 फूड क्राफ्ट संस्थान (एफसीआई) हैं जो मंत्रालय की सहायता से अस्तित्व में आए हैं। जगदीशपुर, उत्तर प्रदेश में एक (1) केंद्रीय आईएचएम निर्माणाधीन है। ये संस्थान अतिथि सत्कार के कौशलों में अतिथि सत्कार शिक्षा प्रदान करने / प्रशिक्षण संचालित करने के विशिष्ट अधिदेश के साथ स्वायत्त सोसाइटी के रूप में स्थापित किए गए। आईएचएम मुख्य रूप से डिग्री स्तरीय आतिथ्य शिक्षा प्रदान करते हैं, जबकि एफसीआई कौशल स्तरीय शिक्षा प्रदान करते हैं।

9-2 jk"Vh; gkVy çcèk ,o dVÇjx çk|kfxdh ifj"kn ¼,ulh,p,elhVh½ i;Vu e=ky;½

आईएचएम और एफसीआई के शैक्षिक प्रयासों को संचालित एवं विनियमित करने के लिए 1982 में मंत्रालय ने राष्ट्रीय होटल प्रबंध एवं केटरिंग प्राद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) स्थापित किया। एनसीएचएमसीटी का अधिदेश अपने संबद्ध संस्थानों के माध्यम से आतिथ्य प्रबंध शिक्षा के विकास तथा विकास में सामान्य उन्नति का समन्वय करना है। परिषद को व्यापक श्रेणी के प्रशासनिक मामलों में क्षेत्राधिकार प्राप्त है जिसमें दाखिला, शुल्क, उप नियम, अध्ययनों के लिए पाठ्य विवरण, पाठ्यक्रम, अनुसंधान एवं परीक्षाएं, परीक्षाफल, भवन योजनाओं एवं उपकरण का विनियमन, प्रशिक्षण, पत्रिकाओं, पिरियाडिकल का प्रकाशन आदि शामिल हैं तथा सरकार द्वारा अनुमोदित ऐसी गतिविधियों का संचालन करना भी शामिल है जो समय समय पर निर्धारित की जाती हैं। एनसीएचएमसीटी संबद्धता प्रदान करने वाली संस्था भी है तथा 21 सीआईएचएम, 28 एसआईएचएम और 12 एफसीआई जो मंत्रालय की सहायता से अस्तित्व में आए हैं, दाखिला तथा परीक्षा के विनियमन के लिए इससे संबद्ध हैं। एनसीएचएमसीटी को निजी आईएचएम को संबद्धता प्रदान करने का दायित्व भी प्रदान किया गया है। आज तक की स्थिति के अनुसार 31 निजी संस्थान एनसीएचएमसीटी से संबद्ध हैं। एनसीएचएमसीटी अपने संबद्ध संस्थानों के लिए आतिथ्य और होटल प्रशासन में तीन वर्षीय बीएससी कार्यक्रम के पहले वर्ष में दाखिला के लिए अखिल भारतीय आधार पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) का भी आयोजन करता है। अतिथि सत्कार प्रशासन में एमएससी के लिए दाखिला परिषद द्वारा केन्द्रीय स्तर पर संचालित की जाती है। अन्य पाठ्यक्रमों के मामले में अर्थात आवास प्रचालन में पीजी डिप्लोमा, डायटेटिक्स तथा हास्पिटल फूड सर्विस में पीजी डिप्लोमा, खाद्य निर्माण में डिप्लोमा, फूड और बिवरेज सर्विस में डिप्लोमा, हाउस कीपिंग आपरेशन में डिप्लोमा, बेकरी और कनफेक्शनरी में डिप्लोमा, फूड और बिवरेज सर्विस में क्राफ्ट्समैनशिप कोर्स तथा होटल एवं कैटरिंग प्रबंध में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के मामले में संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए परिषद द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंड के अनुसार संबंधित संस्थानों द्वारा सीधे दाखिला प्रदान किया जाता है।

विभिन्न अल्पावधिक क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के अतिरिक्त, वर्ष 2021–20 के दौरान कुल 9759 छात्रों ने एनसीएचएमसीटी द्वारा प्रस्तावित विभिन्न नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों के अंतर्गत अपने आपको नामांकित कराया है।

9-3 Hkkjrh; i;Vu ,o ;k=k çcèk lLFkku ¼vkÃvkÃVhVh,e½ i;Vu e=ky;

1983 में स्थापित भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम) यात्रा एवं पर्यटन शिक्षा एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान है। यह पर्यटन एवं यात्रा उद्योग के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण एवं शिक्षा प्रदान करता है। वर्तमान में यह ग्वालियर, भुवनेश्वर, नोएडा, नेल्लोर और गोवा में स्थित अपने केंद्रों से निम्नलिखित पूर्णकालिक कार्यक्रम प्रदान करता है :

दो वर्षीय एमबीए (पर्यटन और यात्रा प्रबंधन)
तीन वर्षीय बीबीए कार्यक्रम (पर्यटन और यात्रा)

ये केंद्र विभिन्न अल्पकालिक क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के अलावा अल्पकालिक कौशल विकास कार्यक्रम / पाठ्यक्रम भी प्रदान करते हैं।

आईआईटीटीएम को पिछले कई वर्षों से सरकारी या निजी क्षेत्र में छात्रों के 100 प्रतिशत प्लेसमेंट का सम्मान प्राप्त है।

vkÃvkÃVhVh,e d çLrkfor u, dUæ

शिलांग और बोधगया में आईआईटीटीएम के नए केंद्र खोलने की प्रक्रिया चल रही है। इस बीच शिलांग, मेघालय और बोधगया, बिहार में आईआईटीटीएम के कैंपस को अल्प अवधि के कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए चालू किया गया है।

9-4 jk"Vh; ty ØhMk lLFkku ¼,uvkÃMCY;w,l½] xksok

भारत में शिक्षण / प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं परामर्श और खाली समय में जल क्रीड़ा को बढ़ावा देने की चल रही गतिविधियों को मजबूत करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जल क्रीड़ा संस्थान (एनआईडब्ल्यूएस), गोवा को आईआईटीटीएम में शामिल किया गया। वर्तमान में, एनआईडब्ल्यूएस आउट बोर्ड मोटर (ओबीएम) अनुरक्षण, फाइबर प्रबलित प्लास्टिक (एफआरपी) नौका मरम्मत, टिलर नियंत्रित पावरबोट हैंडलिंग, रिमोट कंट्रोल पावरबोट हैंडलिंग, जीवन रक्षक तकनीक, सर्फ जीवन रक्षक तकनीक इत्यादि जैसी परामर्शी गतिविधियां, पेशेवर अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह विंडसर्फिंग, सेलिंग, वाटर स्कीइंग, कायाकिंग इत्यादि जैसे कुछ कौशल आधारित पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है। वर्तमान में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एक नया कैंपस निर्माणाधीन है।

9-5 Hkkjrh; Ldhbx vkj io`rkjksg.k lLFkku ¼vkÃvkÃ,l,e½] xqyex

नियमित रूप से ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन पाठ्यक्रम आयोजित करके एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 1987 में आईआईएसएम की स्थापना की गई। आईआईएसएम पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्थायी अधीनस्थ कार्यालय है। एडवेंचर के कौशल विकसित करने के अलावा, यह देश में एडवेंचर पर्यटन के विकास और प्रचार के लिए राष्ट्रीय एडवेंचर नीतियों/कार्यक्रमों के निर्माण और विभिन्न केंद्रीय, राज्य सरकार और निजी एजेंसियों की गतिविधियों के समन्वय के लिए पर्यटन मंत्रालय के सलाहकार के रूप में कार्य करता है। यह एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा देने और देश में एडवेंचर के नए स्थलों को विकसित करने के लिए नागरिकों को प्रशिक्षित करने के लिए एडवेंचर के सभी क्षेत्रों में एडवेंचर प्रशिक्षण की गतिविधियों का आयोजन करता है। संस्थान विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से एडवेंचर के विभिन्न कौशलों में जम्मू एवं कश्मीर सहित राष्ट्र के युवाओं को प्रशिक्षित करता है।

आईआईएसएम द्वारा वर्ष भर आयोजित किए जाने वाले कुछ प्रमुख पाठ्यक्रम नीचे दिए गए हैं :

(क) दिसंबर से मार्च तक स्नो स्कीइंग पाठ्यक्रम
(ख) जून से सितंबर तक वाटर स्कीइंग पाठ्यक्रम
(ग) मई से अक्टूबर तक पैरासेलिंग पाठ्यक्रम
(घ) मई से नवंबर तक ट्रेकिंग पाठ्यक्रम
(ड.) अक्टूबर से दिसंबर तक हॉट एयर बैलून पाठ्यक्रम
(च) लघु कॉर्पोरेट और स्कूल प्रशिक्षण कार्यक्रम।

9-6 Hkkjrh; ikd'kkyk lLFkku] fr#ifr

पर्यटन मंत्रालय ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ तिरुपति में कुल 97.92 करोड़ रुपये की लागत से भारतीय पाकशाला संस्थान (आईसीआई) की स्थापना की है :

(i) विरासत भारतीय व्यंजनों के संरक्षण का सुनिश्चय करना, (ii) पाक कला के लिए अनुसंधान, प्रलेखन, संग्रहालय और संसाधन केंद्र स्थापित करना, और

(ii) पाक कौशल में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना। भारतीय पाकशाला संस्थान इंटरनेशनल बेंचमार्क की पुष्टि करते हुए अपने विषय क्षेत्र में संसाधन केंद्र के रूप में काम करेगा। नोएडा में भारतीय पाकशाला संस्थान, तिरुपति का एक चैप्टर स्थापित किया गया है।

आईसीआई, तिरुपति और नोएडा के लिए 60–60 छात्रों के साथ आईसीआई ने 2018–19 से 3 वर्षीय बीबीए पाक कला पाठ्यक्रम षुरू किया है। आरंभ में 30 छात्रों के साथ तिरुपति और नोएडा कैंपस में शैक्षिक वर्ष 2019–20 से एमबीए पाठ्यक्रम भी शुरू किया जा रहा है। आईसीआई द्वारा प्रदान किए जाने वाले नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ–साथ विभिन्न अल्पकालिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं। आईसीआई से पास होने वाले सभी लोगों को या तो प्रतिष्ठित आतिथ्य संगठनों में रखा गया या उन्होंने उच्च अध्ययन का विकल्प चुना।

9-7 vkÃ,p,e @ ,QlhvkÃ @ vkÃvkÃVhVh,e @ ,ulh,p,elhVh @ vkÃlhvkÃ @ ih,l;w dks lgk;rk çnku djus d fy, i;kZVu e=ky; dh ;kstuk

पर्यटन मंत्रालय के पास "आईएचएम / एफसीआई / आईआईटीटीएम / एनसीएचएमसीटी / आईसीआई / पीएसयू को सहायता" प्रदान करने के लिए एक सक्षम योजना योजना है, जिसके तहत होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) की स्थापना के लिए 16.50 करोड़ रुपये, फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट (एफसीआई) के लिए 7.50 करोड़ रुपये की सीमा तक राज्य सरकार / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन को केंद्रीय वित्तीय सहायता स्वीकृत की जा सकती है। तथापि, केन्द्र सरकार द्वारा सृजित आईएचएम की स्थापना अथवा भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान

(आईआईटीटीएम) या राष्ट्रीय होटल प्रबंध एवं केटरिंग प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) या भारतीय पाकशाला संस्थान (आईसीआई) के केंद्र / शाखा की स्थापना के लिए सहायता की मात्रा इस सीलिंग के अधीन नहीं होगी।

नए आईएचएम / एफसीआई की स्थापना के लिए प्रदान की जाने वाली केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) योजना के दिशानिर्देशों के प्रावधानों तथा एनसीएचएमसीटी से संस्थान की संबद्धता के अधीन है। सामान्य अनुदान 12.50 करोड़ रुपए तक है जिसमें से 10 करोड़ रुपए निर्माण के लिए है और शेष राशि संस्थान द्वारा अपेक्षित उपकरणों के क्रय के लिए है। हॉस्टलों के निर्माण के लिए 4.00 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि भी मंजूर की जा सकती है। केन्द्रीय अनुदान के अलावा व्यय संबंधित राज्य सरकारों द्वारा वहन किया जाता है। खाद्य शिल्प संस्थान के लिए केंद्रीय सहायता 7.50 करोड़ रुपए तक सीमित है। संस्थानिक अवसंरचना के उन्नयन जैसे कि छात्रावासों के निर्माण और प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के लिए भी केन्द्रीय सहायता प्रदान की जाती है।

केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रयोगशाला के उपकरणों, फर्नीचर, कंप्यूटर के क्रय तथा संस्थानों की अवसंरचना के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन के लिए है। वित्त वर्ष 2021–22 के लिए संशोधित अनुमान के स्तर पर 75.00 करोड़ रुपये की राशि का बजट प्रावधान किया गया और 31 मार्च, 2022 तक की स्थिति के अनुसार 73.92 करोड़ रुपये का उपयोग कर लिया गया।

9-8 lsok çnkrkvk dh fy, {kerk fuekZ.k

पर्यटन मंत्रालय ने प्रत्येक स्तर पर पर्यटन सेवा प्रदाताओं को शिक्षा, प्रशिक्षण एवं प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए ''सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण'' (सीबीएसपी) नामक योजना शुरू की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पर्यटन सेवा प्रदाता के प्रत्येक स्तर पर जनशक्ति को प्रशिक्षित करना एवं स्तरोन्नत करना है ताकि देश की विशाल पर्यटन क्षमता का पूरी तरह उपयोग हो सके और स्थानीय लोगों को पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान की जा सके तथा शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पर्यटन क्षेत्र में नए अवसर सृजित किए जा सकें। सीबीएसपी योजना के माध्यम से कार्यान्वित प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यटन सेवा प्रदाताओं की नियोजनीयता की क्षमता में वृद्धि करना है ताकि वे अनौपचारिक से औपचारिक नौकरियों की ओर बढ़ सकें जिससे कमाई में वृद्धि हो और/या काम करने की स्थिति में सुधार हो।

9-8-1 पर्यटन मंत्रालय द्वारा यह योजना अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित ऐसे संस्थानों सहित होटल प्रबंध संस्थानों और खाद्य शिल्प संस्थानों, भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम), राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और कैटरिंग प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी), भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी), राज्य सरकारों / संघ राज्य प्रशासनों / केंद्र सरकार के प्रशिक्षण / शिक्षा संस्थाओं तथा अतिथि सत्कार के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले निजी क्षेत्र के विशिष्ट शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से चलाई जा रही है।

9-8-2 पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में कौशल अंतराल अध्ययन के लिए पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में प्रशिक्षित जनशक्ति की आपूर्ति में वृद्धि की आवश्यकता है। पर्यटन मंत्रालय एक मिश्रित संस्थागत आधार के माध्यम से इस मुद्दे का समाधान करने की स्थिति में था जिसमें पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित होटल प्रबंधन संस्थान और खाद्य शिल्प संस्थान, राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों तथा राज्य पर्यटन विकास निगम के तत्वावधान में चलने वाले संस्थान शामिल थे। लेकिन प्रशिक्षित जनशक्ति की आपूर्ति को और बढ़ाने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र के लिए विशिष्ट युवाओं में रोजगार योग्य कौशल के निर्माण के लिए "हुनर से रोजगार तक" (एचएसआरटी) नामक एक विशेष पहल शुरू की। इस पहल के अंतर्निहित उद्देश्यों में मुख्य रूप से इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले कौशल अंतराल को कम करना और बढ़ते पर्यटन के आर्थिक लाभों को गरीबों तक पहुंचाने की दिशा में काम करना शामिल है। स्किलिंग इंडिया और पर्यटन को बढ़ावा देने के दो महत्वपूर्ण थ्रस्ट क्षेत्रों का अभिसरण करने के उद्देश्य से ऐसे संस्थानों के पैनलीकरण के माध्यम से एआईसीटीई / एनएसडीए / राज्य सरकार और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा अनुमोदित आतिथ्य संस्थानों और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रमाणित साख वाली पेशेवर एजेंसियों को कौशल विकास के कार्यान्वयन की अनुमति देकर कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के आउटरीच और आउटपुट का विस्तार किया गया। यह पहल वर्ष 2015–16 से शुरू की गई और अब तक देश में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में 135 से अधिक संस्थान एचएसआरटी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने में सक्रिय हैं।

9-8-3 पर्यटन मंत्रालय ने भारत सरकार की नीति के अनुरूप स्किलिंग इंडिया पर विशेष ध्यान दिया है। कोविड–19 महामारी के कारण प्रशिक्षण कार्यक्रम पर भारी प्रभाव के बावजूद पर्यटन मंत्रालय वर्ष 2014–15 से 2021–22 तक सीबीएसपी योजना के तहत विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में लगभग तीन लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित / प्रमाणित करने में सक्षम हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत से लेकर अब तक पर्यटन मंत्रालय आतिथ्य क्षेत्र में लगभग पांच लाख प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित / प्रमाणित करने में सक्षम हुआ है।

9-8-4 महामारी के बाद आतिथ्य क्षेत्र में आया उछाल राष्ट्रीय होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) की छत्रछाया में होटल प्रबंधन संस्थान से उत्तीर्ण लोगों के लिए पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में नियोजनीयता और ऐसे अवसरों की उपलब्धता के लिए बहुत उत्साहजनक है। होटल चेन के प्रतिष्ठित समूह द्वारा टियर 2 और टियर 3 शहरों में नए होटलों और संपत्तियों का निर्माण किया जा रहा है और आतिथ्य से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे कि रिटेल, अस्पताल, मॉल आदि में भर्ती में वृद्धि भी होटल प्रबंधन के भावी पास आउट के लिए उत्साहजनक पहलू हैं।

9-8-5 lhch,lih ;ktuk d vrxr fuEufyf[kr dk;Øe vk;kftr fd, tkr g %

d- guj l jktxkj rd % यह कार्यक्रम वर्तमान में 160 घंटे से 700 घंटे के कुल 11 अल्पावधिक पाठ्यक्रमों का प्रस्ताव करता है। इन 11 पाठ्यक्रमों में से 8 पाठ्यक्रम अर्थात मल्टी क्विज़ीन कुक, फूड एंड बेवरेज सर्विस, रूम अटेंडेंट, फ्रंट ऑफिस एसोसिएट, लॉन्ड्री मशीन ऑपरेटर, किचन स्टीवर्ड, होम डिलीवरी ब्वॉय और ट्रेडिशनल स्नैक्स एंड सेवोरी मेकर आतिथ्य से संबंधित हैं और अन्य तीन पाठ्यक्रम अर्थात निःशस्त्र सुरक्षा गार्ड, विरासत गाइड एवं टूर गाइड गैर आतिथ्य पाठ्यक्रम हैं और पर्यटन मंत्रालय द्वारा पूरी तरह वित्त पोषित हैं। वित्त वर्ष 2021–22 में कुल 11473 व्यक्तियों को प्रशिक्षित / प्रमाणित किया गया। वित्त वर्ष 2022–23 के 30 नवंबर, 2022 तक कुल 4080 व्यक्तियों को प्रशिक्षित / प्रमाणित किया गया है।

[k- dk'ky ijh{k.k vkj çek.ku % चार आतिथ्य ट्रेडों नामतः खाद्य उत्पादन, फूड एंड बेवरेज सेवा, बेकरी और हाउसकीपिंग में मौजूदा सेवा प्रदाताओं के परीक्षण और प्रमाणन के लिए मौजूदा सेवा प्रदाताओं का कौशल परीक्षण एवं प्रमाणन। वित्त वर्ष 2021–22 में कुल 4889 व्यक्तियों को प्रशिक्षित / प्रमाणित किया गया। वित्त वर्ष 2022–23 के 30 नवंबर, 2022 तक कुल 2639 व्यक्तियों को प्रशिक्षित / प्रमाणित किया गया है।

x- m|ferk dk;Øe % इस कार्यक्रम के अंतर्गत (i) कुक – तंदूर, (ii) बर्मन, (iii) बेकर, (iv) होमस्टे (मल्टी स्किल्ड केयरटेकर) और (v) हलवाई – भारतीय मिष्ठान नामक ट्रेडों में 150 घंटे के पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। वित्त वर्ष 2021–22 में कुल 1863 व्यक्तियों को प्रशिक्षित / प्रमाणित किया गया। वित्त वर्ष 2022–23 के 30 नवंबर, 2022 तक कुल 742 व्यक्तियों को प्रशिक्षित / प्रमाणित किया गया है।

?k- i;Vu ,Mopj ikBîØe % पर्यटन मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2018–19 में 'सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण' नामक योजना के अंतर्गत पर्यटन एडवेंचर पाठ्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम आईआईएसएम, गुलमर्ग के माध्यम से आईआईटीटीएम द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस पहल के तहत तीन पाठ्यक्रम अर्थात पैरासेलिंग, ट्रेकिंग और हॉट एयर बैलूनिंग शामिल हैं।

इस मंत्रालय ने विशेष रूप से संरचित क्षेत्र आधारित एडवेंचर कौशल विकास पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय पर्वतारोहण प्रतिष्ठान (आईएमएफ) के माध्यम से एडवेंचर ट्रैवल एस्कॉर्ट (एटीई) के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का लक्ष्य भी सौंपा है। इस कार्यक्रम के टारगेट ग्रुप में न्यूनतम 10वीं कक्षा पास उम्मीदवार होंगे जो अंग्रेजी या हिंदी को अच्छी

तरह पढ़ने, लिखने और बोलने में सक्षम होने चाहिए। वित्त वर्ष 2020–21 में पर्यटन एडवेंचर और यात्रा एस्कोर्ट पाठ्यक्रम के तहत कुल 70 प्रशिक्षु प्रशिक्षित / प्रमाणित किए गए। ये पाठ्यक्रम आईआईटीटीएम द्वारा कारगिल लद्दाख में आयोजित किए गए।

3 Hkk"kk;h i;Vd lxerk çnkrk ¼,yVh,Q½ % मंत्रालय ने 'सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण' की योजना के तहत स्वयं प्रेरित पहलों के तहत गाइडों / पर्यटक सुविधा प्रदाताओं तथा अन्य सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षित करने के लिए अंग्रेजी, डच, जर्मन, फ्रेंच, जापानी, चीनी आदि में 6 सप्ताह के भाषा पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इस कार्यक्रम का बुनियादी उद्देश्य विभिन्न देशों से भारत आने वाले पर्यटकों की मदद करने के लिए विभिन्न विदेशी भाषाओं में प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन करना और मौजूदा सेवा प्रदाताओं के कौशलों का उन्नयन करना है ताकि वे विदेशी पर्यटकों के साथ उनकी भाषाओं में कारगर ढंग से संव्यवहार कर सकें। लक्षित समूह में किसी धारा में +2 या समकक्ष तथा न्यूनतम 20 वर्ष की आयु के लोग शामिल हैं। वित्त वर्ष 2021–22 में कुल उपलब्धि 270 व्यक्तियों को प्रशिक्षित/प्रमाणित किया गया। वित्त वर्ष 2022–23 के 30 नवंबर, 2022 तक कुल 123 व्यक्तियों को प्रशिक्षित / प्रमाणित किया गया है।

p- xr0; vkèkkfjr dk'ky fodkl % पर्यटन मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2019–20 में 7 आइकॉनिक स्थलों अर्थात आगरा में ताजमहल, दिल्ली में हुमायूं का मकबरा, लाल किला, कुतुब मीनार, बिहार में महाबोधी मंदिर, गोवा में कोलवा बीच और असम में काजीरंगा में गंतव्य आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। वित्त वर्ष 2019–20 में गंतव्य आधारित कौशल विकास पाठ्यक्रम के तहत कुल 1219 प्रषिक्षु प्रशिक्षित / प्रमाणित किए गए थे।

वर्ष 2020–21 में यह कार्यक्रम 150 गंतव्यों पर शुरू किया। कौशल विकास कार्यक्रम में अब तक हुनर से रोजगार तक, कौशल परीक्षण और प्रमाणन, उद्यमिता कार्यक्रम तथा पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम शामिल हैं। वर्तमान स्थिति और वर्तमान वित्त वर्ष की शेष अवधि को ध्यान में रखते हुए, मंत्रालय ने वर्तमान वित्त वर्ष के लिए 30000 प्रशिक्षुओं के कुल लक्ष्य के मुकाबले में लक्ष्य को कम करके 8010 प्रशिक्षु तक करने का निर्णय लिया था। इस पहल के तहत वित्त वर्ष 2021–22 में 51 गंतव्यों पर कुल 4015 शिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया। वित्त वर्ष 2022–23 के 30 नवंबर, 2022 तक 21 गंतव्यों पर कुल 1594 व्यक्तियों को प्रशिक्षित / प्रमाणित किया गया है।

N- vU; dk;Øe % इस योजना के अंतर्गत मौजूदा सेवा प्रदाताओं के लिए पर्यटन जागरूकता / संवेदीकरण कार्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम की अवधि 2 से 6 दिन है। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य अंततः पर्यटकों के लिए बेहतर सेवा परिवेश एवं अनुभव प्राप्त करना तथा स्वच्छ भारत अभियान को आगे बढ़ाना है।

इसके अंग के रूप में, पर्यटन मंत्रालय ने इन प्रतिष्ठित स्थलों पर और उनके आसपास पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया है जिसके केन्द्र में ढाबा वाले, टैक्सी / रिक्शा चालक, पुलिस स्टाफ, होटल स्टाफ और दुकानदार आदि हैं। ग्यारह केन्द्रीय आईएचएम को यह कार्यक्रम संचालित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी) कार्यक्रम के तहत जारी की गई निधियों का संस्थान–वार विवरण।

Ø- l-	lLFkk dk uke	tkjh dh xÃ fufèk;k ¼djkM #i;s e½
1	अंबाला होटल प्रबंध संस्थान, अंबाला, हरियाणा	6,61,300
2	अशोक आतिथ्य और पर्यटन प्रबंध संस्थान (आईटीडीसी लिमिटेड) – दिल्ली	183330
3	अचुट इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस, हैदराबाद, तेलंगाना	3002650
4	सीएच एचडी एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी, पंजाब	1542240
5	डीसीआई मल्टी स्किल्स प्राइवेट लिमिटेड, जम्मू, जम्मू और कश्मीर	241920
6	दिल्ली होटल प्रबंध और कैटरिंग प्रौद्योगिकी संस्थान, लाजपत नगर, दिल्ली	349860
7	पर्यटन विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	550515
8	डॉ. महलवार ट्रस्ट, उत्तर प्रदेश	241920
9	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट (सोसाइटी) जम्मू (जम्मू और कश्मीर), जम्मू और कश्मीर	7067336

Ø- l-	lLFkk dk uke	tkjh dh xÃ fufèk;k ¼djkM #i;s e½
10	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट (सोसायटी), होशियारपुर, पंजाब	5419057
11	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट अजमेर, राजस्थान	274640
12	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश	2907464
13	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट (कर्नाटक) सोसायटी, मैसूर, कर्नाटक	990278
14	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश	416299
15	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, खजुराहो, मध्य प्रदेश	1667536
16	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, समगुरी, नागांव, असम	2171066
17	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, सुमेरपुर, पाली, राजस्थान	375192
18	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, जबलपुर	722290
19	जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी, हरियाणा	2889770
20	गुरुकुल शिक्षा एवं सांस्कृतिक समिति, शाजापुर, मध्य प्रदेश	519000
21	हेरिटेज फाउंडेशन ट्रस्ट, शिमला, हिमाचल प्रदेश	4896252
22	हेरिटेज चैरिटेबल ट्रस्ट, उड़ीसा	7544540
23	आईएचएम देहरादून, उत्तराखंड	8909475
24	भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम), ग्वालियर, मध्य प्रदेश	2665074
25	होटल प्रबंध, कैटरिंग और पोषण संस्थान, गुरदासपुर, पंजाब	201320
27	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, रोहतक, हरियाणा	555108
28	होटल प्रबंध एवं कैटरिंग प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर	3900702
29	होटल प्रबंध एवं कैटरिंग प्रौद्योगिकी संस्थान, पूसा	653890
30	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान (के) सोसायटी, बैंगलोर, कर्नाटक	384930
31	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, रांची, झारखंड	1322700
32	होटल प्रबंध संस्थान, शिलांग, मेघालय	2777417
33	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, जयपुर, राजस्थान	1422826

Ø- l-	lLFkk dk uke	tkjh dh xÃ fufèk;k ¼djkM #i;s e½
34	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, फरीदाबाद, हरियाणा	424168
35	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, कोलकाता, पष्चिम बंगाल	310353
36	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, गुवाहाटी, असम	2009964
37	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान (भोपाल) सोसाइटी, भोपाल, मध्य प्रदेश	711206
38	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु	9403159
39	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान (हैदराबाद) सोसाइटी, हैदराबाद, तेलंगाना	6769565
40	होटल प्रबंध संस्थान, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश	1006813
41	होटल प्रबंध संस्थान, कुफरी शिमला, हिमाचल प्रदेश	262577
42	होटल प्रबंध संस्थान, कुरूक्षेत्र, हरियाणा	2068848
43	जय महामाया प्राथमिक उपभोक्ता भंडार मर्यादित, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	827720
44	जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली	100902
45	कालवी ट्रस्ट, तमिलनाडु	241920
46	केरल पर्यटन और यात्रा अध्ययन संस्थान (किट्स), त्रिवेंद्रम, केरल	38951553
48	केकेओ मोहम्मद इब्राह्म एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट	548550
49	मदीहा एजुकेशनल वेलफेयर सोसायटी, रामपुर, उत्तर प्रदेश	1220100
51	मिजोरम पर्यटन विकास प्राधिकरण, मिजोरम	9425460
52	एमपी राज्य एफसीआई (रीवा) सोसाइटी, रीवा, मध्य प्रदेश	3190384
53	राष्ट्रीय होटल प्रबंध एवं कैटरिंग प्राद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी), नोएडा, उत्तर प्रदेश	1066038

Ø- l-	lLFkk dk uke	tkjh dh xÃ fufèk;k ¼djkM+ #i;s e½
54	निदान टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, मध्य प्रदेश	8956272
55	ओम एकेडमी एडस्किल्स प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा	1022472
56	ऑस्कर चैरिटेबल ट्रस्ट, तमिलनाडु	984900
57	पुष्प लता चौहान मेमोरियल एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट, जम्मू, संघ राज्य क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर	349965
58	आर. पी. एजुकेशनल ट्रस्ट (भारतीय आतिथ्य और प्रबंध संस्थान), वसई महाराष्ट्र	1726340
59	रामासामी चेल्लाप्पु एजुकेशन ट्रस्ट, तमिलनाडु	3681960
60	राउत एजुकेशन ट्रस्ट, उड़ीसा	14220451
61	आरएसटेक प्रोजेक्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, उत्तर प्रदेश	1257120
62	स्किलप्रो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, उत्तराखंड	864462
63	स्नेहा महिला विकास संस्था, नागपुर, महाराष्ट्र	5650600
64	राज्य होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, भटिंडा, पंजाब	3872497
65	राज्य होटल प्रबंध संस्थान, कोझिकोड, केरल	990900
66	राज्य होटल प्रबंध संस्थान, बलांगीर, उड़ीसा	4335540
67	सनराइज एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी, दिल्ली	1560432
68	उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, उत्तर प्रदेश	2012976
69	कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर	322080
70	वी जे पी एजुकेशनल ट्रस्ट, तमिलनाडु	633402
71	वीपी एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	4570006
72	वोकेशनल एजुकेशन फाउंडेशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश	2397200
73	वीवीजे चैरिटेबल ट्रस्ट, तमिलनाडु	989400
74	महिला शिक्षा सोसायटी, महाराष्ट्र	788800
	dy	**206,554,958**

foÙk o"kZ 2022&23 dh 31 fnlacj] 2022 rd lok çnkrkvksa dh fy, {kerk fuekZ.k ;kstuk ¼lhch,lh½ dh rgr tkjh èkujkf'k dk fooj.k

Ø- l-	lLFkk dk uke	tkjh dh xÃ fufèk;k ¼djkM+ #i;s e½
1	पर्यटन विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	3865860
2	उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (एनईआरआईएसटी)	971416
3	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, गुवाहाटी, असम	1048821
4	राष्ट्रीय प्राद्योगिकी संस्थान, सिल्चर	1000000
5	होटल प्रबंध, कैटरिंग एवं पोषण संस्थान, हाजीपुर, बिहार	505220
6	जय महामाया प्राथमिक उपभोक्ता भंडार मर्यादित, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	1147200
7	होटल प्रबंध, कैटरिंग एवं पोषण संस्थान, पूसा, दिल्ली	918284
8	जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी, हरियाणा	1718496
9	ओम एकेडमी एडस्किल्स प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा	1378944
10	राज्य होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, यमुनानगर, हरियाणा	1277317
11	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश	417044
12	होटल प्रबंध संस्थान, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश	180295
13	होटल प्रबंध संस्थान, कुफरी शिमला, हिमाचल प्रदेश	694253
14	फूड क्राफ्ट संस्थान (सोसाइटी) जम्मू, जम्मू और कश्मीर	2085601
15	होटल प्रबंध एवं कैटरिंग प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर	3856802
16	पुष्प लता चौहान मेमोरियल एजुकेशन एंड चैरिटेबल ट्रस्ट, जम्मू, जम्मू और कश्मीर	2219835
17	केरल पर्यटन और यात्रा अध्ययन संस्थान (किट्स), त्रिवेंद्रम, केरल	5027680

Ø- l-	lLFkk dk uke	tkjh dh xÃ fufèk;k ¼djkM #i;s e½
18	केरल टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, केरल	800000
19	गुरुकुल शिक्षा एवं सांस्कृतिक समिति, शाजापुर, मध्य प्रदेश	721056
20	भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम), ग्वालियर, मध्य प्रदेश	9335175
21	मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, भोपाल, मध्य प्रदेश	2304400
22	निदान टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, जबलपुर, मध्य प्रदेश	426460
23	राज्य होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, जबलपुर, मध्य प्रदेश	6985858
24	महमूदा शिक्षण महिला ग्रामीण विकास बहू संस्था, नागपुर, महाराष्ट्र	1637343
25	सीएच एचडी एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी, पंजाब	1455636
27	होटल प्रबंध, कैटरिंग और पोषण संस्थान, गुरदासपुर, पंजाब	1858347
28	फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट अजमेर, राजस्थान	1198800
29	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, जयपुर, राजस्थान	256460
30	राज्य होटल प्रबंध संस्थान, जोधपुर, राजस्थान	655250
31	नीसम एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट, तमिलनाडु	1710060
32	श्री चक्र चैरिटेबल ट्रस्ट, तमिलनाडु	1461640
33	वी जे पी एजुकेशनल ट्रस्ट, तमिलनाडु	1974888
34	होटल प्रबंध, कैटरिंग प्रौद्योगिकी और अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, हैदराबाद	194894
35	डॉ. केदार नाथ मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च ट्रस्ट, उत्तर प्रदेश	635880
36	डॉ. महलवार ट्रस्ट, उत्तर प्रदेश	517020
37	हेरिटेज एजुकेशनल सोसायटी, आगरा, उत्तर प्रदेश	13519000
38	आरएसटेक प्रोजेक्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, उत्तर प्रदेश	322560
39	स्किलप्रो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, उत्तर प्रदेश	186044
40	वोकेशनल एजुकेशन फाउंडेशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश	1442600
41	यूथ एजुकेशनल सोसायटी, देहरादून, उत्तराखंड	2946782
	d|y	**0859221**

vè;k;

10

çpkj
,oa
foi.k

थाउजेंड पिलर हॉल – मदुरै – तमिलनाडु

vè;k;

10.

çpkj ,o
foi.k

पर्यटन मंत्रालय भारत में पर्यटन का समग्र रूप से संवर्द्धन करता है। यह देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का प्रचार करने के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड–लाइन के तहत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है। यह विभिन्न विषयों और गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन और समर्थन भी करता है, ब्रोशर, लीफलेट, मैप, फिल्म, सीडी आदि तैयार करता है, पर्यटन सेवा प्रदाताओं को प्रचार संबंधी गतिविधियों आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। निम्नलिखित खंड में वर्ष 2022 के दौरान घरेलू और विदेशी बाजारों और सोशल मीडिया पर आयोजित की गई प्रचार संबंधी गतिविधियाँ का विवरण प्रदान किया गया है।

10-1 dk;Øe @ çn'kfu;k

10-1-1 i;Vu e=ky; dk çeq[k dk;Øe

jk"Vªh; i;Vu iqjLdkj ¼ भारत के माननीय उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने विश्व पर्यटन दिवस, 2022 के अवसर पर पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पर्यटन

पुरस्कार प्रदान किए। केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री जी किशन रेड्डी और पर्यटन राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट भी समारोह में शामिल हुए। 2018–19 में उद्योग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए इस वर्ष कुल 81 पुरस्कार प्रदान किए गए। माननीय उप राष्ट्रपति ने इस अवसर पर भारत पर्यटन सांख्यिकी 2022, अतुल्य भारत की नई प्रचार फिल्मों और "गो बियॉन्ड : 75 एक्सपीरियंस ऑफ नॉर्थ इंडिया" ई–बुक का भी विमोचन किया।

10-1-2 i;Vu e=ky; }kjk lefFkr dN egRoi.k dk;Øe @ çn'kfu;k

- 8 से 12 नवंबर 2022 तक आयोजित हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट के 20वें संस्करण के आयोजन के लिए एचटी मीडिया लिमिटेड
- 28 से 30 अक्टूबर 2022 तक आयोजित जश्न–ए आदाब सांस्कृतिक कारवां विरासत 2022 (संगीत, कला और संस्कृति कार्यक्रम)
- जेएलएन स्टेडियम, नई दिल्ली में 23 से 26 दिसंबर 2022 तक आयोजित करने के लिए निर्धारित कार्यक्रम 'नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल 2022' के आयोजन के लिए ट्रेंड एमएमएस
- मंत्रालय ने उपयुक्त स्थान और स्टॉल लेकर मैसर्स फेयरफेस्ट मीडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित टीटीएफ / बीएलटीएम कार्यक्रम जैसे कि टीटीएफ कोलकाता, टीटीएफ हैदराबाद, टीटीएफ सूरत, टीटीएफ अहमदाबाद, टीटीएफ मुंबई, बीएलटीएम दिल्ली में भाग लिया है।

- मंत्रालय ने 18–20 मई 2022 को एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में मैसर्स यूबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित एसएटीटीई 2022 के 29वें संस्करण में भाग लिया।
- जाइरो वैली, अरुणाचल प्रदेश में 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित जाइरो फेस्टिवल ऑफ म्यूजिक 2022 कार्यक्रम के लिए फीनिक्स राइजिंग
- 6वें वार्षिक महोत्सव के आयोजन के लिए वैली ऑफ वड्र्स फाउंडेशन ट्रस्ट, वैली ऑफ वड्र्स फाउंडेशन ट्रस्ट ने 12 और 13 नवंबर 2022 को देहरादून में इस महोत्सव का आयोजन किया
- उदयपुर में 16 से 18 दिसंबर 2022 तक आयोजित उदयपुर वर्ल्ड म्यूजिक फेस्टिवल (यूडब्ल्यूएमएफ) के 6वें संस्करण के लिए मैसर्स एसईएचईआर

10-2 ?kjyw i;Vu dk c<kok nuk

पर्यटन मंत्रालय ने देश के विभिन्न स्थलों और शहरों में 'देखो अपना देश' और 'आजादी का अमृत महोत्सव' पहल के प्रचार और संवर्धन के लिए विभिन्न घरेलू कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों का प्रचार मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल और पीआईबी और स्थानीय यात्रा व्यापार मीडिया के माध्यम से प्रचार के माध्यम से भी किया गया।

10-3 fo"k;xr ck'kj vkj fØ,fVo dk fuek.k

प्रचार सामग्री के विकास के संदर्भ में निम्नलिखित विषयों पर 12 (बारह) वीडियो / फिल्में और 13 (तेरह) स्टेटिक पैनल क्रिएटिव विकसित किए गए : योग और आरोग्यता के गंतव्य के रूप में भारत, विलासिता पर्यटन, भारत की संस्कृति, भारत में एडवेंचर पर्यटन, विरासत पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन, पाककला पर्यटन, भारत में पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में निवेश, कम ज्ञात गंतव्य – पूर्वोत्तर', सतत पर्यटन, भारत का एमआईसीई पर्यटन और समग्र पर्यटन प्रचार। वर्ल्ड एक्सपो दुबई, 2020 के दौरान प्रचार और संवर्धन के लिए वीडियो / फिल्मों और 13 (तेरह) स्टेटिक पैनल क्रिएटिव का उपयोग किया गया।

i. कोविड के बाद अपनी प्रचार रणनीति के तहत इस संदेश के साथ वैश्विक पर्यटकों का स्वागत करने के लिए तैयार है कि भारत सुरक्षित और निरापद पर्यटन स्थल है। मंत्रालय ने विश्वास बहाली और पुनः आश्वासन विषय पर अंग्रेजी, हिंदी और 09 विदेशी भाषाओं अर्थात रूसी, कोरियाई, थाई, जापानी, इतालवी, जर्मन, स्पेनिश, फ्रेंच और अरबी में 60 सेकंड (30 सेकंड के संक्षिप्त संपादन के साथ) दो (02) ऑडियो विजुअल / फिल्में विकसित कीं। भारत के माननीय उप राष्ट्रपति द्वारा 27 सितंबर, 2022 को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार समारोह के दौरान इन प्रचारक ब्रांड फिल्मों को लॉन्च किया गया। इन फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों ने खूब सराहा है।

ii. इसके अलावा, अंतर्गामी और घरेलू पर्यटन को समग्र रूप से आकार देने पर ध्यान देने के साथ, मंत्रालय ने एडवेंचर पर्यटन, एमआईसीई पर्यटन, विरासत पर्यटन, कला और शिल्प और कल्याण पर्यटन पर 60 और 30 सेकंड के लघु संपादन के साथ 90 सेकंड की 05 (पांच) नई विषयगत फिल्में / टीवीसी भी विकसित की हैं। इन विषयगत फिल्मों को विभिन्न स्थानों, कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों आदि में प्रदर्शन और व्यापक प्रचार के लिए जी–20 सचिवालय, भारतीय मिशनों, एमओसीए, भारतीय रेलवे, हितधारकों, संघों आदि के साथ साझा किया गया है।

iii. बौद्ध पर्यटन के गंतव्य के रूप में भारत को बढ़ावा देने के लिए, मंत्रालय ने बोधगया, सारनाथ, कपिलवस्तु, श्रावस्ती, कुशीनगर, वैशाली, राजगीर और सांची गंतव्य पर 30 सेकंड की अवधि की 08 लघु फिल्में और 60 सेकंड की अवधि की एक मदर फिल्म विकसित की। मंत्रालय ने बुद्ध की भूमि के रूप में भारत को बढ़ावा देने के लिए कुशीनगर पर एक विज्ञापन ब्रोशर विकसित किया। साथ ही, भारत में बौद्ध स्थलों पर विषयगत ब्रोशर का पुनर्विकास किया गया।

iv. मेलों और त्योहारों का प्रचार करने के लिए मंत्रालय द्वारा भारत के सबसे बड़े आदिवासी त्योहार 'समक्का सरलम्मा जतारा' पर एक वृत्तचित्र फीचर फिल्म विकसित की गई है। इस फिल्म को दो भाषाओं (हिंदी में डबिंग के साथ अंग्रेजी) में विकसित किया गया है।

v. भारत के विभिन्न पर्यटन उत्पादों और गंतव्यों तक पहुंच को बढ़ाने और इनका प्रचार करने के लिए मंत्रालय ने ब्रोशर और बुकलेट सहित विभिन्न प्रिंट, आउटडोर और डिजिटल क्रिएटिव विकसित किए हैं जैसे कि :

क. कोविड महामारी के बाद अंतर्गामी पर्यटन को पुनर्जीवित करने एवं बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा 'नमस्ते वर्ल्ड' – इंडिया वेलकम यू – रीओपनिंग क्रिएटिव सीरीज़ को विकसित किया गया है, जिसमें हम्पी (कर्नाटक), जैसलमेर रेगिस्तान (राजस्थान), वाराणसी (उत्तर प्रदेश), स्वर्ण मंदिर (पंजाब), जयपुर (राजस्थान), नंदा देवी और फूलों की घाटी (उत्तराखंड) शामिल थे।

ख. उत्सव पोर्टल के लिए दो ब्रोशर का विकास अर्थात (क) हितधारकों के लिए ब्रोशर और (ख) जनता / उपभोक्ताओं के लिए ब्रोशर।

ग. देश की समृद्ध विरासत की कहानियों से जुड़ी साइटों और अनुभवों को प्रदर्शित करने और भारत को फिर से खोजने के लिए अतुल्य भारत की 75 साइटों पर डिजिटल बुकलेट का विकास और विमोचन।

घ. विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय ने 06 चयनित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों यानी महान हिमालयी राष्ट्रीय उद्यान संरक्षण क्षेत्र, महाबोधि मंदिर, मानस वन्यजीव अभयारण्य, भीमबेटका के रॉक शेल्टर, चंपानेर पावागढ़ पुरातत्व पार्क और रामप्पा मंदिर पर डिजिटल ब्रोशर तैयार किए हैं।

ङ. आरोग्यता पर्यटन के समग्र प्रचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 2022 के अवसर पर मंत्रालय द्वारा क्रिएटिव के नए सेट विकसित किए गए। क्रिएटिव को घरेलू और विदेशी भारत पर्यटन कार्यालयों के साथ साझा किया गया। इन क्रिएटिव को हितधारकों और भारतीय मिशन के साथ भी साझा किया गया।

च. जी–20 प्रेसीडेंसी के महत्व को ध्यान में रखते हुए और इसकी मेजबानी के अवसर का लाभ उठाते हुए मंत्रालय ने विभिन्न पर्यटन स्थलों का प्रचार करने के लिए क्रिएटिव विकसित किए हैं। विकसित किए गए क्रिएटिव का उपयोग हवाई अड्डे और बैठक के स्थलों पर बैनर/बिलबोर्ड/स्टैंडी के रूप में किया गया है।

छ. विभिन्न प्रचार कार्यक्रमों/सम्मेलनों आदि में वितरण के लिए अतुल्य भारत के नए कैरी बैग का विकास। अंतरराष्ट्रीय महत्व के सम्मेलनों के दौरान उपयोग के लिए विभिन्न राष्ट्रीय संगठनों को पेपर कैरी बैग डिजाइन भी दिए गए।

ज. भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के वार्षिक उत्सव के अवसर पर मंत्रालय ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' पहल को अत्यधिक बढ़ावा दिया है। इस संबंध में, 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस' के यात्रा कार्यक्रम पर एक डिजिटल ब्रोशर भी तैयार किया गया है। इसके अलावा, मीडिया के विभिन्न रूपों के साथ–साथ घरेलू हवाई अड्डों पर ब्रांडिंग के रूप में बाहरी ब्रांडिंग के लिए उपयोग के लिए 'आजादी का अमृत महोत्सव' पर विषयगत क्रिएटिव तैयार किए गए हैं। इन क्रिएटिव पर आधारित अतुल्य भारत पोस्टकार्ड भी तैयार किए गए और वितरण के लिए मुद्रित किए गए। साथ ही, मंत्रालय ने राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के अवसर पर एक डिजिटल कैलेंडर, 2022 विकसित और जारी किया जो 'आजादी का अमृत महोत्सव' की थीम को समर्पित था।

10-4 lk'ky ehfM;k çpkj

i. ज्यादातर प्रचार मंत्रालय के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से किया गया। मंत्रालय की प्रभावी डिजिटल उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए 06 अलग–अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों अर्थात अतुल्य भारत के लिए फेसबुक, ट्विटर, इंटाग्राम, यूट्यूब, लिंक्डइन और कू तथा पर्यटन मंत्रालय के लिए फेसबुक, ट्विटर, इंटाग्राम और कू पर खातों के साथ वर्तमान में पर्यटन मंत्रालय के पास सोशल मीडिया हैंडल के दो सेट नाम @incredibleindia and @tourismgoi हैं।

ii. घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को सुगमता प्रदान करने के लिए पर्यटन से संबंधित सूचनाओं और दिशानिर्देशों के साथ–साथ पर्यटन स्थलों, उत्पादों और पर्यटन क्षेत्र से संबंधित सरकार की प्रमुख पहलों का व्यापक संवर्धन और प्रचार पर्यटन मंत्रालय के सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से रीयल टाइम में किया गया है। इसके अलावा, मंत्रालय ने समय–समय पर सामाजिक दूरी, मास्क, सैनिटाइज़र आदि जैसे कोविड उपयुक्त व्यवहार और प्रोटोकॉल के बारे में यात्रियों को प्रोत्साहित करने और जागरूक करने के लिए अपने सोशल मीडिया हैंडल का प्रभावी ढंग से उपयोग किया है।

iii. विविध पर्यटन उत्पादों और थीमों जैसे कि विरासत पर्यटन, यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों, वीकेंड गेटवे, पाककला पर्यटन, भारत के कम ज्ञात स्थलों का सोशल मीडिया पर प्रचार किया गया। खाली समय में पर्यटन, पाककला पर्यटन, हस्तकला पर्यटन, अनुभवात्मक पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन, सतत पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन, मौसमी पर्यटन, मेले और त्यौहार आदि जैसे पर्यटन क्षेत्र।

iv. विभिन्न पर्यटन उत्पादों और गंतव्यों की पहुंच बढ़ाने और उनको प्रदर्शित करने के लिए वर्चुअल लाइव सत्रों के माध्यम से इन्फ्लुएंसर्स के साथ सफलतापूर्वक जुड़ाव किया गया। विभिन्न लाइव कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जैसे दिवसों को बढ़ावा दिया गया। लोगों को भारत में चुनिंदा योग स्थलों पर जाने के लिए प्रोत्साहित करके 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' की उलटी गिनती का प्रचार–प्रसार योग उत्सव पोस्ट के माध्यम किया गया, जिसका उद्देश्य उलटी गिनती को चिह्नित करना था। इसके अलावा, अन्य बातों के साथ–साथ दुर्गा पूजा, दीवाली आदि जैसे मुख्य त्योहारों को उजागर करने के लिए डिजिटल बैनरों के माध्यम से उलटी गिनती के दृष्टिकोण का उपयोग किया गया।

v. इसके अलावा, विभिन्न अवसरों पर 'वीडियोग्राफी प्रतियोगिता' और 'फोटोग्राफी प्रतियोगिता' आयोजित करने की पहल की गई ताकि रुचि बढ़ाई जा सके और सोशल मीडिया पेजों को अधिक अंतःक्रियाशील बनाया जा सके और साथ ही उपयोगकर्ता द्वारा उत्पन्न विशिष्ट सामग्री को सामने लाया जा सके। इसके अलावा, मंत्रालय के सभी सोशल मीडिया हैंडल पर सभी प्रचार कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया गया।

vi. #वोकल फॉर लोकल, #मेक इन इंडिया और #आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूत करने के लिए टॉय टूरिज्म और हैंडीक्राफ्ट टूरिज्म पर लगातार पोस्ट डाले गए। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा कोविड–19 टीकाकरण अभियान चलाने की पहल और #वैक्सीन सेंचुरी की उपलब्धि को पोस्ट, स्टोरी, ट्वीट और रीट्वीट के साथ–साथ MyGov, नागर विमानन मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा जारी किए गए सभी यात्रा सुरक्षा दिशानिर्देशों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। #एक भारत श्रेष्ठ भारत, #आत्मनिर्भर भारत, #आजादी का अमृत महोत्सव, #देखो अपना देश, #अमृत महोत्सव #इंडिया फाइट्स कोरोना, #दिल से देखो, #स्वदेश दर्शन, और #राष्ट्रीय पर्यटक पुलिस योजना जैसी पहलों और संबंधित हैशटैग और प्रासंगिक क्रिएटिव पोस्ट के माध्यम से उनके प्रसार पर पूरा जोर दिया गया है। राज्य सरकारों के हैंडल से पर्यटन संबंधी दिलचस्प समाचार और पोस्ट को संरचित तरीके से बढ़ाया गया।

vii. मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से उत्सव पोर्टल पर नियमित पोस्ट और त्योहारों के बारे में जानकारी और उस पर लाइव दर्शन को प्रदर्शित किया गया है।

viii. निधि, साथी, स्वदेश दर्शन और प्रशाद जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत पर्यटन मंत्रालय की पहलों और अवसंरचना परियोजनाओं को पूरे वर्ष विधिवत रूप से रेखांकित और प्रवर्धित किया गया।

ix. साथ ही, 'राष्ट्रीय पर्यटन यूथ क्लब' के संदर्भ में एक नया सोशल मीडिया हैंडल बनाया गया है। देश में जिम्मेदार और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'युवा पर्यटन' नामक सोशल मीडिया हैंडल एक महत्वपूर्ण पहलू है। एसएम हैंडल देश के युवाओं में सही संस्कृति का विकास करने में मदद करेगा और शुरुआती चरण में पर्यटन के अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा करेगा। यह युवाओं को देश की विविध संस्कृतियों और भौगोलिक क्षेत्रों के बारे में भी शिक्षित करेगा।

पर्यटन मंत्रालय के एसएम हैंडल के माध्यम से निरंतर सोशल मीडिया आउटरीच कार्यक्रम के परिणामस्वरूप अनुयायियों और जुड़ाव में वृद्धि हुई है।

@ incredibleindia-

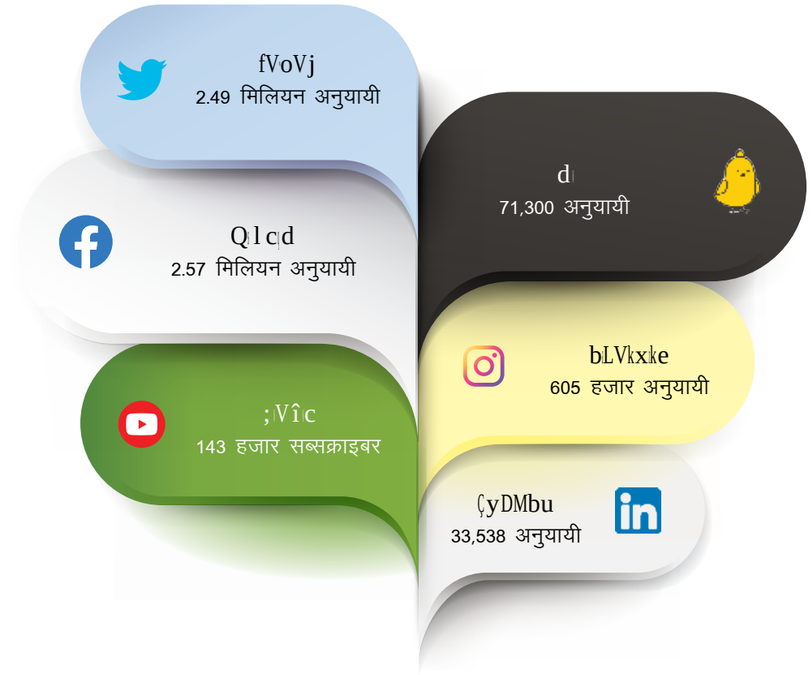

@ tourismgoi -

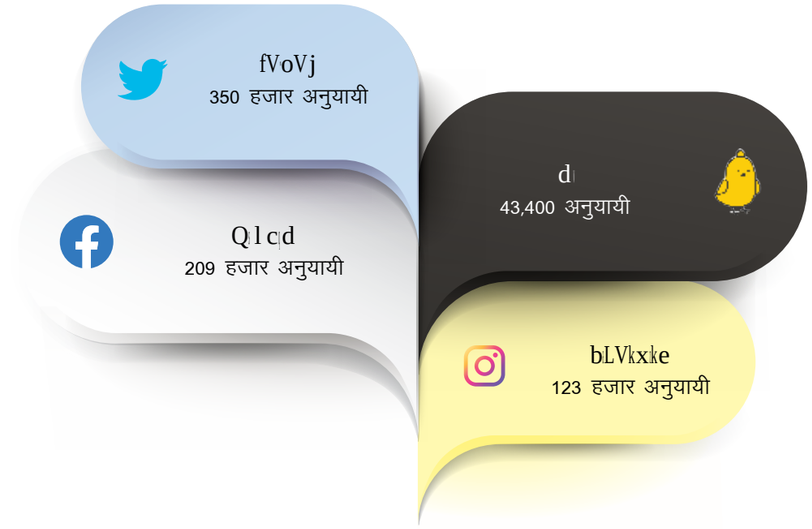

10-5 vkfrF; lfgr ?kjsyw loèkZu ,oa çpkj ¼Mhihih,p½ ;kstuk

- घरेलू पर्यटन भारत में पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- पर्यटन मंत्रालय घरेलू पर्यटन के संवर्धन के लिए तथा घरेलू पर्यटक आमद में वृद्धि के उद्देश्य से विभिन्न संवर्धनात्मक गतिविधियों का आयोजन करता है।
- इन गतिविधियों का उद्देश्य मुख्य रूप से पर्यटन गंतव्यों एवं उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, पूर्वोत्तर तथा जम्मू एवं कश्मीर जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर बल देते हुए देश के अंदर पर्यटन को बढ़ावा देना है।
- सामाजिक जागरूकता के संदेशों का प्रसार करना और ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देना जो पर्यटकों को आकर्षित करने में सक्षम हैं।

10-6 leqæikjh; foi.ku

अपने भारतीय विदेश पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से पर्यटन मंत्रालय पर्यटन के विभिन्न उत्पादों एवं स्थलों के संवर्धन के लिए तथा वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत का शेयर बढ़ाने के लिए पर्यटक पैदा करने वाले बाजारों में पर्यटन के एक मनपसंद गंतव्य के रूप में भारत को स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। एकीकृत विपणन एवं संवर्धन रणनीति तथा ट्रैवल ट्रेड, राज्य सरकारों तथा विदेश स्थित भारतीय मिशनों के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान के माध्यम से उद्देश्यों को पूरा किया जा रहा है।

10-6-1 tuojh] 2022 ls fnlEcj] 2022 rd dh vofèk ds nkSjku varjkZ"Vªh; ;k=k esyk ,oa çn'kZuh;ksa esa Hkkxhnkjh

विदेश स्थित भारत पर्यटन कार्यालयों ने पूरी दुनिया में पर्यटक का सृजन करने वाले महत्पूर्ण बाजारों में तथा उभरते एवं संभावित बाजारों में देश के पर्यटन उत्पादों को प्रदर्शित करने तथा प्रचार प्रसार करने के लिए प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों एवं प्रदर्शनीयों में भाग लिया। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं :

nqcbZ ,Dliks %

पर्यटन मंत्रालय ने 3 से 15 जनवरी, 2022 तक दुबई में वर्ल्ड एक्सपो 2022 में भाग लिया, इस अवधि के दौरान, मंत्रालय संस्कृति, विरासत और आध्यात्मिक पर्यटन; हील इन इंडिया, सतत पर्यटन; एडवेंचर पर्यटन, गोल्फ पर्यटन और एमआईसीई पर्यटन और पर्यटन क्षेत्र में निवेश के अवसर सहित कई विषयों पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगा।

इस कार्यक्रम में 190 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं और दुनिया भर से लाखों आगंतुकों के आने की उम्मीद है। मंत्रालय visit India@75 शुरू करके एक प्रारंभिक कार्यक्रम आयोजित कर सकता है, जो एचएमटी द्वारा महामारी के

बाद पर्यटन की बहाली का समर्थन करने और समेकित करने के लिए कार्रवाई और प्राथमिकताएं निर्धारित कर रहा है।

वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार एक्सपो में भारत की भागीदारी के आयोजन के लिए नोडल विभाग है। एक्सपो में इंडिया पवेलियन 4,614 वर्ग मीटर के प्लॉट पर बनाया गया है, जिसमें लगभग 10,000 वर्ग मीटर का डिस्प्ले एरिया है। भारतीय मंडप की अवस्थिति सबसे समावेशी क्षेत्र में है और अवसर की थीम में स्थित है जो सभी क्षेत्रों से जुड़ेगा। उम्मीद थी कि भारतीय मंडप में संपूर्ण प्रदर्शनी गतिशील प्रकृति की होगी।

,Vh,e ¼vjch ;k=k cktkj½

एटीएम 2022 ने अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय प्रतिभागियों को विकास और नवाचार की नए रुझानों, अवसरों का पता लगाने की अनुमति दी। व्यापार मेले के 30वें संस्करण में पूरे स्थल में इंटरएक्टिव पवेलियन में आवास और आतिथ्य के लीडर्स द्वारा 3,000 से अधिक उत्पाद, पर्यटन आकर्षण और रोमांचक गंतव्य प्रस्ताव पेश किए जाएंगे।

एटीएम दुबई 2022 ने लाइव प्रदर्शनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं सहित विभिन्न विशेष कार्यक्रमों की पेशकश की। शो के कुछ उल्लेखनीय आकर्षणों में विशेष रूप से सीधी खरीदारी की जिम्मेदारी वहन करने वाले यात्रा उद्योग के वरिष्ठ निर्णयकर्ताओं के लिए बायर्स क्लब लाउंज और यात्रा एवं पर्यटन क्षेत्र में पर्यावरण के हितैषी प्रथाओं और समाधानों के लिए समर्पित जिम्मेदार पर्यटन पहल शामिल होगी।

jksM 'kks ¼opZqvy½ %

प्रचार प्रसार के लिए शुरू की गई पहलों के अंग के रूप में ट्रैवल उद्योग के विभिन्न सेगमेंट की भागीदारी के साथ पर्यटक पैदा करने वाले महत्वपूर्ण विदेशी बाजारों में रोड शो का आयोजन किया जाता है। रोड शो में भारत के व्यापार शिष्टमंडल और संबंधित देशों में यात्रा व्यापार के बीच एक दर एक व्यवसाय बैठकें तथा प्रस्तुतियां शामिल होती हैं। वर्चुअल मीट कम बी2बी सेशन (रोड शो) जिसका शीर्षक "इनक्रेडिबल इंडिया रीकनेक्ट" इवेंट है।

पर्यटन पैदा करने वाले बाजारों में भारत को पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के साथ बात की है, जहां विदेश मंत्रालय ने भी वर्चुअल रोड शो – इनक्रेडिबल इंडिया रीकनेक्ट 2022 के लिए भारतीय मिशनों में पर्यटन अधिकारियों को नामित किया है। पर्यटन मंत्रालय ने अप्रैल से सितंबर 2022 के दौरान स्रोत बाजारों (यूएसए, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, थाईलैंड, स्पेन, ब्रिटेन, फ्रांस, ओमान, इटली, पुर्तगाल, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, श्रीलंका, नीदरलैंड, कनाडा और फ्रांस) में सफलतापूर्वक वर्चुअल रोड शो आयोजित किए हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने अप्रैल से जून, 2022 के महीनों में नौ देशों अर्थात ओमान, यूएसए, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, थाईलैंड, स्पेन, यूके और फ्रांस में वर्चुअल रोड शो – इनक्रेडिबल इंडिया रीकनेक्ट इवेंट के पहले दौर का आयोजन किया।

शीर्ष नौ स्रोत देशों अर्थात इटली, पुर्तगाल, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, श्रीलंका, नीदरलैंड, कनाडा और फ्रांस के लिए इंडिया रीकनेक्ट इवेंट / रोड शो के दूसरे दौर का आयोजन जुलाई से सितंबर, 2022 में किया गया।

MCY;Vh,e ¼Hkkfrd½

डब्ल्यूटीएम एक प्रतिष्ठित मंच और शीर्ष 3 अंतर्राष्ट्रीय यात्रा शो में से एक है, जहाँ गंतव्यों और पर्यटन उत्पादों को जोड़ने और प्रदर्शित करने के लिए पर्यटन पेशेवर एक मंच पर आते हैं।

पर्यटन मंत्रालय वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न भारतीय पर्यटन उत्पादों और देश के पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन पैदा करने वाले बाजारों में भारत को समग्र गंतव्य के रूप में प्रचारित करता है।

एकीकृत विपणन एवं संवर्धनात्मक रणनीति तथा ट्रैवल ट्रेड, राज्य सरकारों तथा भारतीय मिशनों के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान के माध्यम से उपर्युक्त उद्देश्यों को पूरा किया जा रहा है। सरकार भारत के विभिन्न पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग विशेषज्ञों और अन्य प्रासंगिक हितधारकों के साथ लगातार जुड़ती है और उनके सुझाव और फीडबैक लेती है। पर्यटकों के आगमन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने "अतुल्य भारत! भारत देखो वर्ष 2023" घोषित किया है।

सचिव (पर्यटन) के नेतृत्व में और अपर सचिव (पर्यटन) के साथ पर्यटन मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल ने 07 से 09 नवंबर, 2022 तक लंदन में आयोजित वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (डब्ल्यूटीएम) 2022 में भाग लिया।

पर्यटन मंत्रालय की अग्रिम तैयारी टीम जिसमें उप सचिव (आईसी और ओएम), सहायक महानिदेशक (आईसी और ओएम), सहायक (सचिव (पर्यटन) का कार्यालय), पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार शामिल थे, ने वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (डब्ल्यूटीएम) 2022 के दौरान 05 से 09 नवंबर, 2022 तक भारत पर्यटन कार्यालय, लंदन की सहायता की।

डब्ल्यूटीएम सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा प्रदर्शनियों में से एक है। इस वर्ष की प्रदर्शनी का विषय 'यात्रा का भविष्य अभी से शुरू होता है' है। भारतीय मंडप में 16 सह–प्रदर्शक थे जिनमें राज्य सरकारें, टूर ऑपरेटर, होटल आदि शामिल थे।

भारतीय मंडप का औपचारिक उद्घाटन सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार और ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त द्वारा केरल, ओडिशा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पुदुचेरी

और तमिलनाडु के पर्यटन मंत्रियों की उपस्थिति में किया गया। अतुल्य भारत ने 7 नवंबर 2022 को पूरे दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। सचिव (पर्यटन) और यूके में भारत के उच्चायुक्त ने भारतीय मंडप के भीतर और भारतीय मंडप के बाहर भी राज्यों के पर्यटन मंत्रियों और प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

आयोजन के दौरान पर्यटन मंत्रालय ने टूर ऑपरेटरों, ट्रैवल एजेंटों और विभिन्न अन्य हितधारकों के साथ बी2बी बैठकें कीं और महामारी के बाद अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का स्वागत करने के लिए भारत की तैयारियों के बारे में ट्रैवल मीडिया को अवगत कराने के लिए प्रेस मीट का आयोजन किया। इसके अलावा, भारतीय मंडप ने संस्कृति, विरासत और आला पर्यटन उत्पादों जैसे कि व्यंजन, आरोग्यता, योग, वन्य जीवन और विलासिता आदि सहित भारत के विभिन्न पर्यटन उत्पादों को प्रदर्शित किया।

अपर सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने 08 नवंबर 2022 को डब्ल्यूटीएम 2022 में प्रेस मीट में मीडिया को संबोधित किया।

vkfrF;;ktuk%

भारत में बौद्ध स्थलों पर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने भगवान बुद्ध के जीवन और भारत में भगवान बुद्ध और बौद्ध धर्म से जुड़े विभिन्न स्थानों/स्थलों पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया था। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का उद्देश्य भारत में बौद्ध स्थलों पर अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करना और चीन, वियतनाम, कंबोडिया, श्रीलंका आदि

जैसे बौद्ध देशों के युवाओं और छात्रों में भारत आने की जिज्ञासा पैदा करना था। भव्य पुरस्कार के रूप में बौद्ध प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए 24 से 28 नवंबर तक 5 दिवसीय एफएएम टूर का आयोजन किया गया। जापान, भूटान, वियतनाम, थाईलैंड, श्रीलंका, कंबोडिया, दक्षिण कोरिया और मलेशिया से 34 अतिथियों (पुरस्कार विजेता और उनके साथी) ने बौद्ध सर्किट का दौरा किया (यात्रा के दौरान कवर किए गए स्थान दिल्ली, अजंता की गुफाएं, बोधगया, नालंदा, राजगीर, सारनाथ और वाराणसी थे)।

10-6-2 foi.ku fodkl lgk;rk ¼eMh½ ;kstuk %

विपणन विकास सहायता योजना के अंतर्गत विदेशी बाजारों में बिक्री सह अध्ययन टूर तथा मेलों / प्रदर्शनियों एवं रोड शो में भागीदारी सहित पर्यटन के प्रचार प्रसार की गतिविधियां संचालित करने के लिए अनुमोदित पर्यटन सेवा प्रदाताओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन विभाग भी विदेशों में आयोजित मेलों / प्रदर्शनियों तथा रोड शो में भाग लेने के लिए एमडीए योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र हैं।

10-7- vrqY; Hkkjr oclkbV

अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म का उद्देश्य अतुल्य भारत वेबसाइट के माध्यम से देश भर में विविध पर्यटन प्रस्तावों के डिजिटल आउटरीच को बढ़ाना, इसे एक वन–स्टॉप डिजिटल सूचना और सेवा मंच में बदलना है जो पर्यटकों की आतिथ्य, यात्रा और पर्यटन से संबंधित सभी जरूरतों को पूरा करता है। साफ डिजाइन, आसान नेविगेशन, सहज और सुसंगत साइटव्यापी नेविगेशन प्रणाली के साथ, वेबसाइट सभी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू पर्यटकों को सभी आवश्यक और प्रासंगिक जानकारी प्रदान करती है। यह मोबाइल डिवाइसों के साथ पूर्णतः अनुक्रियाशील भी है जिसके कारण व्यापक श्रेणी के वेब ब्राउजर और पोर्टेबल डिवाइसों पर नेविगेट करना आसान होता है।

अतुल्य भारत वेबसाइट अपनी डिजिटल यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण आवष्यकताओं को पूरा करने के लिए आधुनिक काल के पर्यटकों को विभिन्न प्रकार की सेवाए और ढेर सारी जानकारी प्रदान करने की परिकल्पना करती है। इसके मद्देनजर, विभिन्न एजेंसियों और मंत्रालयों के सहयोग से अतुल्य भारत प्लेटफॉर्म के साथ विभिन्न सूचनाओं और सेवाओं को एकीकृत किया जा रहा है।

सामग्री को अधिक लुभावना, आकर्षक और सूचनापरक बनाने के लिए प्रासंगिक एजेंसियों के सहयोग से अतुल्य भारत वेबसाइट पर अब निम्नलिखित सूचनाओं / सेवाओं को प्रावधान किया जा रहा है :

- पूरे भारत की लोकप्रिय यात्राएँ (48 घंटे का यात्रा कार्यक्रम, अखिल भारतीय यात्रा कार्यक्रम और सड़क यात्राएँ)
- मौसम और सीजन के बारे में जानकारी (आईएमडी के साथ एकीकरण)
- सार्वजनिक सुविधाओं के बारे में जानकारी (एसबीएम के सार्वजनिक शौचालय के साथ एकीकरण)
- बैंकों और एटीएम के बारे में जानकारी (एसबीआई के साथ एकीकरण)
- आईटीडीसी से होटल की जानकारी
- आईआरसीटीसी से ऐसी अन्य सूचनाओं के साथ विभिन्न प्रकार की जानकारी जैसे लक्जरी ट्रेन, टूर पैकेज

उपर्युक्त जानकारी के अलावा, ऑनलाइन स्मारक बुकिंग सेवा (एएसआई के साथ), होटल और उड़ान बुकिंग सेवा (आईआरसीटीसी के साथ), निधि+ पोर्टल के साथ होटल डेटाबेस एकीकरण, टूर ऑपरेटर डेटाबेस एकीकरण और समारोह, मेला और त्यौहार डेटाबेस (उत्सव पोर्टल) के लिए भी एकीकरण का काम चल रहा है।

पर्यटकों को राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के बारे में विश्वसनीय और अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए, अतुल्य भारत प्लेटफॉर्म उन्नत जानकारी एकत्र करने के लिए संबंधित राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के साथ भी सहयोग कर रहा है जिसे वेबसाइट के भीतर प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्र के लिए समर्पित पृष्ठों पर प्रदान किया जा रजा रहा है। इसमें यात्रा कार्यक्रम, रोचक तथ्य, आकर्षक मीडिया, अनुभव, घटनाएँ और ब्लॉग आदि सहित विभिन्न प्रकार की राज्य विशिष्ट जानकारी शामिल है।

पर्यटन मंत्रालय ने वेबसाइट पर नई सामग्री की एक श्रृंखला पेश की, जो हमारे पर्यटक आकर्षणों का जायजा लेने के लिए पर्यटकों को प्रदान करने के लिए वर्चुअल सामग्री पेश करती है। इसके अलावा, अतुल्य भारत की वेबसाइट पर्यटकों की रुचि के आधार पर पूरी दुनिया में अधिक व्यक्तिगत सामग्री प्रदान करती है तथा अधिक मजबूत एवं विनियमित इलेक्ट्रॉनिक सामग्री प्रबंध समाधान (ईसीएम) के माध्यम से तथा अतुल्य भारत की वेबसाइट पर पर्यटकों की भागीदारी प्राप्त करने की उन्नत विश्लेषण क्षमता के साथ भारत की उनकी यात्रा के बारे में सही निर्णय लेने में पर्यटकों की सहायता के लिए सामग्री तैयार की गई है।

वेबसाइट को अरबी, कोरियाई, जापानी, फ्रेंच, डच, हिंदी, चीनी, रूसी और स्पेनिश भाषा में अनूदित भी किया गया है।

10-8 vrqY; Hkkjr dk ekckby ,i

पर्यटन मंत्रालय ने 27 सितंबर, 2018 को अतुल्य भारत मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया, जो सरकार की डिजिटल पहल में उत्कृष्टता की दिशा में एक कदम है।

अतुल्य भारत का ऐप आध्यात्मिकता, विरासत, एडवेंचर, संस्कृति, योग, आरोग्यता आदि जैसे प्रमुख आकर्षणों और तल्लीन करने वाले अनुभवों को शामिल करते हुए आकांक्षापूर्ण गंतव्य के रूप में भारत को प्रदर्शित करने में अंतर्राष्ट्रीय एवं घरेलू पर्यटकों की सहायता करने के लिए पर्यटन मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

इस जानकारी के साथ, मोबाइल ऐप में मैप इंटीग्रेशन, आपातकालीन संपर्क की सूची और कई अन्य जानकारी भी मौजूद हैं। यह मोबाइल ऐप पर्यटकों को अन्य जानकारी के साथ–साथ देश भर के अवश्य देखने योग्य पर्यटन स्थलों, लोकप्रिय अनुभवों और घटनाओं तथा राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

आधुनिक यात्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए, मोबाइल ऐप को कुछ ही क्लिक में जानकारी तक आसान पहुंच के लिए डिजाइन और अवधारणाबद्ध किया गया है। यह ऐप अंतर्राष्ट्रीय मानकों की रुझानों और तकनीकों का पालन करता है। यह भारत की यात्रा के प्रत्येक चरण में यात्रियों की सहायता के लिए सुविधाओं से सुसज्जित है। ऐप को अच्छी तरह से एकीकृत किया गया है और यह भारत सरकार द्वारा मान्यता प्रदान किए गए सेवा प्रदाताओं से सेवाओं की तलाश करने तथा उनसे अच्छी एवं विश्वसनीय सेवाएं प्राप्त करने में पर्यटकों को सक्षम करेगा। यह ऐप सेवा प्रदायगी के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने के संबंध में पर्यटन मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

mRlo ikVy

उत्सव पोर्टल वेबसाइट, जो पर्यटन मंत्रालय द्वारा विकसित और शुरू की गई एक डिजिटल पहल है, का उद्देश्य पूरे विश्व में लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रचार करने के लिए पूरे भारत में सभी कार्यक्रमों, त्योहारों और लाइव दर्शनों को प्रदर्शित करना है। यह पोर्टल त्यौहारों, आयोजनों और ऑनलाइन पूजा/आरती पर माहवार और राज्यवार कैलेंडर के रूप में सामग्री प्रदर्शित करता है। माननीय केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री जी किशन रेड्डी ने नई दिल्ली में 12–13 अप्रैल 2022 को आयोजित 'अमृत समागम सम्मेलन' के उद्घाटन दिवस पर उत्सव पोर्टल को लॉन्च किया गया। उत्सव पोर्टल का उद्देश्य पूरे विश्व में लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में देष के विभिन्न क्षेत्रों का प्रचार करने के लिए पूरे भारत में सभी कार्यक्रमों, त्योहारों और लाइव दर्शनों को प्रदर्शित करना है। इस पोर्टल को https://nidhi.tourism.gov.in पर देखा जा सकता है। पोर्टल में अब विस्तृत आकर्षणों के साथ 28 राज्यों और 8 संघ राज्य क्षेत्रों में 1000 से अधिक कार्यक्रमों, त्योहारों और 50 से अधिक लाइव दर्शनों की जानकारी शामिल है। वेबसाइट गतिशील है और सभी आगामी कार्यक्रमों, त्योहारों और प्रदर्शनियों के बारे में समय–समय पर अपडेट की जाने वाली अतिरिक्त नई जानकारी के साथ लगातार विकसित हो रही है। उत्सव पोर्टल में आधिकारिक सोशल मीडिया लिंक, आधिकारिक वेबसाइट, ब्रोशर, आयोजन समिति के संपर्क विवरण और हवाई, रेल और सड़क मार्ग के माध्यम से गंतव्य तक आसानी से पहुंचने का विवरण भी होगा, जिससे पर्यटकों के साथ बेहतर संपर्क स्थापित होगा और इन गंतव्यों की यात्रा करने के लिए अपनी योजना बनाने में आगंतुकों को मदद मिलेगी। कला और संस्कृति, आध्यात्मिक, संगीत, मौसमी, पाक कला, नृत्य, खेल और एडवेंचर, हार्वेस्ट और एक्सपो एवं प्रदर्शनी जैसी विभिन्न श्रेणियों के तहत वेबसाइट पर तल्लीन कर देने वाले अनुभवों पर आधारित सामग्री का प्रावधान किया गया है। एक खंड ऐसा है जो भारत में मनाए जाने वाले प्रमुख त्योहारों को सूचीबद्ध करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू यात्री इन त्योहारों के लिए पहले से ही अपनी यात्रा की योजना बना सकें। वेबसाइट का उद्देश्य सम्मोहक, प्रासंगिक और संदर्भबद्ध डिजिटल अनुभवों के माध्यम से यात्रियों की सहायता करके वैश्विक क्षेत्र में भारत जो त्योहारों का देश है, की सुंदरता को प्रदर्शित करना, पर्यटन जागरूकता, आकर्षण बढ़ाना और यात्रा के अवसरों में वृद्धि करना है।

vè;k;

11

vrjk"Vªh; lg;kx

मॅई डी डेयस चर्च (सलिगाओ), गोवा

vè;k;

11.

vrjk"Vªh; lg;kx

vrjk"Vªh; lg;kx çHkkx

पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए, पर्यटन मंत्रालय संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ), एशिया और प्रशांत के लिए आर्थिक और सामाजिक आयोग (ईएससीएपी), दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क), बिम्सटेक (बहु–क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल), आईबीएसए (भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका), ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका), एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन), जी–20 आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ विभिन्न परामर्शों और वार्ताओं में शामिल होता है। पर्यटन के क्षेत्र में द्विपक्षीय / बहुपक्षीय सहयोग के लिए करारों / समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए अन्य देशों के साथ परामर्श और बातचीत का आयोजन किया जाता है। वर्तमान में 46 एमओयू मान्य हैं।

जनवरी से नवंबर 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में पर्यटन मंत्रालय द्वारा किए गए प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं :

11-1 lä dk;l leg @ f}i{kh; rFkk vU; cBd

1. आसियान और भारत के पर्यटन मंत्रियों की 9वीं बैठक दिनांक 19 जनवरी, 2021 को वर्चुअल मोड से आयोजित की गई। कंबोडिया के पर्यटन मंत्री और सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने बैठक की सह–अध्यक्षता की। पर्यटन मंत्रियों की बैठक से पहले दिनांक 15 दिसंबर, 2021 को वर्चुअल मोड से पर्यटन कार्य समूह की बैठक हुई जिसमें अपर सचिव (पर्यटन) ने भाग लिया। बैठक में महानिदेशक (पर्यटन), अपर सचिव (पर्यटन) और सहायक महानिदेशक (आईसी), पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने भी भाग लिया।

2. सचिव (पर्यटन), भारत सरकार ने विचार–विमर्श पर संतोष व्यक्त किया और पर्यटन में आसियान–भारत साझेदारी और सहयोग के मजबूत होने की आशा व्यक्त की। बैठक एक संयुक्त मीडिया वक्तव्य के साथ समाप्त हुई जहां मंत्रियों ने आसियान और भारत के बीच समझौता ज्ञापन के कार्यढांचे के तहत पर्यटन में आसियान–भारत सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

3. भारत और ऑस्ट्रेलिया ने दिनांक 11 फरवरी 2022 को होटल ओबेरॉय, नई दिल्ली में पर्यटन सहयोग के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और ऑस्ट्रेलिया सरकार की ओर से माननीय सांसद, व्यापार, पर्यटन और निवेश मंत्री डैन तेहन द्वारा इस पर हस्ताक्षर किए गए।

4. सहायक महानिदेशक (आईसी) ने "पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग के विकास पर एससीओ के सदस्य देशों की सरकारों के बीच समझौते के मसौदा पर बातचीत करने के लिए" दिनांक 3 और 4 मार्च 2022 को वर्चुअल मोड में आयोजित एससीओ की विशेषज्ञ स्तरीय बैठक में भाग लिया।

5. सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 20 से 22 अप्रैल 2022 तक मेट्रो मनीला, फिलीपींस में आयोजित डब्ल्यूटीटीसी के 21वें वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लिया। यात्रा के दौरान पर्यटन सहयोग पर चर्चा करने के लिए सचिव (पर्यटन) और फिलीपींस के पर्यटन मंत्री के बीच एक द्विपक्षीय बैठक भी हुई।

6. अपर सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार और पर्यटन कार्य समूह के अध्यक्ष एवं इंडोनेशिया के संसाधन और संस्थान कार्यवाहक उप मंत्री श्री फ़्रैंसिस्कस ज़ेवरियस तेगुह (फ्रैंस) के बीच वर्चुअल मोड से द्विपक्षीय बैठक आयोजित की गई। दोनों पक्षों ने प्राथमिकता के मुद्दों और इंडोनेशिया के जी–20 प्रेसीडेंसी के दौरान बाली दिशानिर्देशों के शून्य मसौदे पर चर्चा की।

7. अपर सचिव और सहायक महानिदेशक (एसडी), पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 19 से 21 मई 2022 तक (यात्रा के समय को छोड़कर) ताशकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित पर्यटन प्रशासन और अंतर्राष्ट्रीय फोरम के प्रमुखों की एससीओ बैठक में भाग लिया जिसका विषय "एससीओ के सदस्य देशों के बीच सहयोग का एक नया चरण : पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत" था।

एससीओ सदस्य देशों के पर्यटन प्रशासन प्रमुखों की बैठक और 'एससीओ सदस्य देशों के बीच सहयोग का एक नया चरण: पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत' की थीम पर दिनांक 19–21 मई 2022 तक ताशकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फोरम में भाग लिया

8. अपर सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने इंडोनेशिया की अध्यक्षता में 10 और 11 मई, 2022 को आयोजित जी–20 के पर्यटन कार्य समूह की पहली बैठक में भाग लिया।

9. यूएनडब्ल्यूटीओ की कार्यकारी परिषद का 116वां सत्र 07 और 08 जून 2022 को जेद्दाह, सऊदी अरब में आयोजित किया गया। जेद्दाह में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने पर्यटन मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया।

10. दिनांक 14 से 16 जून 2022 तक पूर्वी एशिया के लिए यूएनडब्ल्यूटीओ आयोग और दक्षिण एशिया के लिए प्रशांत यूएनडब्ल्यूटीओ आयोग की 34वीं संयुक्त बैठक (34वां सीएपी–सीएसए) हुई। माले में भारत के उच्चायुक्त ने पर्यटन मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया।

11. पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने आसियान–भारत पर्यटन कार्य समूह की 28वीं बैठक में भाग लिया जो दिनांक 06 जुलाई, 2022 को वर्चुअल मोड में आयोजित की गई, जिसमें आसियान भारत पर्यटन सहयोग कार्य योजना 2021–22 के मसौदे पर चर्चा की गई।

12. पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग के विकास पर एससीओ सदस्य देशों की सरकारों के बीच मसौदा करार के संबंध में रूसी संशोधनों पर विचार–विमर्श के लिए दिनांक 4 जुलाई 2022 और 17–18 अगस्त, 2022 को वर्चुअल मोड में आयोजित एससीओ बैठकों में उप सचिव (आईसी) ने भाग लिया ।

13. उप सचिव (आईसी) ने मंत्रियों की विज्ञप्ति को अंतिम रूप देने के लिए दिनांक 30 अगस्त, 2022 और 16 सित्मबर, 2022 को वर्चुअल मोड में आयोजित बीआरआईसीएस के वरिष्ठ पर्यटन अधिकारियों की बैठक (एसओएन) में भाग लिया ।

14. माननीय पर्यटन मंत्री, भारत सरकार ने दिनांक 19 सितंबर 2022 को वर्चुअल मोड में आयोजित ब्रिक्स के पर्यटन मंत्रियों की बैठक (टीएमएम) में भाग लिया। बैठक के दौरान सभी सदस्य देशों ने मंत्रियों की विज्ञप्ति को मंजूरी प्रदान की।

15. श्री श्रीपद येस्सो नाइक, माननीय पर्यटन राज्य मंत्री, भारत सरकार ने पर्यटन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिनांक 23 से 27 सितंबर 2022 (यात्रा के समय को छोड़कर) तक इंडोनेशिया की अध्यक्षता में जी–20 के तहत इंडोनेशिया में आयोजित जी–20 पर्यटन मंत्रियों की बैठक और पर्यटन कार्य समूह की दूसरी बैठक में भाग लिया। माननीय राज्य मंत्री (पर्यटन) के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सऊदी अरब, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, यूएनडब्ल्यूटीओ के साथ मंत्रिस्तरीय द्विपक्षीय बैठक की। महानिदेशक (पर्यटन) की अध्यक्षता वाले प्रतिनिधिमंडल ने भी यूके, दक्षिण अफ्रीका, यूरोपीय संघ आयोग के साथ आधिकारिक स्तर की बैठकें कीं।

16. अपर सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 23 से 25 नवंबर 2022 तक मारकेश, मोरक्को में आयोजित यूएनडब्ल्यूटीओ की कार्यकारी परिषद के 117वें सत्र में भाग लिया।

11-2 vU; egRoi.kZ xfrfofèk;k

1. अपर सचिव (पर्यटन), उपमहानिदेशक (प्रचार तथा समारोह) और पर्यटक सूचना अधिकारी (प्रचार), पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने 31 दिसंबर 2021 से 04 जनवरी 2021 तक दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित दुबई एक्सपो में भाग लिया।

2. पर्यटन मंत्रालय की भागीदारी भारत सरकार की पहल थी और यह भागीदारी वाणिज्य विभाग (डीओसी) और विदेश मंत्रालय द्वारा संचालित थी। कोविड के बाद, यह पर्यटन मंत्रालय के लिए विभिन्न थीमेटिक सत्रों के माध्यम से भारत के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को दुनिया भर से बड़ी संख्या में एक्सपो में आने वाले आगंतुकों के समक्ष प्रदर्शित करने का एक बड़ा अवसर था, जिसका नेतृत्व अपर सचिव (पर्यटन) ने किया था।

3. सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की जिसमें "पीपीआरआईडी 11601 : त्रिपुरा शहरी और पर्यटन विकास परियोजना" पर दिनांक 2 फरवरी, 2022 को मंथन, परिवहन भवन, नई दिल्ली में सचिव (पर्यटन), त्रिपुरा सरकार और त्रिपुरा सरकार के अन्य अधिकारियों द्वारा

पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी गई। बैठक में महानिदेशक (पर्यटन) तथा अपर सचिव (पर्यटन) ने भाग लिया।

4. महानिदेशक (पर्यटन) ने 'बोधगया – एक आध्यात्मिक यात्रा' विषय पर एक वर्चुअल वेबिनार के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व किया, जिसे दिनांक 04 मार्च, 2022 को भारत के महावाणिज्य दूतावास (सीजीआई), हो ची मिन्ह शहर, वियतनाम द्वारा आयोजित किया गया था।

5. अपर महानिदेशक, निदेशक (ओएम), सहायक निदेशक (आईसी) और पर्यटक सूचना अधिकारी (आईसी), पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 08 से 12 मई 2022 तक दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित अरेबियन ट्रैवल मार्ट (एटीएम) 2022 में भाग लिया।

6. महानिदेशक (पर्यटन) ने विभिन्न जी–20 कार्य समूहों में भौगोलिक राजनीतिक मुद्दों से निपटने के लिए भारत के दृष्टिकोण पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली में आयोजित अंतर मंत्रालयी बैठक में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार ने की।

7. नीति आयोग के सहयोग से जी–20 सचिवालय द्वारा दिनांक 23 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली में संबद्ध मंत्रालयों के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों के लिए आयोजित एक दिवसीय तैयारी कार्यशाला में सचिव (पर्यटन), अपर सचिव (पर्यटन) और उप सचिव (आईसी) सहित मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

8. डॉ. साग्निक चौधरी, क्षेत्रीय निदेशक (पूर्व), भारत पर्यटन कोलकाता, डॉ अदिति चौधरी, सहायक प्रोफेसर, आईआईटीटीएम नोएडा, श्री पी के सूरज, पर्यटक सूचना अधिकारी, केरल पर्यटन ने दिनांक 19 अगस्त से 8 सितंबर, 2022 तक सियोल, कोरिया गणराज्य में 2022 केओपीआईएसटी ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम की कार्य योजना के लिए एक अवार्ड के रूप में केओपीआईएसटी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

9. उप सचिव (आईसी) ने दिनांक 03 अगस्त, 2022 को जवाहरलाल नेहरू भवन, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आयोजित 11वें विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) में भाग लिया।

10. सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने रास अल खैमाह, संयुक्त अरब अमीरात में दिनांक 25 से 27 अक्टूबर 2022 तक आयोजित पीएटीए वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस शिखर सम्मेलन में विभिन्न सदस्य देशों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस वर्ष फोकस के विषयों में (i) उद्योग की बहाली संबंधी पहलें, (ii) गंतव्य का लचीलापन और स्थिरता, (iii) मानव पूंजी विकास, और (iv) प्रौद्योगिकी और नवाचार शामिल हैं।

11. सचिव (पर्यटन) के नेतृत्व में और अपर सचिव (पर्यटन) तथा निदेशक (जी–20) के साथ पर्यटन मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 07 से 09 नवंबर, 2022 तक लंदन में आयोजित वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (डब्ल्यूटीएम) 2022 में भाग लिया।

पर्यटन मंत्रालय की अग्रिम तैयारी टीम जिसमें उप सचिव (आईसी और ओएम), सहायक महानिदेशक (आईसी और ओएम), पर्यटक सूचना अधिकारी (आईसी), सहायक (सचिव (पर्यटन) का कार्यालय), पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार शामिल थे, ने वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट (डब्ल्यूटीएम) 2022 के दौरान दिनांक 05 से 09 नवंबर, 2022 तक भारत पर्यटन कार्यालय, लंदन की सहायता की।

डब्ल्यूटीएम सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रदर्शनियों में से एक है। इस वर्ष प्रदर्शनी का विषय 'द फ्यूचर ऑफ ट्रैवल स्टार्टस नाव' है। भारतीय मंडप में 16 सह–प्रदर्शक थे जिनमें राज्य सरकारें, टूर ऑपरेटर, होटल आदि शामिल थे। भारतीय मंडप का औपचारिक उद्घाटन सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार और ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त द्वारा केरल, ओडिशा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पुदुचेरी और तमिलनाडु के पर्यटन मंत्रियों की उपस्थिति में किया गया। अतुल्य भारत ने दिनांक 7 नवंबर 2022 को पूरे दिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। सचिव (पर्यटन) और यूके में भारत के उच्चायुक्त ने भारतीय मंडप के भीतर और भारतीय मंडप के बाहर भी राज्यों के पर्यटन मंत्रियों और प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

अपर सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 08 नवंबर 2022 को डब्ल्यूटीएम 2022 में प्रेस मीट में मीडिया को संबोधित किया।

सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 08 नवंबर 2022 को यूएनडब्ल्यूटीओ और डब्ल्यूटीटीसी के सहयोग से वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट में 'पर्यटन पर पुनर्विचार' विषय पर मंत्रियों के शिखर सम्मेलन में भाग लिया। बाद में सचिव, पर्यटन मंत्रालय का सीएनबीसी, सीएनएन, बीबी और यूरो न्यूज द्वारा साक्षात्कार लिया गया और उन्होंने विभिन्न बैठकों में भाग लिया।

सचिव (पर्यटन) और अपर सचिव (पर्यटन) ने पीएटीए के सीईओ, अंतर्राष्ट्रीय निदेशक, सीबीआई (व्यवसाय उद्योग परिसंघ) और प्रबंध निदेशक, यूकेआईबीसी (यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल) के साथ बैठक की। सचिव (पर्यटन) ने यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रमंडल के भीतर सहयोग को मजबूत करने पर आईटीआईसी (अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और निवेश सम्मेलन) पैनल में भाग लिया।

12. वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार और श्री फाम वान थुए, उपाध्यक्ष, वीएनएटी (वियतनाम राष्ट्रीय पर्यटन प्रशासन) के बीच दिनांक 12 दिसम्बर, 2022 को सम्मेलन कक्ष, चंद्रलोक बिल्डिंग, जनपथ, नई दिल्ली में एक द्विपक्षीय बैठक हुई। भारत की ओर से उप सचिव (आईसी), सहायक महानिदेशक (आईसी), टीआईओ (आईसी), डीईओ (आईसी), पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार बैठक के दौरान उपस्थित थे। श्री त्रान फोंग बिन, उपमहानिदेशक, पर्यटन

विपणन विभाग, वीएनएटी, सुश्री वू हा ज्यांग, पर्यटन विपणन विभाग की अधिकारी, सुश्री हा आन ग्वेंन, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विभाग की पदाधिकारी, श्री ग्वेन लांग डक, आर्थिक अटैशे, वियतनाम दूतावास, नई दिल्ली और विय ट्रैवल तथा विना फू कोक के प्रतिनिधियों ने वियतनाम की ओर से बैठक में भाग लिया।

13. सचिव (पर्यटन), भारत सरकार और महामहिम श्री चांग जे–बोक, भारत में कोरिया गणराज्य के राजदूत के बीच दिनांक 12 दिसम्बर, 2022 को परिवहन भवन, नई दिल्ली में एक द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों पक्षों ने भारत और कोरिया के बीच पर्यटन सहयोग के क्षेत्र पर चर्चा की।

चलापोथर याम गांव – शिवसागर, असम

vè;k;

12

Hkkjr i;Vu fodkl fuxe ¼vkÃVhMhlh½

द अशोक – नई दिल्ली

vè;k;

12.

Hkkjr i;ZVu fodkl fuxe ¼vkÃVhMhlh½

12-1 çLrkouk

भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) पर्यटन मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है। 1 अक्टूबर 1966 को निगमित आईटीडीसी देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निगम यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य संबंधी जरूरतों के लिए वन स्टॉप समाधान प्रदान करता है। इस समय यह निगम परिवहन की सुविधाएं प्रदान करने के अलावा पर्यटकों के लिए विभिन्न स्थलों पर होटलों, रेस्टोरेंटों का संचालन कर रहा है। इसके अलावा, निगम पर्यटक प्रचार सामग्री के निर्माण, वितरण और बिक्री का कार्य भी करता है तथा पर्यटकों को ड्यूटी फ्री शॉपिंग की सुविधाएं प्रदान कर रहा है जो वर्तमान में केवल बंदरगाहों पर उपलब्ध है। निगम की इंजीनियरिंग से संबंधित परामर्श सेवाओं में भी उपस्थिति है और एसीईएस प्रभाग साउंड एंड लाइट (एसईएल) शो लगाने के साथ–साथ केंद्र सरकार / विभिन्न राज्य सरकारों के लिए अवसंरचना से संबंधित परियोजना कार्यों को संभालता है। अशोक ट्रैवल एंड टूर्स एक प्रभाग है जो विश्वसनीय किफायती सेवाओं के साथ टिकटिंग, टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट, टूर पैकेज और कार्गो संबंधी जरूरतों को पूरा करता है और इसकी उपस्थिति पूरे भारत में है। निगम का अशोक आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंध संस्थान पर्यटन एवं आतिथ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं शिक्षा प्रदान करता है। अशोक इवेंट्स एक अग्रणी इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी है जो कॉन्फ्रेंस, प्रदर्शनी, कार्यशाला / सेमिनार तथा अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय इवेंट हैंडल करती है।

आईटीडीसी ने पिछड़े क्षेत्रों में पर्यटन अवसंरचना के विकास में प्रतिबद्ध एवं प्रमुख भूमिका निभाई है और इसके माध्यम से यह क्षेत्रीय संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। 2001 और 2002 में क्रमशः 19 होटलों और 1 अधूरी होटल परियोजना के विनिवेश के बाद

आईटीडीसी ने अपनी शेष गतिविधियों को सुदृढ़ किया है और विविध सेवा उन्मुख कारोबारी गतिविधियां लेने के लिए अपने आप को पुनर्गठित किया है।

12-2 lxBukRed <kpk %

कॉर्पोरेट स्तर पर वर्तमान संगठनात्मक ढाचे में आईटीडीसी बोर्ड शामिल है जिसमें अंशकालिक गैर कार्यपालक अध्यक्ष, कार्यात्मक निदेशक (यानी प्रबंध निदेशक, निदेशक (वाणिज्यिक और विपणन), निदेशक (वित्त)), एक सरकारी नामित निदेशक और दो गैर सरकारी निदेशक / स्वतंत्र निदेशक (एक गैर सरकारी स्वतंत्र निदेशक का पद रिक्त है) शामिल हैं। निदेशक मंडल के अलावा, अशोक ग्रुप ऑफ होटल्स, अशोक इवेंट्स, अशोक इंटरनेषनल ट्रेड, अशोक ट्रैवल एंड टूर्स, अशोक इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, अशोक कंसल्टेंसी एंड इंजीनियरिंग सर्विसेज और सोन–एट–लुमियर जैसे व्यावसायिक समूहों के प्रमुख हैं जिनकी सहायता कॉर्पोरेट विपणन और जनसंपर्क, मानव संसाधन प्रबंधन, वित्त और लेखा, सतर्कता और सुरक्षा, प्रशासन, सचिवालय, आदि द्वारा की जाती है।

ITDC Orgnational Chart

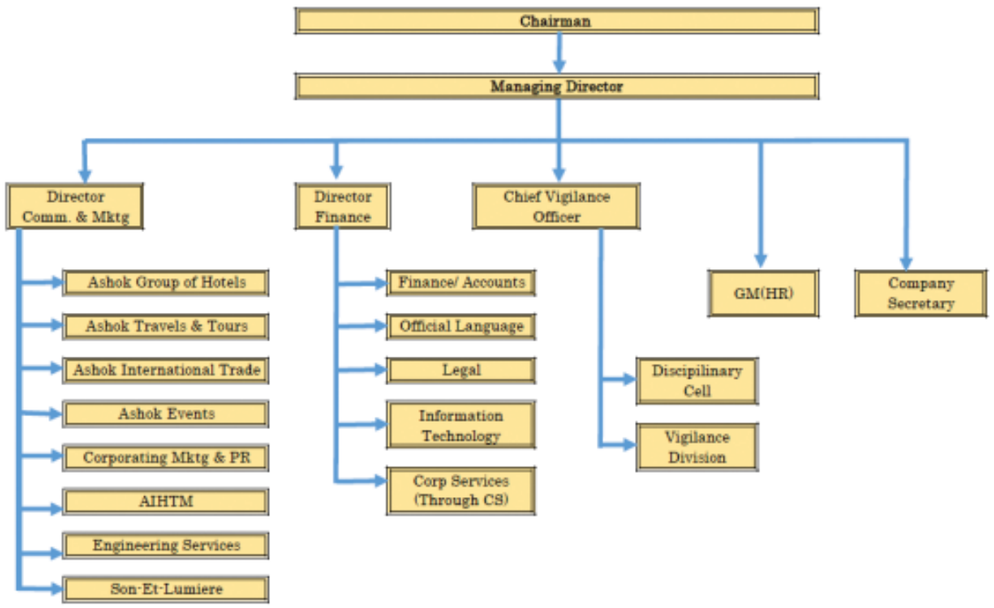

12-3 vkÃVhMh1h dh lokvk dk uVod

आईटीडीसी के वर्तमान नेटवर्क में अशोक ग्रुप के 4 होटल (जिनमें से 3 चालू हैं), 1 रेस्तरां, संयुक्त उद्यमों (सहायक कंपनियों) के 4 होटल (जिसमें से 1 होटल यूनिट चालू है), 4 कैटरिंग आउटलेट, 5 परिवहन इकाईयों, बंदरगाहों पर 14 ड्यूटी फ्री दूकानें शामिल हैं।

12-4 lgk;d difu;k

नीचे दिए गए विवरण में 31 दिसंबर, 2022 की स्थिति के अनुसार चार सहायक कंपनियों की प्रदत्त पूंजी में आईटीडीसी के 9.29 करोड़ रुपये के निवेश को दर्शाया गया है :

lgk;d difu;k	vkÃVhMh1h dk fuos'k ¼#i;s e½
उत्कल अशोक होटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	(इक्विटी शेयर) 1.19 करोड़ वरीयता शेयर) 3.50
रांची अशोक बिहार होटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	2.50 करोड़
पांडिचेरी अशोक होटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	0.82 करोड़
पंजाब अशोक होटल कंपनी लिमिटेड	1.28 करोड़
dqy	9-29 djksM

12-5 iwth lajpuk

ब्यौरे निम्नानुसार हैं :

(करोड़ रुपये में)

¼bM ,,l dk vuqlkj½	foÙk o"k 2019&20	foÙk o"k 2020&21	foÙk o"k 2021&22
अधिकृत पूंजी	150.00	150.00	150.00
प्रदत्त पूंजी	85.77	85.77	85.77
आरक्षित एवं आधिक्य	260.72	234.33	233.72
निवल मूल्य	346.26	319.87	319.26

12-6 'k;jèkkfjrk dk iVu

आईटीडीसी एनएसई और बीएसई दोनों के यहां सूचीबद्ध कंपनी है। 30 दिसंबर, 2022 (वर्ष का अंतिम कारोबारी दिन) तक की स्थिति के अनुसार इसका बाजार पूंजीकरण एनएसई के अनुसार 3004.50 करोड़ रुपये और बीएसई के अनुसार 3043.52 करोड़ रुपये था। निगम की अधिकृत पूंजी और प्रदत्त पूंजी क्रमशः 150 करोड़ रुपये और 85.77 करोड़ रुपये है। 30 दिसंबर, 2022 की स्थिति के अनुसार शेयरधारिता के पैटर्न का उल्लेख नीचे किया गया है :

- भारत सरकार : 87.03 प्रतिशत
- इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड : 7.87 प्रतिशत
- अन्य निगमित संस्थाएं : 0.11 प्रतिशत
- अर्हक संस्थागत क्रेता : 2.22 प्रतिशत
- आम जनता, कर्मचारी तथा अन्य : 2.77 प्रतिशत

12-7 foÙkh; fu"iknu

पिछले 5 वर्षों के लिए निगम के वित्तीय निष्पादन से संबंधित मुख्य आंकड़े नीचे सारणी में दिए गए हैं :

(रुपये करोड़ में)

fooj.k o"k →	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
कुल आय	390.65	379.97	366.29	197.36	300.52
कर पूर्व लाभ	21.25	55.33	37.04	-26.61	10.10
अन्य व्यापक आय	13.22	41.35	14.30	-26.08	5.11

आईटीडीसी ने आतिथ्य और यात्रा उद्योग पर कोविड–19 के गंभीर प्रभाव के कारण वित्त वर्ष 2021–22 के लिए 'शून्य' लाभांश घोषित किया। बोर्ड द्वारा वित्त वर्ष 2021–22 के वार्षिक खातों को 14 जून, 2022 को अनुमोदित किया गया है तथा 2021–22 के एजीएम का आयोजन 30 सितम्बर 2022 को हुआ।

12-8 ;kstukxr Ldhe

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार किसी भी योजना के तहत आईटीडीसी को कोई अनुदान नहीं देती है। इसके आंतरिक संसाधनों आदि से, वर्ष 2022–23 के लिए पूंजी परिव्यय का मूल बजट अनुमान 36.27 करोड़ रुपये है जिसमें होटल संपत्तियों और अन्य डिवीजनों के नवीनीकरण / उन्नयन के लिए 32.77 करोड़ रुपये शामिल हैं।

12-9 le>kSrk Kkiu ¼,evks;w½

वर्ष 2022–23 के लिए पर्यटन मंत्रालय के साथ हस्ताक्षर किए जाने वाले एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

12-10 vkÃVhMh1h rFkk b1dh 1i;ä m|e lgk;d difu;k dh 1ifÙk;k d fofuo'k dh fLFkfr

भारत सरकार की चल रही विनिवेश नीति के अनुसार, संयुक्त उद्यम होटल की 3 संपत्तियों सहित 9 होटल संपत्तियां (अर्थात होटल लेक व्यू अशोक, भोपाल; होटल ब्रह्मपुत्र अशोक, गुवाहाटी; होटल भरतपुर अशोक, भरतपुर; गुलमर्ग में अपूर्ण होटल परियोजना; होटल जनपथ, नई दिल्ली, होटल जयपुर अशोक, जयपुर, ललिता, महल पैलेस होटल, मैसूर; होटल पाटलिपुत्र अशोक, पटना एवं होटल दोनई पोलो अशोक, ईटानगर) अब तक संबंधित राज्य सरकारों या केंद्रीय मंत्रालय को हस्तांतरित कर दी गई हैं / सौंप दी गई हैं। शेष संपत्तियों का विनिवेश / अनावरण निम्नानुसार प्रक्रियाधीन है:

- होटल पांडिचेरी अशोक, पांडिचेरी : संयुक्त उद्यम कंपनी में आईटीडीसी की 51 प्रतिशत इक्विटी खरीदने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव देने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार से जवाब की प्रतीक्षा की जा रही है।

- होटल कलिंग अशोक, भुवनेश्वर : राज्य सरकार को मौजूदा होटल कलिंग अशोक का अधिग्रहण करने का प्रस्ताव दिया गया है। राज्य सरकार ने आईटीडीसी से प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है।

- होटल रांची अशोक, रांची : रांची अशोक बिहार होटल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरएबीएचसीएल) में आईटीडीसी की 51 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी झारखंड सरकार को हस्तांतरित की जानी है, जिसके लिए 24 नवंबर, 2020 को आईटीडीसी, झारखंड सरकार और आरएबीएचसीएल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है। सीसीईए नोट प्रस्तुत किया गया है और अनुमोदन की प्रतीक्षा की जा रही है।

- आनंदपुर साहिब की अपूर्ण परियोजना : संयुक्त उद्यम कंपनी में आईटीडीसी की 51 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी पंजाब सरकार को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में मसौदा एमओयू राज्य सरकार को भेज दिया गया है।

- होटल नीलाचल अशोक, पुरी : राज्य सरकार को संयुक्त उद्यम कंपनी में आईटीडीसी की 98 प्रतिशत प्रदत्त इक्विटी पूंजी खरीदने की पेशकश की गई है। राज्य सरकार से जवाब की प्रतीक्षा की जा रही है।

- होटल अशोक, नई दिल्ली : भूमि को पट्टा पर देने, प्रचालन एवं अनुरक्षण, होटल अशोक को उप पट्टा पर देने तथा होटल अशोक – होटल सम्राट परिसर में खाली भूमि के उपयोग की शर्तों एवं नियमों का अध्ययन करने के लिए 14 जनवरी 2020 को दीपम, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लेनदेन सलाहकार के रूप में मैसर्स फीडबैक इनफ्रा की नियुक्ति की गई है। मैसर्स फीडबैक ने दीपम को रिपोर्ट सौंपी जिस पर दीपम द्वारा 20 जुलाई, 2020 को आयोजित अंतर–मंत्रालयी समूह (आईएमजी) की बैठक में चर्चा की गई। 27 अक्टूबर, 2020 को आयोजित विनिवेश पर कोर ग्रुप (सीजीडी) की बैठक में आईएमजी की सिफारिशों पर चर्चा की गई। सीजीडी ने कुछ स्पष्टीकरण मांगे। 06 जनवरी, 2021 को आयोजित आईएमजी की बैठक में परामर्शदाता द्वारा स्पष्टीकरण प्रदान किए गए। सीजीडी की पिछली बैठक 15 मार्च, 2021 को हुई थी जिसमें 06 जनवरी, 2021 को आयोजित आईएमजी की बैठक की सिफारिशों को मंजूरी प्रदान की गई। दीपम ने पर्यटन मंत्रालय से सीजीडी की सिफारिशों और रोड शो आयोजित करने के लिए सीसीईए की मंजूरी लेने के लिए कहा। पर्यटन मंत्रालय द्वारा मंत्रिमंडल सचिवालय को 11 जनवरी, 2022 को सीसीईए नोट प्रस्तुत किया गया है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा अग्रेशित नोट में दिए गए निर्देशों के अनुसार, संभावित निवेशकों के विचार प्राप्त करने के लिए 22 अगस्त, 2022 को एक रोड शो आयोजित किया गया। पर्यटन मंत्रालय द्वारा पीएमओ को रोड शो की रिपोर्ट भेजी गई।

- होटल जम्मू अशोक : होटल जम्मू अशोक जिसे 40 साल की अवधि के लिए जनवरी 1970 में आईटीडीसी को आवंटित किया गया था, के लिए भूमि के पट्टे की अवधि जनवरी 2010 में समाप्त हो गई। दिनांक 20 मार्च 2020 के पत्र के माध्यम से जम्मू एवं कश्मीर सरकार ने पट्टा करार का नवीकरण न होने के बारे में सूचित किया है। तद्नुसार, होटल जम्मू अशोक के संचालन को 17 जून, 2020 को बंद कर दिया गया है। पट्टा विलेख के खंड 3(पप) के अनुसार मुआवजे के भुगतान के बाद होटल का कब्जा लेने के लिए जम्मू एवं कश्मीर सरकार के समक्ष इस मामले को उठाया गया। इस संबंध में एमओयू का मसौदा जम्मू एवं कश्मीर सरकार को भेजा गया है।

12-11 v'kkd xqi v,Q gkVYl

n v'kkd %

1956 में निर्मित द अशोक, जो आईटीडीसी का प्रमुख होटल है और 25 एकड़ से अधिक भूमि में फैला है, शहर में एक परिचित लैंडमार्क है। द अशोक में 160 सुइट्स के साथ 550 कमरे हैं जो अच्छी तरह से सजाए गए हैं, जिनमें अशोक प्रेसिडेंशियल सुइट भी शामिल है, जिससे भव्यता की आभा झलकती है।

द अशोक में प्रीमियम बैंक्वेट की सुविधाएं और सबसे पसंदीदा बैंक्वेट वेन्यू हैं।

द अशोक कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यक्रमों का स्थल रहा है और इस वर्ष, इस होटल ने इंटरपोल, आईएसएचएएम (इंटरनेषनल सोसाइटी फॉर ह्यूमन एंड एनिमल माइकोलॉजी), एनएडीए, इंडो–जर्मन प्रोग्राम ऑन यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज, इंटरनेशनल सोलर एलायंस के अंतर्राश्ट्रीय अतिथियों /कार्यक्रमों की मेजबानी की।

होटल ने कई मंत्रालयों जैसे कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, वित्त मंत्रालय आदि के सम्मेलनों की मेजबानी की। इस वर्ष होटल में विभिन्न चिकित्सा सम्मेलनों यानी दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी, इम्यूनोलॉजी, डोकॉन, कार्डियोलॉजी, आदि का आयोजन किया गया।

द अशोक ओलंपिक खिलाड़ियों, पैरालंपिक खेलों के खिलाड़ियों, पद्म पुरस्कार विजेताओं, शिक्षक पुरस्कार विजेताओं, राष्ट्रीय खेल पुरस्कार विजेताओं, कपड़ा मंत्रालय के पुरस्कार विजेताओं, डीएफएफ (राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार) द्वारा दादासाहेब फाल्के पुरस्कार के विजेताओं के लिए आवासीय मेजबान था। यह होटल फिल्म की शूटिंग का भी स्थल था।

अशोक कन्वेंशन हॉल ने अपने भव्य आयामों के साथ प्रदर्शनियों की मेजबानी की कला को भी सिद्ध किया है और वेडिंग एषिया, जलसा, हाय लाइफ, सूत्र, अंकुर, स्वर मंजरी और कई अन्य प्रदर्षनियों का आयोजन किया है।

द अशोक ने आतिथ्य उद्योग में बदलते रुझानों को ध्यान में रखते हुए साल भर में और अधिक सुविधाओं को शामिल किया है। इसके गेस्ट रूम, रेस्तरां, सार्वजनिक क्षेत्रों में उन्नयन और संशोधन किए गए हैं तथा सभी को मेहमानों के लिए उच्चतम स्तर की सेवा प्रदान करने और विशेष और भव्य रहन सहन का अनुभव प्रदान करने के प्रयास के साथ डिजाइन किया गया है। कोविड के बाद, होटल ने बेहतर कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ मेहमानों के स्वागत के लिए अपने आप को तैयार किया, जिसमें सॉफ्ट फर्निशिंग को नवीनीकृत करके और लिफ्ट, अग्नि सुरक्षा आदि जैसे बुनियादी ढांचे को उन्नत करके उन्नत कमरों का अपग्रेड किया गया है।

होटल ने पूरे एफएंडबी और बैंक्वेट स्टाफ के लिए इन–हाउस प्रशिक्षण के साथ सभी स्तर के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए समर्पित प्रयास शुरू किए हैं। फ्रंट ऑफिस और रिजर्वेशन स्टाफ के लिए सॉफ्ट स्किल, टेलीफोन हैंडलिंग, पर्सनल ग्रूमिंग और कम्प्लेंट हैंडलिंग पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। यूबीएल के सहयोग से बेसिक्स ऑफ मिक्सोलॉजी पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विजिटिंग फैकल्टी द्वारा सुरक्षा गार्डों व अधिकारियों को पीएसएआरए का प्रशिक्षण दिया गया।

होटल ने हैदराबाद हाउस में कॉफी शॉप और वीवीआईपी कैटरिंग्स में बाजरे के नए आइटम (यानी रागी डोसा/उत्तपम, बाजरा और सब्जीका सूप, चौलाई की खीर, बाजरे की खिचड़ी आदि) पेश किए। यह "अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष" के उत्सव के अनुरूप है। कॉफी शॉप में द अशोक के मिलेट ब्रेकफास्ट को सोशल मीडिया अर्थात "india.com" पर अच्छी तरह से कवर किया गया। द अशोक केक शॉप ने विशेष रूप से दीवाली मिलेट कन्फेक्शनरी हैम्पर्स तैयार किए, जिन्हें खूब पसंद किया गया।

द अशोक के मुख्य कार्यपालक शेफ यानी शेफ अरविंद राय पर लेख आईएचएम, पूसा द्वारा मुद्रित पुस्तक (आईएचएम पूसा ऐट 60, एसेंस ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड लाइफ स्किल्स) का हिस्सा था। हिंदुस्तान टाइम्स के ई–पेपर में 23 नवंबर 2022 को हेल्दी विंटर डेसर्ट फॉर डायबिटिक की रेसिपी प्रकाशित की गई, जिसे शेफ गौरव मल्होत्रा, सीनियर सूस शेफ, द अशोक ने शेयर किया था। मुख्य कार्यपालक शेफ अरविंद राय द्वारा "thehealthsite.com" पर स्वास्थ्यकारी बाजरे के लड्डू की रेसिपी साझा की गई है।

होटल ने बिक्री के लिए विशेष वेलेंटाइन गिफ्ट हैम्पर्स के साथ वेलेंटाइन डे, "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस", "नवरात्रि", "रमजान–उल–मुबारक", "दिवाली", "कश्मीरी फूड फेस्टिवल" आदि मनाया। होटल केक शॉप और फूड एंड बेवरेज आउटलेट्स पर विशेष प्रचार के साथ क्रिसमस और नया साल मनाएगा।

gkVy lekV %

होटल सम्राट जो दिल्ली के लैंडमार्क द अशोक के साथ साझा किए गए सुंदर परिदृश्य वाले बगीचों में स्थित है, फूलों से भरे आलिंद और खुले–हवाई आंगन के चारों ओर निर्मित एक सुंदर संरचना है। इसके 255 स्टैंडर्ड और डीलक्स कमरों में ट्विन और साथ ही क्वीन साइज के बेड हैं, जहां से सबसे अधिक इंतियाज़ करने वाले मेहमानों की मांगों को पूरा करते हुए समावृत उद्यान के फव्वारे और पानी के चैनल दिखाई देते हैं।

कौटिल्य हॉल, चाणक्य हॉल, चंद्रगुप्त हॉल, पूल साइड लॉन और अन्य जगहों का संयोजन होटल सम्राट को सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और शादियों के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है।

होटल ने विभिन्न मंत्रालयों / सार्वजनिक उपक्रमों / कंपनियों / राज्य अतिथि गृहों द्वारा आयोजित विभिन्न महत्वपूर्ण सम्मेलनों, कार्यक्रमों की मेजबानी की और/या उनसे जुड़ा हुआ था। होटल ने कोल इंडिया, ब्रिक्स इंटरनेशनल, बुनकर सेवा केंद्र, एनआईसीडीसी लॉजिस्टिक्स, केंद्रीय स्वास्थ्य ब्यूरो, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, केंद्रीय विद्यालय संगठन, असम भवन, जीआईजेड, ग्रामीण विकास मंत्रालय, डोकॉन, आदि के सम्मेलनों की मेजबानी की।

यह होटल सरकारी विभागों / मंत्रालयों / सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों जैसे कि संस्कृति मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, यूपीएससी, लोक सभा सचिवालय, हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद के पुरस्कार विजेताओं, कोल इंडिया, एसएसआरएम एयर मेल, ललित कला अकादमी, एनएलसी इंडिया, लोक सभा सचिवालय, सी–डैक, एफएसएसएआई, डीआरडीओ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, अशोक टूर एंड ट्रैवल्स, एआईसीटीई, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए आवासीय मेजबान था।

होटल को पद्म पुरस्कार विजेताओं, भारतीय नौसेना, भारतीय सेना, आईएफएस प्रोबेशनर्स, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की मेजबानी करने का सम्मान प्राप्त है।

होटल ने विभिन्न राज्य अतिथि गृहों अर्थात ओडिशा भवन, उत्तराखंड सदन से ग्रुप की अगवानी की।

होटल स्वादिश्ट पैक्ड भोजन प्रदान करता है जो विभिन्न व्यंजनों की मिठास से भरे होते हैं और 5000 से अधिक ऐसे पैक्ड भोजन बेचे गए जो अच्छी तरह से स्वीकार किए गए और लोकप्रिय थे।

संपत्ति के निरंतर आधुनिकीकरण और उन्नयन के हिस्से के रूप में 48 अतिथि कक्षों और गलियारों का पूर्ण नवीनीकरण किया गया है। आईएसओ की आवश्यकताओं के अनुसार मानकों को बनाए रखने के लिए किचन का नियमित रूप से उन्नयन किया जा रहा है। मुख्य लॉबी और प्रवेश बरामदे में सुधार कार्य प्रक्रियाधीन है।

gkVy dfyax v'kksd %

होटल कलिंग अशोक पारंपरिक शिष्टाचार और परिवेश के साथ आधुनिक जीवन शैली का एक शानदार मिश्रण है, जिसमें ओडिषा के हस्तशिल्प, हथकरघा और व्यंजन शामिल हैं, जो ओडिशा का संपूर्ण अनुभव प्रदान करते हैं। भव्य सफेद इमारत कल्पना स्क्वायर में शहर के बीचोबीच स्थित है। मेहमानों की सम्मेलन/भोज संबंधी सुविधाओं को पूरा करने के लिए होटल में 04 सूट, एक कॉफी शॉप सह रेस्तरां फूलबानी, दो हॉल कोणार्क, उत्सव और लॉन सहित अच्छी तरह से नियत 36 कमरों का विकल्प है।

होटल सरकारी विभागों और कॉरपोरेट्स द्वारा आयोजित विभिन्न महत्वपूर्ण सम्मेलनों/कार्यक्रमों से जुड़ा हुआ था। इनमें से कुछ ओडिषा वाटर अकादमी, अर्थ और सांख्यिकी विभाग, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुर्वेद संस्थान, ओडिशा लोक सेवा आयोग, साहित्य अकादमी आदि थे।

gSnjkckn gkml %

हैदराबाद हाउस भारत के माननीय प्रधानमंत्री की ओर से अतिथि गणमान्य व्यक्तियों, राष्ट्राध्यक्षों के लिए खानपान की व्यवस्था करता रहा है और इसने लगातार उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने और भारतीय व्यंजनों को प्रदर्शित करने के लिए खूब सराहना प्राप्त की है।

यूनिट ने साउथ ब्लॉक, पीएमओ, सुषमा स्वराज भवन, जवाहरलाल नेहरू भवन और भारत के विदेश मंत्री, एनएसए, एफएस और विदेश मंत्रालय के अन्य सचिवों हेतु कई वीआईपी कार्यक्रमों के लिए खानपान की व्यवस्था की।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मालदीव गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति और यूनाइटेड किंगडम, जापान, बांग्लादेश और नेपाल के माननीय प्रधानमंत्रियों के लिए प्रतिष्ठित कार्यक्रमों की मेजबानी की गई। यूनिट ने हैदराबाद हाउस और पीएमओ में नामीबिया, गाम्बिया, मॉरीशस, जाम्बिया के माननीय उप राष्ट्रपति और अतिथि प्रतिनिधिमंडलों के लिए भी खानपान की व्यवस्था की।

foKku Hkou %

आईटीडीसी 1979 से विज्ञान भवन में एक वीवीआईपी खानपान इकाई का प्रबंधन कर रहा है। आईटीडीसी की इस खानपान इकाई ने कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संभाला है और उनमें से अधिकांष में माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री के साथ–साथ राष्ट्राध्यक्षों ने भाग लिया था। यह बड़े गर्व की बात है कि विज्ञान भवन में प्रदान की जाने वाली सेवाओं को हमेशा सराहा गया है।

विज्ञान भवन इकाई द्वारा कई महत्वपूर्ण सम्मेलनों का आयोजन किया गया जिनमें से कुछ भारत के माननीय राष्ट्रपति और भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा आयोजित किए गए थे; विज्ञान प्रसार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, ग्रामीण आजीविका प्रभाग, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, राष्ट्रीय महिला आयोग, केंद्रीय जांच ब्यूरो, ईशा फाउंडेषन, भारतीय कंपनी सचिव संस्थान, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, फिल्म समारोह निदेशालय, पर्यटन मंत्रालय, केंद्रीय सतर्कता आयोग, असम पर्यटन विकास निगम, कपड़ा मंत्रालय, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग आदि को सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

सभी होटल और खानपान इकाइयों के पास सभी वैधानिक लाइसेंस और आईएसओ 22000:2018 प्रमाणन है।

laln Hkou dSVfjax ;wfuV %

भारत की संसद द्वारा आईटीडीसी को उत्तर रेलवे से खानपान संचालन लेने के लिए जनादेश दिया गया था। पार्लियामेंट हाउस कैटरिंग यूनिट (पीएचसीयू) नाम की एक नई इकाई की स्थापना की गई और 16 नवंबर 2020 से इसका संचालन शुरू हो गया। पीएचसीयू संसद भवन संपदा की आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है। पीएचसीयू को संसद भवन की नई बिल्डिंग में भी आतिथ्य सेवाएं प्रदान करने की जिम्मेदारी प्रदान की गई है, जिसके शीघ्र ही चालू होने की उम्मीद है।

पीएचसीयू राज्य सभा के माननीय सभापति, भारत के माननीय प्रधानमंत्री, लोक सभा के माननीय अध्यक्ष, राज्य सभा के माननीय उप सभापति, कैबिनेट मंत्रियों, प्रतिपक्ष के नेता, लोक सभा एवं राज्य सभा के सभी सांसदों, मेहमान विदेशी प्रतिनिधियों, लोक सभा एवं राज्य सभा के महासचिव तथा उच्च रैंक के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को संसद भवन के अंदर वीवीआईपी कैटरिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।

संसद भवन संपदा (पीएचई) के अंदर और बाहर उच्चाधिकारियों के कार्यालयों से संबद्ध पैंट्रीज के अलावा असंख्य बैंक्वेट हॉल, समिति कक्षों में भी सेवाएं प्रदान की गईं। पीएचई में काम करने वाले लगभग 5000 व्यक्ति नियमित आधार पर पीएचसीयू, आईटीडीसी द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

12-12 v'kksd bosaVl

अशोक इवेंट्स अर्थात आईटीडीसी की कार्यनीतिक कारोबार यूनिट एक अग्रणी इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी है जो कॉन्फ्रेंस, प्रदर्शनी, कार्यशाला / सेमिनार तथा अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय इवेंट हैंडल करती है। अशोक इवेंट्स की मुख्य दक्षता विभिन्न सेवाओं के लिए पेशेवर सम्मेलन आयोजक के रूप में वन स्टॉप समाधान उपलब्ध कराने की है।

प्रभाग ने इवेंट मैनेजमेंट में बेहतरीन तरीके से अपना स्थान बनाया है और इसकी उत्कृष्ट विशेषज्ञता के कारण सरकारी मंत्रालय, विभाग, स्वायत्त निकाय और प्राधिकरण इसके प्रमुख ग्राहकों की सूची में षामिल हैं।

अशोक इवेंट्स सम्मेलनों, कार्यशालाओं, गोष्ठियों, पुरस्कार समारोहों और राष्ट्रीय महत्व के अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के लिए पर्यटन मंत्रालय की निर्दिष्ट एजेंसी है।

Hon'ble Prime Minister with the delegates during the first ever National Secretaries orgnaised by NITI Aayog from 15th to 17th June, 2022 at Dharamshala, Himachal Pradesh. Ashok Events Division was appreciated by NITI Ayog for providing excellent services for the event.

वर्ष 2022–23 के दौरान अशोक इवेंट्स प्रभाग द्वारा हैंडल किए गए प्रमुख इवेंट्स में निम्नलिखित शामिल हैं :

- श्रीनगर, कश्मीर में पर्यटन मंत्रालय द्वारा 11 से 13 अप्रैल, 2021 तक कश्मीर की पर्यटन क्षमता का दोहन "स्वर्ग में एक और दिन" का आयोजित किया गया।
- "लोकल गोज ग्लोबल – मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड" जिसे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 6 अगस्त, 2021 को बैंक्वेट हॉल, अशोक होटल में भारतीय मिशनों, राज्यों, केंद्र सरकार के विभागों और निर्यातकों के प्रतिनिधियों के साथ माननीय प्रधानमंत्री की बातचीत के रूप में आयोजित किया गया।
- कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 7 अगस्त, 2021 को कन्वेंशन हॉल, अशोक होटल, नई दिल्ली में 7वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का आयोजन किया गया।
- पर्यटन मंत्रालय द्वारा 25 से 28 अगस्त 2021 तक लेह, लद्दाख में "लद्दाख – नई शुरुआत, नए लक्ष्य" का आयोजन किया गया।
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा टोक्यो पैरालंपिक 2020 के पदक विजेताओं और प्रतिभागियों का सम्मान समारोह 10 सितंबर, 2021 को कन्वेंशन हॉल, होटल अशोक, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- पर्यटन मंत्रालय द्वारा 27 सितंबर, 2021 को कन्वेंशन हॉल, होटल अशोक, नई दिल्ली में विश्व पर्यटन दिवस 2021 का आयोजन किया गया।
- 13 और 14 अक्टूबर, 2021 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में एनआईसीडीसी द्वारा मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम गति शक्ति – राष्ट्रीय मास्टर प्लान के शुभारंभ और नए प्रदर्शनी परिसर

(हॉल संख्या; 2 , 3 ,4 और 5) के उद्घाटन का आयोजन किया गया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री मुख्य अतिथि थे।

- 1 से 3 नवंबर, 2021 तक बैंक्वेट हॉल, सुइट 292, 293 और 294, द अशोक, नई दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय के तहत एनएमसीजी द्वारा गंगा उत्सव 2021 का आयोजन किया गया।
- यूनाइटेड किंगडम में विभिन्न स्थानों पर 8 से 25 नवंबर, 2021 तक राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) प्रदर्शनी (गंगा कनेक्ट)।
- 16 से 30 नवंबर, 2021 तक दिल्ली हाट, आईएनए, नई दिल्ली में ट्राइफेड द्वारा आयोजित "आदि महोत्सव"
- 17 और 18 नवंबर, 2021 को कन्वेंशन हॉल, द अशोक, नई दिल्ली में वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा 'निर्बाध क्रेडिट प्रवाह और आर्थिक विकास के लिए तालमेल बनाना' का आयोजन किया गया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री मुख्य अतिथि थे।
- पर्यटन मंत्रालय द्वारा 27 से 29 नवंबर 2021 तक कोहिमा, नागालैंड में 9वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) का आयोजन किया गया।
- 3 दिसंबर, 2021 को प्लेनरी हॉल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजन पुरस्कार का आयोजन किया गया। भारत के माननीय राष्ट्रपति मुख्य अतिथि थे।
- धोरडो, कच्छ, गुजरात में 10 दिसंबर 2021 से 15 जनवरी 2022 तक भारत पर्यटन, मुंबई का अतुल्य भारत मंडल
- एनएचआरसी द्वारा 10 दिसंबर, 2021 को प्लेनरी हॉल, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस का आयोजन किया गया। भारत के माननीय राष्ट्रपति इस समारोह के मुख्य अतिथि थे।
- प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 20 दिसंबर 2021 से 24 दिसंबर 2021 तक और विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 25 दिसंबर 2021 को सुशासन सप्ताह का आयोजन किया गया।
- राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के मंडप का निर्माण किया गया और 30 जनवरी से 5 मार्च 2022 तक प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में माघ मेला के दौरान लगाया गया।
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा 12 फरवरी, 2022 को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'स्माइल' के शुभारंभ का आयोजन किया गया।

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 7 मार्च 2022 को बैंक्वेट हॉल, द अशोक, नई दिल्ली में 'कन्या शिक्षा प्रवेश उत्सव' के शुभारंभ का आयोजन किया गया।
- उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा 15 मार्च, 2022 को विज्ञान भवन में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का आयोजन किया गया।
- नागर विमानन मंत्रालय द्वारा 24 से 27 मार्च 2022 तक हैदराबाद में आयोजित विंग्स एक्सपो के दौरान एनएमसीजी के मंडल को खड़ा करना।
- 26 मार्च, 2022 को कन्वेंशन हॉल, द अशोक में उद्योग एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा 'संपर्क समन्वय संवाद' का आयोजन किया गया।

Hon'ble President of India along with Hon'ble Minister for Social Justice & Empowerment and MoS-Ministry of Social Justice & Empowerment giving the National Award for 2021- 2022 in the field of Empowerment of Persons with Disabilities at an event managed by Ashok Events Division at Vigyan Bhawan, New Delhi.

12-13 v'kkd bVju'kuy VªM ¼,vkÃVh½

आईटीडीसी का अशोक इंटरनेशनल ट्रेड (एआईटी) प्रभाग आईएसओ 9000:2015 प्रमाणित प्रभाग है और अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को ड्यूटी फ्री शॉपिंग की सुविधाएं प्रदान करता है। आईटीडीसी सीपोर्ट पर अपने ड्यूटी फ्री व्यवसाय को समेकित करने का प्रयास कर रहा है। आईटीडीसी के सीपोर्ट ड्यूटी फ्री आउटलेट भारत के तटीय शहरों के आसपास क्रूज पर्यटन सृजित करने के लिए भारत सरकार की योजनाओं के अनुरूप हैं। वर्तमान में, इस प्रभाग की कामराजर, कोलकाता, हल्दिया, चेन्नई, कांडला, मैंगलोर, विशाखापत्तनम, गोवा, पारादीप, काकीनाडा, कृष्णापटनम, कोचीन, वीओ चिदंबरनार और जेएनपीटी सीपोर्ट पर 14 ड्यूटी फ्री दुकानें हैं। ये ड्यूटी फ्री आउटलेट अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधा के रूप में काम करते हैं और क्रूज यात्री की संख्या को वर्तमान में 0.4 मिलियन से बढ़ाकर 4 मिलियन करने के लिए भारत सरकार के विजन को भी मजबूत करते हैं।

महामारी की मौजूदा स्थिति के बावजूद, प्रभाग अपनी दुकानों पर सुचारू और निर्बाध संचालन कर रहा है और अच्छी बिक्री और लाभप्रदता को बनाए हुए है।

एआईटीडी पोर्ट्स ट्रैवल रिटेल स्पेस में उत्पन्न हो रहे व्यवसाय के अवसरों का भी ध्यान से लाभ उठाना जारी रखेगा और स्थायी ड्यूटी फ्री शॉप के छूट संबंधी अधिकारों के लिए बोली लगाएगा।

12-14 v'kksd Vªoy ,.M Vqj ¼,VhVh½

अशोक ट्रैवल्स एंड टूर्स (एटीटी) आईटीडीसी का ट्रैवल विंग है, जिसकी उपस्थिति पूरे भारत में 05 शहरों यानी दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर और हैदराबाद में है।

व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय के आदेशों के अनुसार, एटीटी भारत सरकार और इसके कार्यालयों तथा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों को एयरलाइन के टिकट उपलब्ध कराने के लिए वरीयता प्राप्त एजेंसी है। इसके अतिरिक्त, एटीटी परिवहन, टूर और कार्गो के व्यवसाय में भी है।

12-15 tu lEidZ ,oa laLd`fr çHkkx

आईटीडीसी का जन संपर्क एवं संस्कृति प्रभाग कम्पनी की ब्रांड छवि को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है।

विभाग ने पारंपरिक और डिजिटल दोनों क्षेत्र में मास मीडिया के माध्यम से जनता तक सूचना का प्रसार किया और विभिन्न विकासात्मक / सांस्कृतिक / सीएसआर / जागरूकता कार्यक्रमों में नैरेटिव तैयार करके महत्वपूर्ण योगदान दिया। आईटीडीसी की डिजिटल विपणन योजना के हिस्से के रूप में, हमने अपनी कंपनी का प्रचार करने के लिए फेसबुक, ट्विटर, इंटाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की शक्ति का लाभ उठाया है। इसके अतिरिक्त, हमने लक्षित दर्शकों के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए कंटेंट मार्केटिंग जैसे ऑनलाइन अभियान शुरू किए हैं, जैसे कि हाल ही में हमारा लॉन्च किया गया वन अभियान, जो संबंधित दर्शकों को लक्षित करते हुए सभी वर्टिकल और उनकी सेवाओं को रेखांकित करता है।

अशोक होटल के लिए नियोजन योजना के भाग के रूप में, होटल की एफ एंड बी क्षमता को बढ़ावा देने के विशिष्ट लक्ष्यों के साथ विभाग ने एक संचार योजना विकसित और कार्यान्वित की। होटल के रेस्तरां में खाद्य समीक्षा और ब्रांड संवर्धन की गतिविधियों का आयोजन किया गया।

आईटीडीसी ने एक प्रभावी सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) रणनीति भी विकसित की है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारी वेबसाइट संभावित ग्राहकों को आसानी से दिखाई दे। जुड़ाव बढ़ाने के लिए, हमारा लक्ष्य विभिन्न ऑनलाइन गतिविधियों के माध्यम से ग्राहकों को शामिल करना है। हमारा लक्ष्य ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ग्राहक सहायता प्रदान करना भी है। हम अभियानों के निष्पादन का नियमित रूप से विश्लेशण करेंगे और उसके अनुसार उन्हें अनुकूलित करेंगे।

यह प्रभाग अपने सभी वर्टिकल के साथ आईटीडीसी के बारे में एक नए दृष्टिकोण के साथ सक्रिय रूप से सूचना का प्रसार कर रहा है। पारंपरिक मास मीडिया सूचना प्रसार में, आईटीडीसी प्रिंट और डिजिटल मोड में व्यापार पत्रिकाओं और जर्नल की सेवाओं का उपयोग करता रहा है।

12-16 v’kkd ijke’kÊ ,o bthfu;Çjx lok,

अशोक कंसल्टेंसी एंड इंजीनियरिंग सर्विसेज प्रभाग (आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित प्रभाग) आईटीडीसी के मुख्य वर्टिकल में से एक है, जो पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं की अवधारणा से लेकर कमीशनिंग, आईटीडीसी की संपत्तियों और एसईएल शो के उन्नयन और नवीकरण के लिए सुविधा प्रदान करता है। इसके अलावा, यह पर्यटन मंत्रालय, राज्यों के पर्यटन विभागों तथा अन्य निजी संस्थाओं को परामर्शी सेवाएं प्रदान करता है।

यह प्रभाग पर्यटन अवसंरचना विकास के कार्यों, व्यवहार्यता रिपोर्ट से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में सक्रिय रूप से शामिल है और पर्यटन मंत्रालय, विभिन्न राज्य सरकारों और निजी एजेंसियों आदि को परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। इसमें अनुभवी इंजीनियरों और वास्तुकारों की एक टीम है जो पर्यटन अवसंरचना के विकास में अत्यन्त निपुण हैं। इस प्रभाग ने 110 से अधिक पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन किया है और पर्यटन क्षेत्र में अब तक 105 से अधिक विस्तृत परियोजना रिपोर्टें तैयार की हैं।

यह प्रभाग 66.42 करोड़ रुपये की राशि से केरल में श्री नारायण गुरु आध्यात्मिक परिपथ के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत पर्यटन अवसंरचना परियोजना, दमोह, मध्य प्रदेश में बेताल झील में केंद्रीय वित्त सहायता योजना, आईटीडीसी के तहत 23.16 करोड़ रुपये की राशि से पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत अवसंरचना कार्य का क्रियान्वयन कर रहा है। इस प्रभाग ने 53.00 करोड़ रुपये की राशि से सीहोर जिले में सलकानपुर के विकास, 50.90 करोड़ रुपये की राशि से काकड़पुरा तालाब, टंट्या मामा भील समाधि मंदिर (पातालपानी) में व्यू प्वाइंट ब्रिज नंबर 647 के साथ विभिन्न अवसंरचना के विकास, महू, जिला इंदौर, मध्य प्रदेश में कालाकुंड और जानापाव के विकास और सीएफए योजना के तहत 28.19 करोड़ रुपये की राषि से बेहट, जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न अवसंरचना के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए पर्यटन मंत्रालय के अनुमोदन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार और प्रस्तुत की है। पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत पूर्ण परियोजनाओं के निर्दिष्ट घटकों के संचालन और रखरखाव के मूल्यांकन में आईटीडीसी को स्वतंत्र एजेंसी के रूप में भी नियुक्त किया। विभिन्न अन्य प्रतिष्ठित परियोजनाओं के अलावा, प्रभाग देश के विभिन्न राज्यों में पर्यटन मंत्रालय / राज्य सरकारों द्वारा 56.87 करोड़ रुपये के लिए स्वीकृत कुछ सबसे प्रतिष्ठित एसईएल शो निष्पादित कर रहा है जिसमें लेह पैलेस (लद्दाख), कारगिल (लद्दाख), सरखेज रोजा – अहमदाबाद, यादविंद्रा गार्डन (पिंजौर, हरियाणा), उदयगिरी खंडगिरि की गुफाएं (भुवनेश्वर), निगीन झील (श्रीनगर) और पुराना किला (नई दिल्ली) में मल्टीमीडिया / एसईएल शो शामिल हैं। 22 नवंबर, 2022 को माननीय पर्यटन मंत्री श्री जी किशन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में एसईएल शो का उद्घाटन किया।

12-17 v’kkd vkfrF; ,o i;Vu çcèk lLFkku

अशोक आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंध संस्थान (एआईएचएंडटीएम) भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के मानव संसाधन प्रभाग का आतिथ्य प्रशिक्षण संस्थान है। यह संस्थान 2 परिसरों में फैला है, जिनमें एक होटल सम्राट, उत्कृष्टता केंद्र, नई दिल्ली में और दूसरा कुतुब कैम्पस, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली में है। यह संस्थान आईटीडीसी के कर्मचारियों के इन–हाउस प्रशिक्षण के लिए वर्ष 1971 में अस्तित्व में आया था। यह संस्थान विभिन्न डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के साथ–साथ आतिथ्य के क्षेत्र में पर्यटन मंत्रालय के कौशल विकास पाठ्यक्रम की पेशकश कर रहा है। एनसीएचएमसीटी / इग्नू के साथ संबद्धता में एआईएचएंडटीएम आतिथ्य एवं होटल प्रशासन (एचएंडएचए) में तीन वर्षीय बीएससी पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है।

एआईएचएंडटीएम निम्नलिखित कार्यक्रमों / पाठ्यक्रमों का भी संचालन करता है :

- जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के सहयोग से बी. वीओसी (फूड प्रोडक्शन में) और आतिथ्य प्रबंध में डिप्लोमा।
- राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान (एनआईओएस), मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ संयुक्त रूप से खाद्य उत्पादन, बेकरी और कन्फेक्शनरी, फ्रंट ऑफिस, हाउसकीपिंग तथा एफएंडबी सेवा में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम।
- पर्यटन मंत्रालय के हुनर से रोजगार (एचएसआर), कौशल परीक्षण और प्रमाणन (एसटीसी) तथा उद्यमिता कार्यक्रम (ईपी) कार्यक्रम
- पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के सीबीएसपी कार्यक्रम (सेवा प्रदाता के लिए क्षमता निर्माण) के तहत आईटीडीसी के एआईएचएंडटीएम, एचआरडी प्रभाग ने एक बुनियादी विदेशी भाषा अर्थात फ्रेंच और जर्मन के साथ व्यवहार और सॉफ्ट कौशल पर पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम (जो पर्यटन मंत्रालय द्वारा पूर्णतः प्रायोजित है) के तहत टैक्सी/कैब/कोच चालकों के प्रशिक्षण का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य टैक्सी/कैब चालकों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक कौशल को निखारना है ताकि वे किसी परेशानी के बगैर और सम्मानजनक तरीके से घरेलू और

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के साथ संवाद करने में सक्षम हो सकें। पूरे कार्यक्रम की अवधि 16 घंटे है और इसे टैक्सी/कोच चालकों के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि वे अपनी दैनिक कमाई न खो दें। पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले उम्मीदवारों को योजना के अनुसार प्रतिदिन 300/– रुपये का वजीफा प्रदान किया जाता है। एआईएचटीएम ने योजना के तहत 299 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया है। कुल उम्मीदवारों में से 134 महिला लाभार्थियों की तुलना में पुरुष लाभार्थियों की संख्या 165 है।

- पाठ्यक्रम के दौरान उम्मीदवारों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक माध्यमों से सॉफ्ट स्किल्स, व्यवहार कौशल, व्यक्तिगत और कार्यस्थल की स्वच्छता, दिल्ली में पर्यटन महत्व के स्थानों, प्राथमिक चिकित्सा, कोविड प्रोटोकॉल, विदेशी भाषा आदि पर जानकारी दी गई है। उद्योग जगत के व्यापार विशेषज्ञों ने अपनी कक्षाओं का संचालन किया और बुकलेट के रूप में साहित्य भी वितरित किया गया। माननीय पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ने 30 नवंबर, 2022 को अशोक होटल में आयोजित एक कार्यक्रम में टीएपी को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र प्रदान किया।
- आईटीडीसी ने "उद्यमिता विकास कार्यक्रम" के तहत आईटीडीसी के एचआरडी प्रभाग के भीतर एक समानांतर वर्टिकल बनाया है और एनआईईएसबीयूडी के सहयोग से पेषेवरों के विभिन्न बैचों को प्रशिक्षित किया है, जिसमें उम्मीदवारों को उद्यमशीलता का प्रशिक्षण दिया गया है और आईटीडीसी और एनआईईएसबीयूडी द्वारा अपना उद्यम शुरू करने में उनकी सहायता भी की जा रही है।
- देश के विभिन्न पेषेवर आतिथ्य संस्थानों से औद्योगिक प्रशिक्षार्णियों को सेवाकालीन प्रशिक्षण।
- विभिन्न सरकारी विभागों / संस्थाओं के लिए अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के तहत प्रशिक्षुता प्रशिक्षण।
- उपरोक्त के अलावा, यह संस्थान नियमित आधार पर अपने कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। संस्थान वर्ष के दौरान निगम के कर्मचारियों के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान निविदा प्रक्रिया, कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, ग्रूमिंग क्लास, विक्रेता कार्यशाला पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

12-18 i;koj.k çcèku dh igy

जिम्मेदार सीपीएसई होने के नाते आईटीडीसी ने अपनी अधिकांश यूनिटों में ऊर्जा संरक्षण के अन्य उपायों के साथ ईटीपी, वर्षा जल संचय प्रणाली, सौर ऊर्जा आदि जैसे विभिन्न पर्यावरण हितैषी उपायों को अपनाया है। सतत अपशिष्ट जल शोधन के लिए आईटीडीसी की सभी संपत्तियों में एसटीपी / ईटीपी इंस्टाल किए गए हैं। द अशोक / सम्राट होटल की क्षमता 1 एमएलडी एसटीपी की है और होटल कलिंगा अशोक, भुवनेश्वर में एसटीपी/ईटीपी की क्षमता 30 केएलडी है। पर्यावरण के लिए खतरनाक और हानिकारक कचरे को कम करने के लिए होटल अशोक और सम्राट में जैविक अपशिष्ट परिवर्तक भी स्थापित किया गया है। ऊर्जा की बचत करने के लिए अशोक होटल, नई दिल्ली और होटल कलिंग अशोक, भुवनेश्वर में सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम लगाया गया है। इसके अलावा, होटल कलिंग अशोक द्वारा अपने परिसर में स्टैंड अलोन सोलर स्ट्रीट लाइटें भी लगाई गई हैं।

आईटीडीसी के निष्पादन मानकों को पर्यावरणीय एवं सामाजिक जोखिम प्रबंधन के लिए बेंचमार्क के रूप में मान्यता प्रदान की गई है तथा विभिन्न संगठनों से प्रमाण पत्र प्राप्त किए गए हैं। अशोक होटल, नई दिल्ली 2017 से यूएस ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के तहत एलईईडी गोल्ड प्रमाणित होटल है। इसी तरह, होटल सम्राट भी यूएस ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल से एलईईडी गोल्ड प्रमाणन प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।

12-19 dkjikjV lkekftd ftEenkjh ¼lh, lvkj½

आतिथ्य उद्योग पर महामारी के प्रभाव के कारण, वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान आईटीडीसी को घाटा हुआ और इसलिए वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान हुए 25.46 लाख रुपये के अतिरिक्त व्यय को वित्त वर्ष 2021–22 के सीएसआर व्यय के विरुद्ध समायोजित करने का निर्णय लिया गया। वित्त वर्ष 2021–22 के लिए निर्धारित व्यय 26.86 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान, निगम ने सीएसआर व्यय के रूप में जबलपुर, मध्य प्रदेश के कलेक्टर के कार्यालय के लिए मैसर्स नॉर्थईस्ट कंस्ट्रक्शन से जील रिससिटेषन किट की खरीद पर 1.60 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि खर्च की। इस प्रकार वित्त वर्ष 2021–22 के दौरान सीएसआर का कुल व्यय (25.46 लाख रुपये का समायोजित व्यय सहित) 26.86 लाख रुपये के निर्धारित व्यय के मुकाबले 27.06 लाख रुपये था।

12-20 ekuo lalkèku çcèku

वर्ष 2022–23 के लिए (01 दिसंबर, 2022 की स्थिति के अनुसार) आईटीडीसी के कर्मचारियों की कुल संख्या 582 है जिसमें 163 कार्यपालक और 419 गैर कार्यपालक कर्मचारी शामिल हैं। इसमें अनुसूचित जाति के 164 कर्मचारी, अनुसूचित जनजाति के 15 और अन्य पिछड़ा वर्ग के 46 कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा, कुल कर्मचारियों में महिला कर्मचारियों की संख्या 88 है।

आईटीडीसी में औद्योगिक संबंध की समग्र स्थिति सामंजस्यपूर्ण और सौहार्दपूर्ण बनी रही।

12-21 lpuk çk|kfxdh dh igy

जीएसटी सर्वर से ई–चालान के ऑटो जनरेशन के लिए एपीआई कॉन्फ़िगरेशन के माध्यम से प्रोटेल, कैशक्स और टैली बिलिंग सॉफ़्टवेयर में सरकारी नीति आधारित पहल ई–चालान को कार्यान्वित और संरचित किया गया। लेखांकन सॉफ्टवेयर टैली का ईआरपी9 से प्राइम वर्जन में उन्नयन किया गया। कर्मचारी हितैषी पहल करना। नए सरकारी मानदंडों के अनुसार बिल ट्रैकिंग प्रणाली का पुनर्गठन किया गया। होटल आरक्षण के लिए चैनल मैनेजर सॉफ्टवेयर लगाया गया। कंपनी की द्विभाषी वेबसाइट को समय–समय पर नवीनतम जानकारी और डेटा के साथ अपडेट भी किया जा रहा है। बोर्ड की बैठकों सहित ऑनलाइन बैठकों का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जा रहा है ताकि सामाजिक दूरी का पालन हो सके, समय, धन की बचत हो सके और संचार में सुधार हो सके। आईटीडीसी मॉड्यूल के लिए https:/etenders.gov.in में सीधे ऑनलाइन भुगतान के लिए भुगतान गेटवे, होटल कलिंग अशोक में नए पीएमएस और ताज रेस्तरां आगरा में नए पीओएस सिस्टम, एमएसएमई विक्रेता के प्रबंधन के लिए एकाउंटिंग एप्लिकेशन टैली में एमएसएमई मॉड्यूल के लिए प्रावधान को सक्षम करके नई पहल की गई।

Sh. G. Kishan Reddy, Hon'ble Minister of Tourism, Culture & DoNER along with Sh. G. Kamala Vardhana Rao, IAS, Managing Director, ITDC and Sh. Piyush Tiwari, Director (C&M), ITDC during the Certificate Distribution for Taxi/Coach/Cab Drivers. ITDC trained almost 300 drivers in the first tranche of which 150 were lady drivers. This program is aimed at capacity building with soft skills and foreign language component, preparing a pool of frontline service providers towards G-20.

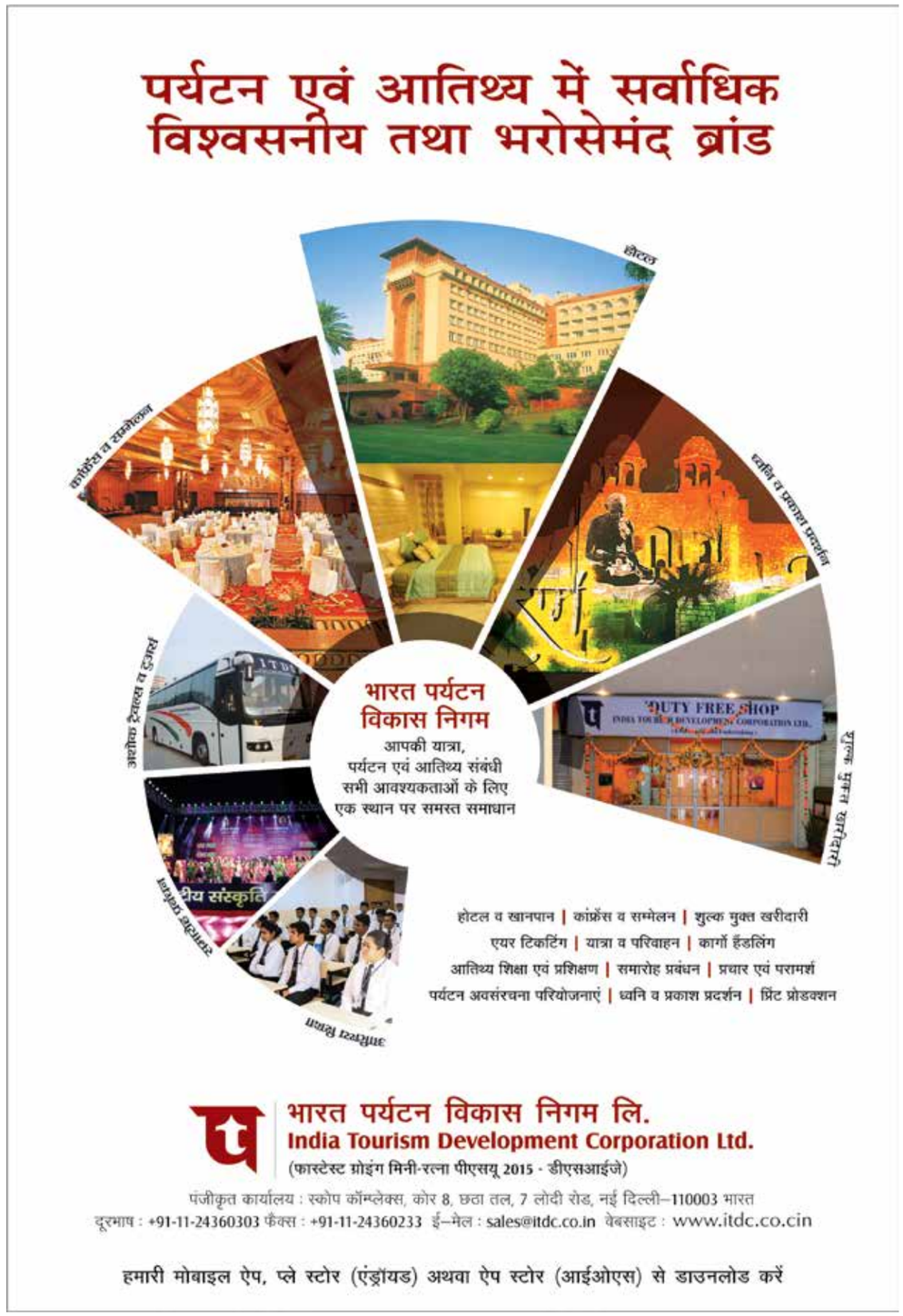

13

lkf[;dh] lo{k.k vkj vè;;u

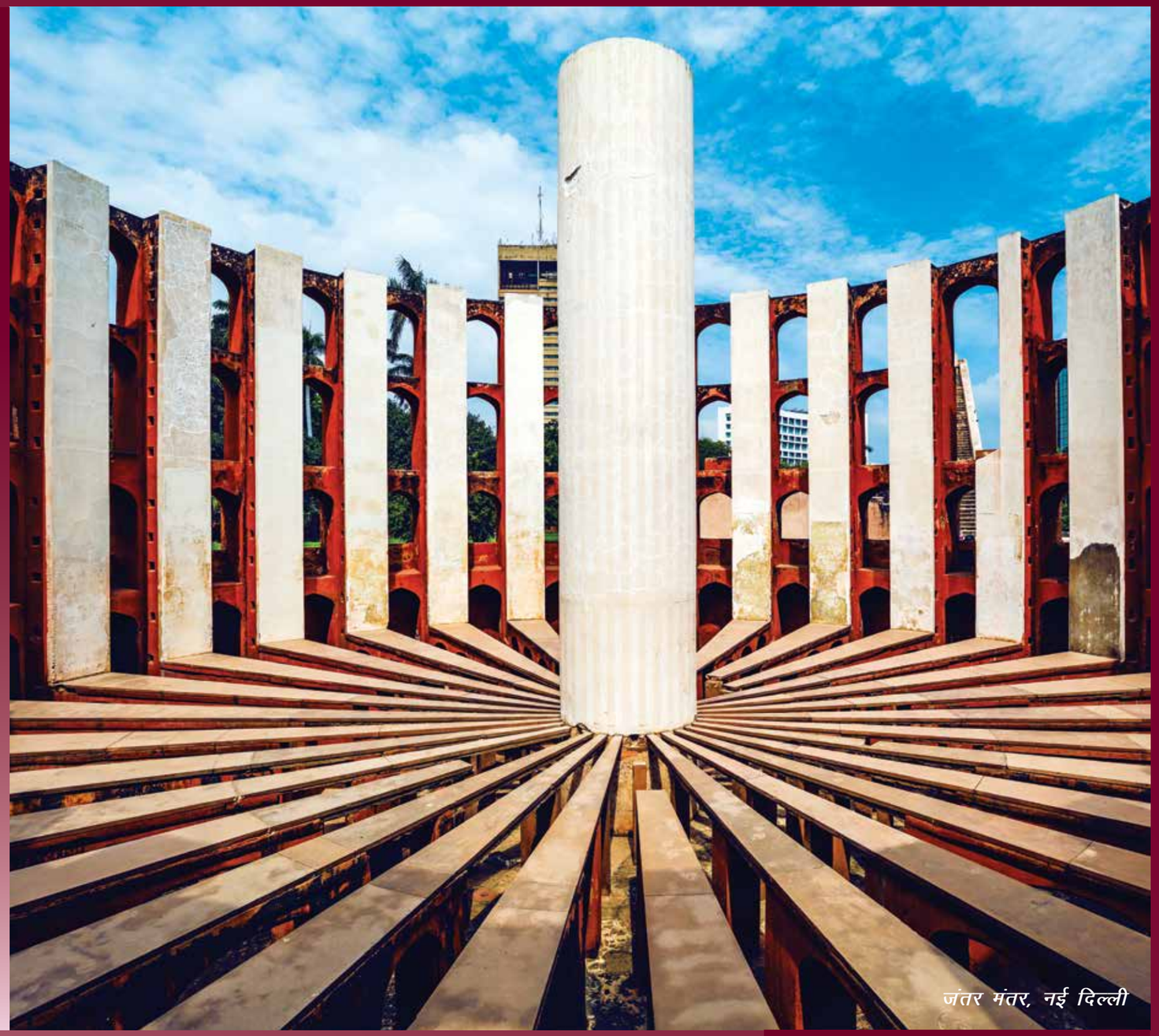

जंतर मंतर, नई दिल्ली

vè;k;

13.

lkf[;dh] lo{k.k vkj vè;;u

13-1 lpuk vkj vuqlèkku fØ;kdyki

सांख्यिकीय डेटा सुदृढ़ सबूत आधारित निर्णय लेने, किसी भी नीति और कार्यक्रम की योजना बनाने, कार्यान्वयन करने और निगरानी करने के लिए अपरिहार्य उपकरण हैं। परिणामस्वरूप, डेटा के विवरण और विश्वसनीयता का स्तर, साथ ही इसकी व्याख्या और उपयोग का स्तर, ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों की कारगरता पर सीधा प्रभाव डालता है। पर्यटन सांख्यिकी उनमें से एक है।

पर्यटन मंत्रालय का बाजार अनुसंधान प्रभाग भारत में अंतर्गामी, निर्गामी और घरेलू पर्यटन के विभिन्न पहलुओं पर पर्यटन सांख्यिकी के संग्रह, संकलन और प्रसार के लिए जिम्मेदार है। प्रभाग द्वारा एकत्र किए गए प्रमुख आंकड़ों में विदेशी पर्यटक आगमन, घरेलू और विदेशी पर्यटकों के दौरे, पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय आदि पर डेटा शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू पर्यटकों की प्रोफाइल, खर्च के पैटर्न, पर्यटकों की पसंद, संतुष्टि के स्तर आदि का आकलन करने के लिए समय–समय पर सर्वेक्षण भी किए जाते हैं।

पर्यटन के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना और सांख्यिकी तथा बाजार अनुसंधान के क्षेत्र में राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी के साथ–साथ वित्तीय सहायता प्रदान करना इस प्रभाग के अन्य प्रमुख कार्य हैं। मंत्रालय की आवश्यकता के आधार पर, इस प्रभाग ने पर्यटन सर्वेक्षण, आर्थिक और सांख्यिकीय अनुसंधान अध्ययन भी किए जो देश में पर्यटन के विकास के लिए नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने के लिए इनपुट प्राप्त करने में उपयोगी हैं। टूरिज्म सैटेलाइट एकाउंट, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद के साथ–साथ रोजगार में पर्यटन के योगदान को मापता है, तैयार करना भी इस प्रभाग के प्रमुख कार्यों में से एक है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय का बाजार अनुसंधान प्रभाग डेटा और अन्य अनुसंधान संबद्ध मामलों आदि में जानकारी प्रदान करने के लिए यूएनडब्ल्यूटीओ, डब्ल्यूईएफ, पाटा जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ समन्वय करता है।

13-2 lok çnkrk dh fy, {kerk fuekZ.k ¼lhch,lih½ ;kstuk ds rgr cktkj vuqlèkku is'koj lok ¼,evkjih,l½

बाजार अनुसंधान पेशेवर सेवा (एमआरपीएस) की गतिविधियों का मूल उद्देश्य पर्यटन के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना और देश में पर्यटन के विकास के लिए नीति निर्माण और योजना बनाने के लिए विश्वसनीय जानकारी जुटाना है। एमआरपीएस की गतिविधियों का उद्देश्य नीतिगत दिशानिर्देशों के लिए समकालीन अनुसंधान इनपुट प्रदान करके और नीतिगत पहलों के संकेंद्रित कार्यान्वयन के तरीके की तलाश करके पर्यटन की व्यवस्थित योजना बनाने में व्यावसायिकता लाना है।

एमआरपीएस की गतिविधियां राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को उनसे संबंधित विषयों पर अनुसंधान अध्ययन / सर्वेक्षण / व्यवहार्यता अध्ययन करने / मास्टर प्लान तैयार करने के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करती हैं। यह पर्यटन क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं / सेमिनारों का आयोजन करने और पर्यटन के विकास के लिए विशेषज्ञों, राज्य सरकारों, उद्योग, बुद्धिजीवियों आदि से इनपुट प्राप्त करने के लिए संस्थानों को सीएफए भी प्रदान करता है।

मंत्रालय की आवश्यकता पर एमआरपीएस की गतिविधियों के दायरे में अनुसंधान अध्ययन और सर्वेक्षण भी किए गए हैं जो पर्यटन के लिए नीतियों और योजनाओं के विकास के लिए आधार बने।

एमआरपीएस की गतिविधियों के तहत वर्ष 2022 के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान किए गए हैं :

(i) नीति निर्माण तथा आयोजना के प्रयोजनार्थ मंत्रालय को संगत डेटा / सूचना / रिपोर्ट / इनपुट उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन से संबंधित सर्वेक्षण, अध्ययन, प्लान, बाजार अनुसंधान / संभाव्यता अध्ययन / प्रकाशन आदि।

- अध्ययन :

  i.k

  क. ''भारत और कोरोना वायरस महामारी : पर्यटन में शामिल परिवारों के लिए आर्थिक नुकसान तथा बहाली हेतु नीतियां'' पर अध्ययन

  ख. भारतीय हिमालय क्षेत्र की पाककला विरासत पर अध्ययन

  py jgs

  क. 'भारत में केंद्रीय स्तर पर संरक्षित स्मारकों में आगंतुकों के आगमन की हालिया रुझानों का विश्लेषण' पर अध्ययन

  ख. ''भारत में पर्यटन के संवर्धन में लग्जरी ट्रेनों की भूमिका'' पर अध्ययन

ग. ''राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में घरेलू और विदेशी पर्यटक आगमन / यात्रा पर डेटा के लिए क्षमता निर्माण'' पर अध्ययन

घ. "अवसंरचना और स्वच्छता के क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों का आकलन" पर अध्ययन

ङ. ''भारत और कोरोना वायरस महामारी : पर्यटन में शामिल परिवारों के लिए आर्थिक नुकसान तथा बहाली हेतु नीतियां – चरण 2'' पर अध्ययन पर

(ii) मास्टर प्लान / संकल्पना प्लान / संभाव्यता अध्ययन के लिए तथा पर्यटन से संबंधित सांख्यिकीय सर्वेक्षण एवं अध्ययन संचालित करने के लिए राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए)।

- सर्वेक्षण :

py jg

क. महाराष्ट्र के लिए पर्यटन सांख्यिकी के संग्रह पर सर्वेक्षण के लिए एजेंसी / परामर्शदाता की नियुक्ति।

ख. केरल में तीन वर्षों के लिए "सतत पर्यटन सर्वेक्षण"।

(iii) पर्यटन क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं / सेमिनारों आदि का आयोजन करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों / केंद्रीय विश्वविद्यालयों को सहायता प्रदान करना और पर्यटन के विकास के लिए विशेषज्ञों, राज्य सरकारों, उद्योग, बुद्धिजीवियों आदि से इनपुट प्राप्त करना। इसके अलावा, पर्यटन अनुसंधान के बारे में जानकारी के व्यापक प्रसार के लिए पर्यटन के क्षेत्र में शोध पत्रिकाओं का प्रकाशित करना।

- जर्नल

i.k

(i) होटल प्रबंध, केटरिंग और पोषण संस्थान, पूसा, नई दिल्ली द्वारा हॉस्पिटैलिटी एंड एप्लाइड साइंस की द्विवार्शिक पत्रिका का खंड VII 2021

py jg

(ii) होटल प्रबंध, केटरिंग और पोशण संस्थान, पूसा, नई दिल्ली द्वारा हॉस्पिटैलिटी एंड एप्लाइड साइंस की द्विवार्शिक पत्रिका का खंड VIII 2022 ।

- सम्मेलन

i.k

क. 28 से 30 जनवरी, 2022 के दौरान जामिया मिलिया इस्लामिया में "पर्यटन और आतिथ्य में उद्यम और उद्यमिता" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

ख. 24 से 26 अगस्त, 2022 के दौरान "आतिथ्य और पर्यटन – पुनरुद्धार की रणनीतियाँ" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए होटल प्रबंध, केटरिंग और पोषण संस्थान, पूसा, नई दिल्ली को सीएफए

py jg

क. 19 और 20 जनवरी, 2023 को धार्मिक पर्यटन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जो बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित किया जाएगा।

ख. "ग्रामीण पर्यटन और वैकल्पिक आवास : परिप्रेक्ष्य और चुनौतियां'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जो होटल प्रबंध, केटरिंग प्रौद्यागिकी और अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा 9 से 11 फरवरी, 2023 के दौरान का आयोजन किया जाएगा।

13-3 çdk'ku

बाजार अनुसंधान प्रभाग ने 2022 के दौरान एक नजर में भारत पर्यटन सांख्यिकी 2022 और भारत पर्यटन सांख्यिकी 2022 नाम से दो वार्षिक प्रकाशन निकाले हैं। ये प्रकाशन सूक्ष्म स्तर पर पर्यटन से संबंधित संकेतकों पर विस्तृत आंकड़े प्रदान करते हैं, जैसे कि अंतर्गामी पर्यटकों की प्रोफाइल, आगमन पैटर्न, ठहरने की अवधि आदि। इसके अलावा, अप्रवासन ब्यूरो से प्राप्त अनंतिम आंकड़ों के आधार पर, बाजार अनुसंधान प्रभाग पर्यटन सांख्यिकी पर मासिक आधार पर संक्षिप्त नोट निकालता है। उपर्युक्त प्रकाशन और संक्षिप्त नोट https://tourism.gov.in/market-research-and-statistics पर उपलब्ध हैं।

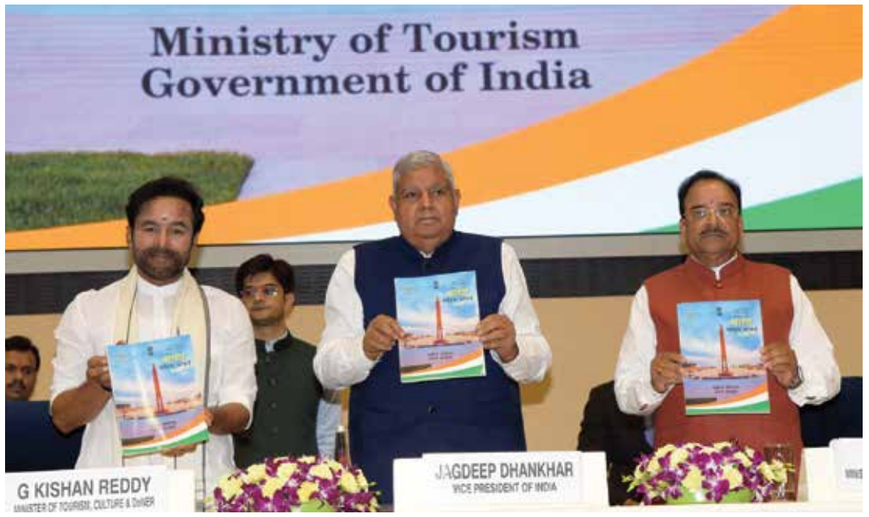

13-4 o"k 2022 d nkjku i;Vu lkf[;dh dh e[; fo'kkrk,

d- vrxkeh i;Vu

- fons'kh i;Vd vkxeu

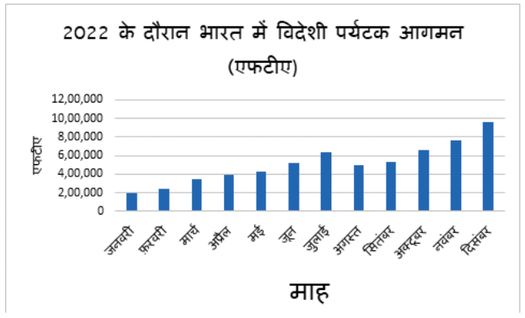

2022 के दौरान एफटीए 6.19 मिलियन (अनंतिम) था जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 305.4 प्रतिशत अधिक है।

- vfuoklh Hkkjrh;k ¼,uvkjvkÃ½ dk vkxeu

वर्ष 2014 से, पर्यटन मंत्रालय ने वार्षिक आधार पर अनिवासी भारतीयों के आगमन के आंकड़े संकलित करना शुरू किया और वर्ष 2021 में भारत में आने वाले अनिवासी भारतीयों की संख्या 5.48 मिलियन थी।

- vrjk"Vh; i;Vd vkxeu ¼vkÃVh,½

यूएनडब्ल्यूटीओ के अनुरूप आईटीए में एफटीए और एनआरआई आगमन दोनों शामिल हैं। वर्ष 2021 में भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन 7.00 मिलियन था।

- fons'kh eqnk vk; ¼,QÃÃ½

वर्ष 2022 की अवधि के दौरान विदेशी मुद्रा आय 1,34,543 करोड़ रुपये (अनंतिम आकलन) थी जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 106.77 प्रतिशत अधिक है।

वर्ष 2022 की अवधि के दौरान विदेशी मुद्रा आय 16.926 बिलियन अमेरिकी डॉलर (अनंतिम आकलन) थी जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 92.41 प्रतिशत अधिक है।

[k- fuxkeh i;Vu

- Hkkjrh; ukxfjd çLFkku ¼vkÃ,uMh½

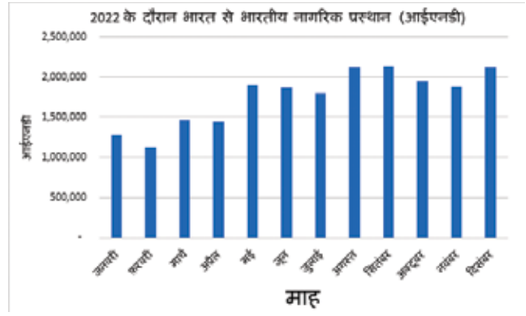

वर्ष 2022 के दौरान आईएनडी 21.09 मिलियन (अनंतिम) था जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 146.7 प्रतिशत अधिक है।

x- ?kjyw i;Vu

राज्य सरकारों /संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों और पर्यटन मंत्रालय के पास उपलब्ध अन्य जानकारी के अनुसार, वर्ष 2021 के दौरान देश भर में घरेलू पर्यटक आगमन (डीटीवी) की संख्या 677.63 मिलियन थी और विदेशी पर्यटक यात्रा (एफटीवी) की संख्या 10.55 मिलियन थी।

13-5 i;Vu mixg y[kk ¼Vh,l,½

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा हर साल तैयार किया गया राष्ट्रीय लेखा देश की जीडीपी की गणना करते समय विनिर्माण, कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों, सेवा जैसे कि बैंकिंग, परिवहन, बीमा आदि के विकास एवं योगदान का मूल्यांकन करता है। तथापि, राष्ट्रीय लेखा प्रणाली जीडीपी में पर्यटन के योगदान का मूल्यांकन करने में समर्थ नहीं है क्योंकि राष्ट्रीय लेखा प्रणाली उद्योग को जिस रूप में परिभाषित करती है उसके अनुसार पर्यटन उद्योग नहीं है।

पर्यटन मांग पर आधारित संकल्पना है जिसे इसके उपभोग द्वारा, न कि इसके आउटपुट द्वारा परिभाषित किया जाता है। इस बात पर ध्यान दिए बगैर कि इसका उपभोग पर्यटक या गैर पर्यटक द्वारा किया जाता है, राष्ट्रीय लेखा में परिभाषित उद्योग जैसे कि हवाई परिवहन, होटल और रेस्टोरेंट समान आउटपुट पैदा करते हैं। पर्यटक द्वारा उपभोग पर्यटन अर्थव्यवस्था को परिभाषित करता है जो राष्ट्रीय लेखा में उपलब्ध नहीं है। इसलिए जीडीपी में पर्यटन के योगदान का मूल्यांकन करने के लिए पर्यटन उपग्रह लेखा तैयार करने की आवश्यकता है।

अब तक पर्यटन मंत्रालय ने राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा संस्तुत कार्य पद्धति का अनुसरण करके वर्ष 2006, 2012 और

2018 में संदर्भ वर्ष 2002–03, 2009–10 और 2015–16 के लिए भारत का तीन टीएसए तैयार कराया है। टीएसए – संस्तुत कार्य पद्धति रूपरेखा (टीएसए : आरएमएफ) 2008 के अनुसार, किसी देश के टीएसए में 10 मानक तालिकाओं का सेट शामिल होता है जो अर्थव्यवस्था में पर्यटन के आर्थिक योगदान का अनुमान लगाने की कुंजी हैं। मानक संस्तुत फार्मेट में तालिकाएं तैयार करने तथा मानक विस्तृत कार्य पद्धति का अनुसरण करने से देशों के बीच समरूपता के कारण अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएं संभव होती हैं।

सीएसओ के आधार वर्ष 2011–12 के साथ राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के आंकड़ों का प्रयोग करके संदर्भ वर्ष 2015–16 के लिए 2018 में भारत का तीसरा टीएसए तैयार किया गया। मध्यवर्ती वर्षों तथा परवर्ती वर्षों अर्थात 2017–18, 2018–19 और 2019–20 के लिए तीसरे टीएसए के अनुसरण में अनुमान के अनुसार वर्ष 2017–18, 2018–19, 2019–20 और 2020–21 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार में पर्यटन का योगदान नीचे दिया गया है :

	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
thMhih esa 'ks;j ¼çfr'kr esa½	5.02	5.02	5.19	1.06
çR;{k ¼çfr'kr esa½	2.61	2.61	2.70	0.55
vçR;{k ¼çfr'kr esa½	2.41	2.41	2.49	0.51

टिप्पणी : उपरोक्त अनुमानों को एनएसए 2022 का प्रयोग करके अपडेट किया गया है।

	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
jkstxkj esa 'ks;j ¼çfr'kr esa½	14.78	14.87	13.50	12.91
çR;{k ¼çfr'kr esa½	6.44	6.48	5.89	5.63
vçR;{k ¼çfr'kr esa½	8.34	8.39	7.61	7.28
i;Vu dh dkj.k çR;{k $ vçR;{k ukSdfj;k	72.69	75.85	69.44	68.07

टिप्पणी : उपरोक्त अनुमानों को एनएसए 2022 का प्रयोग करके अपडेट किया गया है।

13-6 i;Vu lkaf[;dh dk lq<hdj.k dk fy, jkT;ks @ la?k jkT; {ks=ks dk {kerk fuekZ.k

पर्यटन मंत्रालय का बाजार अनुसंधान प्रभाग राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर घरेलू पर्यटक यात्रा (डीटीवी) और विदेशी पर्यटक यात्रा (एफटीवी) पर डेटा संकलित करता है। हालांकि, राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े समान पैटर्न में नहीं हैं। राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रदान किए गए गैर समान डेटा के मुद्दों को दूर करने और घरेलू और विदेशी पर्यटकों की यात्रा पर पर्यटन सांख्यिकी के व्यापक संग्रह के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने एक मानक पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति विकसित की है जो संयुक्त राष्ट्र की सांख्यिकी के अनुरूप है। यह कार्यप्रणाली विभिन्न जिलों और पर्यटन आकर्षणों में महत्वपूर्ण पर्यटन सांख्यिकी के संग्रह का मानकीकरण करने में मदद करेगी। पर्यटन सर्वेक्षण पद्धति के कार्यान्वयन से महत्वपूर्ण पर्यटन सांख्यिकी सामने आएगी जैसे कि विभिन्न आकर्षणों पर घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या, आगंतुकों की रूपरेखा, यात्रा का उद्देश्य, ठहरने की अवधि, खर्च, निवास स्थान के अनुसार आगंतुक, होटल आक्यूपेंसी आदि। यह डेटा अवसंरचना के उन्नयन, पर्यटन उत्पाद विकास आदि की योजना बनाने में पर्यटन मंत्रालय और राज्यों के पर्यटन विभागों के लिए काफी उपयोगी होगा।

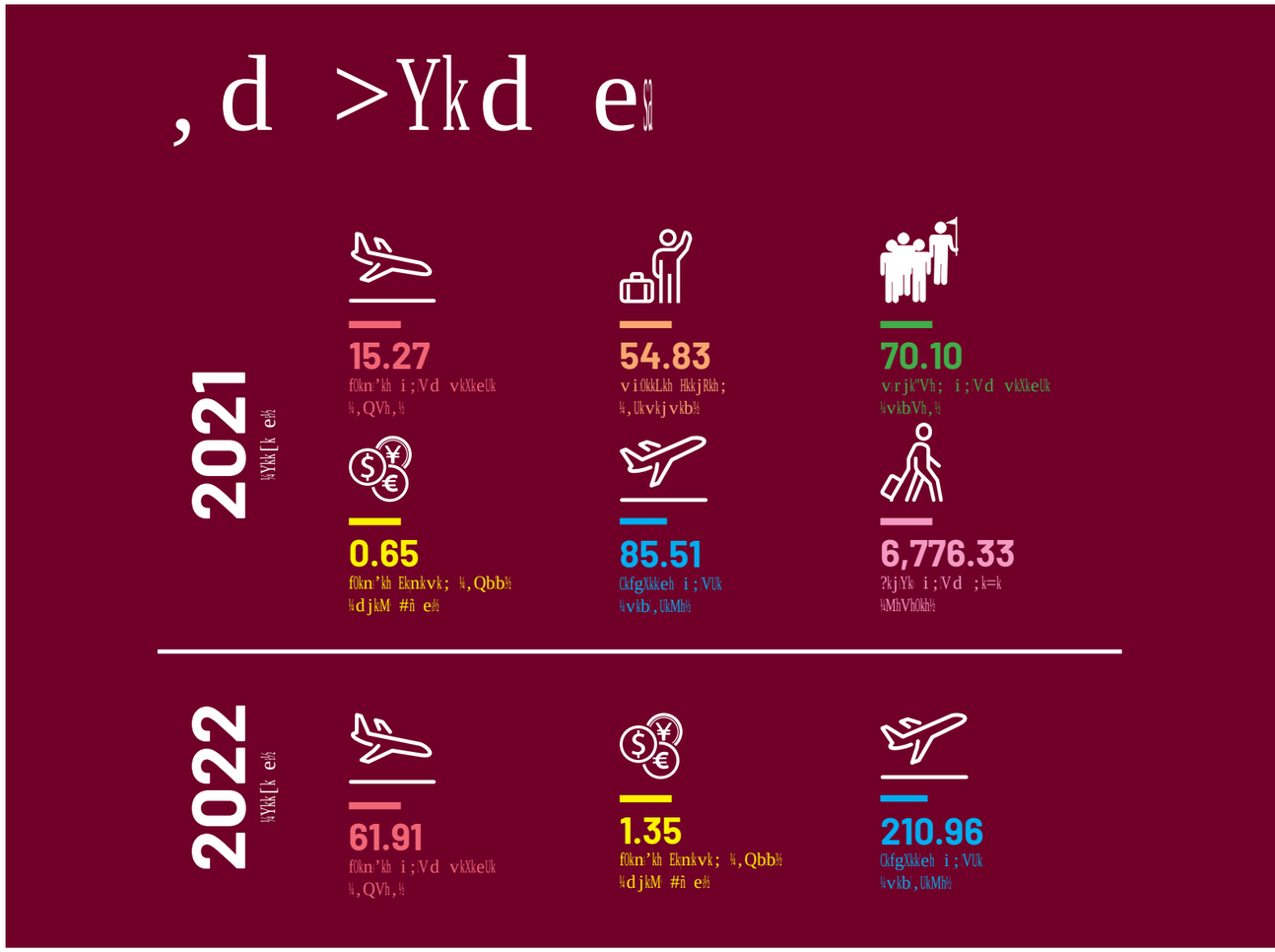

vè;k;

14

?kjsyw dk;kZy;

तखत श्री हरमंदिर जी, पटना साहिब, पटना, बिहार

vè;k;

14.

?kjy dk;ky;

पर्यटन मंत्रालय के देश भर में 20 घरेलू भारत पर्यटन कार्यालय हैं। ये कार्यालय राज्य पर्यटन विभागों और हितधारकों के समन्वय में अपने अपने क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों के कार्यान्वयन से संबंधित कार्य देखते हैं। घरेलू कार्यालय प्रभाग घरेलू कार्यालयों के कामकाज और गतिविधियों से संबंधित कार्य का समन्वय करता है।

14-1 or|eku o"k d nkjku ?kjy dk;ky; çHkkx vkj ?kjy dk;ky;k }kjk dh tk jgh çe|[k igyk @ xfrfofèk;k dk fooj.k bl çdkj g %

14-1-1- jkT;k d i;Vu ef=;k dk jk"Vh; lEeyu ¼18 l 20 flrcj 2022½] èke'kkyk] fgekpy çn'k %

देश में पर्यटन के विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार 18 से 20 सितंबर 2022 तक धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में माननीय

पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री जी किशन रेड्डी की अध्यक्षता में राज्यों के पर्यटन मंत्रियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है।

राज्यों के पर्यटन मंत्रियों के तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में कई केंद्रीय मंत्रियों, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन मंत्रियों, राज्यपालों, प्रशासकों और केंद्र सरकार, राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारियों और पर्यटन और आतिथ्य संघों के प्रमुखों ने भाग लिया। हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, असम, त्रिपुरा, मिजोरम, हरियाणा, सिक्किम, गोवा, मेघालय, कर्नाटक, लद्दाख, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, केरल, पंजाब आदि सहित कई राज्यों के माननीय पर्यटन मंत्रियों और सचिवों (पर्यटन) के अलावा श्री सद्गुरु जग्गी वासुदेव

जी, श्री कपिल देव और श्री आनंद महिंद्रा ने ऑनलाइन भाग लिया। सम्मेलन में विदेश मंत्रालय, मीडिया आदि के प्रतिनिधियों सहित लगभग 250 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

यह सम्मेलन पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों पर केंद्रित था, जिसमें पर्यटन अवसंरचना का विकास, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और विरासत पर्यटन, हिमालयी राज्यों में पर्यटन, जिम्मेदार और सतत पर्यटन, पर्यटन स्थलों के विपणन और प्रचार में डिजिटल प्रौद्योगिकी की भूमिका, भारतीय आतिथ्य क्षेत्र में होम स्टे का उभरता महत्व, आयुर्वेद, आरोग्यता, चिकित्सा मूल्य यात्रा और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल थे। पर्यटन मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा के साथ–साथ वन्यजीव पर्यटन, जिम्मेदार पर्यटन, जी–20 के पर्यटन संबंधी पहलू जैसे अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

14-1-2- vrjk"Vªh; i;Vu ekVZ ¼17 ls 19 uocj 2022½ vkbtky] fetkje %

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पूर्वोत्तर क्षेत्र की पर्यटन क्षमता को उजागर करने के उद्देश्य से माननीय पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री जी किशन रेड्डी की अध्यक्षता में 17 से 19 नवंबर 2022 तक आइजोल, मिजोरम में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 10वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) का आयोजन किया है।

तीन दिवसीय आईटीएम कार्यक्रम में पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, माननीय मुख्यमंत्रियों और माननीय पर्यटन मंत्रियों, राज्य सरकारों, और

पर्यटन एवं आतिथ्य संघों के प्रमुखों, युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों, आदि ने भाग लिया।

यह कार्यक्रम पूर्वोत्तर में हरित और सतत पर्यटन के साथ–साथ निवेश पर सत्र शुरू करके "पर्यटन ट्रैक के लिए जी–20 की प्राथमिकताओं" पर केंद्रित था। मार्ट ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के 8 राज्यों के पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों एवं उद्यमियों को एक मंच पर लाया। इस कार्यक्रम ने क्रेताओं, विक्रेताओं, मीडिया, सरकारी, एजेंसियों और अन्य हितधारकों के बीच बातचीत को भी सुगम बनाया।

मार्ट में पूर्वोत्तर राज्यों की पर्यटन क्षमता पर उनके द्वारा प्रस्तुतियाँ, सांस्कृतिक संध्या, आइज़ोल और उसके आसपास के स्थानीय आकर्षणों के दर्शनीय स्थलों की

यात्रा शामिल थी। इसमें बी2बी बैठक भी शामिल थी, जहां देश के विभिन्न क्षेत्रों के खरीदार पूर्वोत्तर क्षेत्र के विक्रेताओं के साथ आमने–सामने की बैठकों में शामिल हुए।

साथ ही, संबंधित प्रतिभागी राज्यों के पर्यटन उत्पादों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें सुंदर हस्तशिल्प और हथकरघा का प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन में मिजोरम के युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया जो क्लब में शामिल हुए और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जो मिजोरम में पहली बार आयोजित किया गया था। इस मार्ट के पिछले संस्करणों का आयोजन गुवाहाटी, तवांग, शिलांग, गंगटोक, अगरतला, इम्फाल और कोहिमा में किया जा चुका है।

14-1-3 n[kk viuk n'k ofcukj%

भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय 'देखो अपना देश' की समग्र थीम के तहत वेबिनार की एक श्रृंखला की व्यवस्था कर रहा है। इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि पर्यटन क्षेत्र में पुनरुद्धार की अगुआई काफी हद तक घरेलू पर्यटन द्वारा की जाएगी, मंत्रालय घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

इन वेबिनारों का उद्देश्य भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देना है जिसमें कम ज्ञात गंतव्य और लोकप्रिय गंतव्य के कम ज्ञात पहलू शामिल हैं। वेबिनारों में पर्यटन स्थलों के अलावा, गंतव्यों की संस्कृति, विरासत, हस्तशिल्प और व्यंजन की झलक भी शामिल है। यह अपने देश के नागरिकों के सामने अनदेखे भारत को प्रस्तुत करने और उन्हें यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है।

मंत्रालय द्वारा सभी वेबिनारों की एक रिपॉजिटरी अनुरक्षित की जा रही है और पर्यटन मंत्रालय के अतुल्य भारत सोशल मीडिया हैंडल पर वेबिनारों के यूट्यूब लिंक उपलब्ध कराए गए हैं। वेबिनारों को यात्रा उद्योग के हितधारकों, छात्रों और आम

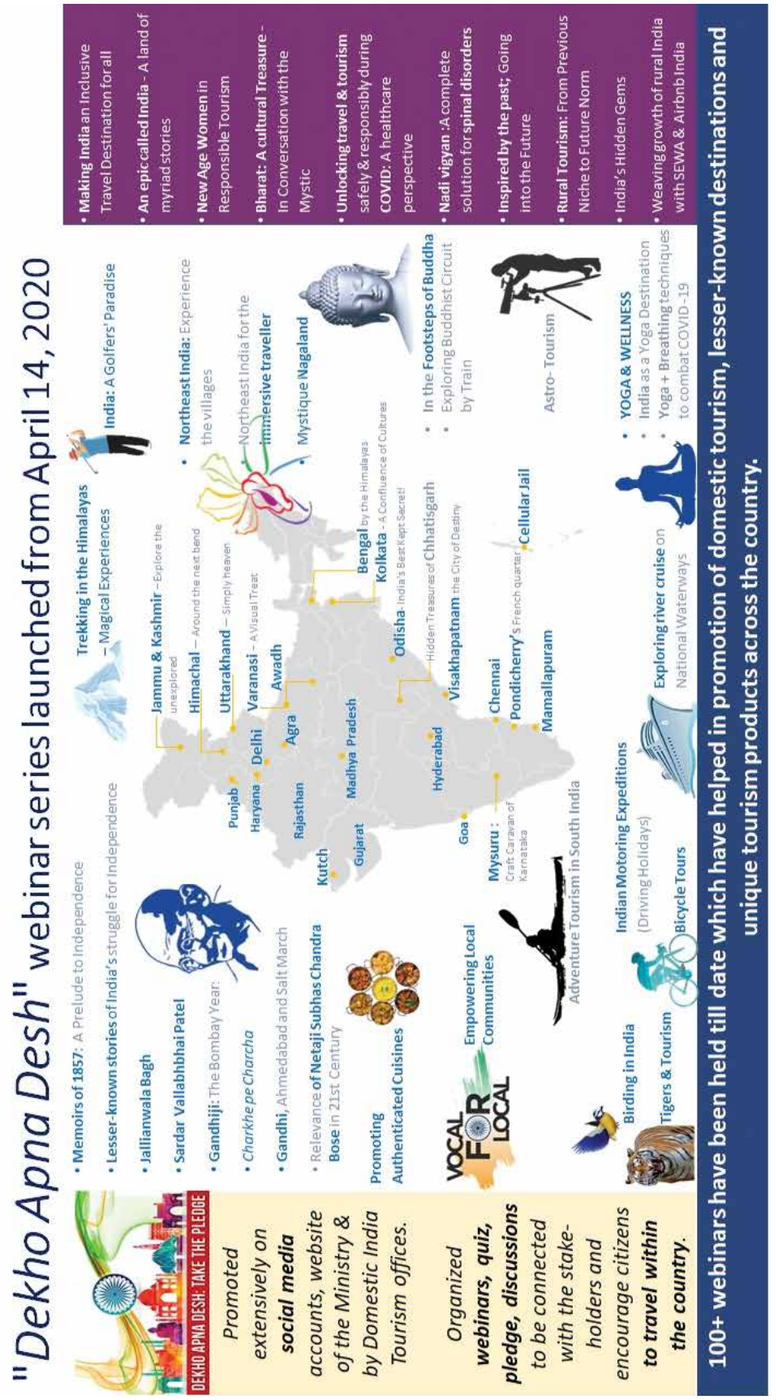

जनता सहित प्रतिभागियों द्वारा खूब सराहा गया है। वेबिनार 14 अप्रैल, 2020 को शुरू हुए और नवंबर 2022 के अंत तक कुल 165 वेबिनार आयोजित किए जा चुके हैं। वेबिनारों में भाग लेने वालों की कुल संख्या 368,556 + 107,084 (एलएमएस) से अधिक है और इनमें पूरी दुनिया के 60 से अधिक देशों के लोगों ने भाग लिया है।

14-1-4 ;ok i;Vu Dyc%

पर्यटन मंत्रालय ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के अंग के रूप में 'युवा पर्यटन क्लब' की स्थापना की पहल की है। युवा पर्यटन क्लब का विजन भारतीय पर्यटन के युवा दूतों का संवर्धन और विकास करना है जो भारत में पर्यटन की संभावनाओं से अवगत होंगे, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझेंगे और पर्यटन के लिए रुचि और जुनून विकसित करेंगे। ये युवा दूत भारत में पर्यटन को

बढ़ावा देने के उत्प्रेरक होंगे। उम्मीद है कि पर्यटन क्लबों में भागीदारी से जिम्मेदार पर्यटन की प्रथाओं को अपनाने और सतत पर्यटन के सरोकारों को बढ़ावा देने के अलावा टीम वर्क, प्रबंधन, नेतृत्व जैसे सॉफ्ट कौशलों का विकास भी सुगम होगा।

इन क्लबों के युवा सदस्यों को भारत की समृद्ध विविधता और इसके सभ्यतागत मूल्यों से रूबरू होने का मौका मिलेगा, इससे उनमें राष्ट्र के प्रति अपनेपन की भावना बढ़ेगी। दूसरी ओर, जब युवा पर्यटक दूत बनेंगे, तो भारत दुनिया का पसंदीदा पर्यटन स्थल बन जाएगा, जिसका हमारी अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

युवा पर्यटन क्लब शिक्षार्थियों को यात्रा और पर्यटन के महत्व को समझने, शिक्षार्थियों में पर्यटन और इसके महत्व के प्रति एक जुनून पैदा करने, शिक्षार्थियों को यात्रा के विभिन्न तत्वों के प्रति संवेदनशील बनाने, जिम्मेदार पर्यटन प्रथाओं को प्रोत्साहित करने, पढ़ाने और प्रचारित करने, खोजपूर्ण, साहसिक और खेल पर्यटन के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में भी सक्षम बनाएगा और प्रारंभिक चरण में पर्यटन के अवसरों के बारे में जागरूकता फैलाएगा और शिक्षार्थियों को आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र में कुशल पेशेवर और उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

देश भर के सभी स्कूलों की छठी से बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए 27 सितंबर से 11 अक्टूबर 2022 तक ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) माइंड वॉर्स के सहयोग से "भारत का पर्यटन" पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में देश भर से 20,000 छात्रों ने भाग लिया।

Hkkjr i;Vu dk;ky;k }kjk xfrfofèk;k %

1- 30 flrcj l 2 vDVcj 2022 rd N=ifr f'kokth egkjkt okLr lxgky;] ecÃ e i;Vu io

आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह के हिस्से के रूप में, पर्यटन मंत्रालय ने 30 सितंबर से 2 अक्टूबर 2022 तक छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय, मुंबई में 'पर्यटन पर्व, 2022' (पर्यटन महोत्सव) का आयोजन किया। माननीय पर्यटन राज्य मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाइक द्वारा श्री दीपक केसरकर, शिक्षा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और मराठी भाषा मंत्री, महाराष्ट्र सरकार और श्री मंगल प्रभात लोढ़ा, पर्यटन मंत्री, महाराष्ट्र सरकार

की उपस्थिति में पर्यटन पर्व का उद्घाटन किया गया। श्री राजीव जलोटा, अध्यक्ष, मुंबई पत्तन प्राधिकरण और श्री ज्ञान भूषण, आर्थिक सलाहकार, पर्यटन मंत्रालय ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में मुंबई में डिप्लोमैटिक कोर के सदस्यों, पर्यटन उद्योग के हितधारकों, युवा पर्यटन क्लब के सदस्यों और छात्रों और आम जनता ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। पर्यटन पर्व में शिल्प बाजार पश्चिमी और मध्य क्षेत्र के छह राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की विभिन्न कलाओं, शिल्पों, वस्त्रों का प्रदर्शन कर रहा है। 'पश्चिम–मध्य मिलाप' के समग्र बैनर के तहत पर्यटन पर्व में पश्चिमी और मध्य क्षेत्र के 4 केंद्रीय आईएचएम अर्थात आईएचएम मुंबई, गोवा, भोपाल और अहमदाबाद भाग ले रहे हैं, जो क्षेत्र के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन कर रहे हैं, आतिथ्य छात्रों के लिए प्रतियोगिताओं और पोषण पर बातचीत का आयोजन कर रहे हैं।

गुजरात, तमिलनाडु, जम्मू और कश्मीर, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश नामक राज्यों के राज्य पर्यटन बोर्डों ने पर्यटन पर्व, मुंबई में भाग लिया और अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इन स्टालों को आगंतुकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। आयुष मंत्रालय ने पर्यटन पर्व, मुंबई में भाग लिया और आयुर्वेद को प्रदर्शित किया। सशस्त्र बलों में युवाओं की भर्ती के लिए 'अग्निपथ' योजना, जिसे सशस्त्र बलों की युवा प्रोफाइल को सक्षम करने के लिए डिजाइन किया गया है, को पर्यटन पर्व मुंबई में प्रदर्शित किया गया।

6 एयरमेन चयन केंद्र, कॉटनग्रीन, मुंबई द्वारा स्थापित और प्रबंधित स्टॉल ने पर्यटन पर्व पर आने वाले युवाओं का ध्यान आकर्षित किया। 'पश्चिम–मध्य मिलाप' के समग्र बैनर के तहत पर्यटन पर्व में पश्चिमी और मध्य क्षेत्र के 4 केंद्रीय आईएचएम अर्थात आईएचएम मुंबई, गोवा, भोपाल और अहमदाबाद भाग ले रहे हैं, जो क्षेत्र के विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन कर रहे हैं, आतिथ्य छात्रों के लिए प्रतियोगिताओं और पोषण पर बातचीत का आयोजन कर रहे हैं।

2- 28 vkj 29 eÃ 2022 dk Lon'kh xkeh.k lenk; d fy, ecÃ n'ku ;k=k

पर्यटन मंत्रालय, पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय, मुंबई ने आनंद फाउंडेशन के सहयोग से 28 और 29 मई 2022 को महाराष्ट्र के मेलघाट क्षेत्र के स्वदेशी ग्रामीण समुदाय (आदिवासियों) के लिए दो दिवसीय मुंबई दर्शन यात्रा का आयोजन किया।

इसका उद्देश्य क्षेत्रीय स्तर के गाइड के माध्यम से मुंबई में भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक स्थानों से परिचित कराने और भारत की स्वतंत्रता की कहानी बताने के अलावा समाज के हाशिए पर पड़े वर्ग को यात्रा की दुनिया दिखाना था।

पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय मुंबई, पर्यटन मंत्रालय ने इस दौरे का समर्थन किया था। यह पहल 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत है। आजादी के विषय पर जोर देने के लिए भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा को दर्शनीय स्थलों के यात्रा कार्यक्रम में शामिल किया गया था। इस दौरे के दौरान आगंतुकों ने मणि भवन, गेटवे ऑफ इंडिया, अगस्त क्रांति मैदान, खिलाफत हाउस, सरदार भवन और गिरगांव चौपाटी जैसे प्रमुख स्थानों का दौरा किया जो मुंबई और स्वतंत्रता में इसके योगदान को उजागर करते हैं।

3- xkok e LFkkuk ij vrjk"Vh; ;kx fnol lekjkg

l dFkMy vkYM xkok ¼xkok d pp vkj d,UoV½

आठवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सेंट फ्रांसिस जेवियर, से कैथेड्रल ओल्ड गोवा (गोवा के चर्च और कॉन्वेंट) के प्रतिष्ठित लार्गो में मनाया गया। इस कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों के 800 से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया था।

भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित योग के सामूहिक प्रदर्शन कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय पर्यटन, बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री श्रीपाद नाइक ने किया। वैश्विक मंच पर भारत की समृद्ध सुंदरता, स्थलाकृति, भूगोल और वास्तुकला को प्रदर्शित करने और अतुल्य भारत की ब्रांडिंग करने के लिए, भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 मनाने के लिए देश भर में 75 प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों की पहचान की है।

गोवा के चर्च और कॉन्वेंट और से कैथेड्रल न केवल गोवा में बल्कि देश में भी सबसे अधिक विजिट किए जाने वाले स्मारकों में से एक हैं। ओल्ड गोवा के चर्च और कॉन्वेंट ऐसा परिसर है जिसमें ओल्ड गोवा के कुछ अन्य चर्चों के साथ बोम जीसस और से कैथेड्रल के प्रसिद्ध समाधि मंडप हैं। गोवा के चर्च और कॉन्वेंट यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल हैं।

4- e|cÃ e| m|kx fgrèkkjdk| vkj vfèkdkfj;k| d| lkFk ekuuh; d|æh; i;|Vu e|=h dh ppk| cBd

15 मई 2022 को भारत पर्यटन कार्यालय, मुंबई ने सह्याद्री गेस्ट हाउस, मुंबई में माननीय पर्यटन, संस्कृति पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री और महानिदेशक (पर्यटन) की अध्यक्षता में आतिथ्य, पर्यटन हितधारकों, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), राष्ट्रीय आधुनिक कला बीथी (एनजीएमए), आईएचएम, मुंबई के अधिकारियों के लिए बातचीत का आयोजन किया। इस बैठक के

दौरान वित्त वर्ष 2021–22 में पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय द्वारा आयोजित समग्र गतिविधियों और 2022–23 में आगामी भावी गतिविधियों पर महानिदेशक (पर्यटन) द्वारा समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई।

5- i|.k] d|ofM;k vk|j e|cÃ e| ekuuh; j{kk vk|j i;|Vu jkT; e|=h Jh vt; Hkê d| lkFk i;|Vu fgrèkkjdk| dh ppk| cBd|

माननीय पर्यटन और रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट ने 3 जून, 6 अक्टूबर और 1 नवंबर 2022 को पुणे, केवडिया और मुंबई में यात्रा और आतिथ्य उद्योग के हितधारकों के साथ चर्चा बैठकें कीं। उक्त चर्चा बैठकें पश्चिमी और मध्य क्षेत्र के लिए पर्यटन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय भारत पर्यटन कार्यालय मुंबई द्वारा आयोजित की गई थी।

पुणे में आयोजित बैठक में पुणे निर्वाचन क्षेत्र से माननीय संसद सदस्य (लोक सभा) श्री गिरीश बापट ने भाग लिया।

मुंबई में, महाराष्ट्र सरकार में माननीय पर्यटन मंत्री श्री मंगल प्रभात लोढ़ा और महाराष्ट्र विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री राहुल नरवेकर ने बैठक में भाग लिया।

6- e|cÃ e| vkVh,e e| 13 flrcj l| 15 flrcj 22 rd Hkkxhnkjh vk;kftr dh xÃ FkhA

ओटीएम जो प्रमुख यात्रा प्रदर्शनियों में से एक है, का आयोजन 13 से 15 सितंबर 2022 तक मुंबई में किया गया था। प्रदर्शनी का उद्घाटन महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री श्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने किया। पर्यटन मंत्रालय ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और इसमें लद्दाख, तमिलनाडु, अंडमान, मिजोरम, महाराष्ट्र, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली आदि को शामिल करते हुए पूरे भारत से 20 सह प्रदर्शकों ने भाग लिया।

सभी सह प्रदर्शकों को मुफ्त में टेबल स्पेस प्रदान किया गया।

भारत पर्यटन मंडल उत्सव पोर्टल, आजादी का अमृत महोत्सव, युवा पर्यटन क्लब, स्वदेश दर्शन 2.0, ईबीएसबी और एकेएएम प्रतिष्ठित सप्ताह जैसी भारत सरकार की पहलों को उजागर कर रहा है। भारत पर्यटन मंडप का उद्घाटन भी महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री ने किया।

7- vrqY; Hkkjr ds igys vrjkZ"Vªh; Øwt lEesyu 2022 dk vk;kstu 14 eÃ vkSj 15 eÃ] 2022 dks eqcÃ esa fd;k x;kA

अतुल्य भारत के पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रूज सम्मेलन 2022 का आयोजन 14 मई और 15 मई, 2022 को मुंबई में किया गया। केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री जी किशन रेड्डी ने 15 मई को प्रतिभागियों को पर्यटन से संबंधित विभिन्न विषयों और चर्चाओं के बारे में बताया जिसमें रिवर क्रूजिंग और क्रूज पर्यटन की क्षमता शामिल थी। सफलता की कहानियां और गंतव्य विकास

दो दिवसीय सम्मेलन ने देश के क्रूज पर्यटन के क्षेत्र में प्रचुर व्यावसायिक अवसरों को प्रदर्शित किया, जिसका उद्देश्य पहले भारत को क्रूज यात्रियों के लिए एक वांछित गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करना, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को उजागर करना, नए गंतव्यों और आकर्षणों जैसे कि लाइटहाउस के निर्माण को बढ़ावा देना और और क्रूज पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए भारत की तैयारियों के बारे में जानकारी का प्रसार करना था।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने क्रूज उद्योग के व्यापारिक नेताओं और हितधारकों के साथ एक–एक करके बातचीत भी की। इस क्रूज सम्मेलन में केंद्रीय पर्यटन, बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री श्रीपद नाइक और महानिदेशक, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने भाग लिया और इसे संबोधित किया।

15

iokÙkj {k=] tEe ,o d'ehj vkj yík[k & fo'k"k cy

तनमर्ग – बारामूला – जम्मू और कश्मीर

vè;k;

15.

iokZÙkj {ks=] tEew ,oa d'ehj vkSj yík[k & fo'ks"k cy

15-1 iokZRrj {ks=

i. एमडीए के संशोधित दिशानिर्देश दिनांक 28 नवंबर 2020 के अनुसार, देश के अंदर संवर्धन की गतिविधियां संचालित करने के लिए पर्यटन सेवा प्रदाताओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जैसे कि घरेलू यात्रा मेलों / प्रदर्शनियों में भाग लेना; एडीटीओआई, एटीओएआई, एफएचआरएआई, आईएटीओ, एबीटीओ, आईसीपीबी, आईएचएचए, आईटीटीए, एचएआई, टीएएआई, टीएएफआई एवं फेथ सहित राष्ट्रीय पर्यटन एवं आतिथ्य संघों और देष में प्रतिष्ठित वाणिज्य, उद्योग एवं व्यापार संगठनों / संघों जैसे कि सीआईआई, फिक्की, एसोचैम, पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री, इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा तथा पर्यटन मंत्रालय द्वारा समय समय पर मान्यता प्राप्त अन्य व्यापार संघ द्वारा आयोजित पर्यटन संबद्ध सम्मेलनों / बैठकों / सेमिनारों में भाग लेना; केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकारों के पर्यटन मंत्रालयों द्वारा आयोजित सम्मेलनों / बैठकों / सेमिनारों में भाग लेना; देश के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित रोड शो में भाग लेना और डिजिटल संवर्धन ब्रोशर / लिफलेट का निर्माण सहित घरेलू बाजार में पर्यटन गंतव्यों एवं उत्पादों, टूर पैकेज का आनलाइन संवर्धन। इसके अलावा, देश के अंदर संवर्धनात्मक गतिविधियों को संचालित करने के लिए राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों पर्यटन विभागों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिसमें घरेलू यात्रा मेलों / प्रदर्शनियों में भाग लेना; डिजिटल संवर्धन ब्रोशर / लिफलेट का निर्माण सहित घरेलू बाजार में पर्यटन स्थलों एवं उत्पादों का आनलाइन संवर्धन तथा पर्यटन उत्पादों से परिचित कराने के लिए राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा की गई यात्रा शामिल हैं।

इसके अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र के किसी राज्य, जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख का दौरा करने के लिए एक अतिरिक्त टूर (उपर्युक्त तीन टूर के अलावा) अनुमत होगा। जहां तक पर्यटन सेवा प्रदाताओं को मान्यता प्रदान करने के लिए संशोधित दिशानिर्देशों का संबंध है, ग्रीन शूट्स / स्टार्टअप की मान्यता प्रदान करने तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र / संघ राज्य क्षेत्र जम्मू एवं कश्मीर / लद्दाख / अंडमान एवं निकोबार / लक्षद्वीप में प्रचालन करने वाले अनुभवी टूर ऑपरेटर / ट्रैवल एजेंट / टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर के लिए मान्यता प्रदान करने के मानदंडों में प्रदत्त पूंजी, वार्षिक टर्नओवर और कार्यालय स्थान के संदर्भ में छूट प्रदान की गई है।

15-2 lhfer {ks= ijfeV ¼ih,ih½ @ çfrcfU/kr {ks= ijfeV ¼vkj,ih½

देश के प्रतिबंधित / संरक्षित क्षेत्र में पर्यटकों को यात्रा का बेहतर एवं सुखद अनुभव प्रदान करने के लिए पर्यटन मंत्रालय गृह मंत्रालय के साथ नियमित रूप से समन्वय स्थापित करता है और इस मंत्रालय के प्रयासों के फलस्वरूप गृह मंत्रालय ने मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड राज्यों में 31 दिसंबर, 2022 तक पीएपी / आरएपी से छूट प्रदान की है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड राज्यों में और आगे 5 वर्ष की अवधि अर्थात् 31.12.2027 तक पीएपी/आरएपी से छूट देने संबंधी मामले को पहले ही गृह मंत्रालय के साथ उठाया जा चुका है।

हॉल ऑफ फेम, लेह

vè;k;

16

yfxd lekurk

जेंडर– जलकंदेश्वर मंदिर, वेल्लोर, तमिलनाडु

सत्यमेव जयते

vè;k;

16.

ykfxd lekurk

पर्यटन ऐसा सेवा उद्योग है, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं काम करती हैं। अतः लैंगिक सुग्राहीकरण और महिलाओं के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करना मंत्रालय के महत्वपूर्ण सरोकार हैं।

मंत्रालय यह सुनिश्चित करता है कि महिला पदाधिकारी उनके सक्षमता निर्माण के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेते रहे।

महिला एवं बाल विकास विभाग के दिशानिर्देशों तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विषय पर विशाखा एवं अन्य बनाम राजस्थान राज्य एवं अन्य के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 13 अगस्त, 1997 के निर्देशों के कार्यान्वयन में जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुपालन में, इस मंत्रालय ने 2003 में तत्कालीन सचिव (पर्यटन) के अनुमोदन से पर्यटन मंत्रालय में कार्यरत महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर विचार करने के लिए एक शिकायत समिति का गठन किया है। तत्कालीन अध्यक्ष / सदस्यों के स्थानांतरण आदि के कारण समय समय पर शिकायत समिति की संरचना में संशोधन किया जाता है।

सत्यमेव जयते

बाग–ए–बाहू – जम्मू, जम्मू और कश्मीर

हुसैन सागर – हैदराबाद, तेलंगाना

vè;k;

17

dY;k.kdkjh mik;

सतलुज नदी – रामपुर, शिमला, हिमाचल प्रदेश

vè;k;

17.

dY;k.kdkjh mik;

vuqlfpr tkfr @ vuqlfpr tutkfr çdks"B

मंत्रालय में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के लिए सम्पर्क अधिकारी उप सचिव / निदेशक स्तर का अधिकारी होता है जो कि मंत्रालय और इसके संबद्ध / अधीनस्थ कार्यालयों के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों के सेवा मामलों की शिकायतों पर कार्रवाई करते हैं। यह प्रकोष्ठ मुख्य रूप से आरक्षण नीति के संबंध में समय–समय पर जारी किए गए आदेशों की अनुपालन के लिए कार्य करता है।

vuqlfpr tkfr] vuqlfpr tutkfr vkj vU; fiNMk oxZ dh mEehnokjksa dh fy, vkj{k.k

मंत्रालय और इसके अधीनस्थ कार्यालयों में सभी भर्तियां सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए आरक्षण के आदेशों के अनुसार की जा रही हैं और तदनुसार आरक्षण रोस्टर अनुरक्षित किए जाते हैं। इस विषय पर संबंधित प्राधिकारियों को नियमित रूप से वार्षिक विवरणी भी भेजी जाती हैं।

fn0;kx tuksa dh fy, vkj{k.k

श्री अनुज गोयल बनाम भारत संघ एवं अन्य के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश और दिव्यांगजन अधिकारिता विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं. 34–16/2018–डीडी–III दिनांक 16 अगस्त, 2019 के तहत निदेश के अनुपालन में पर्यटन मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसरण में बेंचमार्क विकलांगताओं से ग्रसित व्यक्तियों के लिए यथा उपयुक्त समूह 'क', 'ख' एवं 'ग' के पदों के विभिन्न स्तर की पहचान की थी, जिन पर सीधी भर्ती की जाती है। उक्त सूचना मंत्रालय की वेबसाइट http://tourism.gov.in पर भी उपलब्ध है।

काली नदी, कारवार, कर्नाटक

vè;k;

18

l r d|r k

हेमास्कसा – महाराष्ट्र

सत्यमेव जयते

vè;k;

18.

l r dlrk

सतर्कता से संबंधित विभिन्न मामलों को देखने के लिए इस मंत्रालय में अलग से एक सतर्कता प्रकोष्ठ कार्य कर रहा है।

विशेष रूप से सार्वजनिक खरीद के मामले में निवारक सतर्कता की आवश्यकता पर बल देते हुए, कार्यालय से संबंधित सभी वस्तुओं जैसे कि लेखन सामग्री, फर्नीचर, कम्प्यूटर आदि की खरीद सरकार के जेम पोर्टल के माध्यम से की जाती है।

किसी विशेष पद पर 3 वर्ष की निरंतर सेवा वाले सभी कर्मचारियों के समयावर्ती स्थानांतरण को कड़ाई से लागू किया जाता है एवं निगरानी की जाती है। प्रोबिटी पोर्टल पर अद्यतित रिपोर्ट अपलोड की जा रही है।

यात्रा व्यवसाय सेवा प्रदाताओं को मान्यता तथा होटलों के वर्गीकरण के मामले में अधिकारियों और संबंधित आवेदकों के बीच सीधे आमना–सामना को कम करने के लिए ऑनलाइन अनुमोदन / वर्गीकरण प्रणाली प्रचालन में हैं तथा इसकी निगरानी की जा रही है।

किसी भी स्तर पर संवेदनशील जानकारी के प्रकटीकरण की संभावना को कम करने के लिए ई–ऑफिस प्रणाली का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है।

सत्यमेव जयते

vè;k;

19

foHkkxh;
y[kkdu
lxBu

vè;k;

19.

foHkkxh; y[kkdu lxBu

19-1 सचिव (पर्यटन) पर्यटन मंत्रालय के मुख्य लेखांकन प्राधिकारी हैं। वह अपने कार्यों का निवर्हन मंत्रालय के संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (जेएस एंड एफए) और मुख्य वित्तीय नियंत्रक की सहायता से एवं उनके माध्यम से करते हैं।

19-2 मुख्य वित्तीय नियंत्रक लेखांकन संगठन के प्रमुख हैं और प्रधान लेखा कार्यालय / वेतन एवं लेखा कार्यालय (पर्यटन) के माध्यम से मंत्रालय में पारदर्शी और प्रभावी वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करते हैं।

वित्त वर्ष 2022–23 के लिए पर्यटन मंत्रालय का बजटीय प्रावधान इस प्रकार है :

jkt Lo [kM	2400.00 करोड़
iwath [kM	0.00 करोड़
dy	2400.00 करोड़

पर्यटन मंत्रालय के विभागीय लेखा संगठन में प्रधान लेखा कार्यालय, एक वेतन एवं लेखा कार्यालय और आंतरिक लेखा परीक्षा विंग शामिल हैं।

19-2-1 çèkku y[kk dk;kZy;

नागर विभानन मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय का प्रधान लेखा कार्यालय एक ही है जो कि निम्नलिखित कार्य करता है :

महालेखा नियंत्रक द्वारा विहित रीति से और सिविल लेखा मैनुअल के प्रावधानों के अनुसार पर्यटन मंत्रालय के लेखा का समेकन करना।

मासिक और वार्षिक लेखा तैयार करना, महालेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय को केंद्रीय लेनदेन का विवरण और वित्तीय लेखाओं के लिए सामग्रियां प्रस्तुत करना।

लेखांकन में समग्र समन्वय और नियंत्रण को प्रभावी करने के लिए कार्यालय और लेखा महानियंत्रक कार्यालय के साथ आवश्यक संपर्क बनाए रखना विभिन्न एजेंट मंत्रालयों को अंतर–विभागीय प्राधिकार जारी करना

वेतन और लेखा संबंधी मामलों के लिए तकनीकी सलाह देना।

19-2-2 oru ,oa y[kk dk;kZy;

वेतन एवं लेखा कार्यालय निधियां जारी करने, व्यय नियंत्रण और प्राप्तियां एवं भुगतान के अन्य कार्यों द्वारा मंत्रालय की वित्तीय प्रबंधन की आवश्यकता को निम्नानुसार पूरा करता है :

(i) मंत्रालय के गैर चैक आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत किए गए बिलों की पूर्व जांच।

(ii) ''प्रत्यय पत्र'' जारी करके चेक आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निधियां प्राधिकृत करना। 19 अंतर्देशीय सीडीडीओ और 8 समुद्रपार सीडीडीओ हैं जो विभिन्न देशों में स्थित हैं।

(iii) अंतर्देशीय और साथ ही साथ विदेश स्थित कार्यालयों द्वारा भुगतान किए गए सभी वाउचर / भुगतान की पश्च जांच।

(iv) निष्पादन और कार्यान्वयन एजेंसियों सहित सांविधिक निकायों और राज्य स्तरीय एजेंसियों को ऋण / सहायता अनुदान का भुगतान जारी करना।

(v) मासिक व्यय, प्राप्तियों और भुगतान प्राधिकारों के आधार पर और सीडीडीओ के समाधानकृत लेखों को विधिवत शामिल करके मासिक लेखा का संकलन।

(vi) सामान्य भविष्य निधि खातों का रख–रखाव और नई पेंशन योजना के अंशदान को ट्रस्टी के बैंक में भेजना, अंतर्गामी और बहिर्गामी दावों का निपटान, सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को पेंशन, संराशीकरण, उपदान, छुट्टी नकदीकरण इत्यादि अधिकृत करना / भुगतान करना।

19-2-3 vkarfjd y[kk ijh{kk

नागर विमानन मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय का आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ एक ही है जिसमें चार सहायक लेखा अधिकारी और चार लेखाकार / वरिष्ठ लेखाकार के स्वीकृत पद हैं, जिसका नेतृत्व मुख्य वित्त नियंत्रक द्वारा किया जाता है।

आंतरिक लेखा परीक्षा संगठन का कार्य मुख्य रूप से यह जांच करना होता है कि व्यय नियंत्रण तंत्र बना हुआ है और उन प्राधिकारियों, जिन्हें ऐसी शक्तियां प्रदान की गई हैं, द्वारा वित्तीय शक्तियों का प्रयोग करते समय वित्तीय स्वत्व नियमावली का

पालन किया जा रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा विशिष्ट कार्यालय / एजेंसी द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजना की आवधिकता, बजट आवंटन और प्रकृति एवं दायरा के आधार पर वार्षिक लेखा परीक्षा कैलेंडर बनाता है।

वित्तीय अभिलेख में गलत कथन को दूर करने के लिए मंत्रालय के विभिन्न कार्यालयों के मूल अभिलेखों की नमूना जांच का प्रयोग करके आंतरिक लेखा परीक्षा संचालित की जाती है, ताकि उन्हें विश्वसनीय बनाया जा सके। इस प्रकार आंतरिक लेखा परीक्षा समग्र लेखांकन प्रबंध रूपरेखा को सुदृढ़ करती है।

फ़िलहाल, आंतरिक लेखा परीक्षा की अवधारणा और अभिविन्यास ज्यादातर जोखिम आधारित लेखा परीक्षा रही है ताकि बेहतर सरकारी व्यय, लोक जवाबदेही और प्रबंध में योगदान करने के लिए योजना की किफायत, दक्षता और कारगरता का आकलन किया जा सके। तदनुसार, निदशों और अपेक्षाओं के अनुसार मुख्यालय, क्षेत्रीय और विदेश स्थित कार्यालयों के अभिलेखों की आंतरिक लेखा परीक्षा की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय में कुल मिलाकर 57 लेखा परीक्षा योग्य यूनिटें हैं; जिनमें से 49 यूनिटें भारत में तथा 8 यूनिटें विदेश में स्थित हैं। 27 स्वायत्त निकाय और 30 सीडीडीओ / एनसीडीडीओ (05 आरडीआईटी, 15 आईटी अंतर्देशीय, 08 आईटी विदेश में, 01 पीएओ (पर्यटन) और 01 पर्यटन मंत्रालय (मुख्यालय)।

वर्ष के दौरान आईएचएम शिलांग, आईएचएम बैंगलोर, भारत पर्यटन कार्यालय, कोच्चि की आंतरिक लेखा परीक्षा और गोवा पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की स्कीम लेखा परीक्षा की गयी।

आंतरिक लेखा परीक्षा के लंबित पैरा की स्थिति निम्नवत है :

;kfuVksa dh la[;k	vkt dh rkjh[k rd yafcr iSjk
49	858

19-3 Ã&xoua l dk fy, igy ¼

वित्त मंत्रालय और महालेखा नियंत्रक द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देश के अनुसार पर्यटन मंत्रालय के लेखांकन संगठन ने कार्यान्वयन एजेंसी के स्तर तक लेखांकन के कार्य में समग्र सुधार और पारदर्शिता के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के पूर्ण रोल आउट द्वारा भुगतान वितरण प्लेटफार्म का पूर्ण संचालन कर दिया है।

19-3-1 lkoZtfud foRrh; çcaèk ç.kkyh ¼ih,Q,e,l½

सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत जारी की गई निधियों पर नजर रखने के लिए एक ऑनलाइन वित्तीय प्रबंधन सूचना और निर्णय सहायता प्रणाली की स्थापना करने के उद्देश्य से कार्य करती है।

निधि के अंतरण हेतु केन्द्रीकृत और पूर्णतः क्रियाशील आईटी एप्लीकेशन होने के कारण पीएफएमएस समय से बजट जारी होने में सहायता प्रदान करने और अंतिम स्तर के लाभार्थियों तक निधियों के उपयोग की पूर्ण निगरानी करने की स्थिति में है।

वित्त मंत्रालय के निदेशों के अनुसार पीएफएमएस को पूरी तरह क्रियान्वित कर दिया गया है और पर्यटन मंत्रालय में यह प्रणाली पूरी तरह प्रचालन में है और इसके परिणामस्वरूप अनुदान प्राप्तकर्ता संस्थाओं / स्वायत्त निकायों इत्यादि सहित सभी संबंधितों को पीएफएमएस के माध्यम से निधि जारी की जा रहीं हैं। सभी हितधारकों द्वारा पीएफएमएस के ईएटी मॉड्यूल के क्रियान्वयन की कार्रवाई भी शुरू की गयी है।

19-3-2 Ã&fcy

वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में लेखा महानियंत्रक के कार्यालय में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) प्रभाग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक बिल (ई–बिल) प्रणाली विकसित की गई है। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने 46वें नागरिक लेखा दिवस के अवसर पर केंद्रीय बजट 2022–23 में घोषित ई–बिल प्रोसेसिंग सिस्टम का शुभारंभ किया। यह व्यापक पारदर्शिता लाने और भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए 'कारोबार करने की सहूलियत (ईओडीबी) और डिजिटल इंडिया इको–सिस्टम' का हिस्सा है। यह आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों को अपना दावा ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अनुमति देकर पारदर्शिता, दक्षता और फेसलेस–पेपरलेस भुगतान प्रणाली को बढ़ाएगा, जो रीयल टाइम के आधार पर ट्रैक करने योग्य होगा। प्राप्त इलेक्ट्रॉनिक बिल को अधिकारियों द्वारा डिजिटल रूप से हर स्तर पर प्रोसेस किया जाएगा और अंत में, भुगतान विक्रेता के बैंक खाते में डिजिटल रूप से जमा किया जाएगा। विक्रेता/आपूर्तिकर्ता अपने बिलों की प्रोसेसिंग के स्टेटस को ऑनलाइन ट्रैक करने में सक्षम होंगे। बिलों की प्रोसेसिंग फर्स्ट–इन–फर्स्ट–आउट (फीफो) पद्धति से की जाएगी।

19-3-3 Ã&ihihvks

यह ई–पीपीओ प्रणाली पेंशनरों को भुगतान की व्यवस्था के लिए सीपीएओ से बैंकों के सीपीपीसी को ऑनलाइन डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित प्राधिकार भेजने के लिए

विकसित की गई है। वर्तमान में, इस परियोजना के तहत सीपीएओ से 23 बैंकों (29 में से) को डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित संशोधन प्राधिकार भेजे जा रहे हैं। शेष 6 बैंक इस परियोजना के अंतर्गत आने की प्रक्रिया में हैं। डिजी लॉकर के साथ इलेक्ट्रॉनिक पेंशन भुगतान आदेश (ईपीपीओ) का एकीकरण भी पाइपलाइन में है। पीएओ से प्राप्त विशेष सील प्राधिकार के आधार पर पेंशनरों का डेटा बेस तैयार करने और फिर अपना विशेष सील प्राधिकार सृजित करने और आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित बैंकों के सीपीपीसी को इसे भेजने के लिए सीपीएओ जिम्मेदार है।

19-3-4 dæh; ukMy , tlh

केंद्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए) 500 करोड़ से अधिक वार्षिक परिव्यय वाली केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के वित्त पोषण के लिए केंद्रीय मंत्रालय/विभाग द्वारा नामित एक स्वायत्त निकाय है। वित्त पोषण के इस मॉडल को मॉडल–1 "ट्रेजरी सिंगल अकाउंट के माध्यम से कार्यान्वयन" के रूप में भी जाना जाता है। प्रत्येक सीएनए ई–कुबेर में प्रत्येक योजना के लिए आरबीआई में बैंक खाता खोलेगा। पर्यटन मंत्रालय के मामले में दो सीएनए हैं (i) आईटीडीए और (ii) एनसीएचएमटी। वित्त पोषण के इस मॉडल से धन की किसी पार्किंग के बगैर सरकारी धन का उपयोग किया जाएगा।

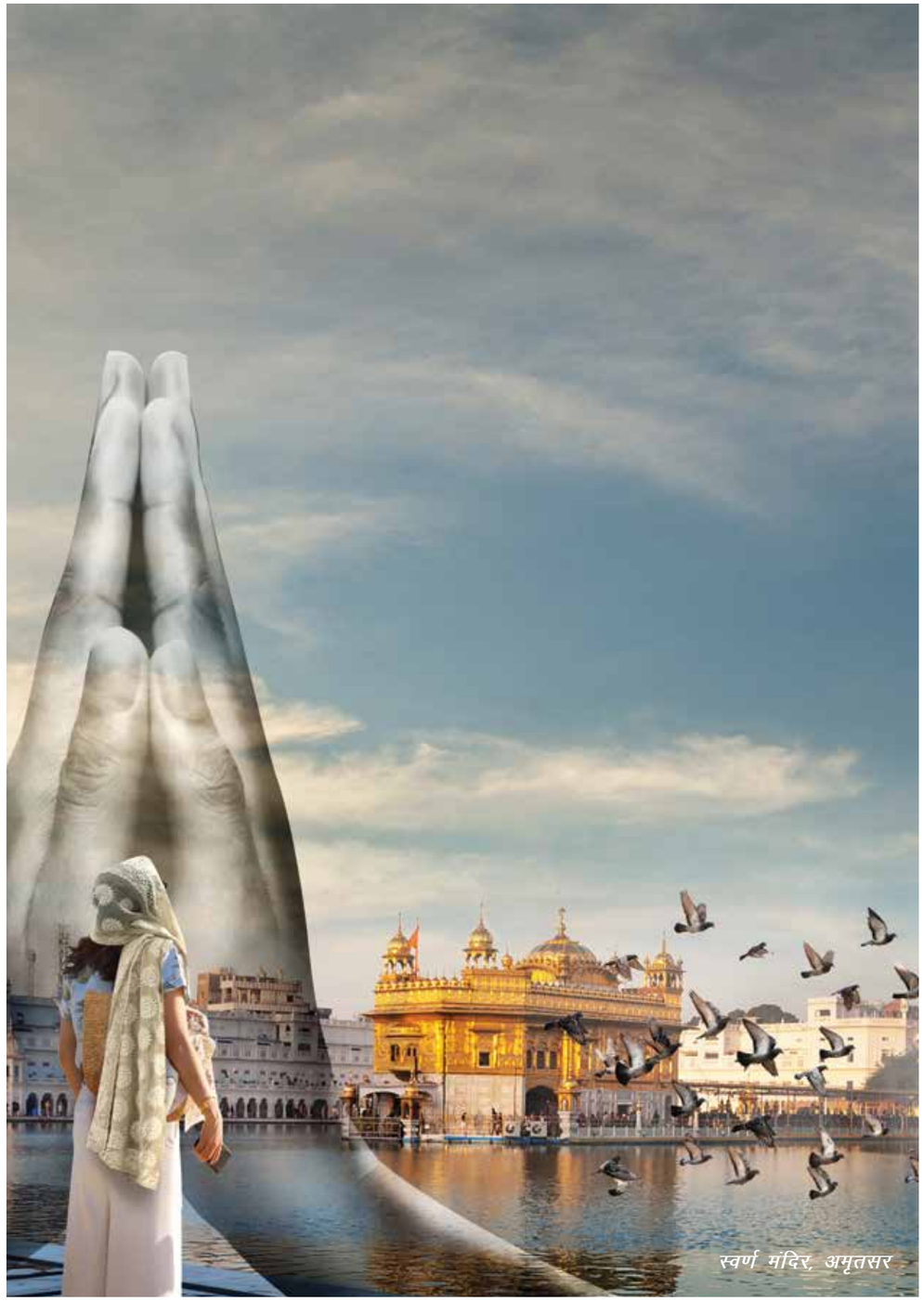

स्वर्ण मंदिर, अमृतसर

vè;k;

20

y[kk ijh{kk dh egRoi.kZ fVIif.k;k¡

चोवारा बीच – तिरुवनंतपुरम, केरल

vè;k;

20.

y[kk ijh{kk dh egRoi.k fVIif.k;k

लेखा परीक्षा पैरा निगरानी प्रणाली (ई–एपीएमएस) की महालेखा नियंत्रक रिपोर्ट के अनुसार, 31 दिसंबर, 2022 तक की स्थिति के अनुसार, पर्यटन मंत्रालय के विरुद्ध 3 (तीन) कैग पैरा लंबित हैं।

लोक लेखा समिति (पीएसी) का कोई पैरा लंबित नहीं है।

बीच, कदमत द्वीप, लक्षद्वीप

vè;k;

21

jk t Hkk"kk Çgnh dk çxkeh ç;kx

रामभर स्तूप – कुशीनगर, उत्तर प्रदेश

vè;k;

21.

jkt Hkk"kk Çgnh dk çxkeh ç;kx

21-1 jkt Hkk"kk Çgnh dk çxkeh ç;kx

संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर जारी किए गए आदेशों पर कार्रवाई करने के लिए पर्यटन मंत्रालय का हिन्दी अनुभाग राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हर संभव कार्रवाई करता है। इसके साथ–साथ हिन्दी अनुभाग मंत्रालय से संबंधित संपूर्ण अनुवाद कार्य भी देखता है।

jkt Hkk"kk foHkkx }kjk tkjh fd, x, okf"kd dk;Øe e fuèkkfjr y{;k dh çkIfr d fy, fd, tk jg mik; %

21-1-1 èkkjk 3 ¼3½ dk vuikyu

राजभाषा विभाग के निदेशों के अनुसार मंत्रालय और इसके संबद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालय में राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) एवं राजभाषा नियमावली के नियम 5 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है। अंग्रेजी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाता है। मंत्रालय का हिंदी में पत्राचार धीरे धीरे बढ़ रहा है और वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्रालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी फाइलों पर हिंदी में अधिकाधिक नोटिंग कर रहे हैं।

21-2 lfefr;k

i. राजभाषा कार्यान्वयन समिति : मंत्रालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) का गठन किया गया है और इसकी तिमाही बैठकें नियमित आधार पर आयोजित की जाती हैं। इन बैठकों में मंत्रालय में हिन्दी में किए जा गए कार्य की अनुभागवार समीक्षा

की जाती है। मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ओएलआईसी की सभी 4 बैठकों का आयोजन किया गया।

ii. संसदीय राजभाषा समिति : वर्ष के दौरान मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग की जांच करने के लिए संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति ने मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों का निरीक्षण किया। मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों की निरीक्षण बैठकों के दौरान मंत्रालय के प्रतिनिधि के रूप में वरिष्ठ आर्थिक सलाहाकर तथा हिन्दी अनुभाग के अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण बैठकों में समिति को दिए गए आश्वासनों की पूर्ति समिति द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार की जाती है।

21-3 fgUnh d ç;kx dk c<kok nu d fy, fo'k"k mik; %

21-3-1 çkRlkgu ;kstuk vkj udn ijLdkj %Çgnh e ljdkjh dkedkt dju d fy, jkt Hkk"kk foHkkx dh okf"kd çkRlkgu ;kstuk o"kZ 2022&23 d fy, e=ky; e ykxw gA

21-3-2 Çgnh fnol vkj Çgnh i[kokMk %पर्यटन मंत्रालय में 14 से 28 सितंबर, 2022 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर, माननीय गृह मंत्री का संदेश और माननीय पर्यटन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की अपील मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी की गई और हिंदी दिवस पर सचिव (पर्यटन) का संदेश ई–ऑफिस के नोटिस बोर्ड पर जारी किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान चित्र–अभिव्यक्ति एवं निबंध आदि सें संबंधित विषयों पर ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया और पुरस्कार जीते। इसके अलावा, राजभाषा विभाग द्वारा 14–15 सितंबर 2022 को सूरत में हिंदी दिवस और दूसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन मंत्रालय से सहायक निदेशक (राजभाषा) और एक कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने भाग लिया।

21-3-3 Çgnh dk;'kkyk,a %दैनिक कामकाज हिन्दी में करने के प्रति झिझक को दूर करने तथा उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

21-3-4 हिंदी में सरकारी कामकाज करने में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मदद करने के लिए ईमेल द्वारा उच्च अधिकारियों को दैनिक कार्य में प्रयुक्त वाक्यांश भेजे गए ताकि वे ई–आफिस में हिंदी में काम कर सकें। इसके अलावा, उन वाक्यांशों को ई–ऑफिस के नोटिस बोर्ड पर भी अपलोड किया गया है ताकि मंत्रालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उनका प्रयोग कर सकें। उन्हें हिंदी के लिए गूगल टूल्स के बारे में जानकारी भी प्रदान की गई है।

21-3-5 मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा कार्यालयों का निरीक्षण : राजभाषा विभाग द्वारा मंत्रालय / विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों के राजभाषा संबंधी निरीक्षण हेतु 25 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है। वर्श 2020–23 के दौरान कुल 59 अधीनस्थ कार्यालयों / संस्थानों में से तेरह का निरीक्षण किया गया।

21-4 fof'k"V dk;Z%

21-4-1 jkgqy lk—R;k;u i;Vu iqjLdkj ;kstuk% इस मंत्रालय में वर्ष 1989 से "राहुल सांकृत्यायन पर्यटन पुरस्कार" के नाम से एक योजना चलाई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत पर्यटन पर मूलतः हिन्दी में लिखी गई सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों को नकद पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं। वर्तमान में अनुभाग में वर्ष 2019–20 एवं 2020–21 के लिए प्राप्त पुस्तकों की मूल्यांकन प्रक्रिया चल रही है।

21-1-2 x`g if=dk **vrqY; Hkkjr** dk çdk'ku % हिन्दी सलाहकार समिति की 16 सितंबर, 2015 को हुई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसरण में, मंत्रालय द्वारा 'अतुल्य भारत' नामक त्रैमासिक गृह पत्रिका का तिमाही आधार पर नियमित रूप से प्रकाशन किया जा रहा है। पिछले एक वर्ष से 'अतुल्य भारत' ई–पत्रिका के रूप में वेबसाइट पर अपलोड है। अब तक इसके 25 संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं और 26वें संस्करण को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मैत्रेय बुद्ध – नुब्रा, जम्मू और कश्मीर

vè;k;

22

LoPN Hkkj r fe’ku

मोहन शक्ति हेरिटेज पार्क, हिमाचल प्रदेश

vè;k;

22.

LoPN Hkkjr fe'ku

LoPN Hkkjr fe'ku

"स्वच्छता" को पर्यटन के एक स्तंभ के रूप में माना जाता है क्योंकि लंबी अवधि में स्वच्छ पर्यटन स्थल अधिक टिकाऊ होते हैं जो पर्यटन तथा निवेश आकर्षित करते हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है तथा स्थानीय निवासियों में गर्व की भावना और पर्यटकों में संतुष्टि की भावना पैदा होती है। स्वच्छ भारत मिशन एक "राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम" है और इसे 2015 में लॉन्च किया गया था। पर्यटन मंत्रालय के पीएमयू–एसबीएम प्रभाग द्वारा स्वच्छता से संबंधित गतिविधियां और कार्यक्रम समर्पित रूप से आयोजित किए जाते हैं, जिसमें देश के भीतर पर्यटन के निरंतर विकास के लिए स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया गया। इस मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय और शैक्षणिक संस्थान स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में भागीदार हैं। कार्यान्वित कार्यक्रमों की सूची नीचे दी गई है : –

22-1 LoPNrk dk;Z ;kstuk ¼,l,ih½ & एसएपी के तहत देश भर में तीन प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम यानी पर्यटक जागरूकता कार्यक्रम, छात्र जागरूकता कार्यक्रम और पर्यटन हितधारक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पर्यटन मंत्रालय भारतीय पर्यटन और यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम), ग्वालियर, केंद्रीय होटल प्रबंध संस्थान (सीआईएचएम) के माध्यम से एसएपी के तहत उपर्युक्त श्रेणियों के कार्यक्रमों को कार्यान्वित कर रहा है। 2022 में पहली बार राज्य होटल प्रबंध संस्थान (एसआईएचएम) और फूड क्राफ्ट संस्थान (एफसीआई) के सहयोग से भी पर्यटक जागरूकता कार्यक्रम कार्यान्वित किया गया है। चालू वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, पर्यटन मंत्रालय ने इस देश के पर्यटकों, छात्रों और पर्यटन हितधारकों के बीच स्वच्छता के लिए जागरूकता पैदा करने के लिए एसएपी के तहत कुल 541 कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

परिणामस्वरूप, जागरूकता कार्यक्रमों का प्रभाव विशेष रूप से "प्लास्टिक उपयोग" के मामलों / स्थितियों में दिखाई देता है। इसके अलावा, शैक्षणिक संस्थानों, स्कूलों, विभिन्न प्रकार के निजी संगठनों ने सरकारी स्तर से पहल को स्वेच्छा से स्वीकार किया है कि प्लास्टिक

की वस्तुओं को यथासंभव प्रतिस्थापित करना समय की मांग है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पीने के पानी, हवा आदि के शुद्धिकरण के क्षेत्र में बदलाव सामने आया है।

स्वच्छता का एक बहुआयामी दृष्टिकोण है, इसलिए यह अवधारणा मानव जीवन और आजीविका के पहलुओं से जुड़ी हुई है। हाल ही में कोविड प्रोटोकॉल ने भी स्वच्छता की अवधारणा को मजबूत करने में योगदान दिया है। पर्यटन मंत्रालय में राष्ट्रीय स्तर का यह कार्यक्रम मुख्य रूप से एसएपी के अनुसार स्वच्छता के लिए जागरूकता की गतिविधियों को संचालित करने पर जोर देता है। स्वच्छता के लिए जन जागरूकता देश के पर्यटन के विकास के लिए एक आदर्श स्थिति होगी। इसमें व्यापक भागीदारी की आवश्यकता है, इसलिए पर्यटन मंत्रालय ने देश भर में युवा पर्यटन क्लब (वाईटीसी) का गठन करने की पहल की है। वाईटीसी अब राष्ट्रीय स्तर के इस मिशन में एनजीओ, नागरिक समूहों और क्लबों की तरह शामिल हो रहे हैं।

22-2 LoPNrk i[kokM+k ¼,lih½ & देश भर में सितंबर के महीने में हर साल स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा की गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इस वार्षिक कार्यक्रम की अवधि पन्द्रह दिन (16–30 सितम्बर) है। इस मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों (भारत पर्यटन कार्यालयों), आईटीडीसी, शैक्षणिक संस्थानों (आईआईटीटीएम, सीआईएचएम, एसआईएचएम, एफसीआई) और राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के पर्यटन विभागों ने देश भर में अपने–अपने स्थानों पर स्वच्छता की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया था। इस अवधि के दौरान कुल 375 गतिविधियां शुरू की गईं, जिनमें लगभग 23,823 लोगों ने भाग लिया।

यह देखा गया है कि विभिन्न आयु वर्ग के नागरिकों, पेशेवरों ने स्वाभाविक रूप से स्वच्छता पखवाड़ा मनाया है। स्वच्छता पखवाड़ा की तस्वीरें साक्ष्य के स्तर से ऊपर उठी हैं, वस्तुतः सतत प्रक्रिया या आदत के रूप में स्वच्छता का पालन करने के लिए और सुधार के लिए प्रेरणा देती हैं।

22-3 LoPNrk iqjLdkj & पर्यटन मंत्रालय अपने संबंधित क्षेत्र / क्षेत्राधिकार में पर्यटन स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के प्रयासों को पहचान प्रदान करता है। 2022 में "विश्व पर्यटन दिवस" के अवसर पर विजेता राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों ने "स्वच्छ पर्यटन स्थान" के लिए 2018–19 का पुरस्कार और "भारत में पर्यटन स्थल का सर्वश्रेष्ठ नागरिक प्रबंधन पुरस्कार" प्राप्त किया। 22 ¼flrEcj½ 2022 dks jk"Vªh; i;ZVu iqjLdkj lekjksg esa fuEufyf[kr iqjLdkj çnku fd, x, ½

Ø- l-	ijLdkjk dh Jf.k;k	{k= @ J.kh	fotrk ¼LFkku @ jkT;½
I.	LoPN i;Vu LFkku ijLdkj	पश्चिमी क्षेत्र	उज्जैन सिटी, मध्य प्रदेश सरकार, पर्यटन विभाग
		उत्तरी क्षेत्र	हवा महल, राजस्थान सरकार पुरातत्व और संग्रहालय, जयपुर
II.	Hkkjr e i;Vd xr0; dk loJ"B ukxfjd çcèku	श्रेणी – क (शहर)	इंदौर शहर, मध्य प्रदेश सरकार, पर्यटन विभाग
		श्रेणी – ख (कस्बा)	पंचगनी हिल स्टेशन नगर परिषद, महाराष्ट्र
		श्रेणी – ग (गांव)	कलंगुट पंचायत, गोवा पर्यटन विकास निगम लिमिटेड

LoPNrk i[kokM dh rLohj & 16 flrcj] 2022

परिवहन भवन, 1, संसद मार्ग, नई दिल्ली में
प्रदर्शित स्वच्छता शपथ और बैनर

चंद्रलोक बिल्डिंग, 36, जनपथ, नई दिल्ली में
प्रदर्शित स्वच्छता शपथ और बैनर

आईएचएम मुंबई ने दादर बीच पर स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।

भारत पर्यटन कार्यालय चेन्नई द्वारा बृहदेश्वर मंदिर,
तंजावुर में जागरूकता और सफाई अभियान चलाया गया।

आईएचएम शिलांग ने स्वच्छ भारत मिशन, जल संरक्षण का महत्व,
एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर अंकुश के विषय पर स्लोगन और
पोस्टर के साथ एक वॉकथॉन का आयोजन किया।

आईएचएम श्रीनगर ने आईएचएम श्रीनगर से न्यू जीरो ब्रिज (हेरिटेज ब्रिज)
तक सफाई / जागरूकता अभियान रैली का आयोजन किया।

2022 e LoPNrk dk;l ;ktuk ¼,l ,ih½ d rgr tkx:drk dk;Øe dh rLohj%

आईआईटीटीएम, ग्वालियर द्वारा मॉल रोड,
शिमला में पर्यटक जागरूकता की गतिविधि

एफसीआई नागांव द्वारा महामृत्युंजय मंदिर
में पर्यटक जागरूकता की गतिविधि

सीएचआईएम हाजीपुर द्वारा सेंट पॉल्स स्कूल,
पटना में छात्र जागरूकता की गतिविधि

एसआईएचएम कुरुक्षेत्र द्वारा ब्रह्म सरोवर, कुरुक्षेत्र
में पर्यटक जागरूकता की गतिविधि

सत्यमेव जयते

पर्यटन मंत्रालय
भारत सरकार

G20
2023 INDIA

75 Azadi Ka Amrit Mahotsav

अतुल्य!भारत
Incredible!ndia